राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 5 अंक 66

मूल्य ₹8.00, नई दिल्ली, रविवार, 15 अगस्त, 2021

www.jagran.com

हमारे साथ मनाएं स्वाधीनता का अमृत महोत्सव

सुंदर भविष्य की कामना स्वर्णिम अतीत की यादों को धुंधला नहीं कर सकती है। हमारा भविष्य उसी अतीत की बुनियाद से निकलता है जिसके खट्टे-मीठे अनुभव, गर्व-उत्साह और उल्लास से भर देने वाली यादें पीढ़ियों को हमेशा स्वाभिमान से संचरित करती रहती हैं। आज जब हम आजादी के 75वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं तो दुनिया के पटल पर भारत की अनुगूंज सर्वत्र सुनाई और दिखाई देने लगी है। हमारे स्वाभिमान के बूते मिली ये स्वाधीनता देश के स्वावलंबन का आधार बनी है। आज से पूरा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। यह मौका है अपने स्वर्णिम इतिहास को पढ़ने का पढ़ाने का, जानने का जनवाने का, समझने का समझाने का। तो आइए हमारे साथ साल भर आजादी के अमृत का रसपान करें। देश की आजादी से जुड़ी आपकी भी कोई कहानी हो, जो कालांतर में बिसार दी गई हो, वे अनसुने-अनकहे नायक जिनकी शौर्यगाथा इतिहास के पन्नों में जगह नहीं बना सकी, हमसे साझा करें। ऐसे ही तमाम नायकों और इतिहास की भूली-बिसरी बातों को साल भर आप तक पहुंचाकर दैनिक जागरण आजादी के मतवालों को सच्ची श्रद्धांजलि देने जा रहा है।

स्वाभिमान • स्वाधीनता • स्वावलंबन — आजादी का अमृत

विशेष पेज पर भारतीय इतिहास के उन पन्नों को पलटा जाएगा जिस ओर ध्यान कम गया था। उन संगठनों और संस्थाओं के योगदान के साथ-साथ उन आंदोलनों पर भी लेख होंगे जिन्होंने हमारे स्वाभिमान को जगाने का काम किया, जिससे स्वाधीनता की सोच मजबूत हुई।

विमर्श मनोरंजन की दुनिया में आजादी के स्वरों की पड़ताल की जाएगी। पुस्तकों की समीक्षा का स्तंभ उन किताबों पर केंद्रित होगा जिसमें स्वाभिमान, स्वाधीनता और स्वावलंबन के सुर होंगे। जिनके बारे में आज की पीढ़ी को जानना चाहिए।

सप्तरंग **पुनर्नवा:** साहित्य की दुनिया में किन रचनाओं ने, किन प्रवृत्तियों ने देश को स्वाधीन करने में मानस निर्माण का काम किया। किन रचनाओं ने देश की जनता में जोश भरा, उसकी रचना प्रक्रिया क्या थी। वो कौन सी परिस्थितियां थीं जिनमें साहित्य में भारतीयता का स्वर प्रबल होता था। उन स्थितियों को भी रेखांकित करेंगे हैं कि कैसे साहित्य में भारतीय बोध को या भारतीय विचार को आजादी के बाद हाशिए पर डालने का षड्यंत्र हुआ।

सप्तरंग **अंतस और अध्यात्म:** ऐसे विचारकों को पढ़ेंगे जिन्होंने सांस्कृतिक, धार्मिक और आध्यामिक चेतना जगाने का काम किया। हमारे पुरातन ग्रंथों में कहां और किस प्रसंग में स्वाधीनता का उल्लेख है, उस पर भी विशेष लेख होंगे।

स्वाभिमान • स्वाधीनता • स्वावलंबन — स्वाधीनता के नायक

उन पूर्वजों को याद करेंगे जिन्होंने प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से स्वाधीनता के आंदोलन में हिस्सा लिया। लेखों के माध्यम से उन नारियों के योगदान को रेखांकित करेंगे जिन्होंने स्वाधीनता और स्त्री सशक्तीकरण के लिए वातावरण निर्माण में अहम भूमिका का निर्वाह किया।

संपादकीय यहां उन शोध आधारित लेखों को जगह देंगे जिनसे स्वाधीनता आंदोलन को लेकर भ्रांतियों को दूर करने वाले तथ्य सामने आ सकें। जनता आजादी के नायकों के योदगान का अर्थ समझ सके।

अमृत महोत्सव से जुड़ी सामग्री को पढ़ने के लिए स्कैन करें

शुभकामनाएं

आजादी का अमृत महोत्सव हम सब को राष्ट्र के समग्र उत्थान के प्रति सजग-सक्रिय-सचेत करे और सर्वत्र सद्भाव एवं राष्ट्र गौरव की भावना का संचार हो, इस आकांक्षा के साथ 75वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं।

-प्रधान संपादक

मां अन्नपूर्णा बनकर शहर से गांव तक भोजन पहुंचाया

वाराणसी: काशी में मां अन्नपूर्णेश्वरी से अन्नदान लेकर बाबा विश्वनाथ अपनी नगरी का पालन-पोषण करते हैं। कोरोना काल में भी मां अन्नपूर्णा मंदिर की रसोई ने शहर से गांव तक जरूरतमंद लोगों को भोजन पहुंचाया। (पेज-6)

संसदीय प्रणाली में वाद, विवाद और संवाद अहम

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति ने सांसदों को याद दिलाई जिम्मेदारी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

75वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द ने देश को बधाई देने के साथ-साथ सांसदों को यह याद भी दिला दिया कि संसद लोकतंत्र का मंदिर है जहां वाद विवाद और संवाद के जरिये जनता का काम करना होता है। उन्होंने नए संसद भवन परिसर को देश की उन्नति से जोड़ते हुए कहा कि यह विरासत के प्रति सम्मान और समकालीन विश्व के साथ कदम मिलाकर चलने की कुशलता का प्रदर्शन करेगा।

राष्ट्र के नाम अपने लगभग 20 मिनट के संबोधन में राष्ट्रपति का यह वक्तव्य इसलिए अहम है क्योंकि दो दिन पहले ही काफी अवरोध और हंगामे के बाद मानसून सत्र स्थगित कर दिया गया था। कामकाज के लिहाज से इस सत्र का प्रदर्शन खराब रहा क्योंकि लोकसभा में महज 22 फीसद काम हो सका। राष्ट्रपति ने कहा कि जब हमें स्वतंत्रता मिली थी तो कई लोगों को आशंका थी कि यहां लोकतंत्र सफल होगा या नहीं। कई देशों के मुकाबले भारत में बिना भेदभाव वयस्कों को मताधिकार मिला और लोकतंत्र मजबूत हुआ। उन्होंने कहा 'हमारा लोकतंत्र संसदीय प्रणाली पर आधारित है। संसद लोकतंत्र का मंदिर है। यहां जनता की सेवा के लिए जनता से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे वाद, विवाद और संवाद के जरिये हल करने का मंच प्राप्त है।'

राष्ट्रपति ने इसके आगे तो कुछ नहीं कहा लेकिन परोक्ष रूप से यह राजनीतिक दलों और सांसदों के लिए संदेश माना जा रहा है। ध्यान रहे कि कुछ वर्षों पहले तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने भी इसी तरह याद दिलाया था कि संसद की गरिमा नहीं गिरनी चाहिए।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करते राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द। एएनआइ

पिछले कुछ वर्षों में हर स्तर पर महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ती जा रही है। राष्ट्रपति ने इसे शुभ बताते हुए टोक्यो ओलंपिक में महिला खिलाड़ियों के प्रदर्शन का जहां विशेष रूप से उल्लेख किया वहीं कहा कि वह प्रयोगशाला से लेकर खेत खलिहानों तक अपना जौहर दिखा रही हैं। बेटियों की सफलता में भविष्य के विकसित भारत की झलक दिखाई देती है।

राष्ट्रपति ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में कानून-व्यवस्था में विश्वास रखने वालों के साथ परामर्श की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। एक नव जागरण का किरण दिखाई दे रही है। उन्होंने अपील की कि जम्मू-कश्मीर की जनता और खासकर युवा अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए इसका लाभ उठाएं।

संबोधन के खास बिंदु

- बेटियों की सफलता में दिखता है भविष्य का भारत
- नया संसद भवन देश की विरासत के प्रति हमारे सम्मान का प्रतीक
- कोरोना से जंग में विज्ञानियों व सरकार की भूमिका सराहनीय
- जम्म-कश्मीर में दिख रही नवजागरण की किरण
- पर्यावरण संरक्षण से हर नागरिक को जुड़ना होगा

ठोस संकल्प के साथ कोविड से लड़ाई के लिए उन्होंने विज्ञानियों के परिश्रम और सरकार के प्रयासों की सराहना की और कहा कि स्वास्थ्य के साथ-साथ आर्थिक स्तर पर हुए परिणाम से निपटने की कोशिश हो रही है। विश्व का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है और उद्योगों को पैकेज दिए जा रहे हैं। गरीबों को मुफ्त अनाज दिया जा रहा है। देश के नागरिकों से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि सभी को सबसे पहले देश के बारे में सोचना चाहिए। उन्हें मेरा हर काम, देश के नाम की भावना से काम करना चाहिए। उन्होंने सभी से पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करने की भी अपील की। उल्लेखनीय है कुछ दिनों से वैश्विक स्तर पर बढ़ रहे तापमान और उसके खतरों को लेकर आगाह किया जा रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि हमें गांधीजी की संकल्पना के अनुसार प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर चलना होगा।

14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया जाएगा : मोदी

बड़ा फैसला ▸ पीएम ने खुद ट्वीट कर दी सरकार के निर्णय की जानकारी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

अब से हर साल स्वतंत्रता का उत्सव मनाने से पहले देश उस पीड़ा और विभीषिका को याद करेगा, जो विभाजन से पैदा हुआ था और संकल्प भी लेगा कि फिर से समाज में ऐसे बीज नहीं पनपने देगा। सरकार ने 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में मनाने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद ट्वीट कर इसकी जानकारी दी।

गृह मंत्रालय ने इसकी अधिसूचना तो जारी कर दी, लेकिन किसी कार्यक्रम की घोषणा नहीं की कि आखिर इसे मनाया कैसे जाएगा। बहरहाल यह माना जा रहा है कि यह दिवस हमारी नई पीढ़ी को भी इतिहास से अवगत कराएगा और प्रेरित करेगा कि समाज में ऐसी नफरत न पैदा होने दे। इतिहास के जरिये वर्तमान की उन ताकतों को भी बेनकाब और आगाह किया जाएगा जो अब भी अलगाववाद को बढ़ावा देते हैं। कुछ कट्टरपंथी हैं तो कुछ राजनीतिक स्वार्थ की खातिर ऐसी ताकतों का समर्थन करते हैं। कुछ राजनीतिक दलों की ओर से भी ऐसे लोगों को चुप रहकर या फिर सीधे समर्थन दिया जाता है, जो बंटवारे की बात करते हैं। ऐसी ताकतें देश के अंदर भी हैं और पड़ोस में भी जो आतंकवाद को बढ़ावा देती हैं। माना जा रहा है कि संभवतः अगले साल से यह स्मृति दिवस खासकर हमारी नई पीढ़ी को इन लोगों के प्रति सचेत करेगा।

संघर्ष और बलिदान की दिलाएगा याद : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने ट्वीट में कहा, 'देश के बंटवारे के दर्द को भुलाया नहीं जा सकता है। नफरत और हिंसा की वजह से हमारे लाखों भाइयों-बहनों को विस्थापित होना पड़ा। कई लोगों को जान गंवानी पड़ी। उन लोगों के संघर्ष और बलिदान की याद में 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के तौर पर मनाने का निर्णय लिया गया है। इस तरह के आयोजन से भविष्य में वही गलती दोहराने की आशंका नहीं रहेगी।'

- यह दिवस देश की नई पीढ़ी को भी इतिहास से अवगत कराएगा
- अलगाववाद को बढ़ावा देने वाली ताकतों को किया जाएगा बेनकाब

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। फाइल फोटो, एएनआइ

> यह स्मृति दिवस हमें भेदभाव, वैमनस्य और दुर्भावना के जहर को खत्म करने के लिए न केवल प्रेरित करेगा, बल्कि इससे एकता, सामाजिक सद्भाव और मानवीय संवेदनाएं भी मजबूत होंगी।
>
> - नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

स्मृतियों में आज भी कौंधता है विभीषिका का मंजर पेज>>2
भविष्य का भारत (संपादकीय) पेज>>8

विभाजन की मानसिकता पर प्रहार करेगा स्मृति दिवस

- यह स्मृति दिवस तत्कालीन राजनीति, विभाजन के जिम्मेदार लोगों और वर्तमान राजनीति में उसी मानसिकता पर प्रहार करेगा।
- वैश्विक स्तर पर इस तरह के आयोजन की परंपरा है। दासता और उसके खात्मे को याद करते हुए 23 अगस्त को अंतरराष्ट्रीय आयोजन किया जाता है।
- बांग्लादेश 25 मार्च को नरसंहार दिवस मनाता है, जब पाकिस्तान के हमले में वहां लाखों लोगों की जान चली गई थी।

गृहमंत्री शाह ने किया मोदी का अभिनंदन

गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट कर कहा, 'देश के विभाजन का घाव और अपनों को खोने के दुख को शब्दों में वर्णित नहीं किया जा सकता है। इस स्मृति दिवस को मनाने के संवेदनशील निर्णय पर मैं प्रधानमंत्री का अभिनंदन करता हूं।'

नड्डा ने दी इतिहास से सीखने की नसीहत

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने विभाजन से उत्पन्न परिस्थितियों और तुष्टीकरण की राजनीति की याद दिलाई। उन्होंने कहा, 'जो इतिहास से नहीं सीखते, उन्हें बार-बार कष्ट सहने के लिए मजबूर होना पड़ता है।'

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▸ पृष्ठ 3

20 आइटीबीपी जवानों को वीरता पुलिस पदक

नई दिल्ली: भारत-चीन के बीच स्थित वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की रक्षा में तैनात भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आइटीबीपी) के 20 जवानों को पिछले साल पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में दोनों देशों की सेनाओं के बीच गतिरोध और संघर्ष के दौरान बहादुरी प्रदर्शित करने के लिए वीरता पदक से सम्मानित किया गया है। ये पदक स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर विभिन्न केंद्रीय और राज्य पुलिस बलों के लिए केंद्र सरकार द्वारा घोषित कुल 1,380 सेवा पदकों में शामिल हैं।

राष्ट्रीय फलक ▸ पृष्ठ 5

कांग्रेस और राहुल गांधी के ट्विटर अकाउंट बहाल

नई दिल्ली: ट्विटर ने शनिवार को कांग्रेस और उसके अन्य नेताओं के साथ राहुल गांधी का अकाउंट बहाल कर दिया। कथित दुष्कर्म पीड़िता के परिवार की तस्वीरें साझा करने को लेकर ट्विटर और कांग्रेस के बीच जारी तनातनी के बीच इंटरनेट मीडिया कंपनी ने यह कदम उठाया है। ट्विटर अकाउंट बहाल किए जाने के बाद कांग्रेस ने पहला ट्वीट किया, सत्यमेव जयते। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली में दुष्कर्म पीड़िता के परिवार की तस्वीर ट्वीट करने के बाद राहुल गांधी और कांग्रेस के अकाउंट को पिछले सप्ताह अस्थायी रूप से ब्लाक कर दिया गया था। ट्विटर ने इसे अपने नियमों का उल्लंघन बताया था।

राम जन्मभूमि को दहलाने की साजिश नाकाम

जागरण संवाददाता, जम्मू

- जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जैश के माड्यूल को किया ध्वस्त, चार आतंकी गिरफ्तार
- जम्मू के अलावा पानीपत आयल रिफाइनरी भी थी आतंकियों के निशाने पर
- स्वतंत्रता दिवस पर वाहनों में आइईडी लगाकर बड़ी तबाही मचाने की थी साजिश

स्वतंत्रता दिवस पर अयोध्या में रामजन्म भूमि मंदिर, जम्मू और पानीपत में तेल रिफाइनरी सहित कई महत्वपूर्ण जगहों को दहलाने की बड़ी आतंकी साजिश को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने नाकाम बना दिया है। पुलिस ने इस साजिश में जुटे आतंकी संगठन जैश-ए-मुहम्मद के चार आतंकियों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार किए गए आतंकियों में एक आतंकी उत्तर प्रदेश के शामली का इजहार खान है। अन्य आतंकियों में मुंतजर मंजूर निवासी पुलवामा, तौसीफ अहमद शाह निवासी शोपियां और जहांगीर अहमद भट्ट निवासी पुलवामा शामिल हैं। इन चारों की गिरफ्तारी पिछले डेढ़ माह में एक के बाद एक करके हुई है। जम्मू-कश्मीर के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मुकेश सिंह ने भी आतंकियों के माड्यूल को ध्वस्त करने की पुष्टि की है। आधिकरिक सूत्रों के अनुसार, पकड़े गए आतंकियों को पंजाब के अमृतसर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान द्वारा ड्रोन से हथियार और गोलाबारूद गिराने के बाद उन्हें एकत्र करना था। इसके बाद देशभर में स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या या समारोह के दौरान वाहनों में आइईडी फिट कर धमाकों को अंजाम देना था, ताकि सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ा जा सके। इसके अलावा कुछ हथियार व गोलाबारूद को कश्मीर में जैश के आतंकियों तक पहुंचाए जाने थे।

जैश के आतंकी (बाएं से) तौसीफ अहमद, इजहार खान, मुंतजर मंजूर। सभी फोटो एएनआइ

इजहार को पाक में बैठे जैश कमांडर ने दिए थे निर्देश : उत्तर प्रदेश के आतंकी इजहार खान ने पुलिस को बताया कि पाकिस्तान में जैश कमांडर मुनाजिर ने उसे अमृतसर बार्डर से हथियारों की खेप को एकत्र करने का जिम्मा सौंपा था। जैश कमांडर ने पानीपत आयल रिफाइनरी की तस्वीरें और वीडियो भी भेजी थीं। इसके बाद अयोध्या में रामजन्म भूमि मंदिर पर भी हमले की योजना थी।

सबसे पहले मुंतजर की हुई थी गिरफ्तारी पेज>>5

काबुल से महज सात मील दूर तालिबान

काबुल, एपी : अफगानिस्तान में तालिबान ने शनिवार को लोगार प्रांत पर कब्जा कर लिया। आतंकी चार असीयाब जिले तक पहुंच गए हैं, जहां उनकी सरकारी सैनिकों के साथ लड़ाई चल रही है। यह क्षेत्र देश की राजधानी काबुल से महज 11 किलोमीटर (सात मील) दूर है। लोगार क्षेत्र की सांसद होदा अहमदी ने इसकी पुष्टि की है। लोगार की राजधानी पुल-ए-आलम पर तालिबान ने कब्जा कर लिया है, वह काबुल से 60 किमी की दूरी पर है। एक अन्य प्रांत पकतिका की राजधानी शराना पर भी तालिबान का कब्जा हो गया है। एएनआइ के अनुसार तालिबान ने शनिवार को कुनार प्रांत की राजधानी असदाबाद पर भी कब्जा कर लिया। इस प्रकार से 34 प्रांतीय राजधानियों में से 20 पर तालिबान का कब्जा हो गया है। इन्हें मिलाकर अफगानिस्तान का दो तिहाई क्षेत्र तालिबान के हाथ आ चुका है। राष्ट्रपति अशरफ गनी ने तालिबान से हिंसा रोककर वार्ता करने के लिए कहा है लेकिन खुद इस्तीफा देने का कोई संकेत नहीं दिया है।

एएनआइ के अनुसार तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्ला मुजाहिद ने कहा है कि लोगार प्रांत के गवर्नर अब्दुल कयूम रहीमी तालिबान के साथ आ गए हैं। इससे प्रांत पर पूरी तरह से कब्जा हो गया है। दक्षिण अफगानिस्तान के बड़े शहर मजार-ए-शरीफ पर कब्जे के लिए तालिबान के कई तरफ से हमला करने की खबर है। डरे-सहमे आम लोगों को अपने बचाव का कोई रास्ता दिखाई नहीं दे रहा। बाल्ख प्रांत के दिहदादी जिले में चल रही लड़ाई में अफगानिस्तान की वायुसेना के हवाई हमले में तालिबान के 60 लड़ाकों के मारे जाने की खबर है। देश के अन्य इलाकों में भी तालिबान और सरकारी सैनिकों की बीच भीषण लड़ाई चल रही है। रायटर के अनुसार भीषण लड़ाई के बीच कतर ने तालिबान से हिंसा रोकने की अपील की है। कतर ही वह देश है जिसने तालिबान का लगातार समर्थन किया है। तालिबान का राजनीतिक कार्यालय कतर की राजधानी दोहा में चल रहा है।

खौफ की दस्तक

- मजार-ए-शरीफ पर कब्जे के लिए भीषण लड़ाई छिड़ी
- कट्टरपंथी संगठन का 34 में से 20 प्रांतीय राजधानियों पर कब्जा

अमेरिकी सैनिक बने रह सकते अफगानिस्तान में

वाशिंगटन, रायटर : अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने शनिवार को अपने खास सहयोगियों के साथ अफगानिस्तान के हालात पर विचार-विमर्श किया। इसके बाद यह संकेत मिले हैं कि अमेरिका ने अफगानिस्तान से सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया कुछ दिनों के लिए स्थगित कर दी है। आने वाले दिनों में अमेरिका अफगानिस्तान में कुछ हजार सैनिक और भेज सकता है जो काबुल और अन्य शहरों को तालिबान के कब्जे में जाने से बचाने में अफगान सेना की मदद करेंगे। अमेरिकी दूतावासकर्मियों व नागरिकों को अफगानिस्तान से निकालने के लिए आने वाले तीन हजार सैनिकों में शामिल मरीन कमांडो का पहला दस्ता शुक्रवार को काबुल पहुंच गया। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता जान किर्बी ने कहा, तालिबान के भविष्य के कदमों पर निर्भर करेगा कि अमेरिकी सैनिक कब तक अफगानिस्तान में रहेंगे। माना जा रहा है कि तालिबान की आक्रामकता अगर कम नहीं हुई तो अमेरिका उसके खिलाफ सीधी कार्रवाई तेज कर सकता है।

गनी के इस्तीफे से कम पर राजी नहीं तालिबान पेज>>11

निषाद समेत 17 अति पिछड़ी जातियों को मिलेगा आरक्षण!

लखनऊ : 2022 के विस चुनाव से पहले भाजपा की केंद्र और राज्य सरकार निषाद की उपजातियों सहित 17 अति पिछड़ी जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे सकती है। शनिवार को दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात में निषाद पार्टी के अध्यक्ष डा. संजय निषाद और उनके पुत्र व सांसद प्रवीण निषाद को यह आश्वासन मिल चुका है। (पेज-4)

पीएम किसान सम्मान निधि की राशि हो सकती है दोगुनी

पटना: केंद्र सरकार किसानों को अब छह की जगह 12 हजार रुपये प्रति वर्ष देने पर विचार कर रही है। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मिलकर पटना लौटे बिहार के कृषि मंत्री अमरेंद्र प्रताप सिंह ने यह जानकारी दी। उनके अनुसार प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि शीघ्र ही दोगुनी होने वाली है। केंद्र की ओर से राशि बढ़ाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। (पेज-10)

पहल

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच की पहल पर स्वतंत्रता दिवस पर विशेष अभियान, देश के मुस्लिम बहुल इलाकों में बहेगी राष्ट्रवाद की धारा, सांप्रदायिक सद्भाव प्रगाढ़ करने की भी होगी कोशिश

दस हजार मुस्लिम मोहल्लो-मदरसों में लहराएगा तिरंगा

नेमिष हेमंत, नई दिल्ली

रविवार को स्वतंत्रता दिवस पर इस बार देश के अधिकतर मुस्लिम मोहल्ले, मदरसे और इदारे (संस्थाएं) देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत होंगे। ध्वजारोहण के साथ देशभक्ति की अलख जगाने वाले विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। राष्ट्रप्रेम हर दिल में धड़के, इसके लिए मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (एमआरएम) ने देशभर में 10 हजार से अधिक स्थानों पर इस तरह के कार्यक्रम की तैयारी की है।

विशेष बात कि इन कार्यक्रमों में उपस्थित लोगों को भारत को 'सोने की चिड़िया' की जगह 'सोने का शेर' बनाने का संकल्प दिलाया जाएगा, ताकि कोई भी दुश्मन मुल्क देश की तरफ आंख उठाकर देखने की हिम्मत न करे। इन कार्यक्रमों में मुस्लिम समुदाय के प्रबुद्ध लोगों के साथ समाजसेवी व धार्मिक लोगों की मौजूदगी भी रहेगी।

राष्ट्रीय पर्व 15 अगस्त और 26 जनवरी पर हर वर्ष एमआरएम द्वारा मुस्लिम बहुल इलाकों में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं। पर इस वर्ष इसे और व्यापक तौर पर मनाते हुए राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव को प्रगाढ़ करने की तैयारी है।

मुस्लिम समाज की ओर से की जाने वाली यह पहल देश में एकता और सौहार्द को बढ़ाने में मददगार साबित होगी। इसलिए इसकी सराहना की जा रही है।

अखंड भारत संकल्प दिवस मनाया

पाकिस्तान और चीन के कब्जे वाले भूभाग को फिर से वापस लेकर अखंड भारत के सपने को पूरा किया जा सके, इसके मद्देनजर शनिवार को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या को पूरे देश में अखंड भारत संकल्प दिवस के रूप में भी मनाया गया। इसमें संकल्प लिया गया कि हम खंडित भारत में पैदा जरूर हुए हैं, लेकिन मृत्यु अखंड भारत में ही होगी। इस दौरान चीन और पाकिस्तान के पुतले भी फूंके गए। पूर्वी दिल्ली के खोड़ा में आयोजित एक कार्यक्रम में एमआरएम के राष्ट्रीय संगठन संयोजक गिरीश जुयाल ने कहा कि खंडित भारत स्वीकार्य नहीं है, क्योंकि वह जिन्ना और नेहरू की गलत नीतियों के कारण हुआ। लाखों लोग बंटवारे की विभीषिका में मारे गए जो यहां से पाकिस्तान गए उन्हें आज तक नागरिकता नहीं मिली है। वह दोयम दर्जे की जिंदगी जीने को मजबूर हैं।

... ताकि उन्हें भी बराबरी का अहसास हो

गिरीश जुयाल ने बताया कि 15 अगस्त को ध्वजारोहण कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारियों से ऐसे लोगों से झंडा फहरवाने को कहा गया है, जो अपने आपको कमजोर समझते हैं। उन्हें सामने लाकर उनसे ध्वजारोहण कराया जाएगा, ताकि उन्हें भी बराबरी का अहसास हो। बता दें कि इसके पहले बकरीद पर गाय की कुर्बानी की जगह गो-दान के एमआरएम के अभियान को भी काफी सराहा गया था।

50 कोरोना के नए मरीज राजधानी में शनिवार को मिले, जबकि 39 ठीक हुए। पिछले 24 घंटे में कोरोना से एक मरीज की मौत हो गई।

मैं कह सकता हूं कि अगर कभी कुछ गलत हुआ तो इसका कारण यह नहीं होगा कि हमारा संविधान खराब था बल्कि इसका उपयोग करने वाला मनुष्य अधम था

बाबा साहब भीमराव आंबेडकर

भारतीय संविधान का ड्राफ्ट तैयार करने के लिए 29 अगस्त, 1947 को ड्राफ्टिंग कमेटी गठित की गई थी। अंतिम रूप से 26 जनवरी, 1950 को संविधान प्रभावी हुआ। 1976 में आपातकाल के दौरान संविधान में संशोधन किया गया और इसकी प्रस्तावना में 'समाजवादी' शब्द शामिल किया गया।

1929 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में पूर्ण स्वराज की मांग करते हुए 26 जनवरी को स्वतंत्रता दिवस के रूप में घोषित किया गया था। 1947 तक कांग्रेस ने लगातार हर साल 26 जनवरी को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया। बाद में 26 जनवरी, 1950 को संविधान के पूरी तरह से प्रभावी होने के बाद इस तारीख को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाने लगा।

स्वतंत्रता दिवस पर मुख्यमंत्री आज दिल्ली सचिवालय में फहराएंगे तिरंगा

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

इस बार भी छत्रसाल स्टेडियम में नहीं होगा कार्यक्रम का आयोजन

कोरोना महामारी को देखते हुए स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इस बार भी दिल्ली सचिवालय में ही ध्वजारोहण करेंगे। पिछली बार को छोड़ दें तो इससे पहले तक स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर छत्रसाल स्टेडियम में सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। पिछली बार कोरोना महामारी को देखते हुए ऐसा नहीं हो पाया था। दिल्ली के लोग आनलाइन मुख्यमंत्री का संबोधन देख और सुन सकेंगे। कार्यक्रम सुबह 11 बजे शुरू होगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री केजरीवाल इस मौके पर शहीदों को याद करने के साथ ही कोरोना योद्धाओं व नागरिक सुरक्षा, होम गार्ड व सिविल डिफेंस के लोगों को सम्मानित करेंगे। कोरोना संक्रमण के चलते शारीरिक दूरी का पालन करते हुए कार्यक्रम सीमित लोगों की उपस्थिति में होगा। इस बार भी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन नहीं होगा। कार्यक्रम के लिए दिल्ली सरकार के सभी मंत्रियों के अलावा दिल्ली के सभी 70 विधायकों, सात लोकसभा सदस्यों, तीन राज्य सभा सदस्यों को आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा दिल्ली के तीनों एमसीडी के मेयर, हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, वरिष्ठ आइएएस अधिकारी व दानिक्स अधिकारियों को भी निमंत्रण दिया गया है।

मुख्यमंत्री अधिकारियों को देंगे मेडल : इस मौके पर नागरिक सुरक्षा के कंपनी कमांडर प्रमोद कुमार गुप्ता, सीनियर चीफ वार्डन भूपेंद्र सिंह व डिविजनल वार्डन मोहन लाल को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक मुख्यमंत्री के हाथों दिया जाएगा। इनके अलावा होम गार्ड व सिविल डिफेंस कर्मियों को सराहनीय सेवाओं के लिए गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा पदक दिया जाएगा। इसमें होम गार्ड के इंस्ट्रक्टर वेद पाल सिंह व जूनियर इंस्ट्रक्टर पूर्णमासी, नागरिक सुरक्षा के फील्ड मैसेंजर गौरव कुमार, नागरिक सुरक्षा के सीनियर चीफ वार्डन अनिल कुमार माथुर, नागरिक सुरक्षा के जूनियर इंस्ट्रक्टर कृष्ण कुमार को यह पदक मुख्यमंत्री देंगे।

जमीन से आसमान तक रहेगा कड़ा पहरा

सुरक्षा चाक-चौबंद

- लालकिले के चारों तरफ की गई है पैरा मिलिट्री व पुलिस की तैनाती
- लालकिले जाने वाले सभी मार्ग कई किलोमीटर पहले किए गए बंद

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

75वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर देश की राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद है। रक्षा व गृह मंत्रालय की निगरानी में पुलिस ने पैरा मिलिट्री व सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर बेहद कड़े बंदोबस्त किए हैं। राजधानी को अभेद्य किले में तब्दील कर दिया गया है। सात लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री आवास से लेकर लालकिले तक सुरक्षा के इतने कड़े बंदोबस्त किए गए हैं कि कोई परिंदा भी पर नहीं मार सकेगा।

लालकिला व प्रधानमंत्री के रूट समेत पूरी दिल्ली में जगह-जगह पुलिस व पैरा मिलिट्री की तैनाती की गई है। सभी सीमाओं को सील करने के साथ ही जमीन से आसमान तक सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस का कड़ा पहरा है। अतिरिक्त जन संपर्क अधिकारी एसीपी अनिल मित्तल के मुताबिक सेना व पुलिस ने पूरी तरह कमान संभाल ली है। रात 10 बजे के बाद दिल्ली की सभी सीमाओं पर व्यावसायिक वाहनों के प्रवेश पर पाबंदी लगा दी गई। निजी वाहनों को सघन तलाशी के बाद ही प्रवेश की इजाजत है। सुरक्षा व्यवस्था में बीएसएफ, सीआरपीएफ, आइटीबीपी, एसएसबी, एनएसजी, एसपीजी, एयरफोर्स व पुलिस आदि को लगाया गया है। ड्रोन व अन्य तरीके से हमले की आशंका को देखते हुए लालकिला, आइएसबीटी, गीता कालोनी फ्लाई ओवर, सिविक सेंटर (निगम मुख्यालय) आदि 50 से अधिक ऊंची इमारतों की छतों पर एंटी एयरक्राफ्ट व एयर डिफेंस गन लगाए गए हैं। इन हथियारों के जरिये हवाई हमले को मिनटों में ध्वस्त किया जा सकेगा। शनिवार को सेना के हेलीकाप्टर से दिनभर लालकिले के आसपास सुरक्षा का जायजा लिया गया। सभी 15 जिले की पुलिस को पूरी तरह अलर्ट रहने के निर्देश हैं। रविवार तड़के तीन बजे से दिल्ली पुलिस के सभी आला अधिकारी अपने-अपने इलाके में गश्त पर होंगे।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार को नई दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद दिखी। इस दौरान विजय चौक पर मुस्तैद पुलिसकर्मियों ने वाहनों की जांच और तलाशी का अभियान चलाया। प्रेट्र

प्रमुख आयोजन स्थल लालकिला सहित आसपास के इलाके मध्य दिल्ली व नई दिल्ली में सुरक्षा के अतिरिक्त प्रबंध किए गए हैं। लालकिला के आसपास की सभी ऊंची बिल्डिंगों पर सुरक्षाकर्मी शनिवार दिन में ही तैनात कर दिए गए। वे उच्च क्षमता वाली दूरबीन से हर शख्स पर नजर रख रहे हैं। सर्विलांस टीम को भी अलर्ट कर दिया गया है। स्पेशल सेल इंटरसेप्शन के जरिये देश के बाहर और खासतौर पर पाकिस्तान व अफगानिस्तान से आने वाली हर काल पर नजर है। लालकिले के 10 किलोमीटर की परिधि में जगह-जगह मचान व मोर्चा बनाए गए हैं, जिसमें एलएमजी व एमपी जैसे आधुनिक हथियारों से लैस पैरा मिलिट्री के जवान पूरी तरह अलर्ट हैं। लालकिले के सामने स्थित मकानों में रहने वाले लोगों को हिदायत दी गई है कि वे अपने-अपने घरों के दरवाजे व खिड़कियां कार्यक्रम खत्म होने तक बंद रखें। पुलिस अधिकारियों व कर्मियों से कहा गया है कि वे लगातार सड़कों पर गश्त करते रहें और हर शख्स पर नजर रखें। जगह-जगह उच्च क्षमता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

न्यूज गैलरी

सुरक्षा कारणों से बड़े अस्पतालों में आज अलर्ट

नई दिल्ली : स्वतंत्रता दिवस समारोह के मद्देनजर 15 अगस्त को सुरक्षा कारणों से दिल्ली के बड़े अस्पतालों की इमरजेंसी सेवाओं को अलर्ट पर रखा गया है। इसके तहत सामान्य दिनों की तुलना में इमरजेंसी वार्ड में अधिक रेजिडेंट डाक्टर तैनात किए गए हैं। वहीं आपदा वार्ड को भी तैयार रखा गया है ताकि जरूरत पड़ने पर जल्द चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। लोकनायक अस्पताल प्रशासन का कहना है कि इमरजेंसी में 100 बेड का आपदा वार्ड खाली रखा गया है। इसके अलावा एम्स व आरएमएल अस्पताल में भी पूरी तैयारी रखी गई और एंबुलेंस भी तैनात की गई है। (राब्यू)

बंद सर्कस के जानवरों की स्थिति रिपोर्ट तलब

नई दिल्ली : बंद हो चुके सर्कस के जानवरों की स्थिति को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट ने भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (एडब्ल्यूबीआइ) को हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। पेटा (द पीपल फार एथिकल ट्रीटमेंट आफ एनिमल्स) इंडिया की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति विपिन सांघी और न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने एडब्ल्यूबीआइ से तीन सप्ताह के अंदर जवाब दाखिल करने को कहा। पीठ ने यह आदेश तब दिया जब पेटा की तरफ से बताया गया कि एडब्ल्यूबीआइ द्वारा पहले दाखिल किए गए हलफनामा में जानवरों की स्थिति के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी गई है। मामले की अगली सुनवाई 11 नवंबर को होगी। (जासं)

मदद के बाद भी नहीं बच सकी डा. गुप्ता की जान

नई दिल्ली : स्वास्थ्यकर्मियों की दुआओं व सरकार की ओर से मदद किए जाने के बाद भी डा. अमित गुप्ता की जान नहीं बच सकी। हैदराबाद के एक अस्पताल में शुक्रवार रात उन्होंने आखिरी सांस ली। रोहिणी निवासी डा. अमित नरेला स्थित सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र अस्पताल में कार्यरत थे। कोरोना संक्रमण से उबरने के बाद वह ब्लैक फंगस की चपेट में आ गए थे। बीते दिनों उन्हें फेफड़ा ट्रांसप्लांट किया गया था, तब से वह वेंटिलेटर पर थे। दिल्ली सरकार की ओर से उन्हें 83 लाख रुपये से ज्यादा की मदद की गई थी। (जासं)

यूरोप की तर्ज पर होगा पूरी दिल्ली की सड़कों का सुंदरीकरण : केजरीवाल

तत्परता ▸ मुख्यमंत्री ने चिराग दिल्ली से शेख सराय तक के सुंदरीकरण कार्य का किया निरीक्षण

कहा- पहले चरण में राजधानी की 540 किलोमीटर की सड़कों का किया जाएगा सुंदरीकरण

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

लाल बहादुर शास्त्री मार्ग पर सुंदरीकरण किए गए साइकिल पथ से गुजरता एक व्यक्ति। विपिन शर्मा

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को लाल बहादुर शास्त्री मार्ग (पुराना बीआरटी) पर चिराग दिल्ली से शेख सराय तक यूरोपीय शहरों की तर्ज पर विकसित की गई सड़क का निरीक्षण किया। इस मौके पर सीएम ने कहा कि यूरोप की तर्ज पर पूरी दिल्ली की सड़कों का सुंदरीकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजधानी की सड़कों को री-डिजाइन कर और सुंदर बनाया जा रहा है। इसमें जो-जो कमियां रह गई हैं, उसे जनता हमें बताए, ताकि आगे सुधार किया जा सके। इस दौरान दिल्ली के लोक निर्माण मंत्री सत्येंद्र जैन और विधायक सौरभ भारद्वाज समेत पीडब्ल्यूडी के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम लोग दिल्ली की 100 फीट चौड़ाई वाली 540 किलोमीटर सड़कों का पहले चरण में री-डिजाइन करेंगे और यूरोप की तरह सुंदर बनाएंगे। दिल्ली की 1280 किलोमीटर सड़कें दिल्ली सरकार के पीडब्ल्यूडी के पास हैं। चिराग दिल्ली से शेख सराय तक बनाई गई सड़क उसी दिशा पहला कदम है। यह लगभग 800 मीटर लंबा स्ट्रेच है, जिसे पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर बनाया गया है। बता दें कि केजरीवाल ने छह अप्रैल 2021 को नेहरू नगर के सैंपल स्ट्रेच का दौरा किया था और तब उन्होंने सड़कों को यूरोप की तरह विकसित करने की इच्छा जताई थी। इसके बाद इस स्ट्रेच का चुनाव किया गया था।

सड़क पर राष्ट्रवाद की झलक : चिराग दिल्ली से शेख सराय तक की 800 मीटर का यह स्ट्रेच आधुनिकता के साथ-साथ राष्ट्रवाद की झलक भी प्रस्तुत करता है। सड़क के किनारे लगीं स्वतंत्रता सेनानियों की मूर्तियां और धरोहरों की कलाकृतियां दिल्ली वालों को ऐतिहासिकता पर गर्व का अहसास कराती हैं। लोगों में राष्ट्रवाद के प्रति अलख जगाने के लिए सड़क के किनारे भगत सिंह और रानी लक्ष्मी बाई की दो-दो मूर्तियां लगाई गई हैं। इसके अलावा दो फव्वारे, एफओबी पर कलाकृति, 10 सैंड स्टोन बेंच, संगमरमर की बुद्ध प्रतिमा, स्टेट आफ आर्ट इन्फो बोर्ड, 10 इस्पात तत्व, सैंड स्टोन आर्ट का कार्य किया गया है। सड़क के एक तरफ साइकिल ट्रैक और फुटपाथ बनाया गया है। साथ ही, बड़ी संख्या में पौधारोपण किया गया है, ताकि धूल प्रदूषण न हो सके।

ऐसी बनाई जाएंगी दिल्ली की सड़कें

सड़कें एक जैसी दिखाई देंगी। सड़कों के किनारे हरियाली अधिक होगी, फुटपाथ को मोटर वाहनों से मुक्त किया जाएगा। इसके अलावा दिव्यांगों के लिए भी फुटपाथ पर सहूलियत होगी। सड़क पर कहीं भी बाटलनेक की स्थिति नहीं होगी। अभी सड़कें कहीं पर छह लेन से चार लेन की हो जाती हैं, जिससे जाम लगता है। सड़कों पर चौड़े फुटपाथ, साइकिल ट्रैक, पेड़-पौधे और आटो-रिक्शा के लिए वेटिंग स्पेस अलग से बनाया जाएगा।

नोएडा, ग्रेनो और यूपीसीडा से बाहर होंगे भ्रष्ट अफसर-बाबू

अजय जायसवाल, लखनऊ

चलेगा 'आपरेशन क्लीन'

- अनिवार्य सेवानिवृत्ति से बर्खास्तगी तक की होगी कार्रवाई
- बड़े पैमाने पर तबादलों से भी भ्रष्ट व्यवस्था के सुधरने की उम्मीद

भ्रष्टाचार पर जीरो टालरेंस का दावा करने वाली उप्र की योगी सरकार इस दिशा में एक और बड़ा कदम उठाने जा रही है। वर्षों से लंबित एक मामले में नोएडा प्राधिकरण पर सुप्रीम कोर्ट की तीखी टिप्पणी को गंभीरता से लेते हुए सरकार ने नोएडा और ग्रेटर नोएडा ही नहीं, बल्कि यमुना प्राधिकरण और उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) सहित सभी औद्योगिक विकास प्राधिकरणों में 'आपरेशन क्लीन' चलाने का फैसला किया है। भ्रष्ट अफसर और बाबुओं को चिह्नित कर उन्हें अनिवार्य सेवानिवृत्ति देने से लेकर बर्खास्तगी तक की कार्रवाई की जाएगी।

औद्योगिक विकास प्राधिकरण वर्षों से भ्रष्टाचार के अड्डे बने हुए हैं। नोएडा के मुख्य अभियंता रहे यादव सिंह ही नहीं, तमाम अधिकारी-कर्मचारी भ्रष्टाचार में लिप्त पाए जा चुके हैं। हाल ही में एक पुराने मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट के जज डीवाइ चंद्रचूड़ ने टिप्पणी की थी कि नोएडा प्राधिकरण के नाक, मुंह, कान से ही नहीं, बल्कि उसके चेहरे से भी भ्रष्टाचार टपक रहा है। बेशक, वह मामला पुराना हो, लेकिन भ्रष्टाचार पर जीरो टालरेंस की बात कहने वाली योगी सरकार ने इस टिप्पणी को बेहद गंभीरता से लिया है। हाल ही में हुई एक उच्चस्तरीय बैठक में निर्णय लिया गया है कि जिन अधिकारी-कर्मचारियों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं, उन्हें तत्काल बर्खास्त कर दिया जाए। इनमें दो अधिकारियों की सेवा समाप्त करने पर सहमति बन गई है। इनमें से एक नोएडा में और दूसरे यूपीसीडा कानपुर में बड़े पद रहे हैं।

लंबे समय से एक ही औद्योगिक विकास प्राधिकरण में जमे कई अधिकारी-कर्मचारियों के तबादले पहले किए गए थे। विधानमंडल के मानसून सत्र के बाद भ्रष्ट अफसरों-कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी की जाएगी। प्राधिकरणों के दागियों को अनिवार्य सेवानिवृत्ति और बर्खास्त तक किया जाएगा।

-सतीश महाना, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास मंत्री

50 वर्ष से अधिक उम्र के दागी या कामचोर अधिकारी-कर्मचारियों को स्क्रीनिंग कमेटी के माध्यम से अनिवार्य सेवानिवृत्ति देकर औद्योगिक विकास प्राधिकरणों से बाहर का रास्ता दिखाने की भी तैयारी में मौजूदा सरकार है। लंबे समय से एक ही प्राधिकरण में जमे और अफसरों-कर्मियों को भी इधर से उधर किया जाएगा। चूंकि, नोएडा प्राधिकरण की तुलना में अन्य प्राधिकरणों में पद कम हैं, इसलिए सभी का तबादला संभव नहीं है। ऐसे में उनके पटल बदल दिए जाएंगे।

जल्द मिलेगी बारापुला के लिए पीडब्ल्यूडी को किसानों की जमीन

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

वर्षों से अटकी बारापुला एलिवेटेड कारिडोर फेज-तीन परियोजना के दिन बदलने वाले हैं। अगले चार माह के अंदर इस परियोजना के लिए किसानों की जमीन मिलने की उम्मीद है। जमीन के अधिग्रहण की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इस जमीन के कारण परियोजना के एक भाग में सात साल बाद भी काम शुरू नहीं हो सका है। करीब साढ़े आठ एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया जाना है। विभाग की योजना है कि मानसून समाप्त होने पर किसानों से मिलने वाली जमीन पर काम शुरू कर दिया जाए।

बारापुला फेज-तीन परियोजना का 23 सितंबर 2014 को शिलान्यास हुआ था। इस काम को सितंबर 2017 में पूरा किया जाना था। मगर परियोजना के बीच की करीब साढ़े आठ एकड़ जमीन पर किसानों ने अपना दावा कर दिया था, जिससे यमुना खादर में काम रुका हुआ है। परियोजना के लिए जो जमीन चाहिए है, उसमें एक भाग के टुकड़े पर दो पिलर बनने हैं। इस जमीन के लिए राजस्व विभाग ने यमुना खादर में अगस्त 2019 में पैमाइश की थी। परियोजना के नक्शे और जमीन के रकबे का मिलान किया जा चुका है। परियोजना के तहत जिन दो टुकड़ों में किसानों की जमीन होने का दावा किया जा रहा था, उसमें एक टुकड़ा करीब एक सौ मीटर का है। यह भाग कागजों में पीडब्ल्यूडी को मिल चुका है। इसकी मौके पर किसानों को साथ लेकर हद निर्धारित की जानी है। जमीन मिलने के बाद परियोजना का काम पूरा करने में कम से कम डेढ़ साल और लगेगा।

क्या है योजना

बारापुला के तीसरे फेज में सराय काले खां से मयूर विहार तक एलिवेटेड कारिडोर का निर्माण किया जाना है। इसकी लंबाई साढ़े तीन किलोमीटर है। यह कारिडोर आठ लेन का है, जिसकी चौड़ाई 35 मीटर है। इसके तैयार होने पर मयूर विहार से एम्स तक साढ़े नौ किलोमीटर रोड सिग्नल फ्री हो जाएगी। कारिडोर का ढांचा बनाने का 90 फीसद से अधिक काम पूरा हो चुका है।

आबकारी नीति : बचे हुए 12 जोन की नीलामी का भी टेंडर हुआ जारी

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : दिल्ली सरकार ने शराब की दुकानों के लिए बनाए गए 32 जोन में से बचे हुए 12 जोन की नीलामी के लिए भी टेंडर जारी कर दिया है। इसके तहत 16 अगस्त तक इच्छुक लोग आवेदन जमा कर सकेंगे। ई-बोली जमा करने की प्रक्रिया 25 अगस्त से शुरू होगी जो दो सितंबर तक जारी रहेगी। इन जोन की बिक्री के लिए सरकार ने रिजर्व प्राइस को अभी सार्वजनिक नहीं किया है। मगर माना जा रहा है कि इन जोन की नीलामी से सरकार को चार हजार करोड़ से अधिक का राजस्व मिल सकता है। जिन जोन की नीलामी होनी है, उसमें जोन 2, 3, 9, 10, 11, 12, 14, 15, 16, 22, 25 और 28 शामिल हैं।

नई आबकारी नीति के तहत शराब बिक्री के लिए आवंटित किए जा रहे जोन से आबकारी राजस्व 10 हजार करोड़ के ऊपर पहुंचने की उम्मीद है। दिल्ली सरकार अभी तक कुल 32 में से 20 जोन का आवंटन कर करीब 5,300 करोड़ रुपये कमा चुकी है।

पिंक लाइन पर सुबह देर से चलेगी मेट्रो, रात में एक घंटा पहले होगी बंद

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

पिंक लाइन के त्रिलोकपुरी-मयूर विहार पाकेट एक कारिडोर पर सिग्नल सिस्टम को जोड़ने का काम होना है। इससे दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने पिंक लाइन पर मेट्रो के परिचालन के समय में थोड़ा बदलाव किया है। इसके तहत पिंक लाइन पर सुबह में मेट्रो का परिचालन आधा घंटा देर से शुरू होगा। वहीं रात में मेट्रो का परिचालन एक घंटा पहले बंद हो जाएगा। 16 अगस्त से रात से यह व्यवस्था लागू होगी। इसके बाद 25 दिन तक पिंक लाइन पर सुबह साढ़े छह बजे से रात 10 बजे तक ही मेट्रो का परिचालन होगा। 11 सितंबर से परिचालन सामान्य समय से शुरू होगा।

सामान्य तौर पर मेट्रो का परिचालन सुबह छह बजे शुरू हो जाता है और पिंक लाइन पर रात 11 बजे तक मेट्रो उपलब्ध होती है। हाल ही में इस मेट्रो लाइन पर त्रिलोकपुरी से मयूर विहार पाकेट एक के बीच नवनिर्मित कारिडोर पर मेट्रो का परिचालन शुरू हुआ है। इससे करीब 59 किलोमीटर लंबे इस कारिडोर के पूरे हिस्से पर शिव विहार से मजलिस पार्क तक मेट्रो सेवा उपलब्ध हो गई है। इसके पहले पिंक लाइन के अलग-अलग दो हिस्सों पर परिचालन हो रहा था। इस मेट्रो लाइन पर संचार आधारित ट्रेन कंट्रोल (सीबीटीसी) सिग्नल सिस्टम का इस्तेमाल किया गया है। इस मेट्रो लाइन पर चालक रहित मेट्रो का परिचालन होता है, लेकिन त्रिलोकपुरी-मयूर विहार पाकेट एक कारिडोर अभी सीबीटीसी सिग्नल सिस्टम से नहीं जुड़ पाया है। इससे पिंक लाइन के इस हिस्से पर अभी मैनुअल तरीके से मेट्रो का परिचालन करना पड़ता है। इससे मेट्रो की गति महज 25 किलोमीटर प्रति घंटे की होती है। लिहाजा त्रिलोकपुरी-मयूर विहार पाकेट एक कारिडोर को सिग्नल सिस्टम से जोड़ने का काम होगा। इससे पिंक लाइन पर दोनों तरफ से (मजलिस पार्क व शिव विहार) पहली मेट्रो सुबह साढ़े छह बजे चलेगी। इसी तरह दोनों तरफ से आखिरी मेट्रो रात में 10 बजे उपलब्ध होगी।

आनलाइन नहीं भर पा रहे फार्म तो अथारिटी में वने सुविधा सेवा केंद्र आएंगे काम

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : दिल्ली सरकार ने परिवहन विभाग की सभी अथारिटी (एमएलओ दफ्तर) का काम फेसलेस कर दिया है। इसके बावजूद यदि कोई व्यक्ति परिवहन विभाग के दफ्तर पहुंचता है, तो उसे निराश होकर नहीं लौटना पड़ेगा। दरअसल, दिल्ली सरकार ने सभी अथारिटी पर सुविधा सेवा केंद्र बनाने का निर्णय लिया है। यहां तैनात सहायक बहुत कम पैसे पर लोगों का आनलाइन आवेदन करा देगा। इस संबंध में परिवहन विभाग ने सार्वजनिक सूचना जारी कर दी है। इस कदम से साइबर कैफे मालिकों के शुल्क वसूलने की मनमानी पर भी रोक लग सकेगी। सरकार ने दूसरी सुविधा मोबाइल सहायक की दी है। इनके सहयोग से आवेदन भरवाने के लिए 50 रुपये के शुल्क का भुगतान करना होगा। इसके लिए 1076 नंबर पर काल करना होगा। सहायक घर आकर आनलाइन आवेदन करा देगा। वहीं फेसलेस से जुड़ी समस्याओं के समाधान को लेकर परिवहन विभाग ने तीन उपायुक्त नियुक्त किए हैं।

बंटवारे का दंश

स्वतंत्रता दिवस की खुशियों में भी टिसता है जख्म, आजादी का जिक्र होते ही 1947 और उसके बाद के वर्षों की घटनाएं आती हैं याद

स्मृतियों में आज भी कौंधता है विभीषिका का मंजर

नेमिष हेमंत, नई दिल्ली

बुजुर्ग सरोज आहूजा के लिए देश की आजादी का मतलब अलग है। यह हम लोगों जैसा नहीं है। उनकी आजादी में बंटवारे का दंश लिपटा हुआ है। इसलिए 15 अगस्त की स्वतंत्रता दिवस की खुशियों में जख्म भी टिसता है। आंखों में खुशी और गम दोनों के आंसू निकल आते हैं। उनका जन्म बंटवारे के साथ आई सबसे भयावह त्रासदी के बीच रास्ते में फगवाड़ा में हुआ था। अविभाजित पंजाब के लायलपुर (अब पाकिस्तान में) से जब उनके माता-पिता लाखों लोगों के साथ भारत आने के रास्ते में थे तब वह चारों ओर दर्द, चीखें और बदहवासी के बीच इस धरती पर आईं। वह आजादी की प्रतीक तो हैं, साथ ही बंटवारे का जीवंत गवाह भी। इसलिए जब उनसे आजादी का जिक्र किया जाता है तो वह सीधे 1947 और उसके बाद के वर्षों में पहुंच जाती हैं, क्योंकि वर्षों तक उनके आस-पास का माहौल ही ऐसा था, जहां आजादी की बातें कम जख्मों का जिक्र ज्यादा होता था। इसके साथ ही वह 74 साल में हर क्षेत्र में देश की तरक्की से खुश भी हैं।

सरोज आहूजा, पुत्र अश्वनी आहूजा और भारत आहूजा के साथ (दाएं)। सौजन्य : स्वयं

उनके पुत्र भारत आहूजा कहते हैं कि वह अमेरिका व ब्रिटेन जैसे देशों में नहीं गई हैं, इसलिए वह देश के विकास की तुलना बाकी मुल्कों से नहीं कर सकती हैं, लेकिन सब कुछ खोने के बाद जो पाया है, वह उससे खुश हैं। उसी निगाह से वह देश को भी देखती हैं।

पूर्वी दिल्ली के सूरजमल विहार स्थित घर में अपने दोनों बेटों के साथ रहतीं सरोज आहूजा बताती हैं कि उनके माता-पिता अविभाजित पंजाब के जिस गांव में रहते थे, वहां पर खबरें काफी देर से पहुंचती थीं। उसमें भी जब बंटवारे की खबर मिली तो उन्हें विश्वास ही नहीं हुआ कि ऐसा भी हो सकता है। वह लोग इसे मानने को तैयार नहीं थे, लेकिन जब हर तरफ मारकाट मच गई, आसपास के लोग घर छोड़कर भारत की ओर जाने लगे तो उनका परिवार भी चल पड़ा। उस समय सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं थी। पूरी की पूरी ट्रेनों के लोगों को मार दिया जा रहा था। इसलिए उनके माता-पिता पैदल ही भारत के लिए निकले। खुशकिस्मत हैं कि रास्ते में कई हमलों में बच गए, अन्यथा कई लोग मार दिए गए।

साथ आए एक लोग को तो हमले के बाद मरा समझकर हमलावर लाशों के बीच छोड़कर चले गए थे, लेकिन शरीर में कुछ हरकत हुई थी, जत्थे के लोगों ने उन्हें उठाया और साथ लाए। उनके गले पर कटे के निशान उनके कुछ साल पहले निधन तक थे।

उनका पूरा जीवन आजादी के हर दिन की गवाह है, जिसे उनकी कहानियों में किस्सागोई नहीं है, बल्कि हकीकत है, जो आसपास के लोग अक्सर सुनते रहते हैं और शरीर को थर्रा देने वाली स्थिति में ले चले जाते हैं। कैसे उनका अभावों और दुखों में दिल्ली और हरियाणा के रोहतक में उनका बचपन और किशोरावस्था गुजरी और शादी के बाद जब वह फिर दोबारा दिल्ली आईं तो उनके पास क्या था।

स्वतंत्रता दिवस पर डीयू को मिलेगी पेपर, स्टेशनरी से आजादी

संजीव कुमार मिश्र, नई दिल्ली

स्वतंत्रता दिवस को लेकर पूरा देश जश्न में डूबा हुआ है। गली, मोहल्ला या फिर शहर हर जगह लोग 'आजादी का अमृत महोत्सव' मना रहे हैं। ऐसे में 15 अगस्त के दिन दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) एक क्रांतिकारी बदलाव करने जा रहा है। दरअसल, इस दिन डीयू को पेपर और स्टेशनरी से आजादी मिलेगी। विश्वविद्यालय ने विभागों को ईमेल के जरिये पत्राचार करने के लिए बकायदा सर्कुलर जारी कर दिया है।

डीयू के सहायक कुलसचिव ने जो आदेश जारी किया है, उसमें कहा गया है कि संसाधनों का अपव्यय रोकने और पेपर-स्टेशनरी का प्रयोग कम से कम करने के मकसद से यह कदम उठाया जा रहा है। 15 अगस्त से सभी विभाग केंद्रीय खरीदारी, स्टोर संबंधी संचार के लिए पेपर, स्टेशनरी का प्रयोग बिल्कुल नहीं करेंगे। डीयू ने इसके लिए एक ईमेल जारी किया है, जिस पर खरीदारी या अन्य संचार किए जाएंगे।

हार्डकापी स्वीकार्य नहीं

डीयू ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि हार्डकापी कतई स्वीकार्य नहीं होगी। साथ ही व्यक्तिगत ईमेल की भी मनाही होगी। कहा गया है कि आधिकारिक ईमेल के जरिये संचार किया जाएगा। इससे पर्यावरण संरक्षण की भावना भी बलवती होगी। डीयू आगे कुछ दिनों में कई और कदम उठाएगा। कुलसचिव डा. विकास गुप्ता ने कहा कि यह सभी विभागों पर लागू होगा। इस बाबत विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए जा चुके हैं।

9.82 फीसद से 12.82 फीसद तक बढ़ोतरी की है नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने हवाई किराए की सीमा में। 40 मिनट से कम की उड़ान का न्यूनतम किराया 2,900 रुपये, जबकि अधिकतम 8,800 रुपये होगा।

आजादी @ 75

देश ने आजादी के 75वें वर्ष में प्रवेश कर लिया है। 74 साल पहले आजादी के समय हमारे पास पहाड़ सी चुनौतियां थीं और हमने उन चुनौतियों के बीच से समृद्धि का रास्ता बनाया। स्वतंत्रता, स्वाभिमान और स्वावलंबन के दम पर देश ने नई ऊंचाइयों को छुआ है। बुनियादी सुविधाओं के अकाल के उस काल से आज हम संपन्नता के सोपान पर हैं। पूरी दुनिया में हमारी मौजूदगी की धमक है। आत्मनिर्भर होता भारत फिर विश्व की अगुआई को तैयार है।

क्षेत्र	तब (1950–51)	अब (2020–21)
खाद्यान्न उत्पादन *(लाख टन)*	508	3,033.4
दुग्ध उत्पादन *(लाख टन)*	170	1,984
अंडे का उत्पादन *(लाख में)*	18,320	11,44,190
मछली उत्पादन *(हजार टन में)*	752	14,070
स्टील *(लाख टन में)*	10	1,020
सीमेंट *(लाख टन में)*	27	3,400
कोल व लिगनाइट *(लाख टन)*	323	7,730
कच्चा तेल *(लाख टन में)*	3	322
बिजली उत्पादन *(अरब यूनिट)*	6.6	1,598.5
निर्यात *(करोड़ रुपये में)*	606	22,19,854
आयात *(करोड़ रुपये में)*	608	33,60,954
जन्म दर *(प्रति हजार में)*	39.9	20

क्षेत्र	तब (1950–51)	अब (2020–21)
मृत्यु दर *(प्रति हजार में)*	27.4	6.2
जीवन प्रत्याशा *(जन्म के समय)*	32.1	69
रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिशनर्स *(आरएमपी)*	61,800	12,55,786
अनाज-प्रति व्यक्ति प्रतिदिन उपलब्ध *(ग्राम में)*	399.7	487.0
खाद्य तेल की प्रति व्यक्ति खपत *(किग्रा में)*	2.5	18.0
चीनी की प्रति व्यक्ति खपत *(किग्रा में)*	5.0	18.5
कपड़े की प्रति व्यक्ति खपत *(मीटर में)*	15.0	44.2
बिजली की प्रति व्यक्ति खपत *(किलोवाट में)*	2.4	1,208
सड़कें *(हजार किमी में)*	399.9	6,215
राष्ट्रीय राजमार्ग *(हजार किमी में)*	19.8	132.5
प्रांतीय राजमार्ग *(हजार किमी में)*	56.8	186.5
पंजीकृत वाहन *(हजार में)*	306	2,98,566

₹951 करोड़ तब
₹36 लाख करोड़ अब
विदेशी मुद्रा भंडार

₹10,401 करोड़ तब
₹194 लाख करोड़ अब
सकल घरेलू उत्पाद

₹5,708 तब
₹1,55,855 अब
प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद

> अतिरिक्त देशप्रेम के कारण कभी थोड़ी-बहुत अप्रिय स्थिति उत्पन्न हो सकती है, लेकिन इसके अच्छे नतीजे भी निकलते हैं
> **बाल गंगाधर तिलक**

जब भारत, ब्रिटेन से आजाद हुआ तो पुर्तगाल ने अपने संविधान में संशोधन करके गोवा को पुर्तगाली राज्य घोषित कर दिया। 19 दिसंबर, 1961 को भारतीय सेनाओं ने गोवा पर धावा बोला। आक्रमण के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका और ब्रिटेन के प्रस्ताव पर तत्कालीन सोवियत संघ ने वीटो किया था।

अविभाजित ब्रिटिश भारत के अंतिम वायसराय लार्ड माउंटबेटन पर भारत और पाकिस्तान की आजादी के बाद स्वतंत्रता समारोह में शिरकत करने का दबाव था। लिहाजा उन्होंने दोनों जगह उपस्थिति रहने के लिए पाकिस्तान की आजादी की तारीख 14 अगस्त निर्धारित कर दी। इसलिए पाकिस्तान का स्वतंत्रता दिवस एक दिन पहले 14 अगस्त को पड़ता है।

20 आइटीबीपी जवानों को वीरता पुलिस पदक

जेके पुलिस के सब-इंस्पेक्टर अमर दीप और सीआरपीएफ के हेड कांस्टेबल काले सुनील दत्तात्रेय (मरणोपरांत) को वीरता का राष्ट्रपति पुलिस पदक

केंद्रीय और राज्य पुलिस बलों के लिए केंद्र सरकार ने घोषित किए कुल 1,380 सेवा पदक

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत-चीन के बीच स्थित वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की रक्षा में तैनात भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आइटीबीपी) के 20 जवानों को पिछले साल पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में दोनों देशों की सेनाओं के बीच गतिरोध और संघर्ष के दौरान बहादुरी प्रदर्शित करने के लिए वीरता पदक से सम्मानित किया गया है। ये पदक स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर विभिन्न केंद्रीय और राज्य पुलिस बलों के लिए केंद्र सरकार द्वारा घोषित कुल 1,380 सेवा पदकों में शामिल हैं।

पदकों की सूची में वीरता के लिए दो राष्ट्रपति पुलिस पदक (पीपीएमजी), 628 वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी), 88 विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक (पीपीएम) और 662 सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक (पीएम) शामिल हैं।

जम्मू-कश्मीर पुलिस (जेकेपी) के सब-इंस्पेक्टर अमर दीप और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के हेड कांस्टेबल काले सुनील दत्तात्रेय (मरणोपरांत) को वीरता के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक दिए गए हैं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी सूची के अनुसार जेकेपी ने अधिकतम 257 (एक पीपीएमजी और 256 पीएमजी) वीरता पदक प्राप्त किए हैं। इसके बाद सीआरपीएफ को 151 (एक पीपीएमजी और 150 पीएमजी) मिले हैं।

आइटीबीपी को मिले 23 वीरता पदकों में से 20 उन अभियानों के लिए हैं जो मई-जून, 2020 के दौरान लद्दाख में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के खिलाफ थे। आइटीबीपी ने बताया कि 20 में से आठ कर्मियों को 15 जून को गलवन में मातृभूमि की रक्षा के लिए उनके वीरतापूर्ण कार्य, सावधानीपूर्वक योजना और सामरिक अंतर्दृष्टि के लिए पीएमजी से सम्मानित किया गया है। छह कर्मियों को फिंगर-4 क्षेत्र में 18 मई को हिंसक झड़प के दौरान वीरतापूर्ण कार्रवाई के लिए पीएमजी से सम्मानित किया गया है, जबकि बाकी छह कर्मियों को उसी दिन लद्दाख के हाट स्प्रिंग्स के पास उनकी वीरतापूर्ण कार्रवाई के लिए सम्मानित किया गया है। बल के प्रवक्ता विवेक कुमार पांडेय ने कहा, 'सीमा की सुरक्षा में तैनात जवानों की बहादुरी के लिए बल को दिए जाने वाले वीरता पदकों की यह सबसे बड़ी संख्या है।' बल के तीन जवानों को छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी अभियानों में साहस, धैर्य और दृढ़ संकल्प दिखाने के लिए पीएमजी से सम्मानित किया गया है।

आइटीबीपी के वे 20 जांबाज, जिन्हें पिछले साल पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर चीन के खिलाफ पराक्रम दिखाने के लिए वीरता पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है। प्रेट्र

हाई प्रोफाइल मामलों के जांचकर्ता सीबीआइ अधिकारी को राष्ट्रपति पदक

अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआइपी हेलीकाप्टर सौदे, विजय माल्या बैंक धोखाधड़ी मामले और महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ भ्रष्टाचार जैसे हाई प्रोफाइल मामलों की जांच करने वाले सीबीआइ के संयुक्त निदेशक मनोज शशिधर को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक (पीपीएम) से सम्मानित किया गया है। उनके अलावा सीबीआइ के 29 अधिकारियों को भी पीपीएम और पीएम से सम्मानित किया गया है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस के एएसआइ बाबू राम को मरणोपरांत अशोक चक्र

- जेके पुलिस के ही कांस्टेबल अल्ताफ हुसैन बट को मरणोपरांत कीर्ति चक्र
- 15 जांबाजों को शौर्य चक्र; इनमें छह सेना, एक नौसेना और दो वायुसेना के

नई दिल्ली, प्रेट्र : 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जम्मू-कश्मीर पुलिस के असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर (एएसआइ) बाबू राम को मरणोपरांत शांति काल का सर्वोच्च वीरता पुरस्कार 'अशोक चक्र' प्रदान किया गया है। जबकि जम्मू-कश्मीर पुलिस के ही कांस्टेबल अल्ताफ हुसैन बट को देश का दूसरा सबसे बड़ा वीरता पुरस्कार 'कीर्ति चक्र' प्रदान किया गया है। तीसरा सबसे बड़ा वीरता पुरस्कार 'शौर्य चक्र' 15 जांबाजों को दिया गया है।

एक सरकारी बयान के मुताबिक, राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द ने सशस्त्र बलों, पुलिस और अर्धसैनिक बलों के लिए कुल 144 वीरता पुरस्कारों को स्वीकृति प्रदान की है। इनमें चार बार टू सेना मेडल, 116 सेना मेडल, पांच नौसेना मेडल और दो वायुसेना मेडल भी शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में मेंढर कस्बे के धराना गांव में बाबू राम का जन्म 15 मई, 1972 को हुआ था। वह बचपन से ही सशस्त्र बलों में जाना चाहते थे। स्कूली शिक्षा पूरी होने के बाद 1999 में उनकी नियुक्ति जम्मू-कश्मीर पुलिस में कांस्टेबल के तौर पर हुई थी। 27 जुलाई, 2002 को उनकी तैनाती श्रीनगर में स्पेशल आपरेशंस ग्रुप (एसओजी) में हुई थी।

जम्मू-कश्मीर पुलिस के असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर बाबू राम को (मरणोपरांत) अशोक चक्र से नवाजा गया (फाइल फोटो)। सौ. जेके पुलिस

इस ग्रुप में रहते हुए वह करीब 14 मुठभेड़ों में शामिल रहे जिनमें 28 आतंकी मारे गए।

कांस्टेबल बट श्रीनगर में शफाकदल इलाके के रथपोरा के निवासी थे। उन्हें एक व्यक्ति की सुरक्षा में पीएसओ के तौर पर गांदरबल में तैनात किया गया था। पिछले साल छह अक्टूबर को उस व्यक्ति पर आतंकियों ने हमला कर दिया था। बट ने जवाबी कार्रवाई करते हुए उस व्यक्ति की रक्षा की और आतंकी को मार गिराया था। इस दौरान वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे और बाद में उनकी मृत्यु हो गई।

शांतिकाल का तीसरा सबसे बड़ा वीरता पुरस्कार 'शौर्य चक्र' छह सेना कर्मियों, दो वायुसेना अधिकारियों, एक नौसेना अधिकारी और छह पुलिस व अर्धसैन्य कर्मियों को प्रदान किया गया है।

सेना कर्मियों में मेजर अरुण कुमार पांडेय, मेजर रवि कुमार चौधरी, कैप्टन आशुतोष कुमार (मरणोपरांत), कैप्टन विकास खत्री, राइफलमैन मुकेश कुमार और सिपाही नीरज अहलावत शामिल हैं। नौसेना के कैप्टन सचिन रुबेन सिकेरा और वायुसेना के ग्रुप कैप्टन परमिंदर एंटिल व विंग कमांडर वरुण सिंह को यह पुरस्कार प्रदान किया गया है।

वर्ष 2019 में आम चुनाव से ठीक पहले छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में चार कट्टर नक्सलियों को ढेर करने के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के तीन कोबरा कमांडो डिप्टी कमांडेंट चितेश कुमार, सब-इंस्पेक्टर मनजिंदर सिंह और कांस्टेबल सुनील चौधरी को भी शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया है। इनके अलावा ओडिशा पुलिस के कमांडो देबाशीष सेठी (मरणोपरांत), सुधीर कुमार टुडु (मरणोपरांत) और जम्मू-कश्मीर पुलिस के शाहबाज अहमद को भी यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया गया है।

किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहें सशस्त्र बल : राजनाथ

नई दिल्ली, प्रेट्र : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि बदलते परिवेश में सुरक्षा के आयाम लगातार बदल रहे हैं और सशस्त्र बलों को किसी भी चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

75वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर सशस्त्र बलों को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर विवाद को चीन के साथ बातचीत के जरिये सुलझाने का प्रयास किया जा रहा है। कुछ स्थलों से सैनिकों को हटाने की प्रक्रिया भी पूरी हो गई है। राजनाथ सिंह ने सेना के तीनों अंगों का आह्वान किया कि वे किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार उनकी और उनके प्रियजनों की जरूरतों को पूरा करने के लिए हमेशा तैयार है और हमेशा तैयार रहेगी। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्राचीन काल से ही भारतीय सभ्यता शांति प्रिय रही है। लेकिन बिना शक्ति के शांति भी संभव नहीं है।

उन्होंने कहा, 'अगर अहिंसा हमारा परम कर्तव्य है तो राष्ट्र की अखंडता की सुरक्षा भी उतना ही महत्वपूर्ण है।' सिंह ने कहा कि देश में शांति और समृद्धि बनाए रखने के लिए यह जरूरी है कि सेना थल, जल और नभ के रास्ते आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए हर समय तैयार रहे। उन्होंने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों की चौकसी के कारण ही जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर पिछले एक साल से स्थिति बेहतर बनी हुई है।

आतंकियों के ट्रक को रोकने वाले चार सीआइएसएफ जवानों को वीरता पदक

नई दिल्ली, प्रेट्र : कश्मीर घाटी ट्रक में छिपकर जा रहे आतंकियों को रोकने और तीन को मार गिराने का अदम्य साहस दिखाने के लिए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) के चार जवानों को पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है। पिछले साल 31 जनवरी को जम्मू के नगरोटा में बन टोल प्लाजा के पास मुठभेड़ में आतंकियों से मुकाबला करने के दौरान बहादुरी दिखाने के लिए कांस्टेबल राहुल कुमार, मुत्तमाला रवि, मुतुम बिक्रमजीत सिंह और अनिल लकड़ा को यह सम्मान दिया गया है।

ट्रक जम्मू से श्रीनगर जा रहा था जिसे जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआइएसएफ के जवानों ने सुबह साढ़े पांच बजे प्लाजा पर सुरक्षा जांच के लिए रोका था। सीआइएसएफ ने बताया कि पुलिस ने चालक दल को सामान रखे पीछे के हिस्से को खोलकर दिखाने को कहा जिससे उसमें छिपे आतंकियों का पता चल गया और उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी। जांच चौकी पर मौजूद राहुल कुमार और एम. रवि ने तुरंत ट्रक का दरवाजा बंद कर दिया। पाली बदलने की प्रक्रिया के तहत एम. बिक्रमजीत सिंह और अनिल लकड़ा भी मौके पर पहुंचे और वे भी तत्काल अपनी पोजीशन लेकर मुठभेड़ में शामिल हो गए। बल ने बताया कि एक आतंकी को गोली लगी और वह टोला प्लाजा से करीब 20 फीट की दूरी पर मारा गया जबकि दो आतंकियों का सफाया मौके पर पहुंचे जम्मू-कश्मीर पुलिस, सीआरपीएफ और सेना के विशेष बल ने किया। सीआइएसएफ ने बताया, आतंकी भारी मात्रा में गोला-बारूद और हथियार लेकर जा रहे थे और अगर उन्हें निष्क्रिय नहीं किया गया होता तो वे सुरक्षा बलों और निर्दोष लोगों को निशाना बना सकते थे।

परमवीर चक्र विजेता योगेंद्र यादव मानद कैप्टन की रैंक से सम्मानित

नई दिल्ली, आइएएनएस : 75वें स्वाधीनता दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार को परमवीर चक्र विजेता सूबेदार मेजर (मानद लेफ्टिनेंट) योगेंद्र सिंह यादव को मानद कैप्टन की रैंक से सम्मानित किया गया। योगेंद्र यादव उस समय सिर्फ 19 वर्ष के थे जब कारगिल युद्ध के दौरान अदम्य साहस का प्रदर्शन करने के लिए उन्हें देश के सर्वोच्च वीरता पुरस्कार परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था। अभी तक 337 सेवारत नान-कमीशंड सैन्यकर्मी मानद कैप्टन और 1,538 को मानद लेफ्टिनेंट की रैंक से सम्मानित किए गए थे।

आज लाल किले पर तिरंगा फहराएंगे पीएम

- टोक्यो ओलिंपिक में भाग लेने वाले 32 खिलाड़ियों को किया गया समारोह में आमंत्रित

हेलीकाप्टरों से होगी पुष्प वर्षा

इस वर्ष पहली बार ऐसा होगा कि जैसे ही प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा, अमृत फार्मेशन में भारतीय वायु सेना के दो एमआइ 17 1वी हेलीकाप्टरों द्वारा कार्यक्रम स्थल पर पुष्प वर्षा की जाएगी। पुष्प वर्षा के बाद प्रधानमंत्री राष्ट्र को संबोधित करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जागरण आर्काइव

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को देश के 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रविवार को लाल किले की प्राचीर पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराएंगे। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि टोक्यो ओलिंपिक में भाग लेने वाले 32 खिलाड़ियों और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के दो अधिकारियों को लाल किले में आयोजित समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। भाला फेंक स्पर्धा में भारत को पहली बार स्वर्ण पदक जिताने वाले खिलाड़ी नीरज चोपड़ा उन 32 खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्हें इस आयोजन के लिए आमंत्रित किया गया है।

लगभग 240 ओलिंपियन, सहयोगी स्टाफ और साई तथा खेल महासंघ के अधिकारियों को भी प्राचीर के सामने ज्ञान पथ की शोभा बढ़ाने के लिए आमंत्रित किया गया है। मंत्रालय ने रविवार सुबह लाल किले पर होने वाले समारोह की विस्तार से जानकारी दी है। उसने बताया कि लाल किले पर प्रधानमंत्री के आगमन पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट और रक्षा सचिव डा. अजय कुमार उनकी अगवानी करेंगे।

रक्षा सचिव, दिल्ली क्षेत्र के जनरल आफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल विजय कुमार मिश्रा का प्रधानमंत्री से परिचय कराएंगे।

इसके बाद दिल्ली क्षेत्र के जीओसी मोदी को सैल्यूटिंग बेस तक ले जाएंगे, जहां एक संयुक्त इंटर-सर्विसेज और दिल्ली पुलिस गार्ड प्रधानमंत्री को सलामी देंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री सलामी गारद का निरीक्षण करेंगे।

सलामी गारद के निरीक्षण के बाद प्रधानमंत्री मोदी लाल किले की प्राचीर के लिए प्रस्थान करेंगे, जहां उनका स्वागत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत, थल सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे, नौसेना प्रमुख एडमिरल करमबीर सिंह और वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया द्वारा किया जाएगा।

रक्षा मंत्रालय के बयान के अनुसार, दिल्ली क्षेत्र के जीओसी राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रधानमंत्री को प्राचीर स्थित मंच पर ले जाएंगे। ध्वज फहराने के बाद तिरंगे को राष्ट्रीय सलामी दी जाएगी।

नौसेना के बैंड राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राष्ट्रीय सलामी के दौरान राष्ट्रगान की धुन बजाएंगे। लेफ्टिनेंट कमांडर पी. प्रियंबदा साहू द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने में प्रधानमंत्री की मदद की जाएगी। इसके साथ विशिष्ट 2233 फील्ड बैटरी (औपचारिक) के बहादुर जवानों द्वारा 21 तोपों की सलामी दी जाएगी।

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री पर विभाजनकारी राजनीति करने का लगाया आरोप

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाए जाने का एलान करने के बाद कांग्रेस ने उन पर विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप लगाया। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि एक तरफ प्रधानमंत्री पाकिस्तान को उसके स्वतंत्रता दिवस पर बधाई देते हैं, दूसरी तरफ चुनाव नजदीक आते ही उसे कोसना शुरू कर देते हैं। प्रधानमंत्री की विभाजनकारी राजनीति उजागर हो गई है।

सुरजेवाला ने एक बयान में कहा, जब कोई चुनाव नहीं रहता है तब प्रधानमंत्री पाकिस्तान के प्रति अपना प्यार दिखाते हैं और पड़ोसी देश को 22 मार्च को बधाई देते हैं। यह वही दिन है, जब 1940 को मुस्लिम लीग ने विभाजन का प्रस्ताव पारित किया था। वे हर साल 14 अगस्त को पाकिस्तान को शुभकामना संदेश भेजते हैं। लेकिन जब चुनाव नजदीक आता है तो वे देश में विभाजनकारी राजनीति शुरू कर देते हैं।

कांग्रेस नेता ने 14 अगस्त को प्रधानमंत्री का पाकिस्तान का शुभकामना संदेश और 22 मार्च का ट्वीट भी साझा किया है। 14 अगस्त को पाकिस्तान अपना स्वतंत्रता दिवस मनाता है।

फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने कोल इंडिया लिमिटेड के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की याचिका खारिज की, याचिका में संशोधन अधिनियम 2010 को एक जनवरी, 2007 से लागू करने की मांग की गई थी

ग्रेच्युटी की सीमा बढ़ाने वाला संशोधन पूर्व तिथि से लागू नहीं

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि ग्रेच्युटी की ऊपरी सीमा बढ़ाकर 10 लाख करने वाला 2010 का संशोधन पूर्व तिथि से लागू नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने कहा कि ग्रेच्युटी की ऊपरी सीमा बढ़ाने का संशोधन 25 मई, 2010 से लागू हुआ। ग्रेच्युटी केवल एक बार दी जाने वाली राशि है। यह एकमुश्त भुगतान है। इसलिए ग्रेच्युटी एक्ट के संशोधन को पूर्व तिथि से लागू नहीं माना जा सकता। ग्रेच्युटी एक्ट के संशोधन पूर्वव्यापी प्रभाव वाले नहीं कहे जा सकते। इसके साथ ही कोर्ट ने कोल इंडिया लिमिटेड के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की ग्रेच्युटी एक्ट के संशोधन को पूर्व तिथि से लागू करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी।

ग्रेच्युटी एक्ट में 2010 में किए गए संशोधन में देय ग्रेच्युटी की ऊपरी सीमा को 3.5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दिया गया था। याचिकाकर्ता सेवानिवृत्त कर्मचारियों की मांग थी कि ऊपरी सीमा बढ़ाने वाले इस संशोधन को एक जनवरी, 2007 से लागू माना जाए, ताकि उन्हें मिली ग्रेच्युटी पर आयकर से पूर्ण छूट मिल सके।

सुप्रीम कोर्ट जागरण आर्काइव

न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता और एएस बोपन्ना की पीठ ने फैसले में कहा कि ग्रेच्युटी की ऊपरी सीमा का लाभ देने वाले संशोधन एक्ट को लागू करने की तिथि एक्जीक्यूटिव ने संशोधित कानून में दिए गए अधिकार के तहत तय की है। इसलिए इसे पूर्वव्यापी (रेट्रोस्पेक्टिव) नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने कहा कि संशोधित कानून लागू होने के बाद कर्मचारी को एक ही बार उच्च ग्रेच्युटी का विकल्प उपलब्ध है। पीठ ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि आयकर कानून की धारा 10(10)(2) की भाषा को देखते हुए याचिकाकर्ता आफिस मेमोरेंडम के तहत प्राप्त लाभ में छूट पाने के अधिकारी नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसे संशोधित कानून को पूर्व तिथि से लागू करने की मांग ठुकराने के झारखंड हाई कोर्ट के आदेश में कोई खामी नजर नहीं आती।

सुप्रीम कोर्ट ने विभिन्न पूर्व फैसलों का जिक्र करते हुए कहा कि ग्रेच्युटी की ऊपरी राशि बढ़ाने का संशोधन 25 मई, 2010 से लागू हुआ। ग्रेच्युटी केवल एक बार दी जाने वाली राशि है। इस प्रकार कट आफ डेट को गैरकानूनी नहीं कहा जा सकता।

इस मामले में याचिकाकर्ता कर्मचारी कोल इंडिया से रिटायर थे, जिन्हें सरकार ने एक आफिस मेमोरेंडम के आधार पर जनवरी 2007 में 10 लाख रुपये ग्रेच्युटी का भुगतान किया था। लेकिन 2007 में ग्रेच्युटी की अधिकतम ऊपरी सीमा 3.5 लाख रुपये ही थी। आयकर अधिनियम के मुताबिक ग्रेच्युटी राशि की ऊपरी सीमा तक होने वाले भुगतान पर कर से छूट है। चूंकि 2007 में ऊपरी सीमा 3.5 लाख थी। इसलिए याचिकाकर्ताओं की शेष राशि पर कर देनदारी बनती थी। 2010 में ग्रेच्युटी कानून में संशोधन कर ग्रेच्युटी की ऊपरी सीमा 3.5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दी गई थी। याचिकाकर्ताओं की मांग थी कि ग्रेच्युटी की ऊपरी सीमा 10 लाख बढ़ाने वाला संशोधन कानून पूर्व तिथि एक जनवरी, 2007 से लागू किया जाए, ताकि वे प्राप्त ग्रेच्युटी पर पूर्ण कर छूट का दावा कर सकें। उनकी दलील थी कि ग्रेच्युटी कानून में संशोधन उदारीकृत लाभ देने वाले हैं, इसलिए ये पूर्वव्यापी माने जाएंगे।

कह के रहेंगे माधव जोशी

जय हिंद !!

20 अगस्त को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने वर्चुअल बैठक बुलाई है। इसमें विपक्ष के कई नेता और बंगाल, महाराष्ट्र समेत कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हो सकते हैं।

अमृत 75 महोत्सव
www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 15 अगस्त, 2021

उन्हें यह फिक्र है हरदम, नई तर्ज-ए-जफा क्या है?
हमें यह शौक है देखें, सितम की इंतिहा क्या है?

सरदार भगत सिंह (भाई कुलतार सिंह को लिखी चिट्ठी में)

लार्ड माउंटबेटन ने भारत की आजादी की तारीख 15 अगस्त इसलिए रखी थी क्योंकि द्वितीय विश्व युद्ध में जापान ने मित्र देशों की सेनाओं के समक्ष 15 अगस्त, 1945 को आत्मसमर्पण की घोषणा की थी। विश्व युद्ध के दौरान वह दक्षिण पूर्व एशिया में मित्र सेनाओं के सर्वोच्च कमांडर के रूप में तैनात थे। इसलिए 15 अगस्त, 1947 को उसकी दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य को उन्होंने आजादी की तारीख चुना।

गांधी जी को सविनय अवज्ञा आंदोलन का विचार प्रसिद्ध अमेरिकी दार्शनिक डेविड थोरियू की किताब पढ़ने के बाद आया था। उस किताब में डेविड ने लोगों को टैक्स देने से मना किया था। गांधी जी उस विचार से इतना प्रभावित हुए कि उन्होंने इसका इस्तेमाल विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार और नमक टैक्स के विरोध में किया था।

निषाद समेत 17 अति पिछड़ी जातियों को मिलेगा आरक्षण!

सियासी समीकरण ▸ नड्डा और शाह से संजय निषाद की मुलाकात के साथ मजबूत हुईं संभावनाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

पिछड़े और अति पिछड़ों को अपने पाले में लामबंद करने के विपक्षी दलों के प्रयासों को करारा झटका लग सकता है। पूरी संभावना है कि 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा की केंद्र और राज्य सरकार निषाद की उपजातियों सहित 17 अति पिछड़ी जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल करने के प्रस्ताव को मंजूर कर दें। शनिवार को दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात में निषाद पार्टी के अध्यक्ष डा. संजय निषाद और उनके पुत्र व सांसद प्रवीण निषाद को यह आश्वासन मिल चुका है।

विधानसभा चुनाव करीब आते ही अति पिछड़ी जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल करने की मांग कई छोटे दलों ने तेज कर दी। विपक्ष ने इस मुद्दे को हवा देकर ऐसी 17 अति पिछड़ी जातियों में से खास तौर पर निषादों को अपने पाले में खींचने के प्रयास शुरू कर दिए। दरअसल, इन 17 में 13 उपजातियां निषाद समाज की हैं। इस समाज के नेता दावा करते हैं कि उनकी आबादी उत्तर प्रदेश में लगभग 13 फीसद है और करीब 160 विधानसभा सीटों पर अच्छा-खास प्रभाव है। ऐसे में कोई पार्टी इस जाति-वर्ग को छोड़ना नहीं चाहती। लोकसभा चुनाव में भाजपा की सहयोगी रही निषाद पार्टी के अध्यक्ष का मन पिछले दिनों भाजपा से कुछ खट्टा हुआ था, लेकिन उसके बाद प्रदेश से लेकर राष्ट्रीय स्तर के भाजपा नेताओं से कई दौर की वार्ता इसी प्रयास में हुई कि यह सियासी नाता टूटे नहीं। इसी क्रम में डा. संजय निषाद और प्रवीण निषाद की बैठक गृह मंत्री के आवास पर जेपी नड्डा और अमित शाह के साथ हुई। करीब एक घंटे चली इस बैठक के बाद संभावना मजबूत हो गई है कि जल्द ही योगी सरकार 17 अति पिछड़ी जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल करने का आरक्षण प्रस्ताव विधानमंडल से पारित करा कर केंद्र को भेज दे। चूंकि, वहां भी भाजपा सरकार है और इस दिशा में समन्वय के साथ काम चल रहा है, इसलिए उम्मीद जताई जा रही है कि केंद्र सरकार भी प्रस्ताव को हरी झंडी देने में देर नहीं लगाएगी। ऐसे में पिछड़ी जातियों को एकजुट करने का यह बड़ा दांव भाजपा का होगा। बैठक के बाद 'जागरण' से फोन पर बातचीत में संजय निषाद ने बताया कि आरक्षण की मांग पर सकारात्मक आश्वासन मिला है। डबल इंजन की सरकार है, इसलिए बाधा की कोई आशंका नहीं है। कुछ समय इसलिए लग रहा है, क्योंकि व्यवस्थित ढंग से काम चल रहा है। वहीं, चुनाव में सीटों के बंटवारे के सवाल पर बोले कि निषाद पार्टी को सम्मानजनक सीटें मिलेंगी।

राष्ट्रीय निषाद संघ के सचिव और वीआइपी (विकासशील इंसान पार्टी) के प्रदेश अध्यक्ष लौटन राम निषाद ने कहा कि उनके समाज को अनुसूचित जाति का लाभ मिल जाए तो भाजपा के साथ उनका गठबंधन निश्चित है।

निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद और सांसद प्रवीण निषाद ने शनिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस मौके पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद रहे। एएनआइ

प्रधानमंत्री के आह्वान पर गुजरात में निकाली जाएगी जन आशीर्वाद यात्रा

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद

पीएम नरेंद्र मोदी के आह्वान पर गुजरात सरकार एवं प्रदेश भाजपा संगठन की ओर से राज्य में 16 से 21 अगस्त तक जन आशीर्वाद यात्रा निकाली जाएगी। जन आशीर्वाद यात्रा के माध्यम से केंद्र एवं गुजरात सरकार के मंत्री और भाजपा नेता सरकार की उपलब्धियों एवं विकास कार्यों की जानकारी लोगों तक पहुंचाएंगे। पांच केंद्रीय मंत्री गुजरात के विभिन्न जिलों में 151 स्थलों पर जन आशीर्वाद यात्रा को संबोधित करेंगे तथा 20,277 किलोमीटर की यात्रा करेंगे। प्रदेश भाजपा के महामंत्री प्रदीप सिंह वाघेला एवं मीडिया प्रभारी यज्ञेश दवे ने बताया कि दो केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला, मनसुख मांडविया और तीन केंद्रीय राज्यमंत्री दर्शना जरदोश, देवूसिंह चौहान तथा महेंद्र मुंजपरा विभिन्न जिलों में जनता से मिलेंगे। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल आदि नेता भी इस दौरान अपनी सरकार की उपलब्धियां जनता तक पहुंचाएंगे। 16 से 18 अगस्त तक तीन केंद्रीय राज्यमंत्री गुजरात में प्रवास करेंगे। केंद्रीय मंत्री रूपाला 19 से 21 अगस्त तक गुजरात के उंझा से अमरेली तक और मांडविया 19 से 21 अगस्त तक राजकोट से भावनगर तक इस यात्रा में शामिल होंगे।

हाई कोर्ट के फैसले के बाद केंद्रीय गृह मंत्री से मिले महाराष्ट्र के राज्यपाल कोश्यारी

मुंबई, प्रेट्र : महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इसके कुछ घंटे पहले ही बांबे हाई कोर्ट ने व्यवस्था दी थी कि उचित समय के भीतर एमएलसी नामांकन पर फैसला लेने के लिए राज्यपाल बाध्य हैं। राजभवन ने हालांकि शुक्रवार शाम हुई मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया है। महाराष्ट्र मंत्रिमंडल द्वारा राज्यपाल कोटे से 12 लोगों को विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) नामित किए जाने के प्रस्ताव पर फैसला लेने में कोश्यारी द्वारा की गई देरी उनके और शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस की महाविकास अघाड़ी सरकार के बीच टकराव का कारण बन गई है। बांबे हाई कोर्ट ने नासिक निवासी एक व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई करते हुए शुक्रवार को कहा था कि राज्यपाल के पास 12 लोगों को एमएलसी के रूप में नामित करने के लिए राज्य मंत्रिमंडल द्वारा भेजे गए प्रस्ताव को उचित समयसीमा के भीतर स्वीकार या अस्वीकार करने की संवैधानिक जवाबदेही है। प्रस्ताव भेजे जाने के बाद से आठ महीने बीत चुके हैं।

बंगाल में दिनदहाड़े तृणमूल के नेता की हत्या, पांच गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

▸ उत्तर 24 परगना जिले के खरदह में हुई वारदात, तृणमूल ने भाजपा पर लगाया आरोप, उसने नकारा

बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद राजनीतिक हत्याओं का दौर जारी है। शनिवार को उत्तर 24 परगना जिले के खरदह में तृणमूल कांग्रेस के एक युवा नेता रणजय कुमार श्रीवास्तव की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। वह तृणमूल कांग्रेस की युवा शाखा के हिंदी प्रकोष्ठ के राज्य प्रमुख थे। पुलिस ने इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। तृणमूल कांग्रेस ने इस हत्याकांड के पीछे भाजपा का हाथ बताया है।

जानकारी के अनुसार तृणमूल कांग्रेस नेता रणजय जब कार से अपने घर लौट रहे थे तो रास्ते में कुछ अपराधियों ने उन पर अचानक से हमला कर दिया। उन पर बम फेंका और फायरिंग भी की। मौके पर मौजूद लोगों ने उनको स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया। बाद में इलाज के लिए कोलकाता ले जाते समय उनकी मौत हो गई। उत्तर 24 परगना जिले के तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ज्योतिप्रियो मल्लिक का आरोप है कि उनके नेता की हत्या के पीछे भाजपा का हाथ है। इस वारदात को अंजाम देने के पीछे भाजपा का मकसद तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में खौफ पैदा करना है। बताया गया है कि रणजय कुमार श्रीवास्तव पहले भाजपा में थे और गत विधानसभा चुनाव से पहले वह तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए थे। वहीं, भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस के आरोप को खारिज करते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस में गुटबाजी ऐसी है कि प्रतिदिन विवाद होता रहता है। उसी का नतीजा है कि उनके नेता की हत्या दूसरे गुट के तृणमूल कार्यकर्ताओं ने ही की है।

मृत भाजपा कार्यकर्ताओं की याद में चार केंद्रीय मंत्री निकालेंगे शहीद सम्मान यात्रा

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : बंगाल के मृत भाजपा कार्यकर्ताओं की याद में चार केंद्रीय मंत्री शहीद सम्मान यात्रा निकालेंगे। भाजपा का दावा है कि बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा में पार्टी के करीब 55 कार्यकर्ता मारे गए हैं। इस संबंध में वह लगातार प्रदेश की ममता सरकार को घेरती रही है। भाजपा प्रदेश इकाई के अध्यक्ष दिलीप घोष ने स्वतंत्रता दिवस समारोह से ठीक पहले पार्टी की योजना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बंगाल के नवनियुक्त चार केंद्रीय मंत्री सुभाष सरकार, जान बारला, शांतनु ठाकुर और निशीथ प्रमाणिक प्रदेश में शहीद सम्मान यात्रा निकालेंगे। वे यहां राजनीतिक हिंसा में मारे गए भाजपा कार्यकर्ताओं के स्वजन से मिलेंगे और उन्हें आश्वस्त करेंगे कि पार्टी उनके साथ है। गौरतलब है कि शहीद सम्मान यात्रा के तहत भाजपा ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ राज्यव्यापी आंदोलन करेगी। इसमें 17 से लेकर 19 अगस्त तक यात्रा निकालने की तैयारी है।

हिंदुत्व विरोधी प्रचार और वैचारिक आंदोलन के रास्ते पर चलेगी माकपा

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

▸ बंगाल माकपा नेतृत्व को पार्टी की केंद्रीय कमेटी ने दी सलाह

▸ पार्टी के संगठनात्मक आधार को मजबूत करने पर भी दिया जाएगा जोर

बंगाल में माकपा को फिर से पटरी पर लाने के लिए हिंदुत्व विरोधी प्रचार और वैचारिक आंदोलन के रास्ते पर चलना होगा। बंगाल माकपा नेतृत्व को पार्टी की केंद्रीय कमेटी ने यह सलाह दी है। गौरतलब है कि बंगाल में भाजपा के उदय के साथ माकपा शून्य पर पहुंच गई है। भाजपा ने बंगाल विधानसभा में अपने सदस्यों की संख्या तीन से बढ़ाकर 77 कर ली है, वहीं माकपा समेत सभी वामदल इस भी सीट नहीं जीत सके हैं।

अब पार्टी की केंद्रीय समिति ने कहा है कि अनुसूचित जाति के मतदाताओं, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों को अपने करीब लाना होगा। पार्टी के संगठनात्मक आधार को भी मजबूत करने की जरूरत है। सभी खामियों को दूर करना होगा। इन सबके मद्देनजर मौजूदा हालात में हिंदू विरोधी प्रचार पर जोर देने की जरूरत है। पार्टी की तरफ से कहा गया है कि धर्मनिरपेक्षता के साथ बंगाल के लोगों की भावनाओं का भी पूरा ध्यान रखना पड़ेगा। कहा गया कि बंगाल में विभाजन व सांप्रदायिक दंगों का इतिहास रहा है। भाजपा व आरएसएस उन यादों को ताजा करके राज्य में हिंदुत्व के लिए संयुक्त तौर पर प्रचार कर रहे हैं। इस तरह की बढ़ती भावनाओं का जवाब देने के लिए पार्टी को नीतिगत, राजनीतिक, संगठनात्मक व सांस्कृतिक तरीके से संघर्ष का रास्ता अपनाना पड़ेगा।

पहली बार माकपा फहराएगी राष्ट्रीय ध्वज

इस बीच माकपा देशभर में स्थित अपने सभी कार्यालयों में स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराएगी। माकपा के इतिहास में यह पहला मौका होगा, जब वह राष्ट्रीय ध्वज फहराएगी। पिछले दिनों हुई माकपा की केंद्रीय कमेटी की बैठक में बंगाल से पार्टी के वरिष्ठ नेता सुजन चक्रवर्ती के प्रस्ताव पर यह निर्णय लिया गया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री नटवर सिंह के पुत्र जगत फिर भाजपा में शामिल

जागरण संवाददाता, जयपुर: पूर्व केंद्रीय मंत्री नटवर सिंह के पुत्र और पूर्व विधायक जगत सिंह शनिवार को एक बार फिर भाजपा में शामिल हो गए हैं। गौरतलब है कि जगत सिंह 2013 से 2018 तक लक्ष्मणगढ़ सीट से भाजपा विधायक रहे, लेकिन पिछले चुनाव में टिकट नहीं मिलने पर उन्होंने भाजपा छोड़ दी और बसपा में शामिल हो गए। बसपा के टिकट पर चुनाव लड़े, पर हार गए। वह एक बार कांग्रेस के टिकट पर भी विधायक रह चुके हैं। अब भरतपुर जिला परिषद के चुनाव का कार्यक्रम घोषित होने के बाद जगत सिंह भाजपा में शामिल होने का प्रयास कर रहे थे। वह जिला प्रमुख बनने के लिए लाबिंग में जुटे हैं। इसी कड़ी में भाजपा आलाकमान की सहमति मिलने के बाद शनिवार शाम पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की मौजूदगी में जगत ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

जाति आधारित जनगणना पर पीएमओ ने नीतीश को भेजी पत्र मिलने की सूचना

राज्य ब्यूरो, पटना

▸ चार अगस्त को प्रधानमंत्री कार्यालय को मिला बिहार के मुख्यमंत्री का पत्र

▸ बिहार में विपक्ष के नेताओं की पहल के बाद उन्होंने पीएम से मांगा है मिलने का समय

जाति आधारित जनगणना के संबंध में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखा गया पत्र प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को मिल जाने की जानकारी शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय को उपलब्ध कराई गई है। बीते चार अगस्त को ही मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा था। राजनीतिक गलियारे में इस बात की चर्चा है कि अब इस बात की पूरी उम्मीद है कि प्रधानमंत्री इस बारे में मुख्यमंत्री को जल्द ही विमर्श के लिए समय देंगे।

जाति आधारित जनगणना कराए जाने को ले बिहार में विपक्ष के नेताओं के साथ मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से मिलने का समय मांगा था। गौरतलब है कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने विधानसभा के मानसून सत्र में यह बात उठाई थी कि जाति आधारित जनगणना के मसले पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एक सर्व दलीय प्रतिनिधिमंडल प्रधानमंत्री से मिले। इसके बाद मुख्यमंत्री ने विधानसभा स्थित अपने कक्ष में तेजस्वी सहित कांग्रेस व वामदल के नेताओं से मुलाकात की थी। इस बात पर सहमति बनी थी कि इस बारे में मुख्यमंत्री द्वारा प्रधानमंत्री को पत्र लिख कर समय मांगा जाए। समय मिलने पर सभी नेता प्रधानमंत्री से मिलकर उन्हें जाति आधारित जनगणना कराए जाने के संबंध में अपने तर्कों के साथ ज्ञापन सौंपे।

मुख्यमंत्री द्वारा प्रधानमंत्री को पत्र लिखे जाने के दस दिनों बाद पीएमओ से यह सूचना दी गई कि मुख्यमंत्री का पत्र मिल गया है। संसद के सत्र की वजह से प्रधानमंत्री से समय नहीं मिलने का तर्क दिया जा रहा था। राजनीतिक गलियारे में इस बात की चर्चा है कि 15 अगस्त के बाद इस प्रकरण में बात आगे बढ़ सकती है। विदित हो कि शुक्रवार को इस संबंध में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भी प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है। वहीं जदयू सांसदों ने भी जाति आधारित जनगणना के संबंध में पिछले दिनों प्रधानमंत्री को पत्र लिखा था। प्रधानमंत्री के निर्देश पर जदयू के सांसदों ने गृहमंत्री अमित शाह से इस संबंध में मुलाकात की थी।

नीतीश कुमार। जागरण आर्काइव

अब तेजस्वी ने कहा-लालकिले से जातिगत जनगणना की घोषणा करें पीएम

तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखने के बाद अब शनिवार को बयान जारी करके भी दबाव बनाने की कोशिश की है। उन्होंने कहा है कि संसद न सही, लेकिन 15 अगस्त के मौके पर प्रधानमंत्री को लालकिले से जातिगत जनगणना की घोषणा करनी चाहिए।

उप्र में भी विस चुनाव लड़ेगी लोजपा : चिराग

जागरण संवाददाता, प्रयागराज : लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के दूसरे धड़े के नेता और सांसद चिराग पासवान ने शनिवार को यहां कहा कि वर्ष 2022 में होने वाले उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी भी पूरे दमखम के साथ मैदान में उतरेगी। अल्पकालिक निजी प्रवास पर संगमनगरी आए चिराग ने कहा कि किसी दल से चुनावी गठबंधन होगा अथवा अकेले चुनाव मैदान में उतरा जाएगा, इसके लिए थोड़ा इंतजार करना होगा।

लोजपा नेता संगमनगरी निवासी पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष तथा पूर्व सांसद स्व. शशि प्रकाश के भाई सत्यप्रकाश की तेरहवीं में शामिल होने आए थे। सत्यप्रकाश की बहन कमला कुमारी पार्टी की महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं। चिराग सबसे पहले स्टेनली रोड स्थित जजेज कालोनी पहुंचे। सत्यप्रकाश को श्रद्धांजलि दी। करीब घंटे भर रुके। यहीं स्वागत के लिए पहुंचे कार्यकर्ताओं से कहा कि सभी चुनाव की तैयारी में जुट जाएं। किसी गठबंधन के साथ चुनाव लड़ेंगे अथवा अकेले इस बारे में प्रदेश के पार्टी पदाधिकारियों के साथ मंत्रणा कर जल्द ही निर्णय ले लिया जाएगा। कार्यकर्ताओं से चर्चा कर वह अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष आसिम खान के साथ एयरपोर्ट के लिए निकल गए। इससे पहले करीब 12 बजे दिल्ली से चिराग पासवान नियमित उड़ान से बमरौली एयरपोर्ट पर पहुंचे, तो कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया।

तमिलनाडु में पहली बार द्रमुक सरकार ने पेश किया विशेष कृषि बजट

चेन्नई, प्रेट्र : चुनावी वादे के अनुरूप द्रमुक सरकार ने शनिवार को तमिलनाडु विधानसभा में राज्य का पहला विशेष कृषि बजट पेश किया। कृषि क्षेत्र के समग्र विकास पर केंद्रित बजट में आत्मनिर्भरता हासिल करने और गांवों के विकास जैसे पहलू शामिल हैं।

राज्य के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री एमआरके पनीरसेल्वम ने कहा कि किसानों व विशेषज्ञों के विचार मांगे गए और उसके आधार पर बजट तैयार किया गया। उन्होंने कहा, 'कृषि बजट किसानों की आकांक्षा है। यह प्रकृति प्रेमियों का सपना है। वर्ष 2021-22 के दौरान कृषि तथा पशुपालन, मत्स्यपालन, डेयरी विकास, सिंचाई, ग्रामीण विकास, रेशम उत्पादन एवं वन आदि विभागों के लिए 34,220.65 करोड़ रुपये प्रदान किए जाएंगे।'

कावेरी डेल्टा क्षेत्र होगा कृषि औद्योगिक गलियारा : पनीरसेल्वम ने कहा, 'सरकारी बिजली इकाई तमिलनाडु जनरेशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन कारपोरेशन को किसानों के पंप सेटों को मुफ्त बिजली देने के लिए 4,508.23 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। किसानों और खेतिहर मजदूरों को संपन्न बनाने व कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कावेरी डेल्टा क्षेत्र को कृषि औद्योगिक गलियारा घोषित करने का प्रस्ताव है।' पिछली अन्नाद्रमुक सरकार ने कावेरी डेल्टा क्षेत्र को संरक्षित कृषि क्षेत्र घोषित किया था।

तमिलनाडु के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री एमआरके पनीरसेल्वम ने शनिवार को चेन्नई में विधानसभा में राज्य का पहला विशेष कृषि बजट पेश करने से पहले मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से मुलाकात की। प्रेट्र

कृषि क्षेत्र के कल्याण को 1,245 करोड़ रुपये की योजना

मंत्री ने कहा कि कृषि के समग्र विकास व गांवों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 1,245.45 करोड़ रुपये की योजना लागू की जाएगी। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि के नाम पर संचालित होने वाली यह योजना मौजूदा साल में 2,500 ग्राम पंचायतों में लागू की जाएगी। अगले साल से इसे राज्य की 12,524 पंचायतों में से दो तिहाई में हर साल अगले पांच वर्षों तक लागू किया जाएगा। राज्य में 33.03 करोड़ रुपये की लागत से जैविक कृषि विकास योजना भी लागू की जाएगी।

दिल्ली के प्रदर्शनकारियों को समर्पित किया बजट

समाचार एजेंसी आइएएनएस के अनुसार, कृषि मंत्री पनीरसेल्वम ने पहला विशेष कृषि बजट दिल्ली में तीनों केंद्रीय कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन करने वालों को समर्पित किया। सदन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि वर्तमान समय में कृषि की चुनौतियां बढ़ गई हैं। इनमें कृषि भूमि पर रियल एस्टेट का विकास, दोहन के कारण पानी की उपलब्धता कम होना व किसानी से युवाओं का मोहभंग होना आदि शामिल हैं।

तैयारी

मप्र के पूर्व सीएम को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाकर कांग्रेस हाईकमान सौंप सकता है अन्य दलों से समन्वय की जिम्मेदारी

भाजपा को रोकने के लिए विपक्षी गठबंधन को मजबूत करेंगे कमल नाथ

धनंजय प्रताप सिंह, भोपाल

केंद्र की भाजपा सरकार के विजय रथ को रोकने के लिए विपक्षी गठबंधन के ताने-बाने में कसावट जल्द ही दिख सकती है। दरअसल, 2024 के लोस चुनाव में महागठबंधन को लेकर कांग्रेस दिलचस्पी दिखाते हुए मप्र कांग्रेस अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ को हिंदी भाषी राज्यों में साथी दलों के साथ समन्वय का जिम्मा सौंप सकती है। सूत्रों के मुताबिक, उन्हें पार्टी में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का पद दिए जाने की पेशकश भी की गई है। इससे पहले मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह भी पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा चुके हैं।

बंगाल में तृणमूल की सत्ता बचाने में कामयाब रहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भाजपा के खिलाफ महागठबंधन की संभावनाओं को बल दे रही हैं। बीते पखवाड़े उनके दिल्ली प्रवास को इसी से जोड़कर देखा गया था। हालांकि, क्षेत्रीय दलों के बीच कांग्रेस को लेकर सहज भाव का आकलन किया जा रहा है। इसके सकारात्मक होने पर ही महागठबंधन की कोशिशें परवान चढ़ेंगी, जिसकी जिम्मेदारी कमल नाथ को सौंपे जाने की काफी संभावना है। कांग्रेस हाईकमान द्वारा अगले सप्ताह सभी दलों के नेताओं को दिए जा रहे डिनर में इसकी झलक दिखाई दे सकती है।

कमल नाथ। जागरण आर्काइव

शरद पवार, ममता बनर्जी जैसे नेताओं से भी रही है नजदीकी

दरअसल, कमल नाथ के गैर एनडीए दलों के प्रमुख नेताओं से व्यक्तिगत संबंध हैं। शरद पवार, ममता बनर्जी जैसे नेताओं से भी उनकी नजदीकी रही है। ये नेता कभी कांग्रेस में थे, लेकिन अब अलग पार्टी स्थापित कर चुके हैं। वरिष्ठता के चलते भी कमल नाथ समन्वय के मामलों में माहिर माने जाते हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद को लेकर असंतुष्ट नेताओं के गुट जी-23 को भी मनाने में कमल नाथ की भूमिका रही है। इसके अलावा उद्योग जगत में भी उनकी अच्छी पकड़ है। सूत्र बताते हैं कि कमल नाथ को समन्वय के साथ पंजाब, बंगाल के अलावा कुछ हिंदी भाषी राज्यों का प्रभार दिया जा सकता है।

मध्य प्रदेश में बने रहेंगे कांग्रेस का चेहरा

केंद्रीय संगठन और संभावित महागठबंधन में समन्वय की जिम्मेदारी के साथ ही कमल नाथ मध्य प्रदेश में भी कांग्रेस का चेहरा बने रहेंगे। साथ ही मध्य प्रदेश के 2023 के विधानसभा चुनाव में भी पार्टी का नेतृत्व कर सकते हैं। मध्य प्रदेश या केंद्र की राजनीति के सवाल पर वे कई बार स्पष्ट कर चुके हैं कि वह प्रदेश नहीं छोड़ने वाले हैं। 2018 में प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी, लेकिन वह 15 महीने ही चल पाई, इसलिए वे 2023 में सत्ता वापसी के इरादे से कांग्रेस संगठन को नए सिरे से मजबूत कर रहे हैं। हालांकि, ये भी किसी से छिपा नहीं है कि कमल नाथ सत्ता गंवाने के लिए कथित रूप से जिम्मेदार ज्योतिरादित्य सिंधिया से सियासी अदावत का हिसाब चुकता करने का इरादा रखते हैं।

कमल नाथ का कद राष्ट्रीय स्तर का है। निसंदेह उनकी भूमिका राष्ट्रीय राजनीति को ही समर्पित रही है। बावजूद इसके वह पूरी तरह मध्य प्रदेश में ही रहेंगे। यहीं से राष्ट्रीय और प्रादेशिक राजनीति को संचालित कर एक बार फिर मुख्यमंत्री बनेंगे।

- केके मिश्रा, महासचिव (मीडिया), मध्य प्रदेश कांग्रेस

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस देगी 'राजीव खेल प्रतिभा सम्मान'

नईदुनिया, रायपुर

▸ खेल पुरस्कार का नाम बदला तो प्रदेश में शुरू हुआ राजीव के नाम से नया सम्मान

▸ राजीव गांधी की जयंती पर प्रदेश में 12 हजार खिलाड़ियों को सम्मानित करने का लक्ष्य

केंद्र सरकार ने राजीव गांधी खेल पुरस्कार का नाम बदला तो पुरस्कार पर राजनीति शुरू हो गई है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ में प्रदेश कांग्रेस के खेलकूद प्रकोष्ठ ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर हर साल खेल और सांस्कृतिक आयोजन करके खिलाड़ियों को 'राजीव खेल प्रतिभा सम्मान' से नवाजने का एलान कर दिया है।

केंद्र सरकार ने राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार का नाम अब मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार कर दिया है। कांग्रेस केंद्र सरकार के इस फैसले के विरोध में है। कांग्रेस के नेता केंद्र सरकार के फैसले को अनैतिक करार दे रहे हैं, वहीं छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के खेलकूद प्रकोष्ठ ने राजीव गांधी की जयंती पर हर साल 20 अगस्त को प्रदेश के हर जिले में विभिन्न खेल और सांस्कृतिक आयोजनों के साथ राजीव गांधी खेल प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन करने का निर्णय लिया है। इस समारोह में प्रदेश के 12 हजार खिलाड़ियों को सम्मानित करने का लक्ष्य रखा गया है।

खिलाड़ी 15 अगस्त तक कर सकते हैं आवेदन : छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस खेलकूद प्रकोष्ठ के अध्यक्ष प्रवीण जैन ने बताया कि राजीव गांधी खेल प्रतिभा सम्मान के लिए खिलाड़ी अपने जिले में कांग्रेस खेलकूद प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों को 15 अगस्त तक आवेदन दे सकते हैं।

काश! ये तारा कभी अस्त न हो और ये आशा कभी धूमिल न हो, हम हमेशा इस स्वतंत्रता में आनंदित होते रहें
पं. जवाहरलाल नेहरू

1946 में ब्रिटेन में लेबर पार्टी की सरकार सत्ता में आई। प्रधानमंत्री क्लीमेंट एटली की उस सरकार ने फरवरी, 1947 में घोषणा की थी कि अधिकतम जून, 1948 तक ब्रिटिश भारत को छोड़कर चले जाएंगे।

पंडित नेहरू ने जब अपना प्रसिद्ध 'नियति से साक्षात्कार' भाषण दिया था तब तकनीकी रूप से वह देश के प्रधानमंत्री नहीं थे। भाषण 14 अगस्त की रात दिया गया था जबकि वह 15 अगस्त को प्रधानमंत्री बनाए गए थे।

बदलाव की बयार : कश्मीर में चारों तरफ सिर्फ तिरंगे ही तिरंगे

जम्मू-कश्मीर के 23 हजार स्कूलों में होगा ध्वजारोहण, नगर निकाय से लेकर पंचायतों में होगी तिरंगे की धूम

नवीन नवाज, श्रीनगर

कभी मीरा कभी खुसरो, कभी रसखान हो जाऊं।
कभी राधा कन्हैया का, मैं गोकुल धाम हो जाऊं।
मैं वंदे मातरम की धुन कहीं बजते हुए सुन लूं
तिरंगे की तरह इठला के हिंदुस्तान हो जाऊं।

कुछ यही आलम है आज के कश्मीर का। चारों तरफ तिरंगा लहराने की होड़ सी है। बरसों से दिल में दबे अरमान अब हिलोरे मार रहे हैं, जिसे देखो वही रविवार के सूर्योदय का इंतजार कर रहा है। देश की स्वाधीनता की 75वीं वर्षगांठ पर जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय ध्वजारोहण सिर्फ श्रीनगर में झेलम किनारे स्थित शेरे कश्मीर क्रिकेट स्टेडियम, जम्मू में तवी किनारे स्थित मौलाना आजाद स्टेडियम, सुरक्षाबलों के प्रतिष्ठानों और जिला मुख्यालयों में सरकारी समारोह तक ही सीमित नहीं रहेगा। लगभग 23 हजार स्कूलों में ध्वजारोहण होगा। इसके अलावा सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में भी राष्ट्रध्वज फहराया जाएगा। हर जगह तिरंगे की धूम होगी। राष्ट्रगीत गायन प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले दोपहर तक मुख्य समारोह में गायन का न्योता मिलने का इंतजार कर रहे थे। श्रीनगर का दिल कहलाने वाला लाल चौक का घंटाघर तिरंगे के रंगों से रोशन है। आतंकवाद व अलगाववादियों के चंगुल से निकल आजादी की सांस ले रहे कश्मीर में स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रध्वज फहराने को लेकर आम लोगों में उत्साह का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दो दिन पहले एक स्थानीय राजनीतिक कार्यकर्ता अल्ताफ ठाकुर ने उपराज्यपाल से तिरंगे उपलब्ध कराने का आग्रह किया। बीते 30 वर्ष में पहली बार किसी राजनीतिक नेता ने इस तरह का आग्रह किया है।

पूरे देश में आजादी की 75वी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में देशभक्ति से ओतप्रोत विविध आयोजन हो रहे हैं। शनिवार को जम्मू में युवाओं ने कुछ इस तरह तिरंगा लहराते हुए दौड़ लगाई। प्रेट्र

तिरंगे के रंग में जगमगाया लाल चौक...
स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार को श्रीनगर का दिल कहलाने वाले लाल चौक का घंटाघर तिरंगे के रंग की रोशनी में जगमगाता नजर आया। इसके अलावा आसपास की इमारतों को भी रोशन किया गया है। यह नजारा देशवासियों के दिल को बेहद गर्वित करने वाला है। जागरण

जुदा है इस बार का माहौल

कश्मीर मामलों के विशेषज्ञ अहमद अली फैयाज ने कहा कि इस बार की बात ही जुदा है। ज्यादा पीछे जाने की जरूरत नहीं है, आप सिर्फ 2015-19 तक के कश्मीर के माहौल की बात करें, यहां चारों तरफ पाकिस्तानी झंडे और फिर पाकिस्तान समर्थक नारेबाजी ही नजर आती थी। इस बार यहां चारों और और तिरंगा ही तिरंगा है, कुछ और नजर ही नहीं आ रहा है। पहली बार पूरे कश्मीर में जगह-जगह स्वतंत्रता दिवस समारोह हो रहा है।

चुप हैं अलगाववादी

स्वतंत्रता दिवस समारोह के माहौल को देखते हुए अलगाववादी खेमे ने पहले की तरह राष्ट्रध्वज और समारोह का बहिष्कार करते हुए 15 अगस्त को यौम-ए-स्याह के तौर पर मनाने का एलान नहीं किया। हुर्रियत समेत पूरा अलगाववादी खेमा चुप है। एकाध आतंकी संगठन ने कुछ धमकी भरे पोस्टर जरूर जारी किए, लेकिन लोगों में पहले की तरह कहीं इनका खौफ नजर नहीं आया।

न्यूज गैलरी

राजस्थान के डीजीपी की मेल आइडी हैक

जयपुर : स्वतंत्रता दिवस से ठीक पहले राजस्थान के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) एमएल लाठर की सरकारी ईमेल आइडी हैक हो गई। मेल से उप्र पुलिस को आतंकी हमले के अलर्ट का संदेश भेज दिया गया। इसकी पुष्टि लाठर ने की है। लाठर का मेल हैक होने की जानकारी मिलते ही साइबर एक्सपर्ट इसे रिकवर करने में जुट गए हैं। दरअसल, उत्तर प्रदेश के पुलिस अधिकारियों को 13 अगस्त को मेल पर आतंकी हमले का मैसेज मिला तो उन्होंने देर रात ही राजस्थान के पुलिस महानिदेशक लाठर से फोन पर बात की। लाठर ने उन्हें किसी तरह का मेल भेजने से इन्कार किया। इसके बाद पूरे मामले का पर्दाफाश हुआ। अब पुलिस मुख्यालय की साइबर टीम जांच में जुटी है कि किस तरह से और किसने मेल हैक किया है। इसके साथ ही किस-किस को मेल भेजे गए हैं। (जासं)

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में दो नक्सली गिरफ्तार

बीजापुर : छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सल विरोधी अभियान के तहत फोर्स ने दो नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए दोनों नक्सलियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस के मुताबिक पामेड़ थाना क्षेत्र में जिला पुलिस बल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और कोबरा बटालियन की संयुक्त पार्टी मेहंदीगुडा, एमपुर, सेंड्राबोर की ओर तलाशी अभियान पर निकली थी। मेहंदीगुड़ा और एमपुर के मध्य जंगल में पुलिस पार्टी को देखकर एक संदिग्ध भागने लगा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपना नाम माड़वी हुंगा बताया। इसी तरह बीजापुर थाना क्षेत्र में डिस्ट्रक्ट रिजर्व गार्ड की टीम ने जंगल में एक संदिग्ध को विस्फोटक सहित पकड़ा है। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम जिलाराम बताया है। (नईदुनिया)

हाइड्रोलिक क्रेन का संतुलन बिगड़ा, गिरने से तीन की मौत

ग्वालियर : ऐतिहासिक डाकघर भवन पर 50 फीट की ऊंचाई पर लगे राष्ट्रध्वज की डोरी ठीक करने के दौरान नगर निगम की हाइड्रोलिक क्रेन का संतुलन बिगड़ गया। क्रेन में लगे बाक्स के गिरने से चौकीदार विनोद शर्मा, नगर निगम कर्मचारी प्रदीप राजौरिया व कुलदीप डंडौतिया की मौत हो गई। इसके बाद आक्रोशित लोगों ने वहां हंगामा कर दिया। इस दौरान एक वकील मनोज शर्मा ने नगर निगम के प्रभारी आयुक्त मुकुल गुप्ता को थप्पड़ जड़ दिया। आक्रोशित कर्मचारियों ने महाराज बाड़े पर शव रखकर जाम लगा दिया। कोतवाली थाने में फायर आफिसर उमंग प्रधान, क्रेन के चालक धर्मेंद्र वर्मा के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया। (नईदुनिया)

सुरक्षाबलों ने किश्तवाड़ को दहलाने की साजिश की नाकाम

बड़ी कामयाबी ▸ पांच किलो से ज्यादा वजनी थी आइईडी

सेना के काफिले को बनाया जाना था निशाना

जागरण संवाददाता, किश्तवाड़

स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले शनिवार को किश्तवाड़ को दहला देने की साजिश को सुरक्षाबलों ने नाकाम कर दिया है। यहां पांच किलो से ज्यादा वजन की आइईडी को बरामद कर उसे नष्ट कर दिया गया।

किश्तवाड़ से 12 किलोमीटर दूर भंडार कूट में स्थित 11 राष्ट्रीय राइफल के हेड क्वार्टर से मात्र 500 मीटर की दूरी पर कुरिया पुल के पास आतंकियों ने रात के समय बारूदी सुरंग (आइईडी) फिट कर दी थी, ताकि सुबह सेना की गतिविधियां शुरू होते ही इस आइईडी को ब्लास्ट कर भारी नुकसान पहुंचाया जाए। लेकिन जैसे ही सुबह सेना की आरओपी पार्टी उस इलाके को सर्च करती हुई निकल रही थी तो उनके खोजी कुत्तों को इस आइईडी की भनक लग गई और सेना ने तुरंत पूरे इलाके की घेराबंदी कर ली। सेना ने लोगों को घरों के अंदर जाने की हिदायत दे दी। किश्तवाड़-अनंतनाग राष्ट्रीय राजमार्ग पर दोनों तरफ से गाड़ियों की आवाजाही भी बंद कर दी गई। कुछ समय बाद पुलिस की एसओजी टीम भी डीएसपी देवेंद्र सिंह के नेतृत्व में वहां पहुंच गई। सेना व पुलिस ने मिलकर उस आइईडी को सुरक्षित तरीके से विस्फोट कर नष्ट किया। उसके विस्फोट से पूरा इलाका दहल उठा। इससे साफ अंदाजा लगाया जा सकता था कि अगर इस आइईडी के पास सेना का कोई काफिला गुजर रहा होता तो क्या हालत होती।

सेना ने इलाके में चलाया सर्च आपरेशन

आइईडी को नष्ट करते ही उस पूरे इलाके को सेना व पुलिस ने घेर कर सर्च आपरेशन चलाया, लेकिन फिलहाल उन्हें कोई कामयाबी नहीं मिली। कई साल बाद इस इलाके में सड़क के किनारे आतंकवादियों ने आइईडी लगाने की हिम्मत की है। इसी सड़क पर 2002 में डैडपेठ और मुगल मैदान के बीच आतंकियों ने आइईडी ब्लास्ट की थी, जिसमें डीएसपी सहित पांच जवान शहीद हो गए थे। उस समय आतंकवाद चरम पर था। उसके बाद सुरक्षाबलों ने धीरे-धीरे इस इलाके से आतंकियों का सफाया कर दिया।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर अंतरराष्ट्रीय सीमा पर दिखा ड्रोन

जासं, जम्मू : स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कानाचक्क में शनिवार देर शाम को पाकिस्तानी ड्रोन की गतिविधियां देखी गईं। सुरक्षा एजेंसी तुरंत सतर्क हो गई। काफी देर तक हवा में उड़ान भरने के बाद ड्रोन वापस पाकिस्तान की ओर लौट गया। बार्डर पर किसी भी संदिग्ध ड्रोन को देखे जाने पर उसे तुरंत मार गिराए जाने के निर्देश दिए गए हैं। सुरक्षा एजेंसियां सीमा पर पूरी तरह से मुस्तैद हैं। जम्मू-कश्मीर के कठुआ से लेकर अखनूर तक करीब 200 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बार्डर पर ड्रोन पर नजर रखी जा रही है। सुरक्षा बलों को आदेश है कि अगर कोई संदिग्ध वस्तु हवा में दिखती है तो उसे फौरन मार गिराया जाए।

जम्मू में फल का कारोबार करता था इजहार, मंसूबे खतरनाक

जागरण संवाददाता, शामली

जम्मू-कश्मीर में गिरफ्तार किए गए जैश के चार आतंकियों में कांधला निवासी इजहार खान भी शामिल है। इजहार दिखाने के लिए जम्मू में फल का कारोबार करता था, लेकिन उसकी गिरफ्तारी की कहानी कुछ और ही हालात बयां कर रही है। उसके मंसूबे खतरनाक बताए जा रहे हैं।

शामली जिले के थाना कांधला के वार्ड 18 मोहल्ला मिर्दगान निवासी इजहार खान का बड़ा भाई नूर मोहम्मद कई साल से जम्मू में फल का कारोबार करता था। वह बाद में इजहार को भी अपने साथ ले गया था। दोनों भाई यह कारोबार संभाल रहे थे। इजहार को पुलिस ने 24 जुलाई को जम्मू के थाना गंगीयाल में संगीन धाराओं में दर्ज मुकदमे में वांछित होने के कारण पकड़ा था। इजहार की गिरफ्तारी के बाद से स्वजन विरोधात्मक भाषा बोल रहे थे। इजहार के भाई नूर मोहम्मद ने मीडिया को बताया था कि वह और इजहार जम्मू में फल का कारोबार करते हैं। उनका भाई निर्दोष है। वह सात भाई हैं। किसी का भी आपराधिक इतिहास नहीं है। उनके एक साझीदार का परिचित पुलवामा निवासी जहांगीर है। उसने उनके भाई इजहार के मोबाइल से कई बार बातचीत की है। कर्ज होने के कारण जहांगीर अपना मोबाइल अधिकांश बंद रखता था।

सबसे पहले मुंतजर की हुई थी गिरफ्तारी

▸ प्रथम पृष्ठ से आगे

बता दें कि पकड़ा गया मुंतजर मंजूर जैश का आतंकी है। करीब डेढ़ माह पूर्व सबसे पहले मुंतजर की गिरफ्तारी जम्मू के कालूचक्क में एक पुलिस नाके पर हुई थी। उससे एक पिस्तौल, एक मैग्जीन, आठ कारतूस और दो चीन में निर्मित ग्रेनेड बरामद हुए थे। इन हथियारों को वह ट्रक में छिपाकर कश्मीर ले जा रहा था। वहीं, गिरफ्तार तौसीफ अहमद शाह को पाकिस्तान में बैठे जैश कमांडर शाहिद और अबरार ने कहा था कि वे जम्मू में किराये पर मकान ले। उसने इस हुक्म की तामील की। फिर उसे कोई पुरानी मोटरसाइकिल लेने के लिए कहा गया था, ताकि जम्मू में स्वतंत्रता दिवस पर आइईडी विस्फोट किया जा सके। इसके लिए आइईडी जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान से ड्रोन के जरिये गिराई जानी थी।

पकड़ा गया एक अन्य आतंकी जहांगीर अहमद कश्मीर घाटी सहित देश के अन्य राज्यों में जैश के लिए युवाओं को भर्ती करने का काम कर रहा था। इन्हें हमलों को अंजाम देने के लिए तैयार किया जा रहा था। इस बीच, पुलिस उस तक पहुंच गई और उसे भी दबोच लिया गया।

बिहार में बाढ़ से स्थिति गंभीर

जागरण टीम, पटना : गंगा, गंडक, कमला बलान, लखनदेई सोन, महानंदा व कोसी नदी के उफनने से बिहार के कई जिलों में बाढ़ ने विकराल रूप धारण कर लिया है। कई नदियों के जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। खगड़िया में कोसी, बागमती, गंगा और बूढ़ी गंडक के खतरे के निशान से ऊपर बहने से शनिवार से पानी नए इलाकों में प्रवेश करने लगा है। मुंगेर में गंगा के रौद्र रूप धारण करने से जिले के छह प्रखंडों के अनेक गांवों में बाढ़ आ गई है। वहीं समस्तीपुर जिले के मोहिउद्दीननगर में गंगा की तेज धारा में डूबने से दो लोगों की मौत हो गई। उनकी शिनाख्त महेश कुमार सिंह और दीपू कुमार सिंह के रूप में की गई है।

मुंगेर में बरियारपुर स्थित रेल पुल के पास गंगा का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर जाने से एहतियात के तौर पर शनिवार से भागलपुर-किऊल रेलखंड पर ट्रेनों का आवागमन अनिश्चितकाल तक के लिए बंद कर दिया गया है। इस रेल मार्ग पर आधा दर्जन से ज्यादा ट्रेनें रद कर दी गई हैं। कई ट्रेनों को रूट बदलकर चलाया जा रहा है। छह ट्रेनों को बीच रास्ते में ही रोक दिया गया है। । इधर, पश्चिम चंपारण में गंडक नदी के जलस्तर में वृद्धि हो रही है। शनिवार को गंडक बराज से एक लाख, 31 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया। यहां के रामनगर व पिपरासी प्रखंड में भी पानी भरा हुआ है। मुजफ्फरपुर में लखनदेई नदी का बांध टूटने से कटरा के एक दर्जन से अधिक गांवों में पानी घुस गया है।

ड्रोन से गिरे आरडीएक्स को उठाने वाले आरोपितों की हुई पहचान

जागरण संवाददाता, अमृतसर

पंजाब में ड्रोन से गिराए गए पांच ग्रेनेड, करीब दो से तीन किलो आरडीएक्स और टिफिन बम के मामले में पंजाब पुलिस ने आरोपितों की पहचान कर ली है। हालांकि उनकी पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है, लेकिन यह बताया जा रहा है कि वह सीमावर्ती गांवों के रहने वाले हैं। फिलहाल यह सभी भूमिगत हैं।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपितों के करीबी आठ लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। आरोपितों की मोबाइल लोकेशन के आधार पर पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए छापामारी भी कर रही है।

सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा एजेंसियों की ओर से आरोपितों के करीबियों से शनिवार शाम को ज्वाइंट इंटेरोगेशन सेंटर में करीब दो घंटे तक पूछताछ की गई। इसमें कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं। इसी के आधार पर पुलिस अगले कुछ दिन में पाकिस्तान से आई विस्फोटक सामग्री को मंगवाने और ठिकाने लगाने की योजना बनाने वाले आरोपितों के नाम एफआइआर में शामिल कर सकती है। सूत्रों के अनुसार, जांच में सामने आया है कि ड्रोन से गिराई गई विस्फोटक सामग्री को सीमावर्ती गांव में रहने वाले एक व्यक्ति ने कंटीली तार के पास खेतों से उठाकर पुल के पास छिपा दिया था।

गौरतलब है कि पिछले शनिवार-रविवार की रात पुलिस ने सीमा के साथ सटे लोपोके थाने के अधीन पड़ते ढालेके गांव के पास पाकिस्तान की ओर से ड्रोन के जरिए फेंकी गई विस्फोटक सामग्री बरामद की थी। डीजीपी दिनकर गुप्ता ने कहा था कि आतंकवादी इस विस्फोटक सामग्री से किसी बड़ी वारदात को अंजाम देना चाहते थे। इस मामले में आतकवादियों और गैंगस्टरों की मिलीभगत की जांच की जा रही है। वहीं बीते शुक्रवार को पुलिस ने अमृतसर के रंजीत एवेन्यू में हैंड ग्रेनेड भी बरामद किया था।

बीएसएफ ने भारतीय सीमा से बरामद की तीन किलो हेरोइन

जागरण संवाददाता, गुरदासपुर : पाक तस्करों द्वारा बैटरी में डालकर भेजी गई तीन किलो 120 ग्राम हेरोइन को बीएसएफ व एसटीएफ ने संयुक्त आप्रेशन के दौरान बरामद किया है। बीएसएफ अधिकारियों ने बताया कि एसटीएफ के साथ चलाए गए संयुक्त आप्रेशन के दौरान उन्होंने बीओपी कमालपुर जट्टां के पास रावी दरिया से थोड़ी दूरी पर भारतीय क्षेत्र में उगे सरकंडे में छिपाकर रखी एक बैटरी को बरामद किया। जवानों ने जब बैटरी को खोलकर देखा तो उसमें प्लास्टिक के लिफाफे में लपेटे चार हेरोइन के पैकेट बरामद हुए। इनका वजन तीन किलो 120 ग्राम था।

ईडी ने शक्ति भोग बैंक धोखाधड़ी मामले में सीए को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शक्ति भोग फूड्स लिमिटेड के खिलाफ 3,269 करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले की जांच के संबंध में दिल्ली में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट को गिरफ्तार किया है।

एजेंसी ने बताया कि रमन भूरारिया को शुक्रवार को इस धोखाधड़ी में मदद और मिलीभगत के आरोप में गिरफ्तार किया गया। बाद में उसे यहां मनी लांड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) अदालत के समक्ष पेश किया गया। अदालत ने उसे 20 अगस्त तक के लिए प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में भेज दिया।

ईडी ने एक बयान में बताया, यह गिरफ्तारी भूरारिया की अग्रिम जमानत याचिका विशेष अदालत द्वारा खारिज किए जाने और उससे संबंधित विभिन्न ठिकानों की विभाग द्वारा ली गई तलाशी के क्रम में हुई है। ईडी ने दावा किया, तलाशी अभियान के दौरान कई दोष साबित करने वाले दस्तावेज और डिजिटल सुबूत बरामद हुए। शक्ति भोग फूड्स लिमिटेड के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लांड्रिंग का मामला सीबीआइ की एक प्राथमिकी के अध्ययन के बाद दायर किया।

कांग्रेस और राहुल गांधी के ट्विटर अकाउंट बहाल

▸ अकाउंट बहाल किए जाने के बाद कांग्रेस ने पहला ट्वीट किया, सत्यमेव जयते

नई दिल्ली, प्रेट्र : ट्विटर ने शनिवार को कांग्रेस और उसके अन्य नेताओं के साथ राहुल गांधी का अकाउंट बहाल कर दिया। कथित दुष्कर्म पीड़िता के परिवार की तस्वीरें साझा करने को लेकर ट्विटर और कांग्रेस के बीच जारी तनातनी के बीच इंटरनेट मीडिया कंपनी ने यह कदम उठाया है। ट्विटर अकाउंट बहाल किए जाने के बाद कांग्रेस ने पहला ट्वीट किया, सत्यमेव जयते। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली में दुष्कर्म पीड़िता के परिवार की तस्वीर ट्वीट करने के बाद राहुल गांधी और कांग्रेस के अकाउंट को पिछले सप्ताह अस्थायी रूप से ब्लाक कर दिया गया था। ट्विटर ने इसे अपने नियमों का उल्लंघन बताया था।

सूत्रों ने बताया कि वह तस्वीर साझा करने वाले कांग्रेस के अन्य नेताओं का अकाउंट भी बहाल कर दिया गया है। अकाउंट बहाल होने के बाद कांग्रेस और पार्टी के कुछ अन्य नेताओं ने ट्विटर के कथित ढोंग के खिलाफ हैशटैग भी चलाया। कांग्रेस के एक नेता ने बयान जारी कर कहा कि भारत की जनता ट्विटर से जवाबदेही की मांग करती है। हमारा कहना है कि एक दुष्कर्म पीड़ित के लिए न्याय की मांग करने वाली मामूली बात पर आपने बड़ी संख्या में अकाउंट ब्लाक कर दिए। हमारी मांग है कि मोदी सरकार से डरकर हमारी नीतियों में दखल देना बंद कर दीजिए। बयान में आगे कहा गया है कि मोदी सरकार के दबाव में ट्विटर को भारतीयों की आवाज को दबाना बंद कर देना चाहिए। भाजपा से डरने की कोई जरूरत नहीं है। न्याय की मांग करने वाले सभी अकाउंट को बहाल किया जाना चाहिए। इस बयान को कांग्रेस के कई नेताओं ने ट्विटर पर साझा किया है।

कांग्रेस के पूर्व प्रमुख ने शुक्रवार को ट्विटर पर राष्ट्रीय राजनीतिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाते हुए नाराजगी व्यक्त की और कहा कि उनके हैंडल को बंद करना देश के लोकतांत्रिक ढांचे पर हमला है। 'ट्विटर का खतरनाक खेल' शीर्षक से यूट्यूब पर जारी वीडियो में राहुल ने आरोप लगाया कि यह एक तटस्थ और उद्देश्यपूर्ण मंच नहीं था और सरकार के प्रति आभारी था।

निर्वाचन आयोग की वेबसाइट में घुसपैठ करने वाले चार और गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, सहारनपुर

भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट में घुसपैठ करने वाले चार और आरोपितों को सहारनपुर पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया। शनिवार शाम चारों को एसीजेएम सेकेंड की अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत के लिए भेज दिया गया। एक आरोपित विपुल सैनी को बुधवार रात गिरफ्तार कर गुरुवार को जेल भेज दिया गया था।

निर्वाचन आयोग की वेबसाइट में घुसपैठ करने के आरोपित दिल्ली निवासी आशीष जैन, आदित्य खत्री, अरमान मलिक उर्फ मोहम्मद नियाज आलम व नितिन कुमार को सहारनपुर पुलिस ने शुक्रवार देर रात दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के मुताबिक आरोपितों ने पूछताछ में स्वीकार किया है कि आदित्य खत्री और नितिन कुमार निर्वाचन आयोग दिल्ली के कार्यालय में संविदा पर डाटा आपरेटर के पद पर नौकरी करते थे। दोनों को आयोग की वेबसाइट का यूजर नेम और पासवर्ड पता था। उन्होंने अरमान मलिक और आशीष जैन को ये यूजर नेम और पासवर्ड दे दिए। अरमान और आशीष साइबर कैफे चलाते हैं। अरमान के ही संपर्क में सहारनपुर निवासी विपुल सैनी आया और अरमान ने विपुल को भी यूजर नेम और पासवर्ड दे दिया। उसने भी अवैध रूप से वोटर आइडी कार्ड बनाने शुरू कर दिए। अरमान और आशीष ने साइबर कैफे पर पांच माह पूर्व वोटर आइडी कार्ड बनाने का काम शुरू किया था। पांच माह में ये लोग कई हजार कार्ड बना चुके थे।

> भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट में घुसपैठ के मामले में शनिवार को चार आरोपितों को गिरफ्तार करने के बाद अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।
> -डा. एस चन्नपा, एसएसपी।

छठे आरोपित की तलाश में मुरैना पहुंची पुलिस

नईदुनिया, मुरैना : सहारनपुर पुलिस की टीम छठे आरोपित 18 वर्षीय हर्षा उर्फ हरिओम सखवार की तलाश में मप्र के मुरैना के अंबाह पहुंची। गुरुद्वारा मोहल्ला में रहने वाले हरिओम के पिता दिनेश सूरत में मजदूरी करते हैं। वह अंबाह की कंप्यूटर दुकान पर नौकरी करता था। इसी दौरान विपुल सैनी के संपर्क में आ गया और फर्जी वोटर कार्ड बनाने लगा। हरिओम के चार साथियों की पुलिस ने पहचान की। तीन उसके बारे में कोई उपयोगी जानकारी नहीं दे सके। 16 साल के नाबालिग ने हरिओम व उसके कामकाज के बारे में कुछ जानकारी दी है। नाबालिग साथी ने बताया कि हरिओम को एक फर्जी मतदाता परिचय पत्र बेचने के बाद 100 रुपये मिलते थे।

साइबर पोर्न, ब्लैकमेल अपराधियों को राष्ट्रीय डाटाबेस से जोड़ें

नई दिल्ली, आइएएनएस : गृह मंत्रालय की स्थायी समिति ने नवीनतम रिपोर्ट में मंत्रालय से साइबर पोर्नोग्राफी, साइबर ब्लैकमेलिंग, साइबर स्टाकिंग या बदमाशी में लिप्त आदतन अपराधियों व साइबर स्पेस में बढ़े अन्य अपराधियों को यौन अपराधियों के राष्ट्रीय डाटाबेस (एनडीएसओ) में शामिल करने को कहा है। गृह मंत्रालय ने अदातन अपराधियों की पहचान करने में कानून को लागू करने वाली एजेंसियों (एलईए) की मदद करने, अपराधियों के बारे में अलर्ट प्राप्त करने और जांच में मदद के लिए एनडीएसओ का गठन किया है।

कांग्रेस सांसद आनंद शर्मा की अध्यक्षता वाली समिति ने कहा कि खासकर महिलाओं और बच्चों के खिलाफ साइबर अपराध करने वाले अपराधियों की पहचान और खोज करने के लिए जांच प्रणाली को मजबूत करने की जरूरत है। समिति ने कहा कि साइबर स्पेस के उपयोग और दुरुपयोग के बारे में समाज के सभी वर्गों के बीच जागरूकता फैलाना जरूरी है।

असम में मिजोरम सीमा से सटे स्कूल में विस्फोट

हैलाकांडी (असम), प्रेट्र : असम-मिजोरम सीमा पर शनिवार को कुछ देर की शांति के बाद तनाव फिर बढ़ गया। कुछ अज्ञात शरारती तत्वों ने हैलाकांडी जिले में एक सरकारी शिक्षण संस्थान पर बम विस्फोट किया जिससे स्थानीय लोगों में भय व्याप्त हो गया।

हैलाकांडी के पुलिस अधीक्षक गौरव उपाध्याय ने संवाददाताओं को बताया कि आधी रात के करीब साहेबमारा में अंतरराज्यीय सीमा के करीब एक प्राथमिक विद्यालय के एक बड़े हिस्से को विस्फोट कर क्षतिग्रस्त कर दिया। हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है इलाके के स्थानीय लोगों को शक है कि सीमा के दूसरी ओर से आए बदमाशों ने स्कूल में बमबारी की। एसपी के मुताबिक गहन जांच के बाद ही इसा बारे में पक्की जानकारी मिल सकेगी। उधर असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि वे मिजोरम के सीएम को पत्र लिखकर विस्फोट की जांच के लिए अनुरोध करेंगे।

'पाक से जैसे ड्रोन आ जाते हैं, वैसे ही जेलों में मोबाइल

जागरण संवाददाता, फतेहगढ़ साहिब

जेल मंत्री रंधावा बोले

▸ पाक से आए ड्रोन को हम पकड़ लेते हैं, वैसे ही मोबाइल पकड़े जा रहे

पंजाब के फतेहगढ़ साहिब पहुंचे सहकारिता व जेल मंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने शनिवार को पंजाब की जेलों में आए दिन मोबाइल मिलने की घटनाओं को पाकिस्तान से भारत में आने वाले ड्रोन के साथ जोड़ दिया। उन्होंने कहा कि जिस तरह भारतीय सीमा में आन वाले ड्रोन को पकड़ लिया जाता है, उसी तरह जेलों में अगर मोबाइल पहुंच जाते हैं तो उन्हें भी बरामद कर लिया जाता है। हालांकि वे जेलों तक मोबाइल कैसे पहुंचते हैं और जेलों से गैंगस्टर इंटरनेट मीडिया पर कैसे सक्रिय रहते हैं, के सवाल पर कोई संतोष जनक जवाब नहीं दे पाए।

नवजोत सिंह सिद्धू के अध्यक्ष बनने के बाद कांग्रेस में बढ़े क्लेश पर रंधावा ने कहा कि पार्टी में कोई दो पावर सेक्टर नहीं हैं। सभी एक हैं। तीन रुपये यूनिट बिजली देने के दावे पर रंधावा बोले कि सब चीजों पर प्लान हो रहा है। पंजाब में गैंगस्टरों द्वारा वारदातों को सरेआम अंजाम देने पर रंधावा ने कहा कि गैंगस्टर अकाली सरकार में पैदा हुए। कांग्रेस सरकार में गैंगस्टरों पर नकेल कसने के लिए बठिंडा जेल में डार्क जोन बनाया गया था। वहां ए-कैटेगरी गैंगस्टरों को अन्य कैदियों से अलग रखा जाना था। हाई कोर्ट के आदेश पर इस जोन में गैंगस्टरों को रखा नहीं जा सका। अब दोबारा हाई कोर्ट में याचिका दायर की जाएगी। इसके अलावा गैंगस्टरों पर नकेल कसने के लिए एक्शन प्लान तैयार किया जा रहा है।

पंजाब में विभिन्न विभागों के कर्मियों द्वारा हड़ताल करने पर मंत्री ने कहा कि यह बदकिस्मत है कि चुनावों के नजदीक आने पर सभी कर्मचारी हड़ताल पर चले जाते हैं।

19.45 करोड़ पहली और 1.51 करोड़ दूसरी डोज लगाई गई है 18-44 वर्ष आयुवर्ग के लोगों को।

सक्रिय मामले बढ़कर हुए तीन लाख 87 हजार

हालात ▶ 24 घंटे में करीब ढाई हजार बढ़े एक्टिव केस, 38 हजार नए मामले मिले

जेएनएन, नई दिल्ली

कोरोना महामारी की दूसरी लहर से कुछ राहत तो मिली है, लेकिन प्रतिदिन मिल रहे मामलों में ज्यादा कमी नहीं आ रही है। केरल में हालात सुधर नहीं रहे हैं। बीते 24 घंटे में पूरे देश में 38 हजार से कुछ अधिक मामले मिले हैं, जिनमें 20 हजार से ज्यादा अकेले केरल से हैं। सक्रिय मामलों में फिर वृद्धि हुई है और कुल एक्टिव केस 3.87 लाख हो गए हैं। इस दौरान 478 लोगों की मौत हुई है, जिसमें महाराष्ट्र में 158 और केरल में 114 मौतें शामिल हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से शनिवार सुबह आठ बजे अपडेट किए गए आंकड़ों के मुताबिक शुक्रवार के बाद से सक्रिय मामलों में 2,446 की वृद्धि हुई है। सक्रिय मामले कुल मामलों के 1.21 फीसद हो गए हैं, एक दिन पहले यह आंकड़ा 1.20 फीसद पर था। हालांकि, दैनिक और साप्ताहिक संक्रमण दर तीन फीसद से नीचे बनी हुई है। मरीजों के उबरने की दर में मामूली कमी आई है, परंतु मृत्युदर पूर्ववत बनी हुई है।

अब तक 54 करोड़ से ज्यादा डोज लगाई गईं

कोविन प्लेटफार्म के आंकड़ों के मुताबिक शनिवार को रात बजे तक कोरोना रोधी वैक्सीन की 71.46 लाख डोज लगाई गई। इनको मिलाकर अब तक कुल 54.26 करोड़ डोज लगाई जा चुकी हैं। इनमें 42.26 करोड़ पहली और 12.00 करोड़ दूसरी डोज शामिल हैं। अब तक 18-44 वर्ष आयुवर्ग के लोगों को सबसे ज्यादा 19.45 करोड़ पहली और 1.51 करोड़ दूसरी डोज लगाई गई हैं।

शाम 5 :30 बजे तक किस राज्य में कितने टीके

राज्य	टीके	राज्य	टीके
महाराष्ट्र	9.54 लाख	पंजाब	1.60 लाख
मध्य प्रदेश	8.56 लाख	हरियाणा	1.47 लाख
गुजरात	5.90 लाख	उत्तराखंड	1.02 लाख
राजस्थान	5.74 लाख	झारखंड	1.21 लाख
उत्तर प्रदेश	3.31 लाख	छत्तीसगढ़	0.52 लाख
बिहार	3.16 लाख	जम्मू-कश्मीर	0.40 लाख
हिमाचल	1.90 लाख	(कोविन प्लेटफार्म के आंकड़े)	
दिल्ली	1.57 लाख		

देश में कोरोना की स्थिति

24 घंटे में नए मामले	38,667
कुल सक्रिय मामले	3,87,673
24 घंटे में टीकाकरण	63.62 लाख
कुल टीकाकरण	53.61 करोड़

शनिवार सुबह 08 बजे तक कोरोना की स्थिति

नए मामले	38,667
कुल मामले	3,21,56,493
सक्रिय मामले	3,87,673
मौतें (24 घंटे में)	478
कुल मौतें	4,30,732
ठीक होने की दर	97.45 फीसद
मृत्यु दर	1.34 फीसद
पाजिटिविटी दर	1.73 फीसद
सा.पाजिटिविटी दर	2.05 फीसद
जांचें (शुक्रवार)	22,29,798
कुल जांचें (शुक्रवार)	49,17,00,577

स्वतंत्रता के सारथी — महामारी से आजादी

मां अन्नपूर्णा बन शहर से गांव तक पहुंचाया भोजन

वाराणसी में लाकडाउन में जरूरतमंदों का पेट भरती रही अन्नपूर्णेश्वरी मंदिर की रसोई

प्रमोद यादव ● वाराणसी

देवाधिदेव महादेव की नगरी काशी के लिए कहा जाता है कि यहां कोई भूखा नहीं सोता। काशीपुराधिपति की कृपा से हर एक के निवाले का इंतजाम हो जाता है। मां अन्नपूर्णेश्वरी से अन्नदान लेकर बाबा विश्वनाथ अपनी नगरी का पालन-पोषण करते हैं। उनके आंगन में विराजमान देवी अन्नपूर्णा के सामने याचक मुद्रा में खड़े भोले शंकर की छवि इस पौराणिक तथ्य की गवाही देती है तो कोरोना काल में मंदिर की अन्न प्रसाद वितरण व्यवस्था ने इस मान्यता को बल भी प्रदान किया।

पुलिस-प्रशासन से कराया वितरण: कोरोना काल में जब लाकडाउन लगा तो मानो जिंदगी ही थम गई। सर्वाधिक संकट रोज कमाने-खाने वालों के समक्ष था। इसके बाद भी काशी में कोई ऐसा न सामने आया जो भूखा रहा, बिना खाए सोया। कई संगठन सामने आए, लेकिन अन्नपूर्णा दरबार का योगदान अतुलनीय रहा। श्रीकाशी अन्नपूर्णा अन्न क्षेत्र ट्रस्ट ने अपनी रसोई में रोजाना पूड़ी-सब्जी, अचार-मिठाई के दो से ढाई हजार पैकेट बनाए। नाम की इच्छा रखे बगैर इसे पुलिस-प्रशासन व स्वयंसेवी संस्थाओं के जरिए गांव से शहर तक गली-मोहल्लों में जरूरतमंदों तक पहुंचवाया। महंत शंकर पुरी ने पहली और दूसरी लहर में भी रसोई की कमान संभाले रखी कि कहीं कोई कमी न आए, हर एक तक समुचित पैकेट पहुंचाने के उद्देश्य से मोबाइल फोन पर भी वह लगातार सक्रिय रहे।

नया नहीं है अनुष्ठान: श्रीकाशी अन्नपूर्णा मठ- मंदिर अन्न क्षेत्र के लिए यह अनुष्ठान नया नहीं है। ट्रस्ट लंबे समय से खुले भंडार में हर एक को अन्न प्रसाद पूरे भाव से खिला रहा है। वर्ष 2000 में तत्कालीन महंत त्रिभुवन पुरी ने इसका विधिवत शुभारंभ किया था। तीन साल बाद ही कालिका गली में नया भवन बनाकर इसे व्यवस्थित रूप दिया गया। अक्टूबर 2014 में बांसफाटक में दूसरी यूनिट शुरू की गई। दोनों स्थानों पर नित्य पांच हजार लोगों को दाल-सांभर, चावल, दो तरह की सब्जी, अचार-पापड़ व मिठाई परोसी जाती है। जाति-धर्म या प्रांत की सीमाएं आड़े नहीं आती हैं। सायंकाल दक्षिण भारतीय नाश्ता कराया जाता है तो ललिता घाट पर भी कोरोना काल से पहले तक हर शाम प्रसाद ग्रहण कराया जाता रहा।

कोरोना काल में महंत शंकर पुरी के निर्देशन में अन्नपूर्णा मठ मंदिर की रसोई में वितरण के लिए तैयार किए जा रहे भोजन के पैकेट ● जागरण आर्काइव

शुद्धता का रखा जाता ध्यान

भोजन पकाने में शुद्धता का पूरा ध्यान रखते हुए अत्याधुनिक मशीनें लगाई गई हैं। पत्तल विशाखापत्तनम तो आटा और अचार चेन्नई से आता है। बात यहीं खत्म नहीं होती, मां अन्नपूर्णेश्वरी का दरबार अन्नपूर्णा ऋषिकुल ब्रह्मचर्याश्रम, दातव्य चिकित्सालय, वृद्धाश्रम, महिला स्वावलंबन केंद्र संचालित करने के साथ हर साल 25 जोड़ों का विवाह और 200 बटुकों का उपनयन संस्कार भी कराता है।

तीसरी लहर के बारे में कुछ भी कहना मुश्किल : गुलेरिया

▶ एम्स के निदेशक ने कहा, महामारी की भावी लहर आती भी है तो दूसरी जितनी नहीं होगी भयावह

विशाखापत्तनम, प्रेट्र : अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के निदेशक डा. रणदीप गुलेरिया ने शनिवार को कहा कि कोरोना महामारी की तीसरी लहर के बारे में कुछ भी सटीक कहना मुश्किल है। अगर लोग कोरोना से बचाव के नियमों का सही तरीके से पालन करते हैं तो हो सकता है कि तीसरी लहर आए ही नहीं।

डा. गुलेरिया यहां गीतम इंस्टीट्यूट में फाउंडेशन दिवस अवार्ड स्वीकार करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि तीसरी लहर अप्रत्याशित है। यह कहना मुश्किल है कि वायरस किस तरह का प्रभाव डालेगा। हालांकि, उन्होंने कहा कि अगर तीसरी लहर आती भी है तो वह दूसरी लहर जितनी भयावह नहीं होगी।

तीसरी लहर में बच्चों के ज्यादा प्रभावित होने की आशंकाओं का जिक्र करते हुए डा. गुलेरिया ने कहा कि बच्चों को जोखिम ज्यादा है, क्योंकि उनका टीकाकरण नहीं हुआ है। अभी देश में बच्चों के लिए कोई टीका नहीं बना है।

डा. गुलेरिया ने कहा कि यह आम भावना है कि बड़ों का टीकाकरण हो रहा है, इसलिए वो सुरक्षित हो गए हैं, बच्चों को खतरा है। उन्होंने बताया कि नवीनतम सीरो सर्वेक्षण के मुताबिक 50 फीसद से ज्यादा बच्चे पहले ही संक्रमित हो चुके हैं और उनके कोरोना वायरस के खिलाफ एंटीबाडी पाई गई है। एम्स के निदेशक ने उम्मीद जताई कि आगामी एक या दो महीने में बच्चों के लिए भी कोरोना रोधी टीका आ सकता है। इसके बाद बच्चों का टीकाकरण भी शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जहां तक गंभीर बीमारी का सवाल है तो वैक्सीन प्रभावी है। कोरोना संक्रमण के चलते होने वाली मौतों को भी वैक्सीन कम करती है और संक्रमण को गंभीर भी नहीं होने देती। उन्होंने कहा कि टीकाकरण के बाद जो लोग भी पाजिटिव पाए जा रहे हैं, उन्हें हल्का संक्रमण हो रहा है।

उप्र में मुहर्रम पर नहीं मिलेगी जुलूस की अनुमति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : कोरोना के चलते मुहर्रम पर उत्तर प्रदेश में किसी प्रकार के जुलूस या ताजिया की अनुमति नहीं होगी। गृह विभाग ने मुहर्रम को लेकर गाइडलाइन जारी कर दी है। अपर मुख्य सचिव, गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने मुहर्रम पर कड़े सुरक्षा प्रबंधों के साथ पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों को धर्म गुरुओं से संवाद स्थापित कर कोविड-19 की रोकथाम के लिए जारी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने का निर्देश भी दिया है।

गृह विभाग से निर्देशों में कहा गया है कि सार्वजनिक रूप से ताजिया व अलम स्थापित नहीं किए जाएंगे। ताजिया व अलम की स्थापना घरों में करने पर कोई पाबंदी नहीं होगी। इसके साथ ही संवेदनशील और कंटेनमेंट जोन में पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती किए जाने का निर्देश भी दिया गया है।

कहा गया है कि किसी भी धार्मिक स्थल पर भीड़ एकत्रित न होने दी जाए। त्योहारों पर सार्वजनिक, संवेदनशील और प्रमुख स्थलों पर कड़ी चेकिंग कराई जाए। सघन चेकिंग के लिए एटीएस, श्वान दल व बम निरोधक दस्ते को सक्रिय किया जाए।

कोरोना महामारी के खिलाफ अग्रिम मोर्चे के योद्धा स्वास्थ्यकर्मी शनिवार को राजस्थान के बीकानेर में स्वतंत्रता दिवस के उल्लास के साथ टीकाकरण अभियान में जुटे रहे। इस दौरान एक सरकारी अस्पताल में टीका लगवाने पहुंची महिला को तिरंगा भेंट किया गया। प्रेट्र

मोबाइल नंबरों का सत्यापन पूरा

जागरण संवाददाता, हरिद्वार

हरिद्वार कुंभ कोरोना जांच फर्जीवाड़े में ईडी के छापेमारी के बाद साढ़े तीन हजार मोबाइल नंबर की जांच पूरी होने के साथ ही सीडीओ सौरभ गहरवार ने 2200 पन्नों की जांच रिपोर्ट जिलाधिकारी विनय शंकर पांडेय को सौप दी है। इसके साथ ही उन्होंने मामले से संबंधित जानकारी और जांच में सामने प्रमुख तथ्यों के आधार पर 120 पन्नों की रिपोर्ट (समरी) अलग से दी है।

बताया जा रहा है कि इस मामले में सीडीओ की रविवार को स्वतंत्रता के दिवस कार्यक्रम के बाद जिलाधिकारी से इस मसले पर बैठक भी होगी। सीडीओ सौरभ गहरवार ने जांच रिपोर्ट सौंपे जाने की पुष्टि की है।

वेंटिलेटर सपोर्ट पर संक्रमित महिला ने दिया बच्चों को जन्म

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

उपलब्धि

▶ कलकत्ता मेडिकल कालेज और अस्पताल में डाक्टरों ने की जटिल सर्जरी

▶ गर्भ को आठ महीने भी नहीं हुए थे पूरे, उससे पहले कराया प्रसव, मां और बच्चे स्वस्थ

कलकत्ता मेडिकल कालेज और अस्पताल में वेंटिलेटर सपोर्ट पर कोरोना संक्रमित महिला ने जुड़वां बच्चों को जन्म दिया है। डाक्टरों ने महिला की जान बचाने के लिए जोखिमपूर्ण सर्जरी की। डाक्टरों का कहना है कि देश में वेंटिलेटर सपोर्ट पर कोरोना संक्रमित महिला द्वारा जुड़वां बच्चों को जन्म देने की यह अभूतपूर्व घटना है। सामान्य तौर पर गर्भ में भ्रूण 10 महीने में विकसित होता है, लेकिन महिला की शारीरिक स्थिति को देखते हुए आठ महीने से पहले ही सर्जरी के जरिये प्रसव कराया गया।

हावड़ा के श्यामपुर इलाके की रहने वाली जया मांझी जुलाई में कोरोना संक्रमित हो गई थीं। उन्हें कलकत्ता मेडिकल कालेज और अस्पताल की एसएसबी बिल्डिंग स्थित कोरोना वार्ड में भर्ती कराया गया था, जहां उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था। अस्पताल के प्रसूति विभाग के प्रमुख डा. पार्थ मुखोपाध्याय ने कहा कि मरीज के शरीर में आक्सीजन सैचुरेशन तेजी से घटता जा रहा था, जिससे उसके गर्भ में पल रहे बच्चों को भी पर्याप्त आक्सीजन नहीं मिल पा रही थी।

मां और बच्चों की जान बचाने के लिए जल्द से जल्द सर्जरी करना जरूरी था। सर्जरी कर प्रसव कराया गया। जन्म के समय नवजात शिशुओं का वजन क्रमशः डेढ़ किलो व एक किलो ढाई सौ ग्राम था। सामान्य तौर पर पैदा होने वाले बच्चों का वजन ढाई किलो के आसपास रहता है। जन्म के बाद दोनों शिशुओं को तुरंत आक्सीजन सपोर्ट भी दिया गया। मां और शिशुओं, तीनों की हालत स्थिर है। उन्हें अस्पताल से छुट्टी भी दे दी गई है।

राष्ट्रीय फलक

तमिलनाडु के मंदिरों में नियुक्त किए गए सभी जाति के पुजारी

▶ द्रमुक सरकार के सीएम स्टालिन ने 24 पुजारियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

▶ द्रमुक सरकार के सीएम स्टालिन ने 24 पुजारियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

चेन्नई, प्रेट्र : सभी जाति के अभ्यर्थियों को मंदिरों में पुजारी नियुक्त करने संबंधी चुनावी वादे के अनुरूप तमिलनाडु की द्रमुक सरकार ने शनिवार को 24 प्रशिक्षित अर्चकों की नियुक्ति की। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विभिन्न पदों के लिए 75 लोगों को हिंदू धर्म एवं परमार्थ अक्षय निधि विभाग का नियुक्ति पत्र सौंपा।

सरकार ने बताया कि जिन 208 लोगों को नियुक्ति दी गई है, उनमें भट्टाचार्य, ओधुवर्य पुजारी तथा तकनीकी व कार्यालय सहायक शामिल हैं। 24 अभ्यर्थियों ने राज्य सरकार द्वारा संचालित प्रशिक्षण केंद्र से तथा 34 ने अन्य पाठशालाओं से अर्चक (पुजारी) का प्रशिक्षण पूरा किया है। भट्टाचार्य जहां वैष्णव पुजारी हैं, वहीं ओधुवर्य को तमिल शैव परंपराओं में प्रशिक्षित किया जाता है।

सुधारवादी नेता थनाथई पेरियार ईवी रामास्वामी का संदर्भ देते हुए सरकार ने आधिकारिक बयान में कहा कि उन्होंने ईश्वर में आस्था रखने वाले सभी लोगों के लिए पूजा के समान अधिकार की लड़ाई लड़ी। उन्हीं के पदचिन्हों पर चलते हुए तत्कालीन मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि के नेतृत्व वाली द्रमुक सरकार (वर्ष 2006-11) ने हिंदुओं की सभी जातियों से ताल्लुक रखने वालों को मंदिरों का पुजारी नियुक्त करने के लिए आदेश जारी किया था।

पेट्रोल व दूध की कीमतों में तीन रुपये प्रति लीटर की कटौती

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सरकार के सौ दिन पूरे होने पर विधानसभा में कहा कि उनकी पार्टी की सरकार चुनावी वादों को चरणबद्ध तरीके से पूरा कर रही है। कोविड-19 की दूसरी लहर में लोगों की जिंदगी बचाना सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि रही। बाद में स्टालिन ने एक बयान जारी कर कुछ अहम घोषणाओं की जानकारी दी। इनमें पेट्रोल व दूध की कीमतों में तीन रुपये प्रति लीटर की कटौती, सिटी बसों में महिलाओं की मुफ्त यात्रा, लाभार्थियों को चार हजार रुपये कोविड राहत व स्वास्थ्य विभाग को कोविड की अन्य लहर से निपटने के लिए तैयार करने जैसी घोषणाएं शामिल हैं। बता दें कि 14 अगस्त को तमिलनाडु में द्रमुक का सरकार बने 100 दिन हो गए हैं। स्टालिन ने सात मई को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी।

सभी न्यायिक अधिकारियों को एक्स श्रेणी की सुरक्षा पर 17 को सुनवाई

नई दिल्ली, एएनआइ : सुप्रीम कोर्ट सभी न्यायिक अधिकारियों को एक्स श्रेणी की सुरक्षा मुहैया कराने की मांग वाली याचिका पर 17 अगस्त को सुनवाई करेगा। वकील विशाल तिवारी ने यह जनहित याचिका (पीआइएल) दायर की है। इसमें केंद्र और सभी राज्यों सरकारों को इस संबंध में निर्देश देने का आग्रह किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट धनबाद में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एएसजे) उत्तम आनंद की मौत के मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए सुनवाई कर रहा है। इस याचिका पर भी उसी के साथ सुनवाई होगी। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) नथालपति वेंकट रमना, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस अनिरुद्ध बोस की तीन सदस्यीय पीठ मंगलवार को सुनवाई करेगी।

पीआइएल में सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया गया है कि वह सभी न्यायिक अधिकारियों और वकीलों को सुरक्षा देने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों को जरूरी दिशानिर्देश लागू करने का निर्देश दे।

दूर हुआ भ्रम, नौसेना ने गोवा के द्वीप साओ जैसिंटो पर किया ध्वजारोहण

▶ स्थानीय वासियों की आपत्ति के बाद नौसेना ने स्थगित कर दिया था कार्यक्रम

पणजी, प्रेट्र : नौसेना ने आजादी की 75वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर दक्षिणी गोवा के साओ जैसिंटो द्वीप पर स्थानीय लोगों के साथ ध्वजारोहण किया। भ्रमवश स्थानीय लोगों की आपत्ति के बाद नौसेना ने गत दिवस कार्यक्रम को स्थगित कर दिया था। इसके बाद मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी थी।

रक्षा मंत्रालय ने 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अंतर्गत 13-15 अगस्त के बीच देश के सभी द्वीपों पर ध्वजारोहण की पहल की है। नौसेना के आइएनएस हंस बेस के प्रवक्ता ने शुक्रवार को कहा था कि एक टीम ने साओ जैसिंटो समेत गोवा नौसेना क्षेत्र के सभी द्वीपों का दौरा किया था। स्थानीय निवासियों के विरोध के बाद साओ जैसिंटो द्वीप में ध्वजारोहण कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया। हालांकि, साओ जैसिंटो के निवासियों ने यह स्पष्ट किया था कि उन्होंने ध्वजारोहण का विरोध नहीं किया है। बल्कि, उन्हें डर है कि यह बंदरगाह प्राधिकरण अधिनियम-2020 के तहत द्वीप को अपने अधिकार में लेने की केंद्र की पहल हो सकती है। इसके बाद सीएम सावंत ने चेतावनी जारी करते हुए कहा था कि 'भारत विरोधी गतिविधियों' से सख्ती के साथ निपटा जाएगा।

नौसेना के प्रवक्ता की तरफ से जारी बयान के अनुसार, 'भ्रम दूर होने के बाद साओ जैसिंटो द्वीप पर स्थानीय निवासियों की उपस्थिति में ध्वजारोहण किया गया।' सीएम सावंत ने कार्यक्रम की तस्वीर के साथ ट्वीट किया, 'नौसेना के ध्वजारोहण कार्यक्रम में स्थानीय लोगों की उपस्थिति से दिल खुश हो गया।'

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार को गोवा के साओ जैसिंटो द्वीप पर नौसेना ने ध्वजारोहण किया। इस मौके पर स्थानीय लोग भी मौजूद रहे। एएनआइ

एनएसओ के निदेशकों, गृह सचिव के खिलाफ मानहानि केस की मांगी अनुमति

नई दिल्ली, एएनआइ : पेगासस जासूसी मामले में तमिलनाडु के सांसद डा. टी. तिरुमवलवन ने इजरायली कंपनी एनएसओ समूह के निदेशकों, गृह सचिव अजय भल्ला और पूर्व गृह सचिव राजीव गौबा के खिलाफ मानहानि का केस शुरू करने के लिए अटार्नी जनरल केके वेणुगोपाल से अनुमति मांगी है।

पेगासस स्पाइवेयर एनएसओ समूह का ही साफ्टवेयर है। सांसद ने सुप्रीम कोर्ट के एक मौजूदा जज, सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री के दो अधिकारियों और सुप्रीम कोर्ट के अन्य स्टाफ के खिलाफ सैन्य ग्रेड के सर्विलांस के इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए इन लोगों के खिलाफ मामला शुरू करने की अनुमति मांगी है। सांसद का कहना है कि मौजूदा गृह सचिव अजय भल्ला के कार्यकाल में कुछ लोगों की जासूसी की गई और कुछ लोगों की राजीव गौबा के कार्यकाल के दौरान। गौबा अभी कैबिनेट सचिव हैं।

बिहार सृजन घोटाले में बीपीएससी के पूर्व सचिव को अग्रिम जमानत

▶ सुप्रीम कोर्ट ने कहा, मुकदमे की सुनवाई पूरी होने तक नहीं की जाएगी कोई दंडात्मक कार्रवाई

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने बिहार लोकसेवा आयोग (बीपीएससी) के पूर्व विशेष सचिव प्रभात कुमार सिन्हा को अग्रिम जमानत दे दी है। सिन्हा के खिलाफ सृजन घोटाला मामले में आरोप पत्र दाखिल किया गया था। इस घोटाले में राज्य सरकार का धन कथित तौर पर एक गैरसरकारी संगठन (एनजीओ) के खातों में भेजा गया था। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नौ अगस्त को जारी आदेश में कहा गया है, 'याचिकाकर्ता के वकील व मामले में प्रतिवादी भारत सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सालिसिटर जनरल को सुनने के बाद याचिकाकर्ता को अग्रिम जमानत दी जाती है। मुकदमे की सुनवाई पूरी होने तक याचिकाकर्ता के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई नहीं जाएगी। इस निर्देश के साथ विशेष अनुमति याचिका का निस्तारण किया जाता है।'

यह आदेश जस्टिस आरएफ नरीमन (अब सेवानिवृत्त) और जस्टिस बीआर गवई की पीठ ने दिया। सुनवाई के दौरान सिन्हा का पक्ष शोएब आलम और फौजिया शकील ने रखा। उन्होंने कहा कि मामले की जांच के दौरान याचिकाकर्ता को गिरफ्तार नहीं किया गया और अदालत पहले ही इसका संज्ञान ले चुकी है। उन्होंने कहा, 'इसलिए अभी उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की जरूरत नहीं है। उन्हें अग्रिम जमानत दी जाए।' आलम ने कहा कि हाई कोर्ट ने यह मानकर गलती की कि सुबूतों के साथ छेड़छाड़ की जा सकती है। सीबीआइ और केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सालिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि यह आर्थिक अपराध है। इससे राजकोष को नुकसान हुआ है। मालूम हो कि अगस्त, 2017 को सीबीआइ ने सृजन घोटाले की जांच अपने हाथ में ली थी।

जेल में फिर बिगड़ी आसाराम की तबीयत

संवाद सूत्र, जोधपुर: अपने ही आश्रम की नाबालिग लड़की से दुष्कर्म करने के मामले में जोधपुर जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम की तबीयत शनिवार को एक बार फिर खराब हो गई है। उसके समर्थकों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है।

बताया गया है कि आसाराम के लिवर का साइज बढ़ गया है। उसे पेशाब करने में भी दिक्कत हो रही है। उसकी एक किडनी में भी हल्की सूजन है। इधर, आसाराम के समर्थकों का कहना कि जेल प्रशासन आसाराम के इलाज को लेकर कोताही बरत रहा है। दूसरी तरफ जेल प्रशासन का कहना है कि आसाराम की गंभीर स्थिति नहीं है। उसे अस्पताल में भर्ती कराने की आवश्यकता नहीं है। जरूरत पड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा। गौरतलब है कि पूर्व में भी उसकी तबीयत खराब हुई थी, तब उसे जोधपुर के एम्स में भर्ती कराया गया था। हालांकि, वह इलाज के लिए हरिद्वार जाना चाहता था।

संदिग्ध कार को रोकने पर चालक ने एएसआइ पर चढ़ा दी कार

जागरण संवाददाता, पटियाला

स्वतंत्रता दिवस को लेकर पुलिस ने शहर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। वहीं, माडल टाउन पुलिस चौकी के तहत लीला भवन इलाके में संदिग्ध कार को रोकने की कोशिश करने पर चालक ने एएसआइ को पहले पिस्तौल दिखाकर डराना चाहा और फिर उस पर कार चढ़ा दी। इस दौरान एएसआइ सूबा सिंह जख्मी हो गए और उनकी एक भी टांग भी टूट गई। चालक मौके से फरार हो गया है। पुलिस ने घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों से आरोपित की तलाश शुरू कर दी है।

एएसआइ सूबा सिंह व साथी सतवंत सिंह ने लीला भवन इलाके में दोपहर एक बजे के करीब हरियाणा नंबर की एक कार को संदिग्ध हालत में घूमते हुए देखा। स्कूटी पर सवार दोनों मुलाजिमों ने कार का पीछा शुरू कर दिया तो कार आगे जाकर भीड़ में फंस गई। इसके बाद एएसआइ सूबा सिंह ने कार को घेरने की कोशिश की तो चालक ने गाड़ी बैक कर ली। इसके बाद सूबा सिंह ने कार के आगे खड़े होकर चालक को रोकने की चेतावनी दी तो चालक ने पिस्तौल दिखा उन्हें डराने का प्रयास किया। इस पर सूबा सिंह ने सरकारी पिस्तौल निकाली तो चालक उन्हें कार से कुचलते हुए फरार हो गया।

टूटी हुई थीं नंबर प्लेट

मौके पर खड़े लोगों के अनुसार कार चालक ने चेहरे को ढक रखा था और उसके पास पिस्तौल भी थी। इस कार के आगे और पीछे हरियाणा की टूटी हुई नंबर प्लेट्स लगी हुई थी। डीएसपी सिटी वन हेमंत शर्मा ने कहा कि एएसआइ को कुचलने वाले आरोपित की कार को ट्रेस कर लिया गया है। कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है।

चेक बाउंस के मामलों में किसी भी स्तर पर हो सकता है समझौता : हाई कोर्ट

विधि संवाददाता, लखनऊ : इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने एक अहम फैसले में कहा कि चेक बाउंस के मामलों में पक्षकार किसी भी स्तर पर आपस में समझौता कर सकते हैं। यह कहते हुए कोर्ट ने चेक बाउंस के एक केस में हुए समझौते के आधार पर आरोपित की दोषसिद्धि व एक साल की सजा को खारिज कर दी। आरोपित 14 दिसंबर, 2020 से जेल में सजा काट रहा था।

जस्टिस चंद्र धारी सिंह की एकल पीठ ने ऋषि मोहन श्रीवास्तव की याचिका पर यह आदेश दिया। ऋषि मोहन श्रीवास्तव ने व्यापार के सिलसिले में अभय सिंह को एक-एक लाख रुपये के दो चेक दिए थे, जो बाउंस हो गए। इसके बाद अभय सिंह ने 2016 में केस किया। सुनवाई के बाद कोर्ट ने ऋषि को 29 नवंबर, 2019 को एक साल की सजा सुनाई। इसके साथ ही पीठ ने तीन लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया।

राष्ट्रीय संस्करण
रविवार 15 अगस्त, 2021
दैनिक जागरण
बिजनेस
www.jagran.com

परियोजना के लिए ईओआइ मांगे

नई दिल्ली : एनटीपीसी ने शहर गैस वितरण में प्राकृतिक गैस के साथ हाइड्रोजन मिश्रण की पायलट परियोजना स्थापित करने के लिए वैश्विक रुचि पत्र (ईओआइ) आमंत्रित किए हैं। इसके तहत देश के प्राकृतिक गैस ग्रिड को कार्बन मुक्त करने की व्यवहार्यता का पता लगाया जाएगा। हाल ही में एनटीपीसी आरईएल ने लेह में हरित हाइड्रोजन स्टेशन व एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड ने फ्यूल सेल बसों के अधिग्रहण के लिए निविदा निकाली थी। (प्रेट्र)

अमृत 75 महोत्सव

प्रत्येक पश्चिमी बाजार में परिधान निर्यात रफ्तार पकड़ रहा है। जनवरी-मई, 2021 के दौरान अमेरिका को निर्यात पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 22 प्रतिशत बढ़ा है।

— ए शक्तिवेल, चेयरमैन, परिधान निर्यात संवर्धन परिषद

अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में लगी छलांग

आजादी के बाद से समय-समय पर विभिन्न नीतियों ने देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर पहुंचने में योगदान दिया है। आज हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। इस सफर में मील का पत्थर साबित हुई कुछ नीतियों और उपलब्धियों पर एक नजर :

स्थापित हुआ पहला कंप्यूटर

तकनीकी क्रांति से कदम मिलाते हुए देश में 1955 में पहला कंप्यूटर स्थापित किया गया था। ब्रिटेन में बने एचईसी 2एम नामक इस कंप्यूटर को कोलकाता में लगाया गया था। यह 3.40 मीटर लंबा, 2.13 मीटर चौड़ा और 1.8 मीटर ऊंचा था।

श्वेत क्रांति से उज्ज्वल भविष्य की ओर कदम

1970 में हुई इस क्रांति को दुनिया का सबसे बड़ा डेयरी विकास कार्यक्रम कहा जाता है। इस क्रांति ने दूध की कमी से जूझ रहे हमारे देश को सर्वाधिक दुग्ध उत्पादन करने वाले देश में शामिल करा दिया। अमूल के संस्थापक वर्गीज कुरियन इसके जनक माने जाते हैं।

उदारीकरण की राह

1991 भारतीय अर्थनीति के लिए क्रांतिकारी सिद्ध हुआ था। तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने उदारीकरण की राह पर कदम बढ़ाए थे। उस समय हमारी अर्थव्यवस्था गंभीर संकट से गुजर रही थी। हमारे पास मुश्किल से तीन सप्ताह के आयात के भुगतान हेतु विदेशी मुद्रा उपलब्ध थी। देश का सोना गिरवी रखकर विदेशी मुद्रा प्राप्त करने के बावजूद वित्तीय आपातकाल जैसी स्थिति थी। ऐसे में उदारीकरण ने न केवल गिरती अर्थव्यवस्था को संभाला, बल्कि उसे नई ऊंचाई पर पहुंचने की राह भी दिखाई।

जन-धन योजना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में जन-धन योजना की घोषणा स्वतंत्रता दिवस के मौके पर की थी। इसका उद्देश्य देश के हर नागरिक को बैंकिंग सुविधा से जोड़ना है। इससे 30 करोड़ से ज्यादा लोगों को फायदा हुआ है। इसे आर्थिक जगत के क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी योजना माना जाता है। इसके तहत एक सप्ताह में सबसे अधिक 1,80,96,130 बैंक खाते खोलने के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड भी बना है।

एक देश, एक कर

पहली जुलाई, 2017 को देश ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के क्रियान्वयन के साथ एक देश, एक कर की ओर कदम बढ़ाया। यह 1991 में उदारीकरण के बाद से वित्तीय क्षेत्र में सुधार को लेकर सबसे बड़ा कदम है। इसे लागू करने के लिए मोदी सरकार ने संसद के सेंट्रल हाल में आधी रात को विशेष सत्र बुलाया था।

खाते में सब्सिडी भेजने की पहल

डायरेक्ट बेनीफिट ट्रांसफर्स के रूप में सब्सिडी सीधे बैंक खातों में जमा कराने के लिए 'पहल' योजना की शुरुआत की गई। इससे लीकेज और हेराफेरी खत्म करने में मदद मिली। इस योजना के तहत एलपीजी सब्सिडी सीधे बैंक खातों में जमा कराई जाती है। करीब 15 करोड़ लोगों को सीधे नकद सब्सिडी मिल रही है। इससे करीब 3.34 करोड़ नकली या निष्क्रिय खातों की पहचान करने और उन्हें बंद करने में भी मदद मिली।

कई तरीके से चार्ज कर सकेंगे ईवी

नीति आयोग की सिफारिश, सभी सार्वजनिक पार्किंग में अनिवार्य रूप से हो चार्जिंग स्टेशन

राजीव कुमार • नई दिल्ली

- आयोग ने चार्जिंग स्टेशन की स्थापना में तेजी लाने को रणनीति तैयार की
- बिल्डिंग नियम में बदलाव कर वहां भी होगी चार्जिंग सुविधा

इलेक्ट्रिक वाहन • फाइल फोटो

इलेक्ट्रिक व्हीकल के लिए सबसे जरूरी चार्जिंग स्टेशन है, लेकिन इस साल मार्च के अंत तक देश में दो हजार से कुछ ही अधिक चार्जिंग स्टेशन लग पाए थे। अब नीति आयोग ने चार्जिंग स्टेशन की स्थापना में तेजी के लिए रणनीति तैयार की है। ताकि जरूरत के मुताबिक इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को चार्ज किया जा सके। नीति आयोग ने अपनी रणनीति में सार्वजनिक, अर्ध-सार्वजनिक एवं निजी रूप से चार्जिंग स्टेशन की स्थापना की सिफारिश की है।

आयोग का कहना है, सभी शहरों के स्थानीय निकाय को पार्किंग नीति में सुधार की जरूरत है ताकि शहर की सभी पार्किंग में चार्जिंग सुविधा स्थापित की जा सके। इसका फायदा यह भी होगा कि भविष्य में तैयार होने वाली सभी सार्वजनिक पार्किंग में ईवी के चार्जिंग के लिए पहले से जगह सुरक्षित रखी जाएगी। वहीं, सभी माल और अन्य सार्वजनिक जगहों पर पार्किंग के बीच में चार्जिंग सुविधा स्थापित करने के लिए कहा गया है। सरकार की तरफ से कुछ ऐसे सार्वजनिक स्टेशन लगाने की सिफारिश की गई है जहां मुफ्त में चार्जिंग सुविधा मिल सके। आयोग ने नए रूप से बनने वाले सभी भवनों में चार्जिंग सुविधा को अनिवार्य बनाने की सिफारिश की है। पुराने भवनों में भी चार्जिंग स्टेशन लगाने की सिफारिश की गई है। भवनों में चार्जिंग स्टेशन लगाने के दौरान बिजली कनेक्शन की क्षमता को ध्यान में रखना जरूरी होगा। नगर निगम और शहरी विकास प्राधिकरण जैसी एजेंसियां चार्जिंग स्टेशन लगाने के लिए निजी आपरेटर्स को आपसी समझौते के तहत जमीन दे सकती हैं।

बिजली वितरण कंपनियां भी निभा सकती हैं भागीदारी

आयोग ने कहा है कि बिजली वितरण कंपनियां (डिस्काम) भी चार्जिंग स्टेशन की स्थापना में भागीदारी निभा सकती हैं। दिल्ली की डिस्काम इस दिशा में कदम उठा चुकी है। वहीं, डिस्काम को भी चार्जिंग स्टेशन को बिजली सप्लाई के लिए एक नीति तैयार करनी होगी क्योंकि उनके सामने एक नए प्रकार का ग्राहक तैयार हो रहा है।

चार्जिंग स्टेशन के लिए तय बिजली दर

राज्य	दर
बिहार	6.3 से 7.4 रुपये प्रति किलोवाट
छत्तीसगढ़	5 रुपये प्रति किलोवाट
दिल्ली	4.5 रुपये प्रति किलोवाट
हरियाणा	6.2 रुपये प्रति किलोवाट
हिमाचल प्रदेश	4.7 से 5 रुपये प्रति किलोवाट
झारखंड	6 से 6.25 रुपये प्रति किलोवाट
मध्य प्रदेश	6 रुपये प्रति किलोवाट
पंजाब	5.40 रुपये प्रति किलोवाट
उत्तर प्रदेश	5.9 से 7.7 रुपये प्रति किलोवाट
उत्तराखंड	5.5 रुपये प्रति किलोवाट

स्रोत : नीति आयोग

बस जरा सी कोशिश से बनेगी बात

एक दिन मैं फिटनेस एप के साथ किसी के अनुभव के बारे में एक ब्लाग पोस्ट पढ़ रहा था। ब्लाग के लेखक ने यह एप इंस्टाल किया फिर एक लक्ष्य तय किया कि वह कितनी एक्सरसाइज एक दिन में करेगा। कुछ दिन के बाद उसने गौर किया कि अगर वह लक्ष्य के अनुरूप एक्सरसाइज रिकार्ड नहीं करता है तो एप उसे कम एक्सरसाइज रिकार्ड करने की पेशकश करता है।

उसने आधे घंटे की एक्सरसाइज मिस की तो एप से उसे मैसेज आता है और इसमें पूछा जाता है कि क्या वह पांच मिनट या 10 मिनट या इससे भी कम समय में एक्सरसाइज करना पसंद करेगा। उसने महसूस किया कि एप उसके लिए यह स्वीकार करना आसान बनाना चाहता है कि वह कम से कम कुछ मिनट एक्सरसाइज करेगा। हो सकता है कि इससे उसकी फिटनेस पर कोई फर्क न पड़ा हो लेकिन एक्सरसाइज की आदत मजबूत होना शुरू हो गई। बचत और निवेश की दुनिया में भी मैं ऐसा ही कुछ देखता हूं। लोग बचत शुरू करने के बारे में सोचते हैं और सबसे पहले आनलाइन गोल कैलकुलेटर पर जाकर यह पता लगाने का प्रयास करते हैं कि उनको भविष्य की जरूरत के लिए कितना बचत करने की जरूरत है। जोश में वे खुद को मुश्किल मंथली गोल में डाल देते हैं। वे बड़ी एसआइपी शुरू करते हैं। कुछ माह बाद वे पाते हैं कि वे एसआइपी की रकम जमा नहीं कर सकते हैं। इसका समाधान भी फिटनेस एप जैसा ही है। शुरुआत में आप थोड़ी बचत करें जितना आसानी से कर सकते हैं। यह आदत को मजबूत बनाएगा।

> सबसे अहम बात यह है कि कोई ऐसा महीना नहीं होना चाहिए जिसमें आपने बचत न की हो। समय के साथ निवेश की रकम में इजाफा अपने आप होता है। छोटी-छोटी रकम एकत्र होती है और मुनाफा दिखता है। इसके बाद आपको यह देखकर अच्छा महसूस होता है कि आपकी रकम बढ़ रही है।

धीरेंद्र कुमार, सीईओ, वैल्यू रिसर्च आनलाइन डाट काम

बोनस

यह एक मनोवैज्ञानिक फैक्टर है जो बेहतर रिटर्न और सफलता के लिए निवेश जारी रखने पर जोर देता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि निवेश में सबसे बड़ी समस्या यह नहीं है कि कहां निवेश करें। इसके बजाय सबसे अहम बात किसी भी स्थिति में निवेश करना है। लोग कभी-कभी निवेश करते हैं और फिर जब उनके पास रकम नहीं बचती है या जब बाजार गिरता है तो वे निवेश बंद कर देते हैं। एसआइपी इस मोर्चे पर मदद करती है क्योंकि इससे आदत बन जाती है।

कोई ऐसा महीना नहीं होना चाहिए जिसमें आपने बचत न की हो। समय के साथ निवेश की रकम में इजाफा अपने आप होता है। छोटी-छोटी रकम एकत्र होती है और मुनाफा दिखता है। इसके बाद आपको अच्छा महसूस होता है कि आपकी रकम बढ़ रही है। धीरे-धीरे आप निवेश भी बढ़ाने लगते हैं। क्या म्यूचुअल फंड को भी फिटनेस एप जैसी सहूलियत देनी चाहिए। अभी चाहे आप सीधे फंड के जरिये निवेश कर रहे हैं या थर्ड पार्टी एप के जरिये, एसआइपी किस्त मिस होने के बारे में कोई चिंता नहीं करता है। अगर कोई मैसेज छोटी रकम निवेश करने की पेशकश करे तो यह तरीका भी काम कर सकता है।

निर्यात बढ़ाने के लिए नई स्कीम लाने की तैयारी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल कहा है कि निर्यात बढ़ाने के लिए सरकार 'डिस्ट्रिक्ट एज एन एक्सपोर्ट हब' स्कीम लाने जा रही है। इसका उद्देश्य सभी जिलों को निर्यात हब के तौर पर विकसित किया जाना है। स्कीम को सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है। इसके तहत सभी जिलों के बीच आपस में प्रतिस्पर्धा का माहौल तैयार किया जाएगा और आगे रहने वाले 100-150 जिलों में गुणवत्ता वाले निर्यात की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए फंड दिया जाएगा। हालांकि अभी यह तय नहीं है कि यह फंड कितना होगा।

उन्होंने बताया, ट्रेड इन्फ्रास्ट्रक्चर एक्सपोर्ट स्कीम के तहत निर्यात से जुड़ी बुनियादी सुविधाओं के विकास में सरकार पहले से ही 20 करोड़ तक फंड देने की स्कीम चला रही है। पटेल ने बताया कि रेमिशन आफ ड्यूटीज आन ट्रेड एक्सपोर्ट प्रोडक्ट्स (रोडटेप) स्कीम पूरी तरह से तैयार है और उसकी घोषणा कभी भी की जा सकती है। उन्होंने यह नहीं बताया कि रोडटेप स्कीम की फंड राशि कितनी होगी। यह स्कीम इस साल एक जनवरी से लागू मानी जाएगी। पटेल ने बताया कि इससे पहले वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) स्कीम लाई गई थी और इस काम में उप्र काफी आगे रहा। 'डिस्ट्रिक्ट एज एक्सपोर्ट हब स्कीम' ओडीओपी की जगह लेगी।

भारत के अनुभव से नए बाजारों में राजस्व वृद्धि में मिलेगी मदद

नई दिल्ली, प्रेट्र : ट्विटर के पूर्व प्रमुख मनीष माहेश्वरी ने कहा है कि वह भारतीय बाजार के अपने अनुभव की मदद से दुनिया के अन्य बाजारों में राजस्व वृद्धि को आगे बढ़ा सकेंगे। बता दें कि इंटरनेट मीडिया कंपनी ने शुक्रवार को ही इस बात का एलान किया कि उसने अपने भारतीय कारोबार के प्रमुख माहेश्वरी का अमेरिका स्थानांतरण कर दिया है। कंपनी ने इसकी वजह नहीं बताई है।

कंपनी ने कहा है कि माहेश्वरी को अमेरिका में वरिष्ठ निदेशक (राजस्व रणनीति एवं परिचालन) बनाया गया है। उनके खिलाफ उप्र में एक कथित नफरत फैलाने वाले वीडियो से संबंधित जांच के सिलसिले में प्राथमिकी दर्ज है।

अमेरिकी निवेश से जगमगाएगा देश

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्रीय बिजली एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने अमेरिकी निवेशकों को भारत में अक्षय ऊर्जा और बिजली क्षेत्र में निवेश के अवसर तलाशने के लिए आमंत्रित किया है। सिंह ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये अमेरिकी निवेशकों से बात की। उन्होंने बैठक के दौरान इस क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला।

ऊर्जा मंत्री ने अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश के लिए आमंत्रित किया • फाइल फोटो

बिजली मंत्रालय ने कहा, 'बैठक से व्यापारिक समुदाय को भारत में अक्षय ऊर्जा और बिजली क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं तथा वैश्विक निवेशकों को इससे जुड़े अवसरों पर केंद्रीय मंत्री के साथ बातचीत करने का मौका मिला।' अमेरिका-भारत व्यापार परिषद (यूएसआइबीसी) के सदस्यों के साथ सिंह की बैठक का विषय जलवायु परिवर्तन को कम करने और भारत के आर्थिक विकास को गति देने के लिए स्वच्छ, सतत और सस्ती ऊर्जा को बढ़ावा देना था। सूचना प्रौद्योगिकी, बुनियादी ढांचा डेवलपर, अक्षय ऊर्जा उत्पादक, बैंकिंग, उड्डयन सहित अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों के 50 से ज्यादा उद्योगपतियों ने बैठक में हिस्सा लिया। आरके सिंह ने कहा कि भारत 2030 तक 450 गीगावाट अक्षय ऊर्जा उत्पादन के लक्ष्य को पूरा करने की तरफ बढ़ रहा है। देश में बिजली वितरण से संबंधित सुधार और इलेक्ट्रिसिटी ग्रिड के ओपन एक्सेस को बढ़ावा देने से अक्षय ऊर्जा की खपत बढ़ने की उम्मीद है। उन्होंने अक्षय ऊर्जा और उत्सर्जन में कमी आदि का भी जिक्र किया और निवेशकों से योगदान की अपील की।

उन्होंने निवेशकों से यह भी कहा कि भारत सरकार देश में सोलर सेल माड्यूल और बैटरी आदि बनाने के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम (पीएलआइ) शुरू कर चुकी है। ग्रीन हाइड्रोजन को भी बढ़ावा देने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने यूएस इंडिया बिजनेस बिजनेस काउंसिल के नेताओं से अनुरोध किया कि अक्षय ऊर्जा सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए वह भी सुझाव दे सकते हैं जिससे भारत सरकार साल 2030 तक 450 गीगावाट अक्षय ऊर्जा उत्पादन के लक्ष्य को हासिल कर सके।

टाटा समूह पर टिप्पणी कर विवादों में फंसे पीयूष गोयल

नई दिल्ली, रायटर : टाटा समूह सहित देश के कई बड़े व्यापारिक घरानों पर राष्ट्रीय हितों की अनदेखी का आरोप लगाकर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल विवादों में घिर गए हैं। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने जहां टिप्पणी को अपमानजनक बताया है वहीं शिवसेना ने गोयल से माफी मांगने को कहा है। गुरुवार को गोयल ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआइआइ) के एक कार्यक्रम में टाटा समूह द्वारा प्रस्तावित ई-कामर्स नियमों पर आपत्ति जताने की आलोचना की थी। गोयल ने कहा था कि घरेलू व्यापारिक घरानों को केवल मुनाफे पर ही अपना ध्यान केंद्रित नहीं करना चाहिए।

गोयल की टिप्पणियों को लेकर विवाद ने नया मोड़ तब लिया जब अंग्रेजी अखबार ने शनिवार को प्रकाशित एक खबर में बताया कि सरकार ने सीआइआइ से गोयल की टिप्पणियों से जुड़ा वीडियो ब्लाक करने को कहा है। जब इस संबंध में सीआइआइ और गोयल के कार्यालय से संपर्क किया गया तो उन्होंने जवाब नहीं दिया। हालांकि गोयल के करीबी ने कहा, उनके बयान का गलत मतलब निकाला गया है। कांग्रेस के प्रवक्ता जयवीर शेरगिल ने कहा कि एक तरफ भाजपा सरकार ने टाटा को नई संसद बनाने का ठेका दिया है वहीं केंद्रीय मंत्री उन्हें देशद्रोही बता रहे हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष तिवारी ने कहा कि इसी उद्योग जगत ने मोदी को पीएम बनाने के लिए लाबिंग की थी। आखिर जैसा बोओगे वही तो काटोगे।

राष्ट्रीय फलक

मुजरिम ने अपराध के समय किशोर होने का किया दावा

नई दिल्ली, प्रेट्र : एक महिला की हत्या के मामले में उम्र कैद की सजा काट रहे एक व्यक्ति ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष याचिका दाखिल कर दावा किया है कि अप्रैल 2001 में घटना के समय वह किशोर था।

शीर्ष अदालत, इस व्यक्ति की उस याचिका पर सुनवाई कर रही है जिसमें उसने कलकत्ता हाई कोर्ट द्वारा उसे दोषी ठहराने और सजा देने के फैसले को बरकरार रखने को चुनौती दी है। इस व्यक्ति ने अपने वकील के जरिये दायर याचिका में पहली बार किशोरावस्था का मुद्दा उठाया है। उसने यह मुद्दा इसी साल 19 फरवरी को ओडिशा के भद्रक जिला स्थित स्कूल के प्रधानाध्यापक द्वारा जारी प्रमाण पत्र के आधार पर उठाया है।

> 2001 में हुई महिला की हत्या के मामले में याचिकाकर्ता काट रहा है उम्रकैद की सजा

जस्टिस डीवाई चंद्रचूड व जस्टिस एमआर शाह की पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता के प्रमाण पत्र में अंकों और शब्दों में दर्ज जन्मतिथि में विसंगति है। शीर्ष अदालत ने भद्रक जिले के सेशन कोर्ट को निर्देश दिया कि जिस अवधि को लेकर सवाल उठाया गया है, उस समय के मूल स्कूल रिकार्ड और सत्यापित छाया प्रति स्कूल से प्राप्त कर सुप्रीम कोर्ट को उपलब्ध कराए। कोर्ट ने पिछले सप्ताह पारित आदेश में कहा कि सेशन जज स्कूल के प्रधानाध्यापक का बयान दर्ज करें और उसे इस अदालत को भेजे। सेशन जज प्रधानाध्यापक से यह भी प्रमाणित कराएं कि 19 फरवरी 2021 को जारी प्रमाण पत्र क्या उनके द्वारा जारी किया गया, अगर जारी किया गया तो किस आधार पर।

पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता के स्कूल रिकार्ड में जन्म तिथि अंकों में 20 मई, 1984 दर्ज की गई है, जबकि शब्दों में 20 जुलाई, 1984 दर्ज है। निश्चित तौर पर उपरोक्त में शब्दों और अंकों में दर्ज जन्मतिथि में अंतर हैं। हालांकि, याचिका में अनुरोध किया गया है कि इस मामले में किसी भी दृष्टि से घटना के दिन (17 अप्रैल, 2001) को याचिकाकर्ता किशोर होगा। पीठ ने सत्र न्यायाधीश को अपनी रिपोर्ट दस्तावेजों और प्रधानाध्यापक के बयान के साथ आदेश की प्रति मिलने के चार हफ्ते में सौंपने को कहा है।

1,000 करोड़ की पापुलर ग्रुप धोखाधड़ी में दो गिरफ्तार

नई दिल्ली, एएनआइ : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बताया कि उसने केरल के पापुलर ग्रुप के थामस डैनियल और रिनू मरियम थामस को लोगों से 1,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की धोखाधड़ी में नौ अगस्त को गिरफ्तार कर लिया। दोनों पापुलर फाइनेंस और समूह की अन्य कंपनियों में निदेशक हैं। विशेष अदालत ने दोनों को 18 अगस्त तक ईडी की हिरासत में भेज दिया है।

ईडी ने केरल पुलिस की तरफ से दर्ज 180 से ज्यादा प्राथमिकियों के आधार पर मुकदमा दर्ज किया है। इसके मुताबिक आरोपितों ने करीब 3,000 निवेशकों से करीब 1,000 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की।

मदन तमांग हत्याकांड में बिमल गुरुंग के खिलाफ सीबीआइ पहुंची हाई कोर्ट

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

अखिल भारतीय गोरखा लीग के अध्यक्ष मदन तमांग की 21 मई, 2010 को दार्जिलिंग में दिनदहाड़े हुई हत्या के मामले में गोरखा जनमुक्ति मोर्चा प्रमुख बिमल गुरुंग को बरी करने के निचली अदालत के फैसले के खिलाफ सीबीआइ कलकत्ता हाई कोर्ट पहुंची है। मदन की पत्नी भारती तमांग ने भी हाई कोर्ट में इसी तरह की याचिका दायर की है। दोनों मामले पर शुक्रवार को न्यायाधीश तीर्थंकर घोष की पीठ में सुनवाई होनी थी, लेकिन उन्होंने इसे कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश राजेश बिंदल को यह कहते हुए भेज दिया कि वह व्यक्तिगत कारणों से दोनों मामलों की सुनवाई नहीं कर सकते हैं।

मदन की 2010 को दार्जिलिंग के क्लब साइट रोड पर हत्या कर दी गई थी। बिमल समेत 30 लोगों के खिलाफ हत्या की शिकायत दर्ज कराई गई थी। सीआइडी ने वारदात में 22 लोगों को भगोड़े के रूप में दिखाते हुए चार्जशीट पेश की थी। बाद में सीबीआइ को जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई। जांच में आरोपित के तौर पर बिमल का नाम प्रमुख था, लेकिन 17 अक्टूबर, 2016 को कलकत्ता सिटी सेशंस कोर्ट ने बिमल को मामले से बरी कर दिया।

उल्फा (आइ) ने संघर्ष विराम को बढ़ाया

गुवाहाटी, प्रेट्र : प्रतिबंधित संगठन उल्फा (इंडिपेंडेंट) ने इस साल मई में घोषित एकतरफा संघर्ष विराम को और तीन महीने के लिए बढ़ा दिया है। उल्फा (आइ) के कमांडर इन-चीफ परेश बरुआ ने गुवाहाटी में पत्रकारों को ईमेल से भेजे गए बयान में कहा कि संगठन ने 15 मई को संघर्ष विराम की घोषणा की थी। अब तीन महीने के दौरान किसी भी अभियान से दूर रहने का फैसला लिया है।

बरुआ ने कहा, 'कोविड-19 स्थिति में सुधार आना अभी बाकी है और हमने सामाजिक जवाबदेही का निर्वाह करते हुए संघर्ष विराम को और तीन महीने के लिए बढ़ा दिया है।'

ड्रग और हथियार तस्करी के मामले में तमिलनाडु, केरल में छापेमारी

चेन्नई, प्रेट्र : राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने तमिलनाडु और केरल के सात स्थानों पर ईरान व पाकिस्तान से हथियार, गोलाबारूद और नार्कोटिक्स श्रीलंका तस्करी करने के मामले में संलिप्त लोगों के परिसरों पर छापेमारी की।

एनआइए के अधिकारी ने बताया कि तमिलनाडु के चेन्नई और तिरुवल्लुर और केरल के एर्नाकुलम जिले में छापेमारी की गई। अप्रैल में छह श्रीलंकाई नागरिकों के खिलाफ त्रिवेंद्रम में हथियार अधिनियम और भारतीय दंड विधान की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। इन श्रीलंकाई नागरिकों को 18 मार्च को अरब सागर में विझिंजाम तट के पास गश्ती के दौरान तटरक्षक ने 300 किलो हेरोइन, पांच एके-47 राइफल और 1000 राउंड गोलियों के साथ गिरफ्तार किया था। एनआइए ने मई में नए सिरे से मामला दर्ज किया और जांच के दौरान दो अगस्त को इसने दो और आरोपितों सुरेश व सौंदराजन को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान प्रतिबंधित आतंकी संगठन लिबरेशन टाइगर्स आफ तमिल ईलम से संबंधित किताबों समेत कई आपत्तिजनक दस्तावेज आदि जब्त किए।

चोरी के बाद चोर छोड़ जाते हैं पर्ची और पैसे लेकर लौटा देते हैं सामान

इंद्रजीत सिंह, कोलकाता

> बंगाल के पश्चिमी मेदिनीपुर के डेबरा में चोरों ने अपनाया है अनोखा तरीका

यहां चोरी की वारदात क्राइम वेब सीरीज की कहानी की तरह लगती है। इसमें चोर बालीवुड के अभिनेता ऋतिक रोशन की फिल्म धूम से प्रेरित लगते हैं। फिल्म में चोरी के बाद नायक अपने नाम का पहला अक्षर छोड़ देता है तो यहां भी चोर कुछ ऐसा ही करते हैं। बंगाल में पश्चिमी मेदिनीपुर के डेबरा में चोर चोरी के बाद एक पर्ची छोड़ जाते हैं। यह पीड़ित को उसका चोरी गया सामान वापस पाने का जरिया बनता है। इसके बाद डील हो जाने पर सामान वापस भी कर दिया जाता है। हालांकि, इस बार पीड़ितों ने पुलिस से शिकायत कर दी है।

गत गुरुवार को डेबरा के पसंग इलाके में पांच किसानों के पावर टिलर के पुर्जे चोरी होने के बाद उन्हें भी इसी तरह की पर्चियां मिलीं। इनमें लिखा था कि पावर टिलर के पुर्जे को पाने के लिए अमुक लकड़ी चिराई मिल के मालिक से संपर्क करना होगा। पांचों किसान सुकुमार दलपति, रवींद्रनाथ ओझा, कालीपद ओझा, बापी दास व तपन गांताइत ने लकड़ी चिराई मिल के मालिक से संपर्क किया। उसने उन्हें एक व्यक्ति का पता बताया। व्यक्ति से संपर्क करने पर उसने एक अन्य शख्स का फोन नंबर दिया है। उस फोन नंबर पर बात करने पर शख्स ने बताया कि बैंक अकाउंट में आनलाइन पैसे ट्रांसफर करने के बाद उनके चोरी गए पावर टिलर के पुर्जे एक गुप्त स्थान पर मिल जाएंगे। किसानों ने पुलिस से वारदात की शिकायत कर दी। पुलिस जांच पड़ताल कर रही है।

सूत्रों का कहना है कि डेबरा के पसंग, नरघाट आदि गांवों में चोर करीब चार वर्षों से ऐसा कर रहे हैं। लोग पुलिस में शिकायत न कर आपसी समझौते के जरिये मामले को निपटा लेते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस में शिकायत करने से कोई फायदा नहीं होगा। नए पुर्जे खरीदने में जितना पैसा लगेगा, उससे कम पैसे में ही उन्हें फिर उनकी चोरी गई सामग्री मिल जाती है। डेबरा के अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) दीपांजन भट्टाचार्य ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

साप्ताहिक राशिफल

रविवार 15 अगस्त, 2021 से शनिवार 21 अगस्त, 2021 तक

पं. बी. बी. शास्त्री 'देवेश'

मेष (चू,चे,चो,ला,ली,लू,ले,लो,आ)
वर्तमान परिस्थिति व व्यापारिक गतिविधि में सुधार, दिनचर्या में व्यस्तता, निजी संबंधों में सुधार, कार्य क्षेत्र में युक्ति से सफलता, अपने लक्ष्य-सिद्धांत का ध्यान रखें, शिक्षा में प्रगति, कठिन कार्यों को धैर्य से करें, वाणी पर संयम, दांपत्य में सुख, अधिकारी से सहयोग, शुभ अंक 4

वृष (इ,ऊ,ए,ओ,पा,वी,वू,वे,वो)
मन में विचारों का प्रभाव रहेगा, नई युक्ति व नए विचारों का समावेश करें, विदेश कार्य में प्रगति, व्यापारिक प्रतिस्पर्धा से सामना करें, भौतिक साधनों की पूर्ति, चयन में सफलता, संतान के लिए योजना, खानपान का ध्यान रखें, क्रोध पर संयम, प्रणय में अनबन, शुभ अंक 5

मिथुन (का,की,कू,घ,ङ,छ,के,को,हा)
कार्य क्षेत्र में निर्णय लेने से पूर्व सलाह लें, जीवन के अच्छे अवसर का योग प्रभावी, परिवर्तन से लाभ की संभावना, क्रोध-ईर्ष्या से बचें, चयन में सफलता, अति भावनाशील न बनें, अर्थपक्ष के लेनदेन में सावधानी रखें, वाहन में सावधानी, नौकरी में उन्नति, शुभ अंक 6

कर्क (ही,हू,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो)
मन के विचारों का अवागमन, अर्थसाधन के प्रति प्रयास, निजी संबंधों में अनबन, अति विश्वास से बचें, कार्य करने वालों का ध्यान रखें, पारिवारिक सहयोग का प्रयास, संतान के प्रति योजना, वाद-विवाद से बचें, मित्रों का सहयोग, दांपत्य में अनबन, धर्म में रुचि, शुभ अंक 1

सिंह (मा,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे)
व्यापार में स्थिरता के साथ धनागम में सुधार, पूंजी निवेश में सावधानी, विदेश कार्य में सफलता, पारिवारिक जीवन में शांति, लेखन-बौद्धिक कार्य में प्रगति, चयन में सफलता, शत्रुपक्ष से सावधान, खानपान का ध्यान रखें, जीवनसाथी का मिलन, वाहन में सावधानी, शुभ अंक 2

कन्या (टो,पा,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो)
कार्य क्षेत्र में परिवर्तन से लाभ, स्वजनों का सहयोग, आत्मविश्वास से कार्य करें, सामाजिक-रचनात्मक कार्य योग, लक्ष्य के प्रति सजग रहें, क्रोध-ईर्ष्या से बचें, खानपान का ध्यान रखें, स्वास्थ्य के प्रति सजगता, वाद-विवाद से बचें, यथार्थ को स्वीकार करें, राज्यपक्ष से लाभ, शुभ अंक 5

तुला (रा,री,रू,रे,रो,ता,ती,तू,ते)
धनागम में प्रगति, अतिविश्वास से बचें, रिश्तों में धैर्य रखें, जीवन में एकाग्रता बनाएं, विदेश कार्य में सफलता, अध्ययन में रुचि, वाद-विवाद से बचें, पारिवारिक संबंधों में शांति से समाधन करें, जीवनसाथी का मिलन, अधिकारी से सहयोग, स्थान-पद परिवर्तन, शुभ अंक 7

वृश्चिक (तो,ना,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू)
कार्य क्षेत्र में नई नीति प्रभावी होगी, अर्थसाधन में सुधार, दिनचर्या व्यस्ततम, परिवर्तन से लाभ का योग होगा, सकारात्मक विचारों से प्रगति, अतिकल्पना से बचें, खानपान पर ध्यान दें, स्वास्थ्य पर सजगता, दांपत्य में सुख, धर्म में रुचि, यात्रा योग प्रभावी, शुभ अंक 8

धनु (ये,यो,भा,भी,भू,धा,फा,ढा,भे)
कार्य क्षेत्र में विपरीत परिस्थिति में सावधानी से रहें, समयानुसार लिए गए निर्णय पर कार्य करें, अति भावुकता से बचें, विदेश कार्य में कुछ अवरोध, साधनों की पूर्ति, आत्मविश्वास से कार्य करें, शत्रुपक्ष प्रभावी होगा, निजी संबंधों में तनाव, स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें, शुभ अंक 8

मकर (भो,जा,ज,खी,खू,खे,खो,गा,गी)
कार्य क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी, साझेदारी में सावधानी, पारिवारिक सहयोग, पूर्व अनुभवों से लाभ लेकर कार्य करें, धन के आवागमन में सावधानी, स्वार्थीजनों से सावधान, संतान से सहयोग, अध्ययन में रुचि, मित्रों से सहयोग, वाद-विवाद से बचें, शुभ अंक 9

कुम्भ (गू,गे,गो,सा,सी,सू,से,सा,दा)
लक्ष्य के प्रति सजगता, पूंजी निवेश में सावधानी, दिनचर्या व्यस्त, विशेष व्यक्ति से सहयोग, योजनाओं में यथार्थ से कार्य करें, नकारात्मक विचारों से बचें, आलस्य से बचें, स्वास्थ्य के प्रति सजगता, प्रणय में सुख, राज्यपक्ष से सावधान, धर्म में रुचि, व्यय अधिक, शुभ अंक 1

मीन (दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची)
विविध कार्यों में रचनात्मक प्रयास से कार्य करें, धन के आवागमन में सावधानी, विदेश कार्य में प्रयास करें, साधनों की पूर्ति, पारिवारिक कार्य में व्यावहारिकता से कार्य करें, तनाव तथा विवादों से बचें, संतान की प्रगति, शत्रुपक्ष परास्त, जीवनसाथी का मिलन, व्यय अधिक, शुभ अंक 2

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 15 अगस्त, 2021

राष्ट्र की उन्नति में ही निज उन्नति निहित होती है

भविष्य का भारत

75वें स्वतंत्रता दिवस के साथ ही भारत ने एक नए युग में प्रवेश कर लिया है। स्वतंत्रता के 75 वर्ष की हमारी गौरवशाली यात्रा यह उम्मीद जगाती है कि आने वाले समय में हम और अधिक तेज गति से आगे बढ़ेंगे और इस क्रम में उन सपनों को भी साकार करेंगे, जो हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और संविधान निर्माताओं ने भी देखे और हमारी आज की पीढ़ी भी देख रही है। ये सपने हैं सक्षम, आत्मनिर्भर और समरस भारत के-एक ऐसे भारत के, जिसमें सभी सुखी और समृद्ध हों और सबके बीच सद्भाव हो। भविष्य के भारत का निर्माण करने के लक्ष्य की ओर बढ़ते समय हम इसकी अनदेखी नहीं कर सकते कि हम केवल 75 साल पुराने राष्ट्र नहीं हैं। यह अच्छा हुआ कि स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री ने यह याद दिलाया कि विभाजन के दर्द को भूला नहीं जाना चाहिए। भारत का विभाजन केवल देश के लिए ही नहीं, दुनिया के लिए भी एक बड़ी त्रासदी था। इस त्रासदी ने जो सबक दिए, वे विस्मृत नहीं होने चाहिए। इसी तरह हमें अपनी उस सांस्कृतिक थाती को भी विस्मृत नहीं करना चाहिए, जो हमने अपनी परंपराओं में संजो रखी है। हमारी संस्कृति और उसकी समृद्ध परंपराओं ने हमें विशिष्ट रूप में गढ़ा है, इसलिए हमें उनका स्मरण भी करते रहना है और खुद को एक आधुनिक राष्ट्र के रूप में ढालना भी है, क्योंकि यही समय की मांग है।

हमें यह हर क्षण याद रखना होगा कि हम हजारों साल पुरानी उस संस्कृति और सभ्यता के वारिस हैं, जो समस्त वसुधा को एक परिवार मानती है और जो सबके कल्याण की कामना करती है। स्पष्ट है कि हमें एक ऐसे भारत का निर्माण करना है, जो दुनिया के लिए एक प्रेरणास्रोत बने और उसका नेतृत्व करने की क्षमता से भी लैस हो। यह तनिक कठिन काम है, लेकिन असंभव नहीं। असंभव को संभव बनाने की चुनौती उस क्षण आसान हो जाएगी, जब राष्ट्र एकजुट होकर आगे बढ़ने के संकल्प से लैस हो जाएगा। स्वाधीनता का अमृत महोत्सव इस संकल्प शक्ति को जगाने में सक्षम हो, इसकी न केवल सबको कामना करनी चाहिए, बल्कि इसके लिए अपने-अपने स्तर पर प्रयास भी करने चाहिए। हमारे साझा प्रयास ही राष्ट्र की उन मुश्किलों को आसान करेंगे, जो घरेलू और बाहरी, दोनों मोर्चों पर हैं। ये मुश्किलें बढ़ने न पाएं, इसके लिए हर किसी को और विशेष रूप से हमारे राजनीतिक नेतृत्व को तत्पर रहना होगा। यह तत्परता उसके कार्य में भी दिखनी चाहिए और व्यवहार में भी। भविष्य के भारत का निर्माण करने और उसे निरंतर संवारने के लिए सबको मिलकर काम करना होगा। इस महायज्ञ में समाज के हर तबके का योगदान हासिल हो सके, इसके लिए हमारे राजनीतिक वर्ग को विशेष प्रयास करने होंगे। निःसंदेह वह ऐसा तब कर पाएगा, जब अपने संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थों का परित्याग करेगा और राष्ट्र सर्वोपरि के मंत्र को सदैव याद रखेगा। यह ठीक नहीं कि जब यह अपेक्षा की जा रही है कि हमारा राजनीतिक वर्ग अपनी क्षुद्रता का परित्याग कर राष्ट्र निर्माण के लक्ष्य का संधान करे, तब यह देखने को मिल रहा है कि वह अपने संकीर्ण हितों की पूर्ति में बुरी तरह उलझा है। यह उलझाव संसद के मानसून सत्र में देखने को मिला।

> हमारे साझा प्रयास ही राष्ट्र की उन मुश्किलों को आसान करेंगे, जो घरेलू और बाहरी, दोनों मोर्चों पर हैं

जब स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में प्रवेश के अवसर पर संसद के मानसून सत्र को कोई नजीर स्थापित करनी चाहिए थी, तब उसने एक बेहद खराब उदाहरण पेश किया। इस पर चिंतन-मनन होना ही चाहिए कि आखिर न चलने वाली संसद देश को कहां ले जाएगी? जब हम अपनी स्वाधीनता का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, तब भारतीय राजनीति का विषाक्त होते दिखना शुभ संकेत नहीं। इसलिए और भी नहीं, क्योंकि राजनीति वह व्यवस्था है, जो देश को दिशा देने और उसे प्रेरित करने का काम करती है। बेशक समय के साथ हर व्यवस्था में सुधार आता है, लेकिन हमारी राजनीतिक और लोकतांत्रिक व्यवस्था में सुधार तीव्र गति से हों, इसके लिए जनता को भी अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभानी होगी। इस जिम्मेदारी के अहसास के लिए स्वतंत्रता दिवस से बेहतर अवसर और कोई नहीं। आइए, इस अवसर का सदुपयोग करें और अपने शुभ संकल्पों से सफलता की एक नई गाथा लिखने का उपक्रम करें। जय हिंद।

स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में संसदीय लोकतंत्र

संजय गुप्त

देश को आगे ले जाने वाले मार्ग को निर्धारित कर उस पर चलने की जरूरत को स्वाधीनता के 75वें वर्ष में पूरा करना पक्ष-विपक्ष की साझी जिम्मेदारी बननी चाहिए

संसद में विपक्षी दलों ने अपने ओछे आचरण से न केवल देश के विकास में रोड़ा बनने का काम किया, बल्कि लोकतंत्र को शर्मसार भी किया-और वह भी ऐसे समय जब 75वां स्वतंत्रता दिवस करीब था। इससे दुर्भाग्यपूर्ण और कुछ नहीं हो सकता कि जब हम अपनी स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने का उत्सव मना रहे हैं, तब हमारी संसदीय राजनीति कलुष भरी दिख रही है। हमारे राष्ट्र निर्माताओं और संविधान के रचनाकारों ने शायद ही राजनीति के वैसे स्वरूप की कल्पना की हो, जैसा आज देखने को मिल रहा है। स्वतंत्रता का 75वां दिवस संसदीय राजनीति के नीति-नियंताओं के लिए आत्ममंथन का अवसर बनना चाहिए। उन्हें इस पर विचार करना चाहिए कि आखिर वे संसदीय लोकतंत्र को किस दिशा में ले जा रहे हैं और देश की जनता को क्या संदेश दे रहे हैं? संसद के मानसून सत्र में जो कुछ देखने को मिला, वह यह नहीं प्रकट करता कि हमारी राजनीति लोकतांत्रिक तौर-तरीकों को सबल बनाने का काम कर रही है। यह ठीक नहीं कि जब राजनीति को देश को दिशा देने का दायित्व कहीं अधिक जिम्मेदारी से निभाना चाहिए, तब वह इसके विपरीत काम करती दिख रही है।

संसद की कार्यप्रणाली भारतीय लोकतंत्र का एक अहम हिस्सा है। इसे भाजपा ने तैयार नहीं किया। यह कार्यप्रणाली दशकों के अभ्यास और सभी दलों की सहमति से बनकर तैयार हुई है। इसमें समय-समय पर जो सुधार हुए, वे भी पक्ष-विपक्ष की सहमति से हुए। ऐसा लगता है कि स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष में प्रवेश करते वक्त इस अभ्यास और सुधारों के इस सिलसिले को भुला दिया गया। यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि संसद का मानसून सत्र शुरू होने के पहले ही विपक्ष ने ठान लिया था कि संसद को नहीं चलने देना है। इसी कारण संसद में अमर्यादित आचरण की सारी हदें पार की जाती रहीं। कभी मंत्री के हाथ से कागज छीनकर फाड़ा गया तो कभी कुर्सी-मेज पर चढ़कर नारेबाजी की गई। राज्यसभा में तो कुछ ज्यादा ही हुड़दंग हुआ। विपक्ष के हुड़दंग को बयान करते हुए सभापति द्रवित हो गए, लेकिन हंगामा मचाने वाले सांसदों पर कोई असर नहीं पड़ा। वे बेशर्मी से खुद को पीड़ित बताने के साथ ऐसे बेतुके सवाल करने लगे कि संसद को क्यों नहीं चलाया गया?

संसद के मानसून सत्र में हंगामा होने के आसार तभी उभर आए थे, जब सत्र प्रारंभ होने के पहले एक मीडिया समूह ने पेगासस साफ्टवेयर के जरिये कुछ नेताओं और पत्रकारों की कथित जासूसी का मसला सनसनीखेज तरीके से उछाला था। हालांकि सरकार ने जासूसी से इन्कार किया, लेकिन विपक्ष बिना सुबूत इस पर अड़ा रहा कि जासूसी कराई गई। संसद में हंगामे में राहुल गांधी ने सक्रिय भूमिका निभाई। विपक्ष का नेतृत्व अपने हाथ में लेने की मंशा से लैस तृणमूल कांग्रेस ने भी खूब हंगामा किया। कांग्रेस समेत समूचा विपक्ष किस तरह संसद को बाधित करने पर आमादा था, इसका पता सत्र के आखिरी दिन राहुल गांधी के इस बयान से चला कि देश की 60 प्रतिशत जनता की आवाज को संसद में बोलने नहीं दिया गया। यह जगहंसाई कराने वाला बयान था, क्योंकि पूरा देश यह देख रहा था कि किस तरह विपक्ष संसद में बहस से भाग रहा था। तमाम महत्वपूर्ण मसले सामने थे, पर कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष का एकसूत्रीय एजेंडा संसद में हंगामा करना था। इसी कारण उन मुद्दों पर भी संसद में बहस नहीं हो सकी, जिन पर चर्चा की मांग खुद विपक्ष की ओर से की जा रही थी।

अवधेश राजपूत

जब संसद चलती है तो सरकार जरूरी विधेयक पेश करती है, ताकि देश के काम आगे बढ़ाए जा सकें। विपक्ष का दायित्व इन विधेयकों को बेहतर बनाने और उनमें जरूरी सुधार के सुझाव देना होता है। इस बार विपक्ष ने यह जिम्मेदारी निभाने से साफ इन्कार किया, लेकिन जब ओबीसी संशोधन विधेयक पेश हुआ तो वह शांत हो गया, ताकि यह संदेश न जाए कि वह ओबीसी समुदाय के खिलाफ है। सवाल है कि वह कृषि और किसानों की चिंता करने के बाद भी कृषि कानूनों पर चर्चा को क्यों नहीं तैयार हुआ? वह कोविड पर बहस से क्यों बचा? आखिर यह क्यों न मान लिया जाए कि विपक्ष ने राष्ट्रीय हितों की घोर अनदेखी करना उचित समझा? क्या मानसून सत्र में जो विधेयक आए, उनमें विपक्ष को कोई खूबी-खामी नहीं दिखी? क्या विपक्ष यह चाहता था कि उसके बहस में भाग न लेने की वजह से सरकार कोई विधेयक लेकर ही न आए?

यह पहली बार नहीं जब विपक्ष ने संसद को बाधित किया हो। खुद भाजपा ने विपक्ष में रहते समय कई बार संसद के कामकाज को बाधित किया, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि खराब तौर-तरीके परिपाटी बन जाएं। यदि ऐसा होगा तो इससे संसदीय व्यवस्था कमजोर होगी और देश आगे नहीं बढ़ सकेगा। सरकारें कई बार ऐसे विधेयक लाती हैं, जो उसके राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा होते हैं। ऐसे में विपक्ष की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है, लेकिन यदि वह सरकार को काम ही नहीं करने देगा और संसद के भीतर-बाहर उसे नीचा दिखाने का काम करेगा तो संसदीय लोकतंत्र देश की उम्मीदों पर खरा कैसे उतरेगा?

आज जब भारत अपनी आजादी का 75वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है, तब आम नागरिक नेताओं की ओर यह आस लगाए है कि वे देश को उसके सही मुकाम पर जल्द पहुंचाएं। ऐसे में यह जरूरी है कि संसद में चर्चा और विमर्श के स्तर को बढ़ाया जाए, ताकि नागरिकों में जात-पांत, मजहब और क्षेत्रवाद की भावना खत्म कर उनके अंदर राष्ट्रीयता को और अच्छे से जगाया जा सके। दुर्भाग्य से ऐसे विमर्श की इस समय अत्यधिक कमी महसूस हो रही है। होना तो यह चाहिए था कि स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के अवसर पर संसद का एक विशेष सत्र आयोजित किया जाता और उसमें भारत के भविष्य की परिकल्पना पर सार्थक चर्चा की जाती। ऐसी चर्चा इसलिए आवश्यक है, क्योंकि वैश्विक व्यवस्था में तेजी से बदलाव आ रहा है और चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। देश को आगे ले जाने वाले मार्ग का निर्धारण करना और उस पर एकजुट होकर चलना वक्त की जरूरत है। इसे स्वाधीनता के 75वें वर्ष में पूरा करना पक्ष-विपक्ष की साझी जिम्मेदारी बननी चाहिए। आशा की जानी चाहिए कि विपक्ष ने संसद के मानसून सत्र में जो ओछापन दिखाया, उसे उसका आभास होगा और वह सकारात्मक भूमिका का निर्वाह करेगा।

response@jagran.com

स्मरण रहें स्वाधीनता के लक्ष्य

गिरीश्वर मिश्र

हमें भूलना नहीं चाहिए कि स्वतंत्रता का उद्देश्य यही है कि समानता, समता और न्याय की व्यवस्था कायम हो

यह 15 अगस्त इस अर्थ में खास है कि राष्ट्र स्वाधीनता के मूल्य को पहचानने और स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए स्वतंत्रता का 'अमृत महोत्सव' मना रहा है। सहस्त्रों वर्षों से सतत गतिमान भारत की सांस्कृतिक यात्रा में अनेक पड़ाव पार करते हम यहां तक पहुंचे हैं। इस दौरान काल की विषम गति ऐसी रही कि विश्व यूनान, मिस्र और रोम आदि विभिन्न क्षेत्रों में विकसित होने वाले जिन साम्राज्यों और उनकी संस्कृतियों का साक्षी रहा, वे अब इतिहास का हिस्सा हैं। उनके नामलेवा भी नहीं बचे। इसके विपरीत भारत विदेशी आक्रमण सहते हुए शक्ति-संधान करता रहा। वंदे मातरम के जयघोष के साथ जब उसका चैतन्य प्रस्फुटित हुआ तो 1947 में एक स्वायत्त लोकतंत्र के रूप में भारत का उदय हुआ। यह अवसर एक लंबे संघर्ष के बाद उपस्थित हुआ। इस दौरान भावनात्मक सांस्कृतिक सूत्रों से आपस में बंधा यह देश भाषाओं, क्षेत्रों, रीति-रिवाजों की बहुलता के साथ अपने आप को नए ढंग से पहचान रहा था। स्वतंत्रता अर्जित करना बड़ी चुनौती थी, मगर बीसवीं सदी के आरंभ में परिस्थितियों ने करवट ली। विश्वयुद्ध जैसी उथल-पुथल मचाने वाली घटनाओं के बीच अंग्रेजों पर यह दबाव बना कि वे भारत को आजाद करें। तब महात्मा गांधी के नेतृत्व में भारत ने अनोखी लड़ाई लड़ी। उसमें अहिंसा, सत्याग्रह और असहयोग जैसे भारतीय प्रयोग किए गए।

हर जाति, धर्म और क्षेत्र की जनता ने स्वतंत्र भारत का एक महास्वप्न देखा था। स्वतंत्रता मिली अवश्य, परंतु देश के विभाजन और उसके साथ हुए भीषण रक्तपात और लाखों के विस्थापन के साथ। आजादी के आगमन के साथ ही यहां अशांति और अस्थिरता का बीजारोपण हो गया। अंग्रेजी राज में भारत की जबरदस्त लूट-खसोट हुई थी। इसके कारण गरीबी से लेकर अशिक्षा और तमाम ऐसे अभिशाप हमें विरासत में मिले। देश की नई औपचारिक रचना और संसदीय लोकतांत्रिक पद्धति स्थापित करने की चुनौती सामने थी। इन सबके बीच जीवन की जरूरी व्यवस्थाओं की विसंगतियां अभी भी पीछा नहीं छोड़ रही हैं। स्वतंत्र भारत के नेतृत्व ने राजव्यवस्था के भारतीय संस्करण को छोड़कर पश्चिमी मानक और विकास के लक्ष्य अंगीकार कर लिए। इस मार्ग पर चलने के अपने फायदे और नुकसान थे।

राष्ट्र जीवन का एक पड़ाव है स्वतंत्रता दिवस। प्रेट्र

स्वतंत्र भारत ने कई चुनौतियों का सामना किया है, फिर भी शिक्षा, खाद्यान्न, यातायात, अंतरिक्ष विज्ञान, कृषि, स्वास्थ्य और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में खासी प्रगति की है। आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़े हैं। देश में अनेक संस्थाओं का जाल बिछा। अवसंरचना मजबूत की गई। देश को युद्ध भी लड़ने पड़े। आपातकाल का दंश भी झेला। अनेक मोर्चों पर परीक्षाएं होती रहीं। प्रांतों का गठन और पुनर्गठन हुआ। आर्थिक स्थिति में बड़े उतार-चढ़ाव आए। पिछली सदी के अंतिम दशक में वैश्वीकरण, निजीकरण तथा उदारीकरण वाली नई व्यवस्था के दौर में भारी बदलाव आया। जनता ने राजनीति की विभिन्न विचारधाराओं को स्वीकारा भी और नकारा भी। इन सबके साथ प्रतिस्पर्धा बढ़ी। हिंसा की घटनाएं भी हुईं। राजनीति में मध्य वर्ग और पिछड़े वर्ग ने भी मौजूदगी दर्ज कराई। क्षेत्रीय दल निर्णायक भूमिका में आए। आज सियासी महत्वाकांक्षाओं, दायित्वों और लोक के प्रति निष्ठा के बीच तालमेल में कमी त्रासद स्थिति में पहुंचती दिख रही है।

मौजूदा केंद्र सरकार ने समावेशी नजरिया अपनाते हुए गरीबों और समाज के उपेक्षितों के कल्याण के लिए गंभीर प्रयास शुरू किए। इनमें सहायता राशि का सीधे खाते में पहुंचाना, उज्ज्वला योजना, आवास योजना प्रमुख हैं। जीएसटी और डिजिटल लेनदेन ने आर्थिक कारोबार को नया आकार दिया। शिक्षा की महत्वाकांक्षी नीति का क्रियान्वयन आरंभ हो चुका है, परंतु अभी भी काफी कुछ करना शेष है। सीमा पर पड़ोसियों की धृष्टता को देखते हुए सामरिक बजट बढ़ाना मजबूरी है। कोरोना महामारी के बीच सीमा पर चीन की बदनीयती देखने को मिली। इस बीच हमने यह भी देखा कि तमाम बाधाओं के बावजूद कोरोना संकट काफी हद तक काबू में कर लिया गया है।

आज की वस्तुस्थिति का यही सार है कि जो कुछ किया गया, उससे अधिक संभव था। हमारी अपनी दुर्बलताओं के कारण कुछ समस्याओं का यथोचित समाधान न हो सका और संसाधनों का दुरुपयोग भी हुआ। तकनीकी प्रगति और बाजार के बढ़ते प्रभाव ने उपभोक्ता की मनोवृत्ति के साथ समाज, संस्था और प्रकृति के साथ के रिश्तों को भी प्रभावित किया है। भ्रष्टाचार नैतिक एवं चारित्रिक बल के ह्रास को दर्शा रहा है। न्याय अभी भी कमजोर आदमी की पहुंच से बाहर है। इसी तरह लोक भाषा की उपेक्षा और अंग्रेजी के वर्चस्व ने देश के लोकतंत्र को सीमित और सांस्कृतिक गुलामी को पोषित किया है। दलों की प्रतिबद्धता देश के प्रति न होकर व्यक्ति या निहित स्वार्थ के प्रति होने लगी है। संसद की गरिमा और समाज के प्रति अपने दायित्व को त्याग देने का नुकसान पूरा देश भुगतता है। हम भूलते जा रहे हैं कि स्वतंत्रता का लक्ष्य यही है कि समानता, समता और न्याय की व्यवस्था कायम हो। यह आचरण की शुचिता और सहयोग से ही पाया जा सकता है।

आज जरूरी है कि प्रत्येक भारतवासी स्वाधीनता के भाव के साथ अनिवार्य रूप से जुड़ी कर्तव्य की पुकार को भी सुनें। वे क्षेत्रीय घरौंदो से ऊपर उठकर स्वयं को अखिल भारतीय पहचान दें। आज स्वतंत्रता की संवेदना जगाने के लिए 'भारतीयों भारत जोड़ो' का नारा बुलंद करने की दरकार है और यह भी कि हम सब देश के निर्माण के लिए अपनी योग्यता और क्षमता का उपयोग करें। यह स्मरण रखना होगा कि देश की उन्नति में ही निजी उन्नति भी है। दोषारोपण की जगह निर्माण और सकारात्मक पहल जरूरी है।

(लेखक शिक्षाविद् हैं)

response@jagran.com

भक्त शिरोमणि तुलसीदास

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम यदि भारत की आध्यात्मिक चेतना के प्रतीक हैं तो गोस्वामी तुलसीदास इस चेतना को मुखरता प्रदान करने वाले प्रवर्तक। तुलसीदास जी कृत रामचरितमानस भगवान श्रीराम की गाथा बखान करने वाली अप्रतिम और अद्वितीय कृति है। वास्तव में तुलसी और उनका साहित्य भारतीय जीवन पद्धति की आधारशिला है। मानस को तो लोक चेतना से परिपूर्ण हमारे समाज की संजीवनी और आचार संहिता भी माना जाता है। यह लोकमंगल स्थापना की महाऔषधि है। भारतीय मनीषा का विश्वकोश और सांस्कृतिक संवेदनाओं का समृद्ध महाकाव्य भी है।

तुलसीदास जी सनातन धर्म के साक्षात विश्वविद्यालय हैं। उनके पठन-पाठन से प्राणी मात्र को कैवल्य धाम (मोक्ष) तथा साकेत में सनातन वास प्राप्त होता है। उनकी इस अनुभवगम्य प्रयोगशाला में श्रीराम के मनोहर स्वरूप से साक्षात्कार होता है। यह सद-असद की मीमांसा है। प्रकाश पुंज का सिद्धांत शास्त्र है। उनके संपूर्ण शिक्षा ग्रंथों में अवगाहन से ही अभीष्ट की प्राप्ति संभव हो जाती है। मानस में गति तरंगों द्वारा जीवात्मा को झंकृत करने की अपूर्व शक्ति है। यह दानव को मानव में परिवर्तित करती है।

वस्तुतः तुलसी सनातन भारतीय संस्कृति के व्यासस्तरीय उद्गाता और व्याख्याता तो हैं ही, शंकराचार्य स्तरीय संरक्षक व संप्रसारक भी हैं। तुलसी एक युगप्रवर्तक के रूप में प्रतिष्ठित हुए हैं। यह पदवी उन्हें श्रीराम की कृपा से ही प्राप्त हुई है। वही श्रीराम जो हमारी राष्ट्र काया की आत्मसत्ता हैं। जैसे श्रीराम का कोई विकल्प नहीं वैसे ही तुलसीदास भी अतुलनीय हैं। वह भक्त के सर्वोच्च प्रतीक के रूप में अलंकृत हुए हैं। यह श्रीराम की ही प्रेरणा थी कि तुलसीदास जी ने अपने निरर्थक से प्रतीत होते जीवन को इस प्रकार सार्थक सिद्ध किया कि सदा के लिए पवित्रता का पर्याय बन गए।

डा. योगेंद्र मिश्र

कृषि पैदावार बढ़ाने की चुनौती

मुकुल व्यास

> विज्ञानी फसलों में कुछ ऐसे परिवर्तन करने के प्रयास में हैं, जिससे उनमें प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया और बेहतर हो सके

वर्ष 2050 तक पूरी दुनिया में नौ अरब लोगों के लिए खाद्य सामग्री की जरूरत पड़ेगी। इस हिसाब से उपलब्ध सीमित कृषि भूमि पर 50 प्रतिशत अधिक अन्न उगाना होगा। इस चुनौती से निपटने के लिए वनस्पति विज्ञानी फसलों में कुछ ऐसे परिवर्तन करने के प्रयास में हैं, जिससे उनमें प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया सुधरे और फसलों की पैदावार बढ़े। नीले-हरे शैवाल अथवा ब्लू-ग्रीन एल्गाई की एक बड़ी खूबी यह है कि ये प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया को अन्य पौधों की तुलना में ज्यादा कुशलतापूर्वक अंजाम देते हैं। नीले-हरे शैवाल को 'सायनोबैक्टीरिया' भी कहा जाता है। शोधकर्ता उनकी इस खूबी का इस्तेमाल करना चाहते हैं। वे ऐसी तरकीब खोज रहे हैं जिसके जरिये सायनोबैक्टीरिया के तत्वों को खाद्य फसलों में सम्मिलित किया जा सके।

अमेरिका के कार्नवेल विश्वविद्यालय ने इस दिशा में हुई प्रगति का विवरण दिया गया है। इसमें पता चला है कि प्रकाश-संश्लेषण के दौरान पौधे कार्बन डाईआक्साइड, पानी और प्रकाश को आक्सीजन और सुक्रोज में बदलते हैं। सुक्रोज एक प्रकार का शुगर है, जिसका प्रयोग ऊर्जा प्राप्ति और नए ऊतकों के निर्माण के लिए किया जाता है। इस दौरान रूबिस्को नामक एंजाइम हवा से अकार्बनिक कार्बन ग्रहण करता है और उसे कार्बनिक रूप में बदल देता है। पौधे इस कार्बनिक रूप का प्रयोग ऊतक निर्माण के लिए करते हैं। रूबिस्को एंजाइम सभी पौधों में पाया जाता है।

फसलों में प्रकाश-संश्लेषण की प्रक्रिया में सुधार की राह में सबसे बड़ी बाधा यह है कि रूबिस्को हवा में कार्बन डाईआक्साइड और आक्सीजन दोनों के साथ क्रिया करता है, लेकिन आक्सीजन के साथ एंजाइम की क्रिया से विषाक्त सह-उत्पाद बनते हैं, प्रकाश-संश्लेषण की प्रक्रिया धीमी हो जाती है और पैदावार कम हो जाती है। सायनोबैक्टीरिया में रूबिस्को एंजाइम के भीतर कार्बोक्सीसोम नामक सूक्ष्म तत्व होते हैं जो रूबिस्को का आक्सीजन से बचाव करते हैं। कार्बोक्सीसोम की मदद से सायनोबैक्टीरिया कार्बन डाईआक्साइड पर ज्यादा ध्यान देते हैं जिससे रूबिस्को एंजाइम कार्बन परिवर्तन के काम को ज्यादा तेजी के साथ पूरा करता है। खाद्यान्न फसलों में कार्बोक्सीसोम नहीं होता।

अतः शोधकर्ता सायनोबैक्टीरिया की कार्बन को लक्षित करने की समस्त प्रणाली को खाद्य फसलों में हस्तांतरित करना चाहते हैं। खाद्य फसलों में यह प्रणाली तभी काम कर सकती है जब विज्ञानी वनस्पति कोशिकाओं के क्लोरोप्लास्ट से कार्बोनिक एनहाइड्रेज एंजाइम को हटा दें। प्रमुख शोधकर्ता हेन्सन का कहना है कि प्रयोगों के दौरान एनहाइड्रेज को हटाने में वह कामयाब रहे हैं। शोधकर्ताओं ने क्लोरोप्लास्ट में मौजूद एनहाइड्रेज एंजाइम के जीन को निष्क्रिय करने के लिए क्रिस्पर/ केस-9 जीन-संपादन तकनीक का प्रयोग किया।

(लेखक विज्ञान के जानकार हैं)

आयकर पर अदालत ने खोली पोल

आयकर हर किसी को कचोटता है। कुछ दिन पहले माननीय राष्ट्रपति महोदय की ओर से ही एक बयान आया। उसमें उन्होंने आयकर की बात की थी, जिस पर काफी चर्चा भी हुई थी। दरअसल आयकर देने वालों की संख्या कम है और आयकर से छूट की सीमा इतनी धीरे बढ़ती है कि इसका अहसास ही नहीं होता है। हाल में पत्नी को गुजारा भत्ता का एक मामला कोर्ट में आया। पति के वकील ने कहा उसके मुवक्किल का कुल वेतन एक लाख रुपये है, लेकिन टैक्स कटने के बाद हाथ में सिर्फ 60 हजार रुपये ही आते हैं। ऐसे में गुजारा भत्ता दें या अपनी खुद की गुजर-बसर करें। ऐसी दलील पर भी उनकी दाल नहीं गली। आखिर न्यायाधीश भी तो हर महीने कटने वाले टीडीएस की दर जानते हैं। उन्होंने तत्काल टोक दिया कि हमें भी आयकर की दर मालूम है। एक लाख रुपये पर 40 हजार रुपये आयकर नहीं कटता।

टीका निर्माता का दर्द

आखिरकार साइरस पूनावाला का दर्द छलक ही पड़ा। साइरस कोविशील्ड बनाने वाली कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट के चेयरमैन है। उन्हें उम्मीद थी कि कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान विदेशों में वैक्सीन आपूर्ति कर उनकी कंपनी अच्छी कमाई कर सकती है, लेकिन सरकार ने

राजरंग

दूसरी लहर के समय से ही वैक्सीन के निर्यात पर पूरी तरह रोक लगा दी है। यहां तक कि वैक्सीन बनाने वाली कंपनी आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के साथ हुए करार के तहत दी जाने वाली डोज तक नहीं भेज पा रही है। वैक्सीन को मंजूरी मिलने के पहले ही उन्होंने बड़ी मात्रा में बनाकर स्टोर भी कर लिया था। पूनावाला को पूरी दुनिया में वैक्सीन की कमी का अंदाजा तो था, लेकिन सरकार उसे विदेश भेजने पर पूरी तरह रोक लगा देगी, वह इसका अनुमान लगाने में नाकाम रहे। शायद उन्हें समझ आए कि महामारी का टीका बनाना आसान है, लेकिन सरकारी मिजाज को भांपना मुश्किल।

एक तीर से दो निशाने

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल हाल में देश के दिग्गज कारपोरेट को संबोधित कर रहे थे। अचानक मंत्री जी को कारपोरेट जगत की तरफ से आमतौर पर की जाने वाली मांगें याद आ गईं। वह कहने लगे कि आप लोग हमेशा अपने फायदे का ध्यान रखते हैं, कभी इनसे ऊपर उठकर देखिए, राष्ट्रहित के बारे में सोचिए, छोटे कारोबारियों के बारे में भी सोचिए। दूसरे देशों के कारपोरेट से सीखिए जो राष्ट्रहित का कितना ख्याल रखते हैं। कारपोरेट जगत की हस्तियों को मंत्री जी की बातें कितनी बुरी लगीं और कितनी अच्छी, यह तो उनका दिल जानता है, लेकिन इसका लाभ यह जरूर हुआ कि उस संवाद में किसी कारपोरेट ने लाभ वाली किसी स्कीम को शुरू करने या लंबित रिफंड वगैरह का कोई जिक्र नहीं किया। साथ ही इसका एक फायदा यह भी हुआ कि छोटे कारोबारियों ने मंत्री जी के पक्ष में धन्यवाद ज्ञापन तक जारी कर दिया। यानी मंत्री जी ने एक तीर से दो निशाने साध लिए।

आदत से मजबूर माननीय

सांसदों-विधायकों से जनता की अक्सर यही शिकायत होती है कि वे पांच साल में ही सुध लेने आते हैं। यानी अधिकांश जनप्रतिनिधि अपने निर्वाचन क्षेत्र से दूर-दूर ही रहते हैं। ऐसे तमाम सांसद संसद के दरवाजे पर भी कुछ पल के लिए ही आते हैं। तब बड़ा सवाल यही है कि आखिर वे करते क्या हैं? हाल में प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संसदीय कार्यमंत्री से भाजपा के ऐसे सांसदों के नामों की सूची मांगी जो विधेयक पारित होते वक्त भी सदन से गायब थे। ऐसा लगातार सत्र दर सत्र होता आ रहा है। बार-बार की चेतावनी के बावजूद ये माननीय हैं कि मानने को ही तैयार नहीं।

नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721

आजकल

पर्दे पर शौर्य गाथाओं से निकलते संदेश

भारतीय संस्कृति और शौर्य दर्शाती एक के बाद एक फिल्मों का निर्माण किया जा रहा है। इसी क्रम में अजय देवगन और सोनाक्षी सिन्हा अभिनीत फिल्म 'भुज : द प्राइड आफ इंडिया' में 1971 में पाकिस्तान के साथ हुए युद्ध के दौरान गुजरात के भुज एयरबेस पर स्क्वाड्रन लीडर विजय कार्णिक के अदम्य साहस को दर्शाया गया है। कारगिल युद्ध के नायक रहे शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा के शौर्य को भी रूपहले पर्दे पर रिलीज किया जा चुका है। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर यह सब सुखद संकेत है

अनंत विजय

anant@nda.jagran.com

पिछले वर्ष गांधी जयंती के अवसर पर एकता कपूर और करण जौहर समेत कई फिल्मकारों ने एक वक्तव्य जारी किया था। उस वक्तव्य में कहा गया था कि स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव के अवसर पर भारतीय संस्कृति, भारतीय मूल्यों और शौर्य से संबंधित फिल्मों का निर्माण किया जाएगा। अभी हाल में कुछ फिल्में आई हैं जिनमें भारतीय सैनिकों के साथ साथ आम जनता के साहस की कहानी भी कही गई है। अजय देवगन की फिल्म 'भुज : द प्राइड आफ इंडिया' में 1971 में भारत पाकिस्तान युद्ध के दौरान गुजरात के भुज एयरबेस पर तैनात स्क्वाड्रन लीडर विजय कार्णिक के अदम्य साहस की कहानी को दर्शाया गया है। वर्ष 1971 में पाकिस्तानियों ने भुज एयरबेस पर हमला कर वहां की हवाई पट्टी को ध्वस्त कर दिया था। इस हमले को युद्ध के इतिहास में भारत का 'पर्ल हार्बर मोमेंट' कहा जाता है। दरअसल द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान जापान ने अमेरिका के हवाई के पर्ल हार्बर में नौसेना अड्डे पर उस वक्त हमला किया था जब इसकी कल्पना नहीं की गई थी। उस हमले में करीब 180 अमेरिकी युद्धक विमानों को तबाह कर दिया गया था।

उसी तरह जब भारत, पूर्वी पाकिस्तान सीमा पर युद्ध लड़ रहा था और पश्चिमी भारत में किसी हमले की आशंका नहीं थी, तब पाकिस्तानी वायुसेना ने भुज एयरबेस को निशाना बनाया था और वहां कई विमानों समेत हवाई पट्टी को नुकसान पहुंचा था। स्क्वाड्रन लीडर विजय कार्णिक की सूझबूझ और स्थानीय गांववालों की मदद से टूटी हवाई पट्टी को तीन दिन में चालू कर लिया गया था। कार्णिक के अलावा स्थानीय महिला सुंदरबेन की सांगठनिक क्षमता, रणछोड़दास पगी और रामकरण नायर के शौर्य को भी इसमें चित्रित किया गया है।

इस फिल्म में एक और खूबसूरत बात ये है कि इसमें हिंदी के श्रेष्ठ शब्दों को सुनने का अवसर भी मिलता है। संवाद बेहद अच्छे हैं और समाज को एक संदेश देते हैं। सुंदरबेन अपने बच्चे को बचाने के लिए तेंदुए को मार डालती है और उसके बाद हाथ में तलवार लेकर हुंकार भरती है। 'जय हिंद और जय जय गर्वी गुजरात' के घोष के बाद वह कहती हैं, 'भगवान कृष्ण कहते हैं कि हिंसा पाप है, लेकिन किसी की जान बचाने के लिए की गई हिंसा धर्म है।'

यहां भी भगवान कृष्ण हैं और जब स्क्वाड्रन लीडर विजय कार्णिक भुज की टूटी हुई हवाई पट्टी की मरम्मत के लिए गांववालों से मदद मांगने जाते हैं तो सुंदरबेन एक बार फिर भगवान कृष्ण और शंकर को याद करती हैं। गांववालों के अंदर के भय को खत्म करने और उनमें देशभक्ति का जोश भरने के लिए कहती हैं, 'सारे जग का पालनहारा है कृष्ण कन्हैया, एक बाल भी बांका नहीं होने देंगे। आज अगर हमने अपने देश की मदद नहीं की तो सब साथ में जाकर जहर पी लेना, भगवान शंकर जहर पीने नहीं आएंगे। सबका चीरहरण होगा और भगवान कृष्ण चीर देने नहीं आएंगे।' संवाद लंबा है, लेकिन अर्थपूर्ण है। वो आगे कहती हैं, 'लेकिन अगर आज हमने पांडवों की तरह अत्याचारियों के खिलाफ लड़ने का संकल्प ले लिया तो भगवान कृष्ण खुद हमारे सारथी बनकर आएंगे।' सुंदरबेन के किरदार में जब सोनाक्षी सिन्हा ये कहती हैं तो लोगों में जोश भर जाता है।

धार्मिक प्रतीकों और अपने पौराणिक चरित्रों को हवाले से कथानक को आगे बढ़ाने का कौशल संवाद लेखकों ने दिखाया है। हिंदी फिल्मों में ऐसा बहुत कम देखने को मिलता है। अब तक ज्यादातर फिल्मों में पौराणिक चरित्रों को मिथकों की तरह चित्रित करके उपहास उड़ाया जाता रहा है। धार्मिक फिल्मों को अगर छोड़ दिया जाए तो अन्य फिल्मों में कई बार नायक भगवान को कोसते नजर आते हैं। नायकों को भगवान से इस बात से खिन्न दिखाया जाता रहा है कि उन्होंने न्याय नहीं किया। लेकिन 'भुज : द प्राइड आफ इंडिया' में फिल्मकार ने उपहास की इस मानसिकता को तोड़ने का साहस दिखाया। धर्म और नीति की भारतीय परंपरा का उपयोग कथानक में किया। इस लिहाज से अगर इस फिल्म पर विचार करें तो इसको संवाद लेखन की शैली में एक बदलाव के तौर पर भी देखा जा सकता है। इतना ही नहीं, जब सुंदरबेन के नेतृत्व में सभी गांववाले भुज की टूटी हवाई पट्टी को ठीक करने का निर्णय लेते हैं तो वहां भी 'जय कन्हैया लाल की हाथी घोड़ा पालकी' का घोष उनके अंदर जोश भर देता है। इस फिल्म में गानों के बोल भी हिंदुस्तानी से मुक्त और हिंदी की शान बढ़ानेवाले हैं। एक गीत है जिसमें ईश्वर के साथ साथ नियंता और घट, विघ्नहरण, करुणावतार जैसे शब्दों का उपयोग किया गया है। इस गाने को सुनते हुए 1961 में आई 'भाभी की चूड़ियां' फिल्म का गीत 'ज्योति कलश छलके' की सरस हिंदी का स्मरण हो उठता है। उस गीत को पंडित नरेंद्र शर्मा ने लिखा था।

आज जब हम अपनी स्वाधीनता का अमृत महोत्सव मना रहे हैं तो ऐसे में संवाद लेखन और गीतों के बोल में अपनी भाषा का गौरवगान आनंद से भरनेवाला है। इसकी अनुगूंज हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में लंबे समय तक सुनाई दे सकती है। यह हिंदी के उपहास की मानसिक दासता से मुक्ति का संकेत भी है। अब दूसरे अन्य फिल्मकारों को भी इस ओर ध्यान देना चाहिए। भाषा के अलावा धर्म को लेकर भी कोई ऐसी वैसी टिप्पणी नहीं की गई है जो पिछले दिनों ओटीटी पर आई वेबसीरीज में फैशन बन गई थी। यहां तो जब रणछोड़दास पगी पाकिस्तानियों से लोहा लेने जाते हैं तो अपनी पगड़ी करणी माता के सामने रखकर शपथ लेते हैं कि जिस दिन लड़ाई जीतूंगा उस दिन पगड़ी पहनूंगा। यह दृश्य बहुत छोटा है, लेकिन इसका संदेश बहुत बड़ा है। आज तक जब भी भारत में यह नारा गूंजता था कि 'जब तक सूरज चांद रहेगा' तो इसके साथ व्यक्ति विशेष का नाम लगाकर कहा जाता था कि उनका नाम रहेगा। इस फिल्म में सुंदरबेन कहती हैं कि जब तक सूरज चंदा चमके, तब तक ये हिंदुस्तान रहेगा। इसका भी संदेश दूर तक जा सकता है।

भारतीय सेना और उसके शूरवीरों के अदम्य साहस को प्रतिबिंबित करती हुई फिल्म- भुज : द प्राइड आफ इंडिया। इंटरनेट मीडिया

दूसरी फिल्म 'शेरशाह' का मुगल बादशाह से कुछ लेना देना नहीं है, बल्कि यह कारगिल युद्ध के दौरान शहीद हुए कैप्टन विक्रम बत्रा की कहानी है। युद्ध के दौरान कैप्टन विक्रम बत्रा का 'कोड नाम' 'शेरशाह' है। यह फिल्म विक्रम बत्रा के शौर्य की कहानी तो कहती ही है, उनके प्रेम प्रसंग को भी उभारती है। इस फिल्म के संवाद लेखक बहुधा भटकते नजर आते हैं। आतंकवाद पर बात करते समय कश्मीर के लोगों का भरोसा जीतने की भी बात होती है और देशभक्ति की भी। पूर्व में बनी कई फिल्मों में कश्मीर के आतंकवाद और आतंकियों के चित्रण में संवाद लेखक दुविधा में दिखते हैं। 'शेरशाह' में सिद्धार्थ मल्होत्रा ने कैप्टन विक्रम बत्रा का किरदार निभाया है, पर बेहतर अभिनेता को इसके लिए चुना जाता तो फिल्म अधिक प्रभाव छोड़ सकती थी।

ये सुखद संकेत है कि हिंदी के फिल्मकारों ने आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर उन कम ज्ञात नायकों को भी सामने लाने का बीड़ा उठाया है। आगामी दिनों में अक्षय कुमार की फिल्म 'बेलबाटम' रिलीज होने के लिए तैयार है। बालाकोट एयर स्ट्राइक पर भी फिल्मों की घोषणा हुई है। इसके अलावा, फील्ड मार्शल सैम मानेक शा और क्रांतिवीर उधम सिंह पर भी फिल्में बनने के संकेत हैं।

अमृत महोत्सव

सुदूर क्षेत्रों में स्वतंत्रता दिवस

कौशल किशोर

वर्ष 1930 में गांधीजी ने 12 मार्च को ऐतिहासिक नमक सत्याग्रह का आरंभ किया था। इस वर्ष इसी दिन यानी 12 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 75 हफ्तों तक चलने वाला 'आजादी का अमृत महोत्सव' आरंभ किया था। आज आजादी की 75वीं जयंती है। इस अहिंसक आंदोलन की स्मृति में 25 दिनों की यात्रा का कार्यक्रम दांडी पहुंच कर पांच अप्रैल को पूरा हुआ। देश में 75 स्थानों पर इस अमृत महोत्सव को मनाने की योजना है, जो अगले साल इस अवसर पर पूरी होगी। इससे लाल किले की प्राचीर पर कैद स्वतंत्रता दिवस के उत्सव को विस्तार मिलता है। साथ ही, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीतिक सूझबूझ, आजादी के दीवानों के प्रति सम्मान और देश की आम जनता से सीधे जुड़े होने का भी सूचक है। गुजरात के मुख्यमंत्री का पद संभालने के बाद नरेंद्र मोदी ने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में स्वतंत्रता दिवस मना कर नया रिवाज शुरू किया था। सूबे के सुदूर क्षेत्रों में विकास पहुंचाने के लिए इसे एक सशक्त माध्यम के तौर पर चिन्हित किया। इस नीति को राष्ट्रीय स्तर पर दोहराने से देश को लाभ होगा।

हालांकि 15 अगस्त 1947 को प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इंडिया गेट के पास एक जनसभा को संबोधित किया था। फिर अगले दिन लाल किला पर झंडा फहराया। इसके बाद से 15 अगस्त को प्रधानमंत्री लाल किला की प्राचीर से झंडोत्तोलन कर देश को संबोधित करते रहे हैं। इसकी अपनी एक विशिष्टता है। संसदीय राजनीति के युग में राजतंत्र की तानाशाही के बदले लोकतांत्रिक मूल्यों को अपनाया गया। इस क्रम में दुनिया के कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने संसद के दोनों सदनों को एक साथ संबोधित कर बेहतर काम किया है। इस अवसर पर राजनेताओं के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचने से संविधान के अनुच्छेद 51 की मर्यादा का बेहतर ख्याल रखना संभव है।

बीते वर्षों में लाल किले की प्राचीर के बदले सुदूर क्षेत्रों में पहुंच कर आयोजन करने की मांग भी उठी है। इस मामले में राजनीतिक विश्लेषक अवतांश कुमार और नितेश जैसे विद्वानों ने भारतीय संस्कार और संस्कृति को केंद्र में रखकर उल्लेखनीय सुझाव दिया है। हम्पी का 500 साल पुराना इतिहास याद कर विजयनगर साम्राज्य के अतीत की ओर देख सकते हैं। काशी, पुरी, सोमनाथ एवं नालंदा जैसे प्राचीन तीर्थों में इस उत्सव को मनाने की सलाह देते हैं। वहीं नितेश की सूची श्रीनगर से कन्याकुमारी की ओर बढ़ते हुए गुवाहाटी और गांधीनगर तक जाती है।

इस प्रसंग में विचार करते हुए 1947 के घटनाक्रम को भी ध्यान में रखना चाहिए। सरदार पटेल 75 साल पहले राष्ट्रीय राजधानी में आजादी का उत्सव मनाने के लिए गांधी को खत लिखते हैं। सांप्रदायिक हिंसा की आग में जल रहे नोआखाली (बंगाल) से जवाब आता है, 'जब कलकत्ता (कोलकाता) में हिंदू-मुस्लिम एक दूसरे की जान ले रहे हैं, ऐसे में मैं जश्न मनाने के लिए कैसे आ सकता हूं। मैं दंगा रोकने के लिए अपनी जान दे दूंगा।' यह वीरता उस कसौटी को इंगित करती है, जो सिखाता है कि सबसे मुश्किल चुनौती का सामना कैसे किया जा सकता है। अंतिम जन की पीड़ा के निवारण के क्रम में महानायक की पहचान होती है।

महामारी, आपदा और आतंक की त्रयी से जूझते देश के नायक को लाल किला की प्राचीर पर खड़ा होने के बदले सुदूर क्षेत्र में पहुंचने से बेहतर संदेश जाएगा। इस अमृत महोत्सव के विस्तार से सरकार की यह नीति स्पष्ट भी होती है। संभव है कि अगले वर्ष तक इसकी योजना स्पष्ट हो। इस मामले में निर्णय लेने के क्रम में देश की पुरानी संस्कृतियों और आधुनिक समस्याओं को ध्यान में रखना चाहिए।

(लेखक सामाजिक मामलों के जानकार हैं)

ट्वीट-ट्वीट

तालिबानी-पाकिस्तानी आतंक से प्रताड़ित अफगान शरणार्थियों के लिए भारत एक योजना पर काम कर रहा है। जल्द ही उसका ब्योरा जारी किया जाएगा। यह अच्छा कदम है। दरअसल अफगानिस्तान से उन लोगों द्वारा की जाने वाली गुजारिशों की बाढ़ आ गई है, जो किसी भी कीमत पर पाकिस्तान नहीं जाना चाहते।

आदित्य राज कौल@AdityaRajKaul

अफगानिस्तान को लेकर भारत की क्या रणनीति है? मैं आश्वस्त हूं कि हम यह अवश्य समझेंगे कि पाकिस्तानी सैन्य आकाओं की सरपरस्ती में सत्ता संभालने वाले तालिबान का हमारे लिए क्या निहितार्थ होगा। अपने पड़ोस में दो बिगड़ैल पड़ोसी हमारे लिए अच्छी स्थिति नहीं है।

निरुपमा मेनन राव@NMenonRao

अब सरकार ने हर वर्ष 14 अगस्त को विभाजन त्रासदी स्मरण दिवस के रूप में याद रखने का निर्णय किया है। यह स्वतंत्र भारत की सबसे बड़ी त्रासदी है। यह याद दिलाती है कि हमें बांटने की चाहे कितनी ही कोशिशें हों, लेकिन हमें अब हमेशा एकजुट रहना है। हिंदू-मुस्लिम-सिख-ईसाई, सब साथ रहेंगे।

अखिलेश शर्मा@akhileshsharma1

दिल्ली को मराठों ने जीता। सिखों ने विजय प्राप्त की, मुगलों को हराया। गुरुद्वारे बनाए। लाल किले पर भगवा लहराया, लेकिन यह सब कहीं भी पढ़ाया नहीं गया। वक्त है कि पराजय के इतिहास को पढ़ाने के बजाय विजय गाथाओं का स्मरण किया जाए।

तरुण विजय@Tarunvijay

आतंकी पागल कुत्तों के जैसे होते हैं। देर-सबेर वे अपने पालने-पोसने वालों को भी काटने लगते हैं।

वेद प्रकाश मलिक@Vedmalik1

रचनाकर्म

अर्थ को सार्थक बनाने के सूत्र

प्रणव सिरोही

आर्थिक स्वावलंबन के लिए आवश्यक है धन-संपदा का कुशल प्रबंधन। इस लिहाज से देखा जाए तो यह पुस्तक इसके मनोवैज्ञानिक पहलुओं को उजागर करती है...

पुस्तक : धन-संपत्ति का मनोविज्ञान

लेखक : मॉर्गन हाउजल

प्रकाशक : जयको बुक्स

मूल्य : 199 रुपये

आज हम अपनी आजादी के 75वें पड़ाव पर पहुंचकर स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। किसी राष्ट्र के निर्माण में स्वावलंबन एक अहम अवयव होता है, जिसमें आर्थिक आत्मनिर्भरता निर्णायक मानी जाती है। ऐसे आर्थिक सशक्तीकरण का सरोकार धन-संपदा के कुशल प्रबंधन से जुड़ा होता है। ऐसा प्रबंधन जितना एक राष्ट्र के लिए आवश्यक है, उतना ही किसी व्यक्ति के लिए भी, क्योंकि व्यक्ति की उन्नति से ही राष्ट्र की प्रगति के द्वार खुलते हैं। स्मरण रहे कि तमाम लोग धन-संपदा का सृजन करने में तो सक्षम हो जाते हैं, परंतु उसके कुशल प्रबंधन में पारंगत नहीं हो पाते। मॉर्गन हाउजल की पुस्तक 'धन-संपत्ति का मनोविज्ञान' इस प्रबंधन में प्रवीणता दिलाने का प्रयास करती है।

धन-संपत्ति के प्रबंधन में बड़े बड़े दिग्गज मात खा जाते हैं और जिन्हें अमूमन नासमझ समझा जाता है, वे इसे बखूबी कर दिखाते हैं। विविध उदाहरणों से लेखक वित्तीय सफलता को व्यावहारिक कौशल से जोड़ते हुए कहते हैं कि समृद्धि और संपन्नता संपदा के प्रबंधन से अधिक उसे लेकर व्यवहार से अधिक प्रभावित होती है। उनकी इस बात का यही सार है कि वित्तीय ज्ञान का प्रकांड विद्वान भी यदि अपनी भावनाओं पर नियंत्रण खो दे तो वह आर्थिक आपदाओं को निमंत्रण दे बैठता है। इसके उलट सामान्य समझ वाला व्यक्ति व्यावहारिक कौशल से अपने वित्तीय लक्ष्यों का कुशलतापूर्वक संधान कर सकता है। इसी व्यावहारिक कौशल को उन्होंने 'धन-संपत्ति का मनोविज्ञान' कहा है। पुस्तक में कुल 20 अध्याय हैं, जिनमें से प्रत्येक एक विशिष्ट अवधारणा को समर्पित है। इसमें लेखक ने तुलनात्मक अध्ययन के साथ उससे मिले सबक के सारांश रूप में अपने सुझाव भी दिए हैं, जिन्हें धन-संपदा प्रबंधन के सूत्रों की संज्ञा दी जा सकती है। इसी में एक महत्वपूर्ण सूत्र यही है कि धन प्राप्त करने के लिए जहां जोखिम उठाना, आशावादी होना और साहस आवश्यक है वहीं उसे बनाए रखने के लिए विनम्रता और उसे गंवाने की असुरक्षा भी उतनी ही जरूरी है, क्योंकि जो आपको मिला है वह आपसे छिन भी सकता है। इसके लिए लेखक ने मितव्ययिता को कुंजी बताया है।

रोचक प्रसंगों के माध्यम से अपनी बात को आगे बढ़ाना पुस्तक की सबसे बड़ी विशेषता है। बिल गेट्स और केंट इवांस के उदाहरणों से वह 'भाग्य और जोखिम' की संकल्पना को समझाते हैं, तो प्रबंधन के क्षेत्र में प्रतिष्ठित रजत गुप्ता और पोंजी योजनाओं के महारथी बर्नी मैडोफ के अर्श से फर्श पर पहुंचने के वृत्तांतों से 'पर्याप्त सीमा' की परिभाषा को समझाते हैं, वहीं सफल निवेश के मोर्चे पर 'कंपाउंडिंग की महत्ता' दर्शाते हुए बताते हैं कि कैसे वारेन बफेट ने 84.2 अरब डालर की संपत्ति 50 साल की उम्र के बाद अर्जित की।

संपत्ति, लालच और सुख के शाश्वत पाठों पर केंद्रित इस पुस्तक का प्रत्येक अध्याय धन-संपत्ति के मनोविज्ञान की अंतः प्रज्ञात्मक विशेषताओं का वर्णन करता है। हालांकि सभी अध्याय एक मूल भाव पर केंद्रित हैं, लेकिन आप इस किताब को कहीं से भी पढ़ना आरंभ कर सकते हैं। उसमें निरंतरता की कोई अनिवार्य शर्त नहीं। चूंकि प्रत्येक सांसारिक व्यक्ति की गतिविधियां कहीं न कहीं अर्थोपार्जन से जुड़ी होती हैं और अधिकांश लोगों को जीवन में वित्तीय संकटों से दो-चार होना ही पड़ता है तो इस पुस्तक के सबक बहुत उपयोगी सिद्ध होते हैं। इस पर लेखक यही मानते हैं कि वित्तीय संकटों को लेकर मनोविज्ञान और इतिहास के लेंस से ही बेहतर समझ बन सकती है। पुस्तक का अनुवाद कुछ निराश करने वाला है। विशेषकर शब्द चयन और वाक्य विन्यास आनंद में अवरोध बनते हैं, फिर भी अपनी रोचक विषयवस्तु से यह पाठक को बांधे रखती है। आवरण पर प्रख्यात उद्यमी एवं लेखक जेम्स क्लियर की यह टिप्पणी बिल्कुल सटीक लगती है कि 'हर किसी के पास इसकी एक प्रति जरूर होनी चाहिए।'

एक कर्मयोगी की जीवन यात्रा

अजय कुमार राय

'कलराज मिश्र-निमित्त मात्र हूं मैं...' पुस्तक केवल कलराज मिश्र का जीवन परिचय ही नहीं है, बल्कि आजाद भारत के एक कालखंड की राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विकास यात्रा का दस्तावेज भी है। कलराज जी ने अपनी राजनीतिक यात्रा में देश में भाजपा को स्थापित करने में अहम भूमिका निभाने के अलावा राज्यपाल, केंद्रीय मंत्री, लोकसभा, राज्यसभा, विधान परिषद और विधानसभा के सदस्य के रूप में अमिट छाप छोड़ी है। पुस्तक में लेखकद्वय ने उनके विचारों व उपलब्धियों को समेटने का प्रयास किया है।

किसी क्षेत्र में बदलाव लाने में राजनीति प्रमुख भूमिका निभाती है। राजनीति को इसके लिए तैयार करने में सबसे बड़ी भूमिका राजनेताओं की होती है। इसीलिए किसी राजनेता की जीवन यात्रा उस कालखंड में समाज और देश में आए परिवर्तनों और घटित महत्वपूर्ण घटनाओं को भी अपने में समेटे रहती है। यह पुस्तक भी कलराज जी के बहाने पाठकों को कई रोचक तथ्यों से अवगत कराती है। इनमें उनके बचपन, सार्वजनिक जीवन, उनके पूर्वजों, पूर्वांचल खासकर गाजीपुर और देवरिया के ऐतिहासिक तथ्यों का जिक्र किया गया है। इस दौरान सार्वजनिक जीवन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों को निभाते हुए उन्होंने कौन-कौन से काम किए और उनका क्या प्रतिफल रहा, इसका भी विस्तार से वर्णन है।

पुस्तक : कलराज मिश्र- निमित्त मात्र हूं मैं...

लेखक : डा. डीके टकनेत और गोविंद राम जायसवाल

प्रकाशक : आइआइएमई, जयपुर

मूल्य : 3,999 रुपये

कलराज जी हर व्यक्ति को कर्मयोग के साथ-साथ ज्ञानयोग को अपने जीवन में उतारने को प्रेरित करते हैं। अपने व्यावहारिक आर्थिक चिंतन में वह कहते हैं कि हमने दरिद्रनारायण की बहुत पूजा कर ली, अब हमें लक्ष्मीनारायण की पूजा करने का परिवेश बनाना चाहिए। निर्धनता निवारण के लिए हमें जागरूक होना होगा। जाहिर है हम अपने सोच को बदलकर नए भारत के निर्माण की गति को तेज कर सकते हैं। कुल मिलाकर, यह पुस्तक हर वर्ग के लिए पठनीय है।

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या विश्व समुदाय तालिबान पर दबाव बनाने में नाकाम साबित हो रहा है?

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या भारत विभाजन की त्रासदी का स्मरण आवश्यक है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

चौहत्तर का हो गया अपना प्यारा देश,
बदल सके कितना मगर हम अपना परिवेश!
हम अपना परिवेश मुफ्त का माल उड़ाएं,
जब आ जायं चुनाव जाति पर मुहर लगाएं।
यह स्वारथ की सोच चलेगी कब तक पुत्तर,
अब तो सुधरो देश हो गया है चौहत्तर!!

- ओमप्रकाश तिवारी

विदेशी आक्रमणों के प्रतिरोध की सावरकर दृष्टि

यतीन्द्र मिश्र

सावरकर के लेखन को एक विशेष विचारधारा की रचना मानकर खारिज करने से पहले, बिना किसी मत के प्रति आग्रही होते हुए, उनकी दृष्टि और विचार को ज्यादा व्यावहारिक संदर्भों में पढ़ने की आवश्यकता है...

पुस्तक : छह स्वर्णिम पृष्ठ

लेखक : विनायक दामोदर सावरकर

प्रकाशक : प्रभात पेपरबैक्स, नई दिल्ली

मूल्य : 400 रुपये

भारत की स्वाधीनता के 75वें वर्ष में प्रवेश पर 'इस स्तंभ' में पिछली एक सदी की उन कृतियों को शामिल किया जा रहा है, जिसने भारतीयता को परिभाषित करने और युवाओं को प्रेरणा देने में भूमिका निभाई। परिचय और समीक्षा के साथ, यह पूर्व प्रकाशित उन रचनाओं को रेखांकित करने का प्रयास है, जिन्हें पढ़कर नई पीढ़ी हमारे गौरव भरे रचनात्मक अतीत से जुड़ सके। यहां इस बात का भी ध्यान रखा गया है कि उन्हीं कृतियों का विवेचन प्रस्तुत किया जाए, जो आज पुनर्प्रकाशित होकर उपलब्ध हों।

इसकी शुरुआत क्रांतिकारी और राष्ट्रवादी चिंतक विनायक दामोदर सावरकर की 'छह स्वर्णिम पृष्ठ' से हो रही है। सावरकर के ओजपूर्ण लेखन की अन्य पुस्तकों- 1957 का स्वातंत्र्य समर, मेरा आजीवन कारावास, काला पानी और हिंदू राष्ट्र-दर्शन का भी उनकी विचारधारा के संदर्भ में पाठ ऐतिहासिक माना जाता है। गौर करने वाली बात है कि यह पुस्तक उनके अंतिम दशक की रचना है, जिसका पहला खंड 1956 और दूसरा खंड 1963 में प्रकाशित हुआ था। वे एक क्रांतिकारी लेखक के बतौर अपने विचारों में इतने खुले थे कि 1857 की क्रांति पर लिखी उनकी पुस्तक ब्रिटिश सरकार द्वारा प्रकाशन से पूर्व प्रतिबंधित कर दी गई थी।

'छह स्वर्णिम पृष्ठ' का नया संस्करण इसी वर्ष प्रकाशित हुआ है, जो किसी भी शोधार्थी के लिए प्रामाणिक पाठ्य सामग्री के रूप में है। किताब की भूमिका में देवेंद्र स्वरूप ने जो बात कही है, जिसका उल्लेख यहां प्रासंगिक है, 'सावरकर और गांधी एक-दूसरे के विकल्प नहीं, बल्कि पूरक हैं। वे हिंदू समाज के अंतर्द्वन्द्व के दो चेहरे हैं। एक हिंदू समाज का आपद्धर्म है, तो दूसरा उसका सनातन धर्म।'

इसका विषय सावरकर ने विदेशी आक्रमणों के भारतीय प्रतिरोध को बनाया है। 'पहले पृष्ठ' को वे यूनानी सिकंदर के आक्रमण के विरोध में रचते हैं, जबकि 'दूसरा पृष्ठ' पुष्यमित्र शुंग द्वारा दूसरे यवन आक्रमण की पराजय को समर्पित है। 'तीसरे पृष्ठ' को शक और कुषाणों की दासता से देश को स्वतंत्र कराने वाले विक्रमादित्य पर और 'चौथे पृष्ठ' में हूण आक्रमण को परास्त करने वाले गुप्त-वंश के महान शासक स्कंदगुप्त की वीरगाथा में परिणत करते हैं।

'पांचवां पृष्ठ' भारत पर मुस्लिमों के आक्रमण और उनके विरुद्ध भारतीय प्रतिरोध की कहानी है। 'छठा पृष्ठ' ब्रिटिश साम्राज्यवाद और उसकी दासता के विरुद्ध भारत के लगभग 200 वर्ष के लंबे स्वातंत्र्य समर की गाथा है। एक हद तक इस किताब की इतिहासपरक सामग्री से गुजरते हुए यह प्रश्न मन में उठता है कि क्या वे उस दौर में स्वाधीनता प्राप्ति के प्रति समर्पित रहते हुए किसी नए युग की कल्पना कर रहे थे? या एक चेतना संपन्न लेखक की तरह अपनी इतिहास-दृष्टि को विवेचित करने के लिए प्रस्तुत थे। सावरकर इन अध्यायों को 'स्वर्णिम पृष्ठ' कहते हैं, जिसका तर्क उन्होंने इस तरह दिया है, 'स्वराष्ट्र को परतंत्रता से और शत्रु से मुक्त करने वाली तथा अपने राष्ट्रीय स्वातंत्र्य और स्वराज्य का पुनरुज्जीवन करने वाली वीर जुझारू पीढ़ी और उसका नेतृत्व करने वाले वीर, धुरंधर, विजयी पुरुष सिंहों के स्वातंत्र्य-संग्राम के वृत्तांतों से रंगे पृष्ठों को ही मैं स्वर्णिम पृष्ठ कहता हूं।'

जीवन शैली, विचार, कर्मठता और भाषा के स्तर पर यदि सावरकर के कृतियों की परख की जाए, तो कहा जा सकता है कि जैसे वे अपने लेखनकर्म द्वारा खुद के ही संघर्ष की गाथा को भारतीय संदर्भों में देख रहे थे। इस उपक्रम में उन्होंने जिन विषयों को बेबाकी से टटोला है, उनमें बाहरी आक्रांताओं द्वारा यहां की गई हृदय विदारक घटनाओं, धार्मिक स्थलों के विध्वंस, अस्पृश्यता व अमानवीय कृत्यों की भर्त्सना प्रमुख रहे हैं।

पुस्तक में अपने विषय के अनुरूप इतिहास की व्याख्या की गई है, जिसके आधार में प्रामाणिक संदर्भों वाली कहानियां मौजूद हैं। वे कुछ बेहतर दृष्टांत भी प्रस्तुत करते हैं, जिसमें एक कहानी, किसी साधु यति से सिकंदर के भेंट की है, जिसने सिकंदर के भारत विजय अभियान की दशा का वर्णन किया था। बौद्ध धर्म भारत में सिमट क्यों गया, इस पर भी वे अपने तर्कपूर्ण आशयों के साथ मौजूद हैं। उसके मूल में वे यह मानते हैं कि बुद्ध के जन्म से पहले ही भारत में कम से कम पचासों अवैदिक और निरीश्वरवादी धर्म ग्रंथ प्रचलित थे। उनके अनुसार, जनता के हृदय में बौद्ध धर्म में निष्ठा की कमी, उसमें आई हुई विकृतियों के कारण ही संभव हुई। हालांकि एक दूसरे अध्याय में वे यह तर्क रखते हैं कि बौद्ध धर्म भी एक भारतीय धर्म ही था। अतः सम्राट कनिष्क ने जब बौद्ध धर्म को स्वीकार किया, तब भारत को ही यह सांस्कृतिक विजय प्राप्त हुई। वे विजय नगर के हिंदू महाराजा कृष्णदेव राय के राज्यकाल, वैभव और सामर्थ्य की चर्चा करते हैं। ब्रितानी हुकूमत पर लिखा गया अंतिम अध्याय पढ़ने लायक है, जिसमें मराठा, सिख और नेपाली- इन तीनों हिंदू राज्य-शक्तियों के पराभव की चर्चा हुई है, किस तरह अंग्रेजों ने अभियानपूर्वक भारत को कमजोर करते हुए अपना प्रभुत्व स्थापित किया। ऐसे ढेरों संदर्भों और प्रसंगों के ओजपूर्ण उल्लेख से यह किताब लिखी गई है, जिसका एक ऐतिहासिक पाठ, समकालीन संदर्भों में बनता हुआ दिखाई देता है।

7000 करोड़ रुपये तक रह सकता है उत्तराखंड का अनुपूरक बजट। प्रदेश में सड़कों का जाल और स्वरोजगार योजनाओं को ज्यादा धन देने की है तैयारी।

अमृत 75 महोत्सव
www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 15 अगस्त, 2021

बंगाल

माकपा के लिए बड़े खलनायक

माकपा यानी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति ने बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों की समीक्षा की और स्वीकार किया कि आजादी के बाद से पार्टी का ऐसा हाल कभी नहीं हुआ था। करीब साढ़े तीन दशक सत्ता में रहने के बाद महज 10 साल में पार्टी शून्य पर कैसे पहुंच गई? माकपा महासचिव सीताराम येचुरी समेत अन्य केंद्रीय नेताओं ने समीक्षा बाद 'खलनायकों' को तलाशा है। केंद्रीय समिति ने अपनी रिपोर्ट में बंगाल में माकपा की दयनीय दशा के लिए छह प्रमुख कारण (खलनायक) तलाशने के साथ राज्य के पार्टी नेताओं की जमकर क्लास लगाई है। इस समीक्षा रिपोर्ट में पहला कारण एक साधारण स्वीकारोक्ति है, जिसमें कहा गया कि भाजपा के विरोध और तृणमूल के 10 साल के शासन की कमियों के बावजूद बंगाल की जनता ने संयुक्त मोर्चे को 'विकल्प' के रूप में नहीं देखा। दूसरा कारण, संयुक्त मोर्चे के गठन पर सवाल है। माकपा की केंद्रीय समिति ने यह भी माना कि पीरजादा अब्बास सिद्दीकी की पार्टी इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आइएसएफ) के साथ गठबंधन को लोगों ने अच्छी निगाह से नहीं देखा। हालांकि अब्बास के आइएसएफ ने एक पंथनिरपेक्ष नीति की बात की, लेकिन वह मुस्लिम संगठन के रूप में अपनी पहचान को नहीं तोड़ सका। परिणामस्वरूप मतदाताओं ने उस गठबंधन को स्वीकार नहीं किया।

केंद्रीय समिति ने अपनी रिपोर्ट में राज्य में माकपा की दयनीय दशा के छह मुख्य कारण (खलनायक) तलाशने के साथ राज्य के पार्टी नेताओं की जमकर क्लास लगाई

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि गठबंधन एक स्थाई समाधान नहीं हो सकता है। यही नहीं माकपा केंद्रीय समिति ने विधानसभा चुनाव प्रचार में पार्टी की भूमि अधिग्रहण नीति के बारे में कही गई बातों को दुखद नतीजों का कारण माना है। उनके अनुसार सिंगुर-नंदीग्राम के लिए बनाए गए नारे 'कृषि हमारी नींव, उद्योग हमारा भविष्य' का नारा चुनाव में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए था। क्योंकि इसी नारे ने माकपा को ग्रामीण लोगों से दूर किया था। चौथे कारण के रूप में ध्रुवीकरण की राजनीति को उचित महत्व नहीं देने के लिए माकपा राज्य नेतृत्व की भी आलोचना की गई है। कहा जा रहा है कि मामले को सही तरीके से पेश न कर पाना एक बड़ी विफलता है। पांचवां कारण, सच्चर समिति की रिपोर्ट को सही से नहीं उठाने को माना है और छठे कारण के रूप में बताया गया है कि तृणमूल ने आरएसएस और भाजपा को बंगाल में जमीन दी है। भाजपा को मुख्य प्रतिद्वंद्वी मानने की माकपा नेताओं ने बात कही है।

परंतु शायद असली बात माकपा केंद्रीय नेतृत्व भूल गए। दशकों पुरानी वामपंथी सोच-विचार, बंद, हड़ताल, पार्टी सबसे ऊपर वाली नीति अब लोगों को पसंद नहीं है। माकपा को असली आत्ममंथन कर नए विचार पैदा करने होंगे, तभी कुछ होगा।

बिहार

बाढ़ का स्थायी समाधान

बिहार में बाढ़ के हालात कई जिलों में पांच साल बाद फिर भयावह हो गए हैं। गंगा समेत सभी प्रमुख नदियों का जलस्तर रिकार्ड स्तर पर है। यह सही है कि बाढ़ एक प्राकृतिक आपदा है। इसे पूरी तरह रोका नहीं जा सकता है, लेकिन यह भी सही है कि मानवीय प्रयासों से इसे नियंत्रित जरूर किया जा सकता है। प्रदेश में बाढ़ की समस्या मुख्य रूप से गंगा, कोसी, गंडक, सोन एवं पुनपुन जैसी बड़ी नदियों से आती है। गंगा को जीवनदायिनी कहा गया है। इसीलिए बक्सर से भागलपुर तक बिहार के कई बड़े शहर सदियों से गंगा के किनारे ही आबाद हैं, मगर अब ज्यादा खतरा इसी से है। इसे समझने की जरूरत है कि ऐसा क्यों हो रहा है?

वर्ष 2016 में 40 साल बाद पटना में गंगा के जलस्तर का रिकार्ड टूटा था। महज पांच साल बाद ही गंगा फिर नया रिकार्ड बनाने के करीब है। राजधानी पर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। अगर नहीं संभले तो आगे भी ऐसे हालात उत्पन्न होते रहेंगे। पिछली बार जब गंगा का जलस्तर रिकार्ड स्तर पर पहुंचा था तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री से मुलाकात कर फरक्का बांध को हटाने की मांग की थी। उनका कहना था कि गाद जमा होने के कारण गंगा उथली हो गई है। प्रवाह थम गया है। इससे तेजी से पानी नहीं निकल पाता है और आसपास के इलाकों में फैल जाता है। इस बार भी गंगा के किनारे के 12 जिलों को अलर्ट किया गया है, क्योंकि बाढ़ का ज्यादा खतरा इन्हीं जिलों को है। इसकी प्रमुख वजह गंगा में जमा गाद है। एक रिपोर्ट के मुताबिक गंगा में हर साल लगभग 80 करोड़ टन गाद आती है। अगर इसका प्रबंधन नहीं किया गया तो गंगा से बाढ़ का दायरा बढ़ सकता है। नदी का तल जब ऊपर आएगा तो प्रवाह कमजोर होगा और पानी के फैलाव का क्षेत्र विस्तृत होता जाएगा। गंगा में 80 फीसद गाद नेपाल से होकर बिहार आने वाली नदियों के साथ आती है। उत्तर बिहार की नदियों के जलग्रहण क्षेत्र में जंगलों के कटाव और भूमि क्षरण को अगर रोक दिया जाए तो बिहार को काफी हद तक समाधान मिल सकता है। चूंकि यह दो देशों का मामला है। इसलिए केंद्र सरकार को आगे आना जरूरी होगा।

बाढ़ से बचाव के लिए गंगा में जमा हो रही गाद की समस्या का निदान करना होगा। फाइल

बिहार को अगर गंगा एवं उसकी सहायक नदियों की बाढ़ से बचाना है तो गाद प्रबंधन ही स्थायी समाधान है। केंद्र सरकार को बिहार की मांग पर ध्यान देने की जरूरत है

झारखंड

बच्चों की शिक्षा की चिंता

माता-पिता बच्चों के प्रथम शिक्षक होते हैं। बच्चे अपने घर के सदस्यों से ही सबसे ज्यादा सीखते हैं। बच्चों के हितों की सर्वाधिक चिंता करने वाले परिवार के सदस्यों के प्रेम के बीच सहज-सुलभ वातावरण में शिक्षा का स्वतः स्फूर्त प्रवाह बच्चों के व्यक्तित्व को हर पल गढ़ता है। कोरोना काल में उत्पन्न हुई परिस्थितियों में यह और भी प्रासंगिक हो गया है। झारखंड के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने इसे समझा है और बच्चों की पढ़ाई में अभिभावकों का सहयोग मांगा है। विभाग ने एक मार्गदर्शिका जारी की है, जिसके अनुसार माता-पिता इन बच्चों को घर आधारित शिक्षण में बच्चों को मदद करेंगे।

कोरोना काल और लाकडाउन में बच्चों का स्कूल लंबे समय से बंद हैं। आनलाइन पढ़ाई हो रही है, लेकिन बच्चे कक्षाओं में बैठकर जितना पढ़ते हैं, उतनी पढ़ाई इस माध्यम से नहीं हो पा रही। सबसे ज्यादा समस्या छोटे बच्चों के साथ है, जिनके मामले में आनलाइन शिक्षा ज्यादा कारगर साबित नहीं हो पा रही। अभिभावकों ने संकट की इस घड़ी में अपने-अपने तरीके से बच्चों की पढ़ाई सुचारू रखने के कुछ समाधान ढूंढे भी हैं। कोरोना महामारी के खतरों के बीच अभी कक्षा आठ से ऊपर के बच्चों के लिए ही स्कूल खोले गए हैं। कोरोना से बचाव के लिए शिक्षकों और छात्रों को दिशानिर्देशों का भी पालन करना है और बच्चों को स्कूल भेजने के लिए अभिभावकों की सहमति भी अनिवार्य है। इन सबके बीच विभाग ने बच्चों की पढ़ाई निरंतर जारी रखने के लिए अभिभावकों को इस व्यवस्था से जोड़ने की कोशिश की है। इसकी सराहना होनी चाहिए और अभिभावकों को बढ़-चढ़कर इसमें योगदान देना चाहिए। आखिरकार यह उनके बच्चों के हित से जुड़ा मामला है। अभिभावकों से अपेक्षा जताई गई है कि वह अपने बच्चों के पढ़ाई के घंटे निर्धारित करें। साथ ही, उनकी संपूर्ण गतिविधियों पर भी नजर रखें। इसके अलावा, बच्चों से नियमित रूप से संवाद कर उनकी समस्याओं और भावनाओं को जानने-समझने को कहा गया है। बच्चों के खेल की भी चिंता करते हुए उन्हें खेलने के लिए प्रेरित करने को कहा गया है। यह जरूरी भी है, ताकि बच्चे शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहें और उनका सर्वांगीण विकास हो सके।

बच्चों के समग्र विकास के लिए जागरूक हो समाज। फाइल

शिक्षा विभाग ने बच्चों की पढ़ाई के लिए अभिभावकों की भी भूमिका तय कर उनसे सहयोग मांगा है

उत्तराखंड

सत्तापक्ष और विपक्ष की भूमिका

उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव में भले ही अभी करीब सात महीने का समय है, लेकिन चुनावी बयार महसूस की जाने लगी है। सत्ताधारी दल के साथ ही विपक्षी दल भी चुनावी मोड में दिख रहे हैं। सभी अपनी सियासी जमीन मजबूत करने में शिद्दत से जुटे हुए हैं। पार्टी नेताओं के प्रदेश प्रवास का दौर शुरू हो गया है। भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस सांगठनिक फेरबदल कर चुनावों का अनौपचारिक एलान कर चुकी हैं। यही नहीं, बूथ लेवल पर कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां भी तय कर दी गई हैं। सत्ताधारी दल भारतीय जनता पार्टी और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस एक-दूसरे पर हमलावर हैं तो, आम आदमी पार्टी उत्तराखंड में सक्रियता बढ़ाकर राजनीतिक जमीन तलाशने की कोशिशों में जुटी हुई है। अन्य दलों की चुनावी उम्मीदें भी हिलोरें मारती साफ दिखाई पड़ रही हैं।

ऐसे में किसकी जमीन मजबूत होती है, किसकी खिसकती है, कौन कहां और कितनी सेंधमारी कर पाता है, इसका पता तो चुनावी नतीजे सामने आने पर ही पता चल पाएगा। लेकिन इस वक्त सभी को यह ध्यान रखना होगा कि सियासत की इस आपाधापी का राज्यवासियों को किसी भी रूप में नुकसान नहीं होना चाहिए। चुनावी साल में इस तरह की आशंका निर्मूल नहीं कही जा सकती। देखने में आया है कि चुनावी माहौल में जनहित के मुद्दे हाशिये पर डाल दिए जाते हैं। विकास कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता से समझौता भी कर लिया जाता है। यह चिंताजनक है। इसमें कोई शक नहीं कि मौजूदा सरकार के सामने चुनौतियों का पहाड़ सा खड़ा है और समय बेहद सीमित। इधर, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सवा महीने के अंतराल में तीन बार दिल्ली दौड़ लगाकर केंद्रीय मंत्रियों से उत्तराखंड के लिए कई योजनाएं स्वीकृत करा लाए हैं। पूर्व में संचालित योजनाओं के लिए भी केंद्र से अतिरिक्त बजट लेने में वह सफल रहे हैं। नए राजमार्गों के निर्माण के लिए एक हजार करोड़ रुपये और राज्य की 42 सड़कों के सुदृढ़ीकरण के लिए 615 करोड़ रुपये का इंतजाम करवाना निश्चित तौर पर राज्य के लिए बड़ी उपलब्धि है। सरकार को अब इस पर गंभीरता से मंथन करना चाहिए कि इस बजट का उपयोग समय रहते पारदर्शी तरीके से कैसे किया जाए। विकास कार्यों की गति और गुणवत्ता पर सतर्क निगाह रखने की जिम्मेदारी विपक्ष की भी है। उसे खुद को आरोप-प्रत्यारोप तक ही सीमित नहीं रखना चाहिए, अपितु यथार्थवादी सोच का परिचय देते हुए रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभानी चाहिए। उम्मीद है कि सत्तापक्ष और विपक्ष राज्य हित के एजेंडे में अपनी भूमिका के साथ न्याय करेंगे।

राज्य में चुनावी माहौल के बीच सत्तापक्ष और विपक्ष को अपनी भूमिका को ठीक से समझना होगा, ताकि विकास कार्यों पर विपरीत असर न पड़ने पाए

बांबे हाई कोर्ट ने डिजिटल मीडिया से जुड़े आइटी नियमों पर लगाई रोक

मुंबई, प्रेट्र : बांबे हाई कोर्ट ने शनिवार को आचार संहिता के पालन से संबंधित डिजिटल मीडिया के लिए नए सूचना प्रौद्योगिकी (आइटी) नियमों की उपधाराओं 9 (1) और 9 (3) के कार्यान्वयन पर अंतरिम रोक लगा दी।

मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और जस्टिस जीएस कुलकर्णी की पीठ ने कहा कि आचार संहिता का ऐसा अनिवार्य पालन याचिकाकर्ताओं को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मिले अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन है। पीठ ने यह भी कहा कि उपधारा 9 सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के दायरे से भी बाहर चली जाती है।

पीठ ने जवाब दाखिल करने के लिए आदेश पर रोक लगाने संबंधी केंद्र सरकार के अनुरोध को भी खारिज कर दिया। हालांकि, अंतर-मंत्रालयी समिति के गठन और विशेष परिस्थितियों में कुछ सामग्रियों को रोकने से संबंधित आइटी नियमों की उपधाराओं 14 और 16 पर रोक रोक लगाने से इन्कार कर दिया।

लीगल न्यूज पोर्टल द लीफलेट और पत्रकार निखिल वागले ने नए नियमों को अदालत में चुनौती दी है। इन नियमों को संविधान में मिले अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के खिलाफ बताया गया है।

शुक्रवार को सुनवाई के दौरान अदालत ने केंद्र से पूछा था कि जब पहले से ही आइटी नियम मौजूद है तो फिर नए नियमों को बनाने की क्या जरूरत थी। केंद्र की तरफ से पेश एडिशनल सालिसिटर जनरल अनिल सिंह ने कहा था कि फर्जी खबरों को रोकने के लिए नए नियम बनाए गए हैं।

अहम फैसला

- कहा, इससे संविधान के अनुच्छेद 21 में मिले अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन
- अंतर-मंत्रालयी समिति के गठन और कुछ मामलों में सामग्री पर रोक संबंधी धाराओं पर रोक से किया इन्कार

बांबे हाई कोर्ट फाइल फोटो इंटरनेट मीडिया

भूस्खलन की घटनाओं से राष्ट्रीय राजमार्गों की सुरक्षा की चिंता बढ़ी

नीलू रंजन, नई दिल्ली

हिमालयी क्षेत्र में भूस्खलन की बढ़ती घटनाओं से राष्ट्रीय राजमार्गों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। राष्ट्रीय राजमार्गों को सुरक्षित करने का सुझाव देने के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय ने विशेषज्ञों की एक समिति के गठन का फैसला किया है। भूस्खलन से राजमार्गों को सुरक्षित करने के लिए अलग से तीन से चार हजार करोड़ रुपये का प्रविधान भी किया गया है।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हिमालय क्षेत्र के सीमावर्ती इलाकों में तेजी से सड़क निर्माण का काम हो रहा है। इनमें चार धाम प्रोजेक्ट भी शामिल है। वैसे तो इन सभी सड़कों के निर्माण में भूस्खलन रोधी तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है और इसमें जियोलाजिकल सर्वे आफ इंडिया और टिहरी हाइड्रोइलेक्ट्रिकडेवलपमेंट कारपोरेशन की मदद भी ली जा रही है। जिओलाजिकल सर्वे आफ इंडिया के साथ मंत्रालय ने एमओयू भी किया है। रास्ते में पड़ने वाले पहाड़ों की प्रकृति और स्थायित्व पर यह अपनी विस्तृत रिपोर्ट देता है, लेकिन हिमाचल में हाल के दिनों में जिस तरह पहाड़ खिसकने की घटनाएं सामने आई हैं, जिसमें सड़क का बड़ा हिस्सा ही गायब हो गया, उससे चिंता बढ़ गई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जल्द ही विशेषज्ञों की समिति का गठन कर दिया जाएगा, जो मौजूदा पहाड़ी इलाकों में राष्ट्रीय राजमार्गों के भूस्खलन की चपेट में आने की आशंकाओं की पड़ताल करेंगे और इसके साथ ही उससे सड़क को पूरी तरह से सुरक्षित करने का उपाय भी बताएंगे। साथ ही मंत्रालय एक विशेष भूस्खलन रोधी प्रोजेक्ट शुरू करने की भी तैयारी है, जिस पर तीन से चार हजार करोड़ का खर्च आएगा। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भूस्खलन की घटनाओं पर अध्ययन कर उससे बचने को तकनीकी उपाय सुझाने के लिए मंत्रालय ने डीआरडीओ के मातहत आने वाले डिफेंस जियोइन्फोरमेटिक्स रिसर्च इस्टैब्लिसमेंट के साथ समझौता किया है। यह समझौता गत 20 जनवरी को किया जा चुका है।

अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में पासीघाट के पास शनिवार को भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में राष्ट्रीय राजमार्ग 13 का एक हिस्सा बह गया। एएनआइ

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि हो सकती है दोगुनी

रमण शुक्ला, पटना

- किसानों को छह से बढ़ाकर 12 हजार रुपये प्रति वर्ष देने पर किया जा रहा है विचार

केंद्र सरकार किसानों को अब छह की जगह 12 हजार रुपये प्रति वर्ष देने पर विचार कर रही है। दिल्ली में केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मिलकर पटना लौटे बिहार के कृषि मंत्री अमरेंद्र प्रताप सिंह ने यह जानकारी दी। उनके अनुसार प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि शीघ्र ही दोगुनी होने वाली है। केंद्र की ओर से राशि बढ़ाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। इसे किसानों की आय दोगुनी करने की कवायद माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में शुमार है। दिसंबर 2018 में शुरू हुई इस योजना के तहत अभी तक किसानों के खाते में कुल नौ किस्तें आ चुकी हैं। प्रधानमंत्री ने गत नौ अगस्त को नौवीं किस्त के रूप में देश भर के 9.75 करोड़ से अधिक पात्र किसानों के खातों में 19,500 करोड़ रुपये जमा कराए थे। यह राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में जमा कराई जाती है। केंद्र सरकार की इस योजना से वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने में मदद मिलेगी। अमरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार लगातार प्रयासरत है। किसान सम्मान योजना इस दिशा में सफल और सार्थक सिद्ध हुई है। देश में अब तक इस योजना में 1.38 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि किसानों के खातों में भेजी जा चुकी है।

ऐसे किया जाता है आवेदन : प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के लिए कृषि विभाग की वेबसाइट पर जाकर पंजीकृत किसान पात्रता प्रमाणित करने के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पंचायत समन्वयक, अंचलाधिकारी एवं अपर समाहर्ता राजस्व से स्वीकृत होने के बाद केंद्र सरकार के पोर्टल पर अपलोड किए जाते हैं।

बिहार के कृषि मंत्री अमरेंद्र प्रताप सिंह फाइल फोटो इंटरनेट मीडिया

श्रद्धा का महासावन

श्रद्धा-विश्वास से हो पूजा

शास्त्रों में कहा गया है, 'शिवो भूत्वा शिवं यजेत' अर्थात स्वयं शिव यानी कल्याणकारी भाव से शिव की उपासना, भजन, सेवा करने से उनकी कृपा प्राप्त होती है। सावन उनका प्रिय महीना है, इसी वजह से सावन में अभिषेक का विशेष महत्व है। इस माह भगवान शिव और माता पार्वती भू-लोक पर निवास करते हैं। इन दिनों सच्ची श्रद्धा व निष्ठा से पूजा करने पर आत्मीयता की अनुभूति होती है और शिव तत्व के प्रति प्रसन्नता व अशिव तत्व के प्रति आक्रोश पैदा होता है। श्रद्धा और विश्वास रूपी बीजों का विकास रूप ही व्यक्तित्व वृक्ष है। जैसी श्रद्धा और विश्वास होता है, वैसी ही आकांक्षा, प्रेरणा और वैसा ही संकल्प प्रबल होता है। उसी दिशा में सक्रियता बढ़ती है और तद्नुरूप साधन सहयोग जुटाए जाते हैं। गंतव्य का निर्धारण विश्वास ही करता है। उस दिशा में निरंतर बढ़ते जाने की प्रेरणा और शक्ति मिलती है। व्यक्तित्व की पहचान उसके भीतर गतिशील श्रद्धा एवं विश्वास से ही हो सकती है। जब संवेदना अंतःकरण में गहराई से प्रविष्ट हो, उसे विश्वास कहते हैं। अंतःकरण में कुछ समय उमड़-घुमड़कर तिरोहित हो जाने वाली भाव तरंगें संकल्प, उपलब्धि और कल्याण का आधार नहीं बन सकतीं। स्थायी और सुदृढ़ विश्वास-भाव ही कल्याण करने में समर्थ हैं। उत्कृष्ट श्रद्धा-विश्वास ही शिव-पार्वती का युग्म हैं। वही प्रगति एवं पुरुषार्थ का आधार हैं। श्रद्धा शक्ति है और विश्वास शिव। बिना शक्ति और शिव के जीवन, निष्फल है। सार्थक जीवन के लिए श्रद्धा और विश्वास रूपी भवानी-शंकर की नित्य आराधना आवश्यक है। तभी अंतरात्मा की चेतना शक्ति को देखा-समझा जा सकता है।

डा. प्रणव पंड्या
प्रमुख, अखिल विश्व गायत्री परिवार, हरिद्वार

स्कैन करें और पढ़ें 'श्रावण मास' से संबंधित सभी सामग्री

समयपूर्व रिहाई के लिए समान एसओपी जारी करने पर विचार करे नालसा : सुप्रीम कोर्ट

- इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका खारिज की

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) को एकसमान देशव्यापी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी करने पर विचार करने के लिए कहा है, ताकि कानून के मुताबिक जेल से समयपूर्व रिहाई के दोषियों के अधिकार की रक्षा की जा सके।

हत्या के एक मामले में याचिकाकर्ता को दोषी ठहराए जाने और उसे सुनाई गई उम्रकैद की सजा की पुष्टि करने वाले इलाहाबाद हाई कोर्ट के फरवरी, 2019 के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं को शीर्ष अदालत ने खारिज कर दिया।

जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस एमआर शाह की पीठ ने आगरा केंद्रीय कारागार के वरिष्ठ जेल अधीक्षक को यह निर्देश दिया कि वह दोषी को लागू नियम कायदों के मुताबिक समयपूर्व रिहाई के लिए आवेदन दाखिल करने के उसके अधिकार के बारे में सूचित करें। इसी संदर्भ में पीठ ने नालसा से एकसमान एसओपी जारी करने पर विचार करने का अनुरोध किया। शीर्ष अदालत ने कहा कि वरिष्ठ जेल अधीक्षक द्वारा जारी हिरासत प्रमाणपत्र से पता चलता है कि याचिकाकर्ता इस साल 26 जून तक 15 साल 11 महीने व 22 दिन की वास्तविक सजा (बिना छूट के) भुगत चुका है और छूट सहित यह सजा 19 साल एक महीने और 22 दिन है।

पीठ ने कहा कि उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण यह सुनिश्चित करेगा कि उसके पैनल के वकील राज्य के प्रत्येक कारागार का दौरा करें और दोष की प्रकृति, सजा की अवधि व भुगती जा चुकी सजा की जांच-पड़ताल के बाद दोषियों को सलाह दें और उचित आवेदन तैयार करने में मदद करें, ताकि वे कानून के मुताबिक समयपूर्व रिहाई के संबंध में अपने विकल्पों को चुन सकें। ऐसे आवेदनों को दाखिल किए जाने के बाद सक्षम प्राधिकारी तीन महीने के भीतर उनका निपटारा करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट जागरण आर्काइव

भारत के चार और वेटलैंड क्षेत्र रामसर सूची में शामिल

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत के चार और वेटलैंड (आर्द्र भूमि) इलाकों को अंतरराष्ट्रीय महत्व की रामसर कन्वेंशन सूची में शामिल किया गया है। इन चार वेटलैंड इलाकों में दो हरियाणा और दो गुजरात के हैं। इस तरह इस सूची में अब तक भारत के 46 वेटलैंड शामिल किए जा चुके हैं। यह जानकारी पर्यावरण मंत्रालय ने दी।

पर्यावरण संरक्षण के लिए वेटलैंड का अपना महत्व होता है। इनके कारण पक्षियों की कई दुर्लभ प्रजातियों का संरक्षण होता है। इसे बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए एक ट्वीट में कहा कि चार भारतीय स्थलों को रामसर मान्यता मिलना हमारे लिए गर्व की बात है।

रामसर सूची का उद्देश्य वेटलैंड के एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को विकसित करना और बनाए रखना है जो वैश्विक जैविक विविधता के संरक्षण और उनके पारिस्थितिक तंत्र घटकों और प्रक्रियाओं के रखरखाव व लाभों के माध्यम से मानव जीवन के लिए महत्वपूर्ण हैं।

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने ट्वीट कर कहा कि हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि चार और भारतीय वेटलैंड को रामसर की मान्यता मिली है। उन्होंने कहा कि गुजरात के थोल एवं वाधवाना और हरियाणा के गुरुग्राम स्थित सुल्तानपुर एवं झज्जर स्थित भिंडावास वेटलैंड को रामसर मान्यता दी गई है। भिंडावास वन्यजीव अभयारण्य मानव निर्मित वेटलैंड है। पक्षियों की 250 से अधिक प्रजातियां इस अभयारण्य का उपयोग पूरे साल विश्राम स्थल के रूप में करती हैं।

इसी तरह हरियाणा का सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान, मूल पक्षियों, शीतकालीन प्रवासियों और स्थानीय प्रवासी जल पक्षियों की 220 से अधिक प्रजातियों के लिए अनुकूल है।

गुजरात का थोल झील वन्यजीव अभयारण्य मध्य एशियाई फ्लाईवे पर स्थित है और यहां पक्षियों की 320 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं।

गुजरात में वाधवाना वेटलैंड में सर्दियों में प्रवासी पक्षी आते हैं। इन पक्षियों में 80 से अधिक ऐसी प्रजातियां शामिल हैं जो मध्य एशियाई फ्लाईवे पर प्रवास करती हैं।

उपलब्धि

- चार भारतीय वेटलैंड को रामसर मान्यता मिलना गर्व की बात : मोदी

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव फाइल फोटो इंटरनेट मीडिया

क्या है रामसर कन्वेंशन

रामसर संधि वेटलैंड के संरक्षण और समझदारी से उपयोग के लिए एक अंतरराष्ट्रीय संधि है। इसका नाम कैस्पियन सागर के तट पर स्थित ईरानी शहर रामसर के नाम पर रखा गया है। वहां दो फरवरी, 1971 को संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे।

भारत के खास रामसर स्थल

भारत में 46 रामसर स्थलों में ओडिशा स्थित चिल्का झील, राजस्थान स्थित केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, पंजाब की हरिके झील, मणिपुर स्थित लोकतक झील और जम्मू-कश्मीर की वुलर झील शामिल हैं।

3000 सैनिकों को अमेरिका ने वापस भेजा है अफगानिस्तान, जो उसके डिप्लोमैट्स को सुरक्षित निकालने का काम करेंगे। ब्रिटेन भी 600 कमांडो की टीम अफगानिस्तान भेज रहा है।

मोदी 25 सितंबर को कर सकते हैं यूएनजीए सत्र को संबोधित

- संयुक्त राष्ट्र महासभा के वार्षिक सत्र में मौजूद रहने वालों की सूची में पीएम मोदी का नाम शामिल
- कोरोना के मद्देनजर कार्यक्रम में बदलाव संभव, गत साल भेजा था रिकार्डेड भाषण

नरेंद्र मोदी। फाइल फोटो-इंटरनेट मीडिया

संयुक्त राष्ट्र, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के उच्चस्तरीय वार्षिक सत्र को 25 सितंबर को व्यक्तिगत रूप से संबोधित करने की उम्मीद है। संयुक्त राष्ट्र की ओर से जारी वक्ताओं की अनंतिम सूची में उनका नाम शामिल है।

सूची और कार्यक्रम में बदलाव हो सकता है क्योंकि उच्चस्तरीय वार्षिक सत्र के लिए संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में विश्व नेताओं की उपस्थिति कोरोना महामारी की वैश्विक स्थिति खासकर बेहद संक्रामक डेल्टा स्वरूप के अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों में तेजी से फैलने पर निर्भर करेगी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें सत्र में आम चर्चा के लिए वक्ताओं की पहली अनंतिम सूची के मुताबिक, मोदी 25 सितंबर की सुबह उच्चस्तरीय सत्र में भाषण देंगे। वह उस दिन के लिए सूचीबद्ध पहले नेता हैं। इससे पहले मोदी 2019 में उच्चस्तरीय संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र के लिए न्यूयार्क गए थे।

पिछले साल मोदी समेत विश्व नेताओं ने सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र के लिए रिकार्डेड वीडियो भाषण सौंपे थे क्योंकि राष्ट्र प्रमुख और सरकार कोरोना महामारी के कारण वार्षिक सभा में खुद मौजूद नहीं रह सकते थे। संयुक्त राष्ट्र के 75 साल के इतिहास में पहली बार ऐसा था जब उच्चस्तरीय सत्र आनलाइन हुआ था। इस साल भी विश्व के नेताओं के लिए रिकार्डेड भाषण भेजने का विकल्प खुला रखा गया है क्योंकि कई देशों में महामारी का प्रकोप अब भी जारी है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा का 76वां सत्र 14 सितंबर से शुरू होगा। मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद सालभर चलने वाले सत्र के अध्यक्ष होंगे। महासभा में आम चर्चा 21 सितंबर से शुरू होगी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन व्यक्तिगत रूप से सत्र को संबोधित करने वाले हैं जो अमेरिकी नेता के रूप में विश्व संगठन में उनका पहला संबोधन होगा। जापानी प्रधानमंत्री योशीहिदे सुगा और आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्काट मारिसन भी 24 सितंबर को व्यक्तिगत रूप से चर्चा को संबोधित करने के लिए सूचीबद्ध हैं।

क्वाड शिखर सम्मेलन का आयोजन भी संभव

आस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका के नेताओं के व्यक्तिगत रूप से महासभा सत्र में भाग लेने की उम्मीद के साथ यह संभावना भी है कि सितंबर में यूएनजीए के आसपास ही क्वाड नेताओं का शिखर सम्मेलन हो सकता है।

टेक्सास में मनाया जाएगा भारत का स्वतंत्रता दिवस

ह्यूस्टन, प्रेट्र : अमेरिका के टेक्सास प्रांत में भारत का स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा। प्रांत के गवर्नर ग्रेग एबाट ने भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर समारोह आयोजित करने की घोषणा की है।

एबाट ने इस संबंध पर एक घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए। इस मौके पर भारत के महावाणिज्य दूत असीम महाजन भी उपस्थित थे। एबाट ने भारत और टेक्सास के बीच संबंधों का जिक्र करते हुए कहा, 'भारत दुनिया में हमारा सबसे बड़ा लोकतांत्रिक सहयोगी है।'

महाजन को घोषणा पत्र सौंपते हुए एबाट ने कहा, स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में रविवार को गवर्नर आवास को नारंगी और हरे रंग से प्रकाशित किया जाएगा।

पूरे टेक्सास में भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों ने लंबे समय से हमारे प्रांत को अपना घर बताया है और टेक्सास को रहने और काम करने के लिहाज से सबसे बेहतरीन जगह बनाने में अहम भूमिका निभाई है।

जापान में बाढ़...

ग्लोबल वार्मिंग का असर अब वैश्विक स्तर पर दिखने लगा है। कहीं बाढ़ आ रही है तो कहीं सूखा पड़ रहा है। जापान के सागा प्रांत के ताकेओ में भारी बारिश के बाद बाढ़ आ गई है। रिहायशी इलाका पूरी तरह से जलमग्न हो गया है। यहां रहे लोगों को सुरक्षित निकालकर दूसरे स्थानों पर ले जाया गया है। रायटर

तालिबान की जीत हुई तो छिड़ सकता है गृहयुद्ध

अफगान संकट ▸ संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा, अलग-थलग पड़ सकता है अफगानिस्तान

तालिबान की जीत का मतलब यह नहीं है कि अफगानिस्तान का भविष्य बेहतर होगा

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) प्रमुख एंटोनियो गुटेरस। जागरण आर्काइव

वाशिंगटन, एएनआइ : अफगानिस्तान में तालिबान मारकाट कर सत्ता हथियाने में जुटा है। इस तरीके से उसकी जीत के बाद देश में गृहयुद्ध छिड़ सकता है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) प्रमुख एंटोनियो गुटेरस ने कहा कि लंबे समय तक गृहयुद्ध या अफगानिस्तान पूरी तरह अलग-थलग पड़ सकता है। जबकि राजनीतिक विशेषज्ञ हार्लन उल्मान ने कहा कि तालिबान की जीत का मतलब यह नहीं है कि अफगानिस्तान का भविष्य बेहतर होगा। उसकी जीत के बाद देश में गृहयुद्ध भड़क सकता है।

अमेरिकी अखबार हिल में प्रकाशित एक लेख में अटलांटिक काउंसिल के वरिष्ठ सलाहकार उल्मान ने लिखा है कि पाकिस्तान अपनी खुफिया एजेंसी आइएसआइ के जरिये तालिबान पर दबदबा बनाने कर प्रयास करेगा। वह अपने इस प्रभाव का इस्तेमाल अमेरिका से संबंध सुधारने में करेगा।

समाचार एजेंसी आइएएनएस के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख गुटेरस ने तालिबान से अफगान सुरक्षा बलों के खिलाफ हमले तुरंत बंद करने और वार्ता टेबल पर लौटने को कहा है। उन्होंने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि शहरों और कस्बों पर कब्जे को लेकर अफगान बलों और तालिबान के बीच छिड़ी लड़ाई से भारी जनहानि हो रही है। एक हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई है और करीब ढाई लाख लोग विस्थापित हुए हैं।

अफगानिस्तान में स्थिति चिंताजनक : पेंटागन

अमेरिका के रक्षा विभाग पेंटागन ने कहा कि तालिबान आतंकी काबुल को पूरी तरह अलग-थलग करने का प्रयास कर रहे हैं। अफगानिस्तान में स्थिति बेहद चिंताजनक हो गई है। पेंटागन के प्रेस सचिव जान किर्बी ने कहा, 'तालिबान जिस तरह आगे बढ़ रहा है, उससे हम यकीनन चिंतित हैं।'

तालिबान अफगानिस्तान पर पूरी तरह से कब्जा करने के लिए लगातार आगे बढ़ रहा है। कई बड़े प्रांतों पर कब्जा करने के बाद अब वह काबुल की ओर बढ़ रहा है। शनिवार को गजनी शहर में लोगों की आवाजाही पर निगाह रखता हुआ तालिबान आतंकी। रायटर

पाकिस्तान पर प्रतिबंध लगाने की उठी मांग

वाशिंगटन, एएनआइ : अफगानिस्तान की सत्ता पर हिंसा के बल पर काबिज होने में जुटे आतंकी संगठन तालिबान का समर्थन करने को लेकर पाकिस्तान बेनकाब हो चुका है। अब इस करतूत के लिए पाकिस्तान पर प्रतिबंध लगाने की मांग उठने लगी है। यह मांग एक अमेरिकी सांसद ने की है। उन्होंने बाइडन प्रशासन से पाकिस्तान पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही इस देश को अमेरिका से मिलने वाली आर्थिक मदद भी बंद करने का आग्रह किया है।

सांसद माइक वाल्ट्ज ने राष्ट्रपति जो बाइडन को लिखे पत्र में कहा, अमेरिका से पाक को मिलने वाली सभी सहायता तत्काल बंद होनी चाहिए। इस्लामाबाद पर पाबंदी लगाने पर भी विचार किया जाना चाहिए। जब तक यह देश तालिबान को अपनी सीमाओं के इस्तेमाल से रोकने का बड़े पैमाने पर प्रयास नहीं करता है तब तक इस पर दबाव बनाने की जरूरत है। वाल्ट्ज ने यह भी आग्रह किया कि वह तालिबान के खिलाफ जंग में अफगानियों की मदद के लिए तत्काल कदम उठाएं।

'असली समस्या है पाकिस्तान' : समाचार एजेंसी आइएएनएस के अनुसार, अमेरिकी विशेषज्ञ माइकल रुबिन ने कहा कि तालिबान और दूसरे आतंकी संगठनों का समर्थन करने में लिप्त पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ और सैन्य अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाने का यह वक्त है। उन्होंने कहा कि असली समस्या अफगानिस्तान नहीं बल्कि इसका पड़ोसी पाकिस्तान है। अगर यह देश तालिबान का समर्थन नहीं करता तो अफगानिस्तान में इतनी भयावह स्थिति नहीं होती।

काबुल एयरपोर्ट ही बचा निकलने का जरिया

काबुल, एपी : अफगानिस्तान के शहरों-कस्बों में खौफ का आलम है। लोग घर छोड़कर भाग रहे हैं लेकिन उन्हें पता नहीं कि वे सुरक्षित ठिकानों तक पहुंच भी पाएंगे कि नहीं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार अभी तक चार लाख लोग अपना घर छोड़ चुके हैं। इनमें से ज्यादातर काबुल पहुंचे हैं। चूंकि देश के हर इलाके में लड़ाई चल रही है और कब्जे वाले इलाकों में तालिबान लड़ाके गश्त कर रहे हैं, ऐसे में खौफ साए में लाखों लोग घरों में ही कैद हैं। देश में केवल काबुल एयरपोर्ट के जरिये ही देश से बाहर जाया जा सकता है। बाकी शहरों में हवाई यातायात और सड़क यातायात बंद है।

अमेरिकी सैनिकों की वापसी की घोषणा के बाद अफगानिस्तान में करीब तीन हफ्ते पहले जब तालिबान के हमले शुरू हुए थे, तब लोग भागकर पाकिस्तान और पड़ोसी देश ताजिकिस्तान पहुंच गए थे। लेकिन अब लड़ाई तेज होने पर लोग भाग भी नहीं पा रहे। विदेशी और अल्पसंख्यक लोगों के लिए समस्या और गंभीर है। मूल निवासी अल्पसंख्यक तालिबान शासन की पुरानी यादों से सिहर रहे हैं। अफगानिस्तान में रहना उन्हें खतरनाक लग रहा है लेकिन उनके पास अपना घर छोड़कर जाने के लिए इंतजाम नहीं हैं। लेकिन कनाडा सरकार ने ऐसे 20 हजार हिंदू और सिखों को शरण देकर उनके रहने-खाने का इंतजाम किया है। कनाडा सरकार यह इंतजाम भारतीय समुदाय के सहयोग से कर रही है। जरूरत पड़ने पर ये इंतजाम बढ़ाए भी जाएंगे। संयुक्त राष्ट्र लड़ाई थमने का इंतजार कर रहा है। वह भी मुश्किल में फंसे लोगों तक पहुंचने के लिए रास्ते बना रहा है। भारत सहित कई देशों ने अपने नागरिकों को निकालने की मुहिम शुरू कर दी है। मजार-ए-शरीफ से भारतीयों को निकाला भी गया है।

सिखों की रिहायश का प्रबंध करेगी एसजीपीसी

जागरण संवाददाता, अमृतसर : शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) की अध्यक्ष बीबी जगीर कौर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिख कर मांग की है कि अफगानिस्तान में रहने वाले सिखों की सुरक्षा को यकीनी बनाया जाए। जगीर कौर ने कहा है कि जो सिख अफगानिस्तान से भारत आना चाहते हैं, उनको बिना किसी शर्त के भारत आने की इजाजत दी जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जो भी सिख हिंसाग्रस्त मुल्क अफगानिस्तान से भारत आएगा, एसजीपीसी उसकी रिहायश आदि का प्रबंध करेगी। जगीर कौर ने कहा कि अफगानिस्तान में अब सिर्फ 20 के करीब परिवार ही रह गए हैं, जो कि वहां असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। केंद्र सरकार इन परिवारों को भारत लाने में पहल करे। उन्होंने कहा कि यह सिखों के लिए काफी संजीदा मामला है।

गनी के इस्तीफे से कम पर राजी नहीं तालिबान

▸ प्रथम पृष्ठ से आगे

राष्ट्रपति गनी ने तालिबान के नेताओं से हिंसा रोककर शांति और स्थिरता के लिए वार्ता करने को कहा है। उन्होंने सत्ता में भागीदारी का निमंत्रण भी तालिबान को दिया है। शनिवार को राष्ट्र के नाम संबोधन में गनी ने बताया कि वह तालिबान के कुछ नेताओं से बात भी कर रहे हैं। शनिवार को गनी ने मित्र देशों के नेताओं से भी बात की है। तालिबान ने संघर्षविराम के लिए गनी के इस्तीफे और उनके सत्ता से दूर होने की शर्त रखी है।

चमन सीमा पर स्थित फ्रेंडशिप गेट से लोग पाकिस्तान में घुसने का प्रयास कर रहे हैं। इन्हें रोकने के लिए पाकिस्तान की सरकार ने सेना की तैनाती की है। एएफपी

चमन बार्डर से आवाजाही शुरू

प्रेट्र के अनुसार अफगानिस्तान का पाकिस्तान से लगने वाला चमन बार्डर शनिवार को खुल गया। शुक्रवार को यहां पर एकत्रित हुए सैकड़ों अफगान शरणार्थियों की पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के साथ झड़प हो गई थी जिसमें कई लोग घायल हो गए थे। पहले स्पिन वोल्डाक इलाके पर कब्जा करने वाले तालिबान ने पाकिस्तान में वीजा मुक्त की आवाजाही की मांग करते हुए चमन बार्डर के जरिये पाकिस्तान जाने पर रोक लगा दी थी। लेकिन शनिवार को उन्होंने भी अपनी रोक हटा ली।

विशेष सजावट...

स्पेनियों के साथ मेक्सिको टेनोसटिटिलान संघर्ष की 500वीं सालगिरह पर मेक्सिको सिटी के जोकालो स्क्वायर पर की गई विशेष सजावट। इस अवसर पर टेनोसटिटिलान सभ्यता के विशेष पिरामिड का माडल भी प्रदर्शित किया गया। एएफपी

बंदूकधारी दिखने पर अमेरिकी सैन्य अड्डा किया गया बंद

- पुलिस ने कहा, सैन्य अड्डे के पास गोलीबारी की आवाज सुनी गई
- किसी के घायल होने की सूचना नहीं

वाशिंगटन, एपी : वाशिंगटन में सशस्त्र व्यक्ति को देखे जाने की रिपोर्ट के बाद एक सैन्य अड्डे को शुक्रवार को बंद कर दिया गया। स्थानीय पुलिस ने कहा कि सैन्य अड्डे के पास की सड़कों पर गोलीबारी की आवाज सुनी गई और एक बंदूकधारी को मैदान की तरफ भागते देखा गया। पुलिस के अनुसार, गोलीबारी में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

ज्वाइंट बेस एनाकोस्टिया-बोलिंग ने अपने फेसबुक पेज पर एक नोट पोस्ट किया, जिसमें कहा गया था कि सैन्य अड्डे को लाकडाउन पर रखा जा रहा है। नोटिस में कहा गया है कि सशस्त्र व्यक्ति को सैन्य अड्डे के दक्षिण की ओर देखा गया था। बेस के उत्तरी छोर पर नौसैनिक सहायता सुविधा का उपयोग मरीन हेलीकाप्टर स्क्वाड्रन वन द्वारा किया जाता है। यह हेलीकाप्टरों का बेड़ा है, जो राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति को ले जाता है।

पोस्ट में कहा गया कि यदि आपका किसी व्यक्ति से सामना होता है और आपके पास सुरक्षित रास्ता है तो भाग जाइए। यदि आपके पास भागने के लिए सुरक्षित रास्ता नहीं है तो छिप जाइए। अपने दरवाजे की बैरिकेडिंग कीजिए।

लाइट और मोबाइल फोन के रिंगर को बंद कर दीजिए। यदि आप छिपे हुए हैं तो लड़ने की तैयारी कीजिए। अधिकारियों ने शुरू में कहा था कि वे दो लोगों की तलाश कर रहे हैं। लेकिन बाद की रिपोर्टों में कहा गया कि वहां एक ही व्यक्ति है।

अमेरिका में युवाओं पर कोरोना का कहर ज्यादा

अमेरिका में कोरोना संक्रमण फिर से बढ़ रहा है। बच्चे इससे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। बावजूद इसके लोग लापरवाही बरत रहे हैं। ल्यूसियाना के न्यू आर्लेयंस की सड़कों पर बिना मास्क लगाए घूमते लोग। यहां अब तक सिर्फ 38 फीसद लोगों का ही वैक्सीनेशन हुआ है। एएफपी

- 30 से 39 वर्ष के लोग सबसे अधिक पाए जा रहे पीड़ित

वाशिंगटन, आइएएनएस: अमेरिका में इस बार कोरोना का कहर युवाओं पर ज्यादा देखने को मिल रहा है। 30 से 39 वर्ष के लोग सबसे अधिक पीड़ित पाए जा रहे हैं। अमेरिका में गत वर्ष कोरोना महामारी शुरू होने के बाद से इस आयु वर्ग के पीड़ितों के अस्पताल में भर्ती होने की हालिया दर सर्वाधिक हो गई है। जबकि 70 वर्ष या इससे ज्यादा उम्र के बुजुर्गों के अस्पताल में भर्ती होने की दर गत जनवरी की तुलना में करीब एक चौथाई है। देश में इस बार कोरोना के डेल्टा वैरिएंट का कहर बताया जाता है।

अमेरिकी स्वास्थ्य एजेंसी सेंटर्स फार डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन (सीडीसी) के अनुसार, बड़ी संख्या में बच्चे भी संक्रमित हो रहे हैं। इस समय 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के अस्पताल में भर्ती होने की दर भी रिकार्ड स्तर पर है। अमेरिका में बीते एक हफ्ते से रोजाना औसतन करीब एक लाख 13 हजार केस मिल रहे हैं। इससे पहले वाले हफ्ते के मुकाबले दैनिक मामलों में 24 फीसद की वृद्धि दर्ज हुई है। इस समय अस्पतालों में रोजाना औसतन 9,700 मरीजों को भर्ती किया जा रहा है। जबकि हर रोज औसतन 452 पीड़ितों की मौत हो रही है। उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस के चलते दुनिया में लाखों लोग असमय ही काल के गाल में समा चुके हैं। वैश्विक महामारी को काबू करने के लिए सरकारें हरसंभव कदम उठा रही हैं। विज्ञानी भी इस जानलेवा वायरस का तोड़ निकालने के लिए दिन रात जुटे हुए हैं।

रूस : रायटर के मुताबिक, यहां कोरोना का कहर फिर बढ़ गया है। शनिवार को रिकार्ड 817 पीड़ितों की मौत हुई। 21 हजार नए केस मिले।

पाकिस्तान : एएनआइ के अनुसार, चौथी लहर की चपेट में आए इस देश में 24 घंटे में 4,786 नए केस पाए गए। इस दौरान 73 पीड़ितों की जान गई।

मौसम की मार

भीषण गर्मी से यूरोप के छूटे पसीने, 50 डिग्री तक जा सकता है पारा

इटली के सिसिली में रिकार्ड 48 .8 डिग्री सेल्सियस तापमान किया गया दर्ज, आग लगने की कई घटनाएं दर्ज की गईं

जेएनएन, नई दिल्ली : भीषण गर्मी से यूरोप में हाहाकार मचा है। यूरोप में कोरोना महामारी से बुरी तरह प्रभावित इटली भीषण गर्मी से भी जूझ रहा है। बुधवार को इटली के सिसिली में रिकार्ड 48.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जो पूरे यूरोप में अब तक सबसे ज्यादा तापमान है। मौसम विज्ञानियों ने चेतावनी दी है कि पारा 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

बढ़ते तापमान से आग लगने की घटनाएं सामने आ रही हैं। इटली में गत दिनों आग लगने की कई घटनाएं दर्ज की गईं, जिसमें चार लोगों के मारे जाने की भी खबर है। ब्रिटेन के मौसम विभाग के अधिकारियों के मुताबिक सिसिली के सिराकुसा में रिकार्ड 48.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया है। इससे पहले 1977 में एथेंस में सबसे ज्यादा 48.0 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकार्ड किया गया था।

ब्रिटेन के मौसम विभाग के प्रो. पीटर स्टाट का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण यह बदलाव आ रहा है। उन्होंने कहा कि जून, 2019 में फ्रांस में रिकार्ड 45.0 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया था। जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में इस तरह की वृद्धि होती रहेगी। गौरतलब है कि इसी हफ्ते संयुक्त राष्ट्र की एक समिति ने जलवायु परिवर्तन पर कोड रेड रिपोर्ट जारी की थी। इसमें कार्बन उत्सर्जन में वृद्धि को लेकर चिंता जताई गई थी और इसमें कटौती के लिए तत्काल व्यापक कदम उठाने का आह्वान किया गया था।

यूरोप में भीषण गर्मी पड़ रही है। कोरोना संक्रमण से जूझ रहे इटली में रिकार्ड 48 .8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया है। सिसिली शहर में गर्मी से परेशान होकर अपने सिर पर पानी डालता एक युवक। एपी

यूरोपीय देशों में बढ़े तापमान से लोग हलकान हैं। राहत पाने के लिए लोग समुद्र के किनारे घंटों बिताने को मजबूर हैं। दक्षिण पूर्वी फ्रांस के नाइस स्थित प्रोमेनेड एंग्लिस समुद्र तट पर नहाकर गर्मी से निजात पाने का लोगों ने प्रयास किया। रायटर

रूट को उखाड़ना बहुत मुश्किल काम

जो रूट के शानदार शतक से इंग्लैंड ने पहली पारी में हासिल की बढ़त, इंग्लैंड 391 पर सिमटा

लंदन : भारत और इंग्लैंड के बीच लार्ड्स में जारी दूसरे टेस्ट में पहली बार तीनों सत्रों तक धूप खिली और इसका फायदा उठाते हुए इंग्लिश कप्तान जो रूट ने भी जमकर अपनी चमक बिखेरी। मैच के तीसरे दिन शनिवार को रूट ने भारतीय गेंदबाजों का डटकर सामना और शानदार शतक जड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

कप्तान विराट कोहली इस मैच में चार तेज गेंदबाज और एक स्पिनर के साथ उतरे, लेकिन कोई भी रूट का तोड़ नहीं निकाल पाया। जब रूट क्रीज पर उतरे थे तो टीम का स्कोर दो विकेट पर 23 रन था। इंग्लिश कप्तान ने कैसे-कैसे बरगद की तरह अपनी जड़ें जमाते गए भारतीय कप्तान विराट कोहली को पता ही नहीं चला। तीसरे दिन इंग्लैंड की पहली पारी 391 रनों पर सिमट गई और भारत के पहली पारी में बनाए 364 रनों के जवाब में मेजबानों को 27 रनों की बढ़त हासिल की। इंग्लिश पारी का आखिरी विकेट जेम्स एंडरसन के रूप में गिरा जिन्हें मुहम्मद शमी ने बोल्ड किया। इसके बाद अंपायरों ने दिन का खेल खत्म कर दिया। रूट 180 रनों पर नाबाद रहे।

तीसरे दिन रूट ने शुरुआत से ही भारतीय गेंदबाजों के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी जारी रखी और उन्हें दूसरे छोर पर बेयरस्टो के रूप में अच्छा जोड़ीदार मिला। लेकिन बेयरस्टो अपना 22वां अर्धशतक लगाकर सिराज के शिकार बने। सिराज ने उन्हें कोहली के हाथों कैच आउट कराया। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 121 रनों की साझेदारी हुई। कोहली के गेंदबाजी आक्रमण को उस पिच पर पहले सत्र में एक भी सफलता नहीं मिली जो बल्लेबाजी के लिए आसान होती गई। रूट ने सत्र की शुरुआत सिराज पर स्क्वायर ड्राइव से चौका लगाकर की। शुरुआती आधे घंटे में केवल दो ओवर ही मेडन डाले जा सके जिससे पहले दो दिन तक दबदबा बनाने वाली भारतीय टीम अचानक से बैकफुट पर पहुंच गई। रवींद्र जडेजा ने कुछ ओवर फेंके, लेकिन इससे भी कुछ मदद नहीं मिली।

स्कोर बोर्ड

टास : इंग्लैंड (गेंदबाजी) भारत (पहली पारी) : 364 (126.1 ओवर)

इंग्लैंड (पहली पारी) 391 (128 ओवर) (119/3 से आगे)

	रन	गेंद	चौके	छक्के
जो रूट नाबाद	180	321	18	00
बेयरस्टो का. कोहली बो. सिराज	57	107	7	0
बटलर बो. इशांत	23	42	04	00
मोइन अली का. कोहली बो. इशांत	27	72	04	00
सैम कुर्रन का. रोहित बो. इशांत	00	01	00	00
रोबिंसन एलबीडब्ल्यू बो. सिराज	06	22	01	00
मार्क वुड रन आउट	05	23	00	00
जेम्स एंडरसन बो. शमी	00	16	00	00

अतिरिक्त :(बा-5, लेबा-6, नोबा-17, वा-5) 33, **कुल** : 128 ओवर में 391 रनों पर सभी आउट, **विकेट पतन** : 4-229 (बेयरस्टो, 78.4), 5-283 (बटलर, 90.6), 6-341 (मोइन, 110.5), 7-341 (सैम, 110.6), 8-357 (रोबिंसन, 116.6), 9-371 (वुड, 124.3)

गेंदबाजी : इशांत 24-4-69-3, बुमराह 26-6-79-0, शमी 26-3-95-2, सिराज 30-7-94-4, जडेजा 22-1-43-0

9000 रन पूरे किए जो रूट ने टेस्ट क्रिकेट में। वह टेस्ट में इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर आ गए। उन्होंने ग्राहम गूच (118 मैच, 8900 रन) को पछाड़ा। रूट के 107 मैचों में 9067 रन हैं। शीर्ष पर एलिस्टेयर कुक हैं जिन्होंने 161 मैचों में 12472 रन बनाए हैं

22 वां टेस्ट शतक रूट ने जड़ा। उन्होंने चौथी बार 100 से ज्यादा का स्कोर लाड्र्स में किया और उनका लाड्र्स पर उच्चतम स्कोर 180 है

109 रन रूट ने इस सीरीज के पहले टेस्ट में बनाए। उन्होंने सीरीज में दूसरा शतक जड़ा। कप्तान के तौर पर यह 11वां शतक है

7 वें खिलाड़ी बने रूट जिन्होंने इंग्लैंड के लिए एक वर्ष में पांच या इससे ज्यादा शतक लगाए हैं। रूट के इस साल पांच शतक हो गए हैं। उनके अलावा इयान बैल (पांच शतक, 2011), एलिस्टयेर कुक (पांच शतक, 2010), पीटरसन (पांच शतक, 2008), माइकल वान (छह शतक, 2002), डेनिस एमसिस (पांच शतक, 1974) और डेनिस काम्पटन (छह शतक, 1947) ने भी ऐसा कारनामा किया है

शाट लगाते जो रूट • एपी

डीआरएस लेने के मामले में खुद का 'रिव्यू' करें विराट कोहली

गलत डीआरएस लेने पर लक्ष्मण और वान ने उठाए सवाल

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण और पूर्व इंग्लिश कप्तान माइकल वान ने विराट कोहली के डिसीजन रिव्यू सिस्टम (डीआरएस) लेने के तरीके पर सवाल उठाए हैं। लक्ष्मण ने विराट से कहा कि वह भावनाओं में बहकर डीआरएस लेने से बचें। कोहली ने दूसरे दिन दो बार रिव्यू लिया और दोनों बार फैसला गलत साबित हुआ। लाड्र्स टेस्ट के दूसरे दिन इंग्लैंड के कप्तान जो रूट के सामने कोहली दो बार मैदानी अंपायर के फैसले के खिलाफ गए लेकिन डीआरएस में नतीजा नहीं बदला। दोनों रिव्यू में साफ हो गया कि गेंद स्टंप को मिस कर रही थी।

लक्ष्मण ने कहा कि टेस्ट में डीआरएस एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है और उसे लेकर भावनाओं को काबू रखने की जरूरत होती है। मैं भूल नहीं सकता है कि हेडिंग्ले में ऑस्ट्रेलिया टेस्ट मैच कैसे हारा था। अगर टिम पेन ने जैक लीच के खिलाफ नाथन लियोन की गेंद पर रिव्यू नहीं लिया होता, जब गेंद साफ तौर पर लेग स्टंप के बाहर पिच हुई थी... तो शायद नतीजा अलग होता। उन्होंने रिव्यू बेकार कर दिया और इसके अगले ही ओवर में बेन स्टोक्स विकेट के सामने थे लेकिन अंपायर ने उन्हें नाट आउट दिया और आस्ट्रेलिया के पास रिव्यू नहीं बचा था। ऑस्ट्रेलिया वह मैच जीत सकता था। कोहली जब डीआरएस लेते हैं तो उसमें भावनाएं जुड़ी होती हैं। उन्हें फैसले लेते हुए भावनाओं को दूर रखना चाहिए। जब सब लोग एक साथ जमा हो जाते हैं तो काफी अजीब स्थिति हो जाती है और इससे कन्फ्यूजन बढ़ती है। गेंदबाज की अपनी भावनाएं होती हैं। उन्हें लगता है कि हर गेंद जो पैड पर लग रही है वह विकेटों से टकराएगी या गेंद पर बल्ले का किनारा लगा है। यहां कप्तान को शांत रहने की जरूरत होती है। उसे कुछ ही लोगों पर भरोसा करने की जरूरत होती है। ऐसे लोग जिन्होंने पूरी गेंद को करीब से देखा हो। इसके बाद उसे शांत और एकाग्र होकर फैसला लेना चाहिए। इस पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वान ने कहा कि डीआरएस को लेकर भारतीय रवैये से उनकी हंसी छूट जाती है। जब मैंने सभी को एक साथ रिव्यू का इशारा करते देखा तो हंसते-हंसते मेरी आंखों में आंसू आ गए। उन्हें डीआरएस को लेकर अपने इस रवैये में बदलाव की जरूरत है।

दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन डीआरएस खराब जाने के बाद निराश भारतीय टीम • एपी

लाड्र्स में 'असभ्यता का खेल'

लंदन, प्रेट्र : लाड्र्स को होम आफ क्रिकेट (क्रिकेट का घर) और क्रिकेट को जेंटलमेन गेम (सभ्य लोगों का खेल) कहा जाता है लेकिन शनिवार को यहां पर कुछ ऐसा घटित हुआ जिसने लोगों को शर्मसार कर दिया। भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन भारतीय ओपनर केएल राहुल पर इंग्लिश दर्शकों ने बीयर की बोतल के कार्क (ढक्कन) फेंके। इंग्लैंड की पहली पारी के 68वें ओवर के दौरान राहुल थर्डमैन पर फील्डिंग कर रहे थे। अंग्रेज दर्शकों ने उनपर कार्क फेंकने शुरू कर दिए। भारतीय बल्लेबाज ने कार्क को उठाकर फील्ड से बाहर फेंके और कोहली को इस बात की जानकारी दी। राहुल ने पहली पारी में 129 रन बनाकर इंग्लिश गेंदबाजों के छक्के छुड़ाए थे।

मैदान पर गिरे काक • एपी

निशानेबाजी विश्व कप से ओलिंपिक कोटा मुश्किल

नई दिल्ली, प्रेट्र : हो सकता है कि निशानेबाजी विश्व कप से मिलने वाला ओलिंपिक कोटा भविष्य में देखने को नहीं मिले क्योंकि अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आइएसएसएफ) केवल विश्व चैंपियनशिप और महाद्वीपीय टूर्नामेंट तक ही कोटा स्थान सीमित करने पर विचार कर रहा है। टोक्यो ओलिंपिक के लिए जिस प्रणाली का इस्तेमाल किया गया था, उसके 2024 पेरिस ओलिंपिक में होने की संभावना नहीं है।

सूत्र ने बताया कि आइएसएसएफ ने बदलाव के संबंध में अपने दस्तावेज महासंघों को भेजे हैं इसलिए एक बार प्रस्ताव को मंजूरी मिल जाती है तो विश्व कप से कोई कोटा नहीं मिलेगा और ओलिंपिक कोटा केवल विश्व चैंपियनशिप और महाद्वीपीय टूर्नामेंट तक ही सीमित रहेगा। भारतीय निशानेबाजों के टोक्यो ओलिंपिक में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि उन्होंने काफी विश्व कप में हिस्सा लिया और बड़ी चुनौती से पहले अन्य देशों के प्रतिभागी उनके खेल से वाकिफ हो गए। बदलाव होता है तो वे चुन सकते हैं कि कौन से विश्व कप में हिस्सा लिया जाए और किसे छोड़ा जाए। साथ ही मौजूदा न्यूनतम क्वालीफिकेशन स्कोर (एमक्यूएस) की जगह न्यूनतम ओलिंपिक क्वालीफिकेशन स्कोर (एमओक्यूएस) को लागू किया जा सकता है।

पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान पर बनाई बढ़त

क्रिकेट डायरी

किंगस्टन (जमैका), एपी : कप्तान क्रेग ब्रेथवेट तीन रन से शतक से चूक गए, लेकिन पूर्व कप्तान जेसन होल्डर के साथ उनकी 96 रन की साझेदारी से वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन यहां पहली पारी के आधार पर 34 रन की बढ़त हासिल कर ली।

ब्रेथवेट दो रन लेने के प्रयास में हसन अली के सटीक निशाने का शिकार बनकर रन आउट हुए। उन्होंने 97 रन बनाए और अपने 10वें टेस्ट शतक से चूक गए। सलामी बल्लेबाज ब्रेथवेट ने 221 गेंद की अपनी पारी में 12 चौके जड़े। वेस्टइंडीज ने दिन का खेल खत्म होने तक पाकिस्तान के पहली पारी में 217 रन के जवाब में आठ विकेट पर 251 रन बना लिए। वेस्टइंडीज की ओर से होल्डर ने भी 58 रन की पारी खेली। दिन का खेल खत्म होने पर जोशुआ डि सिल्वा 20 रन बनाकर खेल रहे थे जबकि जोमेल वारिकेन एक रन बनाकर उनका साथ निभा रहे हैं।

वेस्टइंडीज ने शुक्रवार को दिन की शुरुआत दो विकेट पर दो रन से की। रोस्टन चेज और जर्मेन ब्लैकवुड ने तीसरे विकेट के लिए 49 रन जोड़कर पारी को संभालने का प्रयास किया। चेज 21 रन बनाने के बाद हसन अली की गेंद पर मुहम्मद रिजवान को कैच दे बैठे। ब्लैकवुड भी 22 रन बनाने के बाद शाहीन शाह अफरीदी की गेंद पर मिड आन पर अब्बास के हाथों लपके गए जबकि अगली गेंद पर काइल मायर्स भी पवेलियन लौट गए जिससे वेस्टइंडीज का स्कोर पांच विकेट पर 100 रन हो गया। ब्रेथवेट और होल्डर ने इसके बाद पारी को संवारा और टीम का स्कोर 196 रन तक पहुंचाया। होल्डर ने 95 गेंद में नौ चौकों की मदद से अर्धशतक पूरा किया। फहीम अशरफ ने होल्डर को विकेटकीपर रिजवान के हाथों कैच कराके इस साझेदारी को तोड़ा। ब्रेथवेट छह घंटे से अधिक समय तक क्रीज पर डटे रहे, लेकिन दूसरा रन लेने में चूक करके रन आउट हुए।

पोंटिंग ने आइपीएल में खेलने के लिए आस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों का समर्थन किया : दिग्गज बल्लेबाज रिकी पोंटिंग ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में आइपीएल में हिस्सा लेने के लिए आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों का समर्थन करते हुए कहा कि अक्टूबर में होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले यह आदर्श तैयारी होगी। आइपीएल के 14वें सत्र के बाकी बचे मुकाबले 19 सितंबर से 15 अक्टूबर के बीच खेले जाएंगे जबकि 17 अक्टूबर से 14 नवंबर तक टी-20 विश्व कप का आयोजन होगा। दोनों ही टूर्नामेंट यूएई में खेले जाएंगे। पोंटिंग ने कहा, 'वे खिलाड़ी जो तीन या चार महीने से नहीं खेले हैं, उन्हें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ शीर्षस्तरीय क्रिकेट खेलकर लय में आने की जरूरत है। इसमें कोई संदेह नहीं कि समान हालात में यह उनकी सर्वश्रेष्ठ तैयारी होगी, उन्हें संभवतः दुनिया के सबसे मजबूत घरेलू टी-20 टूर्नामेंट में खेलने का मौका मिलेगा।' पोंटिंग आइपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच हैं। वहीं, अपनी गर्भवती मंगेतर के साथ समय बिताने के लिए वेस्टइंडीज और बांग्लादेश दौरों से बाहर रहने वाले तेज गेंदबाज पैट कमिंस के आइपीएल में खेलने की उम्मीद नहीं है। कमिंस ने कहा, 'इस सत्र के दूसरे हाफ के लिए वहां जाना बेहद मुश्किल होगा। देखते हैं चीजें कैसी रहती हैं, लेकिन इस समय शायद बेहद मुश्किल होगा लेकिन इसके तुरंत बाद विश्व कप शुरू होने से मुझे उम्मीद है कि मैं इसके लिए तैयार रहूंगा।' आस्ट्रेलिया के कप्तान आरोन फिंच की इस हफ्ते दायें घुटने की सर्जरी हुई है। आपरेशन सफल रहा जिससे उबरने में उन्हें 10 हफ्ते का समय लगेगा। इसके कारण वह विश्व कप में सुपर 12 चरण के आस्ट्रेलिया के पहले मैच तक बाहर हो गए हैं। फिंच ने इससे पहले कहा था कि उनका मानना है कि आइपीएल में वापसी को सही ठहराना खिलाड़ियों के लिए मुश्किल होगा जो थकान और होटल में क्वारंटाइन और बायो-बबल (कोरोना से बचाव के लिए खिलाड़ियों के लिए बनाया गया सुरक्षित माहौल) की समस्याओं का हवाला देकर दौरों से हट गए थे। रिली मेरेडिथ, डेन क्रिस्टियन, मोइजेस हेनरिक्स, मिशेल मार्श, एडम जांपा, एंड्रयू टाई और जोश फिलिप कैरेबियाई और बांग्लादेश दौरे पर गई आस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा थे। इन सभी का आइपीएल टीमों से करार है।

उन्मुक्त ने अमेरिका की क्रिकेट लीग के साथ करार किया

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत की अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान रहे उन्मुक्त चंद ने अमेरिका में माइनर लीग क्रिकेट (एमएलसी) के 2021 सत्र के लिए सिलिकान वैली स्ट्राइकर्स के साथ करार किया। शुक्रवार को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा करने वाले 28 साल के उन्मुक्त शनिवार को टोयोटा माइनर लीग क्रिकेट चैंपियनशिप के दौरान मोर्गन हिल आउटडोर खेल परिसर में स्ट्राइकर्स के लिए सोशल लैशिंग्स के खिलाफ पदार्पण करेंगे। उन्मुक्त ने कहा, 'अमेरिकी क्रिकेट की दीर्घकालिक प्रगति का हिस्सा बनकर अपने क्रिकेट करियर में नया कदम उठाने और मेजर लीग क्रिकेट के शुरू होने की मुझे खुशी है। माइनर लीग में स्ट्राइकर्स की ओर से खेलने का मौका मिलने से मैं रोमांचित हूं।'

ब्रेंटफोर्ड ने जीत से किया ईपीएल अभियान का आगाज

फुटबॉल डायरी

ब्रेंटफोर्ड, एपी : ब्रेंटफोर्ड की टीम ने शुक्रवार देर रात को यहां आर्सेनल को 2-0 से हराकर इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबाल (ईपीएल) में जीत से आगाज किया। ब्रेंटफोर्ड की टीम 1947 के बाद पहली बार इस शीर्ष लीग में खेल रही है। सर्जी केनोस ने 22वें मिनट में ब्रेंटफोर्ड को बढ़त दिलाई और पहला हाफ ब्रेंटफोर्ड के नाम रहा। दूसरे हाफ में भी ब्रेंटफोर्ड ने गोल करने का सिलसिला जारी रखा और क्रिस्टियन नोएरगार्ड ने 73वें मिनट में हेडर से गोल दागकर टीम की 2-0 से जीत सुनिश्चत की। कम्यूनिटी स्टेडियम में ब्रेंटफोर्ड की जीत के दौरान लगभग 16500 प्रशंसक मौजूद थे। ब्रेंटफोर्ड ने इंग्लैंड की शीर्ष डिविजन में अपना पिछला मुकाबला मई 1947 में आर्सेनल के खिलाफ ही खेला था जिसमें टीम को 0-1 से शिकस्त झेलनी पड़ी थी।

मैनचेस्टर युनाइटेड का वराने से करार : मैनचेस्टर युनाइटेड ने फ्रांस के रक्षापंक्ति के खिलाड़ी राफेल वराने के साथ चार साल का करार किया है। इस करार की राशि लगभग 56 मिलियन डालर (लगभग 4,15,61,52,000 रुपये) बताई जा रही है। यह 28 साल का खिलाड़ी इससे पहले 10 वर्षों तक स्पेन के शीर्ष घरेलू फुटबाल क्लब में रीयल मैड्रिड टीम का अहम सदस्य था। उन्होंने 2011 में रीयल मैड्रिड से जुड़ने के बाद टीम को चार चैंपियंस लीग खिताब सहित 18 ट्राफियां जीतने में अहम भूमिका निभाई थी। वह 2018 में विश्व कप का खिताब जीतने वाली फ्रांस की टीम के अहम सदस्य थे। लीड्स के खिलाफ प्रीमियर लीग सत्र में युनाइटेड के शुरूआती मैच से पहले वराने को ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान में प्रशंसकों के सामने पेश किया गया जो टीम की जर्सी के साथ मैदान पर आए। उन्होंने स्टेडियम में प्रशंसकों के सामने सेल्फी भी खींची।

बायर्न ने खेला ड्रा : बायर्न म्यूनिख ने बुंडिशलीगा में इस सत्र के अपने पहले मैच में बोरुसिया मोनशेंग्लाबाख को 1-1 से बराबरी पर रोका। बायर्न की टीम हालांकि भाग्यशाली रही कि अंतिम लम्हों में रेफरी ने उनके खिलाफ पेनाल्टी नहीं दी। ऐसा लगा कि बायर्न की ओर से पदार्पण कर रहे डेयोट उपामेकानो ने अंतिम लम्हों में दो बार फाउल किया, लेकिन रेफरी मार्को फर्टिज ने खेल जारी रखने का इशारा किया। वीडियो रेफरी ने भी उनके फैसले सही माना जबकि साफ दिख रहा था कि फ्रांस का यह डिफेंडर दोनों मौकों पर अपने हमवतन मार्कस थुर्रम के संपर्क में आया था। मोनशेंग्लाबाख को 10वें मिनट में एलेसेन प्ली ने बढ़त दिलाई, लेकिन रोबर्ट लेवानदोवस्की ने 42वें मिनट में बायर्न को बराबरी दिला दी। यही आखिरी स्कोर रहा।

गोल करने के बाद क्रिस्टियन नोएरगार्ड • एपी

जल्द ही फार्म में आएंगे पुजारा और रहाणे : राहुल

लंदन, प्रेट्र : भारत के सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल ने खराब फार्म से जूझ रहे बल्लेबाजों चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे का जल्द ही फार्म में वापसी के लिए समर्थन करते हुए कहा कि दोनों बल्लेबाज विश्वस्तरीय खिलाड़ी हैं और पर्याप्त अनुभवी होने के कारण उन्हें पता है कि रन बनाने के लिए क्या करना है। वे जल्द वापसी करेंगे।

दोनों ही अनुभवी बल्लेबाज पुजारा और टेस्ट उप कप्तान रहाणे पिछले कुछ समय से खराब फार्म से जूझ रहे हैं और इस साल उनका औसत 20 रन के आसपास है। इंग्लैंड में अब तक तीन पारियों में पुजारा चार, नाबाद 12 और नौ रन ही बना पाए हैं जबकि रहाणे दो पारियों में पांच और एक रन का योगदान ही दे पाए हैं।

नीरज को बुखार लेकिन कोरोना टेस्ट निगेटिव

नई दिल्ली, प्रेट्र : ओलिंपिक चैंपियन भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा को पिछले कुछ दिनों से तेज बुखार है, लेकिन उनका कोरोना टेस्ट निगेटिव आया है।

टोक्यो ओलिंपिक में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने के बाद सोमवार को स्वदेश लौटे नीरज का भव्य स्वागत हुआ। 23 साल के इस खिलाड़ी ने देश को एथलेटिक्स में पहला ओलिंपिक स्वर्ण पदक दिलाया और वह ओलिंपिक में व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय बने थे। उन्हें स्वदेश पहुंचने के दो दिन बाद तेज बुखार आ गया जिसके बाद डाक्टरों की सलाह पर उन्होंने कोरोना टेस्ट भी कराया। सूत्र ने कहा कि वह कोरोना टेस्ट में निगेटिव आया है, लेकिन हमने कुछ समय के लिए उनके सारे कार्यक्रमों पर रोक लगा दी है। सरकार ने सोमवार को चोपड़ा और सभी अन्य पदक विजेताओं को सम्मानित किया था। अगले दिन भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने भी उन्हें सम्मानित किया। चोपड़ा बुखार के कारण गुरुवार को पंजाब और शुक्रवार को हरियाणा सरकार के सम्मान समारोह में नहीं गए। हालांकि वह शनिवार को राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द से मुलाकात करने के लिए राष्ट्रपति भवन पहुंचे थे। अब देखना यह होगा कि वह रविवार को भारतीय ओलिंपिक संघ द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में पहुंचते हैं या नहीं। चोपड़ा के चाचा भीम चोपड़ा ने कहा कि वह मंगलवार को खंडरा गांव में अपने घर पहुंच रहा है।

बड़ी बात टोक्यो में रजत जीतने वाले भारतीय पहलवान रवि दहिया हैं हंसराज के शिष्य, सरकारी नौकरी छोड़कर गांव नाहरी में चला रहे हैं अखाड़ा, पहलवानों को देते हैं ट्रेनिंग

एक संन्यासी जिसने पैदा किया ओलिंपिक पदक विजेता पहलवान

नंदकिशोर भारद्वाज • सोनीपत

भारत को टोक्यो ओलिंपिक में मिले एक पदक में एक संन्यासी का भी योगदान है। ऐसा संन्यासी जिसने सरकारी नौकरी छोड़ी और सोनीपत के नाहरी गांव अखाड़ा बनाया। उसी अखाड़े की मिट्टी से तरबतर होकर दर्जनों राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के पहलवान निकले में जिसमें एक हैं टोक्यो ओलिंपिक में रजत पदक जीतने वाले रवि दहिया। रवि भी नाहरी गांव में पैदा हुए। उन्होंने संन्यासी पहलवान हंसराज के यहां से ही पहलवानी सीखी।

चर्चा में हैं हंसराज : सादगी, लगन, त्याग और निस्वार्थ सेवा का नाम है महात्मा हंसराज। हंसराज को पहलवानी का शुरू से ही शौक था लेकिन उनके पशु व्यापारी पिता सूबे सिंह को उनका कुश्ती लड़ना अच्छा नहीं लगता था। वह इससे नाराज रहते थे। हंसराज दिल्ली जलबोर्ड में नौकरी करते थे। कुश्ती के दौरान उनके घुटने में चोट लगने से उनके पैर का आपरेशन हुआ। इसके कारण उनकी पहलवानी छूट गई। उनके मन में कसक रह गई कि वह देश का नाम रोशन नहीं कर सके इसलिए उन्होंने सरकारी नौकरी छोड़कर गांव के आर्यसमाज मंदिर में अखाड़ा खोलकर पहलवान तैयार करने की ठानी। परिवार ने इसका विरोध किया लेकिन उन्होंने किसी की भी परवाह नहीं की। बाद में गांव वालों ने उनका विरोध किया तो उन्होंने नहर किनारे अखाड़ा शुरू किया। हंसराज के पास उस समय कोई सुविधा नहीं थी। वह छोटे बच्चों को अभ्यास कराते और पहलवान की प्रतिभा पहचानकर पांच साल के बाद उसे आगे की ट्रेनिंग के लिए अपने गुरु महाबली सतपाल के पास दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में छोड़ आते। 25 साल में हंसराज 100 से अधिक पहलवान तैयार कर चुके हैं जिन्होंने देश का नाम रोशन किया है। इनमें से 22 पहलवान ऐसे हैं जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक हुंचे हैं। इनमें ओलंपियन व अर्जुन अवार्डी अमित दहिया, अरुण पाराशर, अरुण दहिया, पवन दहिया और टोक्यो ओलिंपिक के रजत पदक विजेता रवि दहिया शामिल हैं।

गांव से आता है संन्यासी के लिए खाना : हंसराज के लिए दोनों समय गांव में खाना आता है। इसके अलावा उनके लिए फल, दूध आ जाता है। उनके पिता का निधन हो चुका है। करीब 84 वर्षीय उनकी मां कभी-कभार गांव से बेटे से मिलने आ जाती हैं। दिल्ली एमसीडी में कार्यरत उनके बड़े भाई भी उनसे मिलने आते हैं। हंसराज सप्ताह में तीन दिन सुबह के समय छत्रसाल स्टेडियम में अपने पहलवानों से मिलने जाते हैं।

दो गांवों में तीन अर्जुन और एक ध्यानचंद अवार्डी : गांवा नाहरी और हलालपुर में पहलवानों का बोलबाला है। गांव नाहरी में अर्जुन अवार्डी महाबीर सिंह और अमित दहिया, ध्यानचंद अवार्डी सतबीर सिंह कुश्ती में देश का नाम रोशन कर चुके हैं। वहीं पड़ोसी गांव हलालपुर में अर्जुन अवार्डी रोहतास सिंह अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

सुविधाएं नहीं मिली तो देसी चीजों से बनाया जिम

गांव नाहरी के बाहर नहर के किनारे अखाड़े में एसी-कूलर तो दूर की बात है, बिजली का कनेक्शन तक नहीं है। पहलवानों के लिए नहर की पटरी को साफ करके दौड़ के लिए देसी ट्रैक बनाया गया है। यहां पर पुरानी हाथ की चक्की के पत्थर के पाटों को तारों के सहारे पेड़ों पर बांधकर देसी जिम बनाया गया है। पेंट के अलग-अलग साइज के खाली डिब्बों में कंक्रीट भरकर तार की सहायता से पेड़ पर लटकाकर खींचा जाता है। लकड़ी की मुदगर अन्य साजो-सामान को जिम की तरह प्रयोग में लाया जाता है, ताकि पहलवान पसीना बहा सकें। इसके अतिरिक्त अखाड़ा खोदकर और मोटे रस्से से भी व्ययाम किया जाता है। सभी पहलवानों को साथ लगती नहर में तैराना सिखाया जाता है। तैराकी सीखने के बाद सभी पहलवान नियमित रूप से नहर में तैरते हैं।

पेंट के डिब्बे और बाल्टी में सीमेंट भरकर बनाए गए अभ्यास के लिए वजन • जागरण

हाथ की चक्की के पत्थर से बनी प्लेट • जागरण

पहलवानों का निर्देश देते महात्मा हंसराज • जागरण

1.5 करोड़ भारतीयों ने रिकार्ड और अपलोड किया राष्ट्रगान। 25 जुलाई को पीएम नरेंद्र मोदी ने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में देशवासियों से मिलकर राष्ट्रगान गाने की अपील की थी।

> हमें एक ऐसी पार्टी की जरूरत है जो सिर्फ भारत की आजादी के लिए ही प्रयत्नशील न हो, बल्कि आजाद होने के बाद राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की योजनाएं भी क्रियान्वित करे
> नेताजी सुभाष चंद्र बोस

भीखाजी रुस्तम कामा विदेशी भूमि पर भारतीय तिरंगा लहराने वाली पहली भारतीय हैं। उन्होंने 22 अगस्त, 1907 को जर्मनी में तिरंगा झंडा लहराया था। लेकिन अब की तुलना में उस झंडे का रूप अलग था। वह तिरंगा सबसे ऊपर हरा, मध्य में सुनहरा भगवा और नीचे लाल रंग से बना था। उसमें वंदे मातरम् लिखा था।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के संस्थापकों में से एक अंग्रेज नागरिक एलेन ओक्टोवियो ह्यूम थे। उनको भारत में पक्षी विज्ञान का जनक भी माना जाता है।

खूंखार बाघ और निडर मोगली की कहानी रचता मप्र का गढ़पुरी गांव

संजय कुमार शर्मा, उमरिया

- दहाड़ते बाघों को देखकर भयभीत नहीं होते गांव के बच्चे
- तीन दशक में बाघ ने किसी मनुष्य की नहीं ली जान

प्रसिद्ध पुस्तक 'द जंगल बुक' में खूंखार शेर खान (बाघ) और बहादुर बच्चे मोगली की शह-मात के रोचक किस्सों से मिलती-जुलती कहानी मध्य प्रदेश के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के बीच स्थित गढ़पुरी गांव के बच्चों की भी है। वे भी बाघों के बीच बहादुरी दिखा रहे हैं। यहां बाघ और मनुष्य के आपसी संबंधों के अजब किस्से भी सामने आ रहे हैं। पिछले तीस साल में न तो यहां बाघ के हमले में किसी ग्रामीण की जान गई और न ही ग्रामीणों ने किसी बाघ को नुकसान पहुंचाया। रिजर्व के कोर जोन यानी हृदय क्षेत्र में स्थित इस गांव के आसपास एक दर्जन बाघ पाए जाते हैं।

गढ़पुरी की आबादी 1600 है। बच्चे जंगल की पगडंडियों पर आते-जाते हैं। स्कूल जाने वाले मयकू ने बताया कि उसने तीन बार बाघ को करीब से देखा है। छठवीं कक्षा के रोहित का पांच बार बाघ से सामना हो चुका है। शायद दोनों ने एक-दूसरे की राह नहीं रोकी और बाघ गुर्राए बिना आगे बढ़ गया। मिट्ठू, साधना व अंकुश जैसे बच्चे बाघों की कद-काठी का वर्णन आसानी कर देते हैं, क्योंकि उन्होंने उन्हें देखा है।

> करीब तीन दशक में बाघ के हमले में इस गांव में इंसानों की मौत का एक भी मामला सामने नहीं आया है। बाघ-मनुष्य संबंध के मामले में गांव मिसाल है।
> -विंसेंट रहीम, फील्ड डायरेक्टर, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व

मध्य प्रदेश के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के बीच स्थित गढ़पुरी गांव में बातचीत करते ग्रामीण। नईदुनिया

मध्य प्रदेश के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के बीच स्थित गढ़पुरी गांव से लगे जंगल के पास बेखौफ होकर खेलते बच्चे। नईदुनिया

नहीं होता संघर्ष : गढ़पुरी गांव बाघों के संरक्षण का बेजोड़ उदाहरण है। गांव में पशुपालन भी बेहतर स्थिति में है। जानवरों को जंगल में भी छोड़ा जाता है। दुलारे बैगा कहते हैं कि बाघ उन्हीं पर हमला करता है, जो उसे छेड़ता है। बाघ बिना कारण इंसानों पर हमला करते तो गांव खाली हो जाता।

इस तरह बचे हैं बाघ से : गढ़पुरी की ग्राम पंचायत डोभा के सरपंच परमानंद यादव ने बताया कि गांव के लोग बाघों के साथ रहने के अभ्यस्त हो गए हैं। सतर्कता से वे बाघ से बचे रहते हैं। उन्हें पता रहता है कि बाघ का मूवमेंट कब-कहां है, इसलिए वे उस दिशा में जाते ही नहीं हैं। जंगल से गुजरते समय बैठते या झुकते नहीं हैं, जिससे बाघ को उनके चौपाया (जानवर) होने का भ्रम न हो। दरअसल, बाघ ज्यादातर चौपाया पर ही हमला करता है। गांव के लोग समूह में चलने का प्रयास करते हैं। बच्चे भी समूह में ही स्कूल या कहीं और आते-जाते हैं। ऐसे में बाघ से सुरक्षित रहते हैं।

अपनी मांगों की वजह से नहीं हो रहे विस्थापित : बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के तीन रेंज के दस गांव कोर जोन में हैं। प्रति वयस्क को 15-15 लाख रुपये मुआवजे की पेशकश की जा चुकी है। लोग मुआवजा बढ़ाने व जमीन की मांग कर रहे हैं, इसलिए विस्थापन नहीं हो पा रहा है।

मतांतरण, लव जिहाद हिंदू समाज के समक्ष प्रमुख चुनौती

जासं, प्रयागराज : श्री राम जन्मभूमि आंदोलन से पूरी दुनिया के हिंदू संगठित हुए। यह आंदोलन कुरीतियों को समाप्त करने के साथ धार्मिक जागरण और सांस्कृतिक चेतना के विस्तार में भी सहायक हुआ। आज मतांतरण और लव जिहाद हिंदू समाज के समक्ष प्रमुख चुनौती है। संगठन का तंत्र हिंदू समाज के सभी वर्गों और मातृशक्ति के बल पर इसका मुकाबला करेगा। ये बातें शनिवार को विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) विनायक राव देशपांडे ने यहां कहीं। वह माधव ज्ञान केंद्र इंटर कालेज नैनी में काशी प्रांत पदाधिकारियों को संबोधित कर रहे थे।

देशपांडे ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में जुटा है। संत समाज भी समय-समय पर मार्गदर्शन करता रहता है। सेवा कार्यों को हमें बढ़ाना होगा। गांव-गांव में संगठन को सशक्त करना होगा। आजादी के इतने दिनों बाद भी गुलामी के तमाम प्रतीक हैं, इसे खत्म करना होगा। ऐसी सड़कें और स्थान जो आक्रमणकारियों के नाम पर हैं, उनके नाम में परिवर्तन के लिए लामबंद होना पड़ेगा।

हरियाणा में पढ़ाई जाएगी ओलिंपिक पदक विजेताओं की कहानी

सुखद बदलाव ▸ खेलों में शानदार प्रदर्शन से उत्साहित सरकार बना रही नई स्कूल खेल नीति

चयन में भाई-भतीजावाद को खत्म करने पर जोर, धोखाधड़ी करने वालों पर होगी कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

हरियाणा के खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और रवि दहिया ने ओलंपिक में पदक जीते हैं। फाइल

ओलिंपिक खेलों में शानदार प्रदर्शन से उत्साहित हरियाणा सरकार ने अब स्कूल स्तर से ही अच्छे खिलाड़ी तैयार करने की योजना बनाई है। इसके लिए खेल सुविधाओं का बुनियादी ढांचा मजबूत किया जाएगा। नए सिरे से स्कूल खेल पालिसी तैयार की जा रही है। इसके अलावा ओलिंपिक विजेताओं की कहानी को भी पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये जिला शिक्षा अधिकारियों, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों और सहायक शिक्षा अधिकारियों (खेल) के साथ नए प्रारूप पर मंथन करते हुए विभिन्न सुझावों पर काम करने के निर्देश दिए हैं। स्कूलों में खेल सुविधाएं और प्रतिभाओं को तराशने के साथ ही खिलाड़ियों के चयन में भाई-भतीजावाद को खत्म करने पर जोर रहेगा। स्कूली खेलों में धोखाधड़ी को पूरी तरह नियंत्रित करने के लिए दोषियों पर सख्त कार्रवाई की सिफारिश की गई है।

किस क्षेत्र में बच्चे कौन सा खेल अधिक खेलते हैं, उसे चिन्हित कर उस क्षेत्र में उसी खेल को प्रोत्साहित किया जाएगा। कैच द चाइल्ड मुहिम के तहत खेलने वाले बच्चों पर नजर रखी जाएगी कि वे कहां, कब और खेलते हैं और कब व कैसे। इससे प्रतिभाओं को तलाशने में मदद मिलेगी। प्रत्येक मंडल और फिर प्रत्येक ब्लाक में विशिष्ट खेल सुविधाओं वाला एक आवासीय विद्यालय खोलने की योजना है।

स्कूलों में डीपीई और पीटीआइ की भूमिका तथा जिम्मेदारियों को नए सिरे से परिभाषित किया जाएगा ताकि वे और बेहतर तरीके से भावी खिलाड़ियों को तराशें। प्रत्येक स्कूल को हर साल खेल दिवस जरूर मनाना होगा। अगर कोई शिक्षक बच्चों को विशेष खेल खिलाने में रुचि रखता है तो उसे संबंधित खेल का प्रशिक्षण देकर उन स्कूलों में भेजा जाएगा जहां वह खेल सुविधाएं होंगी। उल्लेखनीय है कि आलिंपिक में सबसे ज्यादा पदक जीतने वाले खिलाड़ी हरियाणा से हैं।

300 छात्रों वाले स्कूलों में टीम बनाना अनिवार्य

300 से अधिक विद्यार्थियों वाले स्कूलों में एक या दो खेलों की टीम तैयार करना अनिवार्य रहेगा। शारीरिक शिक्षा अध्यापकों का एक समूह तैयार करने की योजना है जो दूसरे स्कूलों में भी खिलाड़ियों की मदद करेंगे। किसी विशेष खेल में दिलचस्पी रखने वाले अन्य शिक्षकों को भी इस पूल में शामिल किया जा सकता है। स्कूलों में संचालित खेल नर्सरियों की जवाबदेही तय की जाएगी ताकि खिलाड़ियों का प्रदर्शन सुधरे। बच्चों में खेलों के प्रति रुचि पैदा करने के लिए ब्लाक और जिला स्तर पर भी विजेताओं को खेल किट और अन्य प्रोत्साहन दिए जाएंगे। शारीरिक शिक्षा के लिए व्यावहारिक परीक्षा खेल मैदान में ही ली जाएगी। ज्ञात हो, सरकार के इस कदम से आने वाले दिनों में अच्छे नतीजे मिलेंगे।

भाजपा विधायक की गाड़ी पर बरसाई ईंट

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरनगर

- पुलिस की मौजूदगी में भाकियू समर्थकों पर हमले का आरोप
- भीड़ ने भाजपाइयों के कपड़े फाड़े, पुलिसकर्मियों को आई चोटें

सिसौली में किसानों के कार्यक्रम को संबोधित कर लौट रहे बुढ़ाना से भाजपा विधायक उमेश मलिक को भीड़ ने घेर लिया। विधायक वापस जाओ के नारे लगाए। पुलिस की मौजूदगी में भीड़ ने विधायक की गाड़ी पर कालिख (काला तेल) फेंकी। ईंटें बरसाईं। पथराव से गाड़ी के शीशे चकनाचूर हो गए। सुरक्षाकर्मियों ने किसी तरह विधायक को सुरक्षित कस्बे से बाहर निकाला। केंद्रीय राज्यमंत्री डा. संजीव बालियान व विधायक उमेश मलिक ने भौराकलां थाने पहुंचकर आरोपितों पर कार्रवाई की मांग करते हुए मुकदमा दर्ज कराया।

शनिवार को सिसौली कस्बे के मोहल्ले में जन कल्याण समिति का स्थापना दिवस कार्यक्रम था। इसमें बुढ़ाना के भाजपा विधायक उमेश मलिक, किसान नेता सरदार वीएम सिंह और ठाकुर पूरण सिंह को मुख्य अतिथि के तौर पर बुलाया गया था। उमेश अपना संबोधन कर गाड़ी में सवार होकर जाने लगे तो बाहर खड़ी भीड़ ने भाकियू के समर्थन और भाजपा व विधायक के खिलाफ नारे लगाए। जैसे ही विधायक की गाड़ी आगे बढ़ी कुछ लोगों ने बीच राह में ट्रैक्टर-ट्राली व बाइक खड़ी कर दी। कुछ युवकों ने काला तेल विधायक की गाड़ी पर फेंक दिया। पुलिसकर्मियों और भाजपाइयों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। घटना में पुलिसकर्मियों की वर्दी समेत भाजपाई के कपड़े भी गंदे हो गए। कस्बे से बाहर निकलती विधायक की गाड़ी पर दूर तक भीड़ ने पथराव किया। पथराव की चपेट में आने से ड्राइवर धर्मेंद्र, पुलिसकर्मी दीपक व भाजपा कार्यकर्ता नीटू मुखिया और सहदेव घायल हुए। सुरक्षाकर्मी किसी तरह विधायक को बचाकर भौराकलां थाने लाए। केंद्रीय राज्यमंत्री डा. संजीव बालियान और विधायक उमेश मलिक ने मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग की है। डीएम चंद्रभूषण सिंह और एसएसपी अभिषेक यादव ने भौराकलां थाने पहुंचकर मामले की छानबीन की।

> सिसौली में मेरे ऊपर भाकियू के लोगों ने हमला किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री डा. संजीव बालियान और मेरे खिलाफ नारेबाजी की। गाड़ी पर पथराव व कालिख फेंकी। भाकियू ने अराजकता दिखाई है। सिसौली के नौ आरोपितों पर मुकदमा दर्ज करा दिया है।
> - उमेश मलिक, बुढ़ाना विधायक

सिसौली में अपने वाहन पर पथराव के बाद थाने में मुकदमा दर्ज कराने पहुंचे उमेश मलिक (बाएं से दूसरे), साथ में केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान (बाएं से तीसरे)। जागरण

> हो सकता है किसी की नाराजगी हो। हो सकता है किसी ने विरोध स्वरूप पत्थर फेंक दिया हो। भाकियू तोड़फोड़ में विश्वास नहीं करती। इस प्रकार के मामले को तूल नहीं देना चाहिए। जिले का माहौल खराब नहीं करने दिया जाएगा।
> - चौ. राकेश टिकैत, भाकियू प्रवक्ता

> राजनीतिक मतभेद अपनी जगह है। जिम्मेदार लोग जिले में आग लगाने का प्रयास न करें। युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ न किया जाए। कानून अपना काम करेगा। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।
> - डा. संजीव बालियान, केंद्रीय राज्यमंत्री

विश्वस्तरीय बनेंगे देश के 49 और रेलवे स्टेशन

जागरण संवाददाता, लखनऊ

- आरएलडीए को रेलवे बोर्ड ने सूची सहित जारी किया आदेश
- बरेली, गोंडा समेत उप्र के नौ स्टेशन भी शामिल

एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं देने के लिए रेल मंत्रालय देश के 49 और स्टेशनों को विश्वस्तरीय बनाएगा। मंत्रालय ने दूसरे चरण के लिए यूपी के नौ स्टेशनों को भी शामिल किया है। रेल भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) को इन स्टेशनों को विकसित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आरएलडीए को रेलवे बोर्ड ने सूची सहित आदेश जारी कर दिया है।

आरएलडीए स्टेशन रीडेवलपमेंट योजना के तहत चारबाग और गोमतीनगर जैसे स्टेशनों को विश्वस्तरीय बना रहा है। आरएलडीए यहां एयरपोर्ट की तर्ज पर एस्केलेटर, शापिंग माल, एयर कॉनकोर्स, बजट होटल और अंडरग्राउंड पार्किंग जैसी सेवाएं देगा। इसके लिए पीपीपी माडल के तहत निजी एजेंसी का चयन भी किया जाएगा। लखनऊ के चारबाग स्टेशन के रीडेवलपमेंट के लिए अदाणी और जीएमआर जैसे ग्रुप ने रुचि दिखाई है। ये कंपनियां स्टेशन को करीब 536 करोड़ रुपये से विकसित करेंगी। इसके बदले यात्रियों से एयरपोर्ट की तर्ज पर यूजर चार्ज लिया जाएगा, जो उनकी यात्रा की क्लास के अनुसार तय होगा। अब रेल मंत्रालय ने लखनऊ के चारबाग और गोमतीनगर के अलावा दूसरे चरण में आरएलडीए को इसी तर्ज पर गोंडा, बरेली, मेरठ सिटी, मुरादाबाद, दीनदयाल उपाध्याय नगर, गोरखपुर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा फोर्ट को भी विकसित करने का आदेश दिया है। आरएलडीए के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक रेलवे बोर्ड का पत्र मिल गया है। अब तक आरएलडीए के पास देश के 60 स्टेशनों को रीडेवलपमेंट के तहत विकसित करने की जिम्मेदारी थी, लेकिन अब 49 स्टेशनों की जिम्मेदारी और मिल गई है, जिससे उनकी संख्या 109 हो गई है।

किस राज्य के कितने स्टेशन होंगे विकसित

उत्तर प्रदेश के नौ, गुजरात के पांच, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब व बिहार के चार-चार, झारखंड के तीन, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल व राजस्थान के दो, हिमाचल प्रदेश, असम, हरियाणा, गोवा, कर्नाटक व उत्तराखंड के एक-एक स्टेशन को विश्वस्तरीय बनाया जाएगा।

प्राथमिकता पर हैं यह प्रोजेक्ट

आरएलडीए की प्राथमिकता की सूची में लखनऊ के अलावा नई दिल्ली, तिरुपति, देहरादून, नेल्लोर, कटक और पुडुचेरी जैसे स्टेशन शामिल हैं।

तुलसी के 'हस्ताक्षर' से राजापुर का हर 'मानस' मंदिर

शिवा अवस्थी, चित्रकूट

दोपहर का वक्त है। राजापुर गांव की सीमा पर पहुंचते ही संगत के साथ गाई जा रहीं मानस की चौपाइयां मन को राम रंग में रंगने लगती हैं। बीच-बीच में भजनों की आवाज गूंजकर अंतस को भक्ति रस से सराबोर कर देती है। गोस्वामी जी की 489वीं जयंती की पूर्व संध्या पर उनका घर-आंगन उल्लास व हुलास से भर चुका है, उनके गांव की देहरी पर पहुंचते ही इसका पता चल जाता है।

गांव के अंदर का दृश्य तो मन मोह लेता है। तभी साज-सज्जा से लकदक हुए 35 एकड़ रकबे पर तुलसी स्मारक निर्माण के क्रम में किए गए प्रबंध का निरीक्षण करते हुए तुलसी मानस मंदिर के पुजारी रामआसरे दिखते हैं। तैयारियों के बारे में पूछते ही वह कोने-कोने की साज-सज्जा की जानकारी देने लगते हैं।

चित्रकूट के मानस मंदिर में 447 साल पुरानी अयोध्याकांड की पांडुलिपि दिखाते महंत रामाश्रय त्रिपाठी। जागरण

विश्व कवि संत शिरोमणि तुलसीदास जी की जयंती के भव्य आयोजन में कोई कोर कसर न रह जाए, वह इसकी पूरी कोशिश में जुटे हैं। अब शाम के पांच बज चुके हैं। बधाई गीत बजकर रामबोला के जन्म की घड़ी करीब आने का संकेत देने लगे हैं। पूरा परिसर श्रद्धालुओं के आगमन से खचाखच हो चुका है। तभी महर्षि वाल्मीकि तपोस्थली के पीठाधीश्वर महंत भरतदास मिलते हैं। पूछते ही बोल पड़ते हैं कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तुलसी जयंती को लेकर शुभकामनाएं देकर भव्य आयोजन के लिए कहा है।

यहां रखी हैं 447 साल पुरानी अयोध्याकांड की पांडुलिपि

हेमराज कश्यप, चित्रकूट : गोस्वामी तुलसीदास की जयंती पर देश के कोने-कोने से रामभक्त उनकी जन्मस्थली राजापुर पहुंचकर मानस मंदिर में उनकी हस्तलिखित रामचरित मानस के दर्शन कर धन्य हो रहे हैं। तुलसीदास के शिष्य ऊधी के वंशज और मंदिर के महंत रामाश्रय त्रिपाठी बताते हैं कि हस्तलिखित रामचरित मानस के दर्शन मात्र से लोगों के कष्ट कट जाते हैं। वह बताते हैं कि यहां मानस की 447 साल पुरानी अयोध्याकांड की पांडुलिपि रखी हैं। महंत के मुताबिक कहानी प्रचलित है कि एक पुजारी धन कमाने के लालच में पांडुलिपियां लेकर भाग रहा था। लोगों ने पीछा किया तो डर के उसने पांडुलिपियां गंगा में फेंक दी थीं। काला-कांकर के राजा हनुमंत सिंह ने पांडुलिपियां नदी से निकलवाई थीं। भीगने की वजह से सिर्फ अयोध्याकांड सुरक्षित बचा था। 1948 में पुरातत्व विभाग ने इसे विशेष केमिकल से संरक्षित किया। 1980 में कानपुर के राम भक्तों ने लेमिनेशन कराया। 2004 में भारत सरकार ने इस पर जापानी केमिकल लगवाया था। इस पांडुलिपि में हिंदी के करीब 15 अक्षर बिल्कुल अलग तरीके से लिखे हैं।

आज का भविष्यफल

के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति: 15 अगस्त, 2021 रविवार श्रावण मास शुक्ल पक्ष सप्तमी का राशिफल।
आज का राहुकाल: शाम 04:30 बजे से 06:00 बजे तक।
आज का दिशाशूल: पश्चिम।
विशेष: भारतीय स्वतंत्रता दिवस।
आज की भद्रा: प्रातः 09:52 बजे से रात्रि के 08:49 बजे तक।

मेष: सूर्य का परिवर्तन शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सहायक होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किसी कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

वृष: सूर्य का परिवर्तन पारिवारिक कार्यों में व्यस्तता देगा। रचनात्मक या निर्माण कार्य की दिशा में सफलता देगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मिथुन: सूर्य के परिवर्तन से पुरुषार्थ में वृद्धि होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे। किसी कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

कर्क: सूर्य का परिवर्तन आर्थिक लाभ देगा। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आपसी संबंध मधुर होंगे।

सिंह: सूर्य का परिवर्तन आत्मविश्वास में वृद्धि कराएगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। पारिवारिक एवं व्यावसायिक मामलों में व्यस्तता बढ़ेगी। नए संबंध बनेंगे।

कन्या: सूर्य का परिवर्तन नेत्र विकार के लिए कष्टदायी होगा। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे पारिवारिक प्रतिष्ठा प्रभावित हो। बुद्धि कौशल से किए गए कार्य में प्रगति होगी।

तुला: सूर्य का परिवर्तन शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता देता है। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। निजी सुख की अनुभूति होगी। रचनात्मक प्रयासों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक: सूर्य का परिवर्तन शासन सत्ता से सहयोग दिलाएगा। संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति होगी।

धनु: सूर्य का परिवर्तन सुखद समाचार देगा। व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी।

मकर: उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। धन, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी, लेकिन स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। जीवनसाथी का सहयोग एवं सान्निध्य मिलेगा।

कुंभ: पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी। स्थानांतरण, विभागीय परिवर्तन या नए अनुबंध की संभावना है। किसी कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मीन: आपकी राशि से सूर्य छठे आएगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। मौसम के रोग के प्रति सचेत रहें। बुद्धि कौशल से किए गए कार्य में प्रगति होगी।

कल 16 अगस्त का पंचांग

कल का दिशाशूल: पूर्व।
विशेष: सूर्य सिंह राशि में।
त्योहार: श्रावण सोमवार व्रत।
विक्रम संवत 2078 शके 1943 दक्षिणायन, उत्तरगोल, वर्षा ऋतु श्रावण मास शुक्ल पक्ष की अष्टमी 07 घंटे 46 मिनट तक, तत्पश्चात् नवमी अनुराधा नक्षत्र तत्पश्चात् ज्येष्ठा नक्षत्र ब्रह्म योग 05 घंटे 46 मिनट तक, तत्पश्चात् ऐन्द्र योग वृश्चिक में चंद्रमा।

वर्ग पहेली-1668

© Bird Features & Writing Agency

बाएं से दाएं

1 ईश्वर (3)। [illegible]

ऊपर से नीचे

[illegible]

जागरण सुडोकू-1668

9			4					1
	2		6	9	3		7	
						3		
	4		3				2	
2		8		4	9	1		6
	6		2				4	
				7		9		3
	1		9		4		8	
3		6		5				4

कल का हल

5	8	6	2	1	4	3	7	9
9	7	2	5	8	3	1	6	4
1	3	4	6	7	9	2	8	5
3	2	8	1	5	6	9	4	7
4	6	1	9	3	7	5	2	8
7	5	9	4	2	8	6	1	3
2	1	3	7	4	5	8	9	6
8	9	7	3	6	1	4	5	2
6	4	5	8	9	2	7	3	1

मौसम

© Copyright Skymet Company 2021. All rights reserved.

हिमाचल प्रदेश में अनेक स्थानों पर गरज के साथ हल्की से मध्यम वर्षा तथा लद्दाख व जम्मू-कश्मीर में कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा होगी। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली व राजस्थान में दिन का मौसम मुख्यतः शुष्क व गर्म बना रहेगा। उत्तरी पंजाब में एक-दो स्थानों पर गरज के हल्की वर्षा की संभावना है।

कल पढ़ें

साहस के शिखर

आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर देश के प्रति समर्पण को रेखांकित करता आलेख, ओलिंपिक विजेताओं की संदेश वाहकों पर कविता, समस्या एवं अन्य स्थाई स्तंभ...

देश में पोस्टल इंडेक्स नंबर यानी पिन कोड की हुई शुरुआत

1972 में आज ही पोस्टल इंडेक्स नंबर यानी पिन कोड की शुरुआत हुई। यह छह अंकों का विशिष्ट नंबर होता है। देश को नौ पिन कोड क्षेत्रों में बांटा गया है। इस व्यवस्था से गलत पते पर सामान पहुंचने या एक जैसे नाम वाले स्थानों के कारण होने वाली मुश्किलों से निजात मिली।

द्वितीय विश्व युद्ध की विभीषिका का हुआ अंत

1945 में आज ही जापान के आत्मसमर्पण के साथ द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति का एलान हुआ था। 1939 में शुरू हुए इस युद्ध में मित्र राष्ट्र जीते। इसमें लगभग पांच करोड़ लोग मारे गए थे, जो दुनिया की कुल आबादी के तीन फीसद के बराबर था।

आजादी की लड़ाई से आध्यात्म की राह चले महर्षि अरविंद

युवाओं को क्रांति के लिए प्रेरित करने वाले महर्षि अरविंद घोष का जन्म 1872 में आज ही कोलकाता (तब कलकत्ता) में हुआ था। 18 वर्ष की आयु में ही उन्होंने सिविल सर्विसेज की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली थी। बंग-भंग के समय आंदोलन में सक्रियता से भाग लिया था। 1908 में ब्रिटिश सरकार ने उन्हें अलीपुर जेल भेज दिया था। वहीं से उनका झुकाव ईश्वर की ओर हुआ और 1910 में स्वयं को आध्यात्मिक जीवन के लिए समर्पित कर दिया। 1926 में अरविंद आश्रम की स्थापना की। पांच दिसंबर, 1950 को उनका निधन हो गया।

सात दशक की सतरंगी उपलब्धियां

सोने की चिड़िया कहलाने वाले भारत का अंग्रेजों ने दो सौ वर्षों तक दोहन किया। जब गए तो आर्थिक, सामाजिक दुश्वारियों का जहां छोड़ गए। हमने उस जहां को अपनाया, सींचा और संवारा। आज हम फिर अपने दम पर दुनिया की शीर्ष शक्तियों में शुमार हैं।

1950 लागू हुआ अपना संविधान

देश में गणराज्य और लोकतंत्र लागू करने के लिए संविधान का निर्माण किया गया। यह देश को समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य बनाता है। नागरिकों को संविधान ने सरकार खुद चुनने की आजादी दी।

1952 पहले लोकसभा चुनाव

संविधान के लागू होते ही देश गणराज्य में तब्दील हो गया। लोगों के सामने अपनी सरकार चुनने का अवसर था। 1952 में पहले लोकसभा चुनाव हुए। देश के तकरीबन 17 करोड़ लोगों ने इसमें मतदान किया। जवाहर लाल नेहरू देश के प्रथम प्रधानमंत्री चुने गए। अब तक 17 लोकसभा चुनाव हुए हैं।

1954 भाभा परमाणु रिसर्च सेंटर

अमेरिका और रूस जैसे देश परमाणु ऊर्जा का प्रयोग कर रहे थे। ऐसे में भारत ने आजादी का एक दशक पूरा होने से पहले ही इस क्षेत्र में दस्तक दे दी। मुंबई के ट्रांबे में परमाणु ऊर्जा संस्थान की स्थापना की गई। 1967 में इसे भाभा परमाणु रिसर्च सेंटर नाम दिया गया। यहां आठ संयंत्र परमाणु ऊर्जा उत्पादन से लेकर उसका शांतिपूर्ण प्रयोग सुनिश्चित करते हैं।

1974 पहला परमाणु परीक्षण

देश का पहला सफल परमाणु परीक्षण 18 मई, 1974 को राजस्थान के पोखरण में हुआ। इसे स्माइलिंग बुद्धा नाम दिया गया। इसने भारत को शक्ति संपन्न देश के रूप में स्थापित किया।

1975 आर्यभट्ट का प्रक्षेपण के साथ अंतरिक्ष के क्षेत्र में बढ़े कदम

अपने अंतरिक्ष अनुसंधान को गति देते हुए इसरो ने पहला व पूरी तरह स्वदेशी भारतीय उपग्रह आर्यभट्ट अंतरिक्ष में छोड़ा। इसकी लांचिंग रूस के वोल्गोग्राड लांच स्टेशन से की गई। प्रसिद्ध भारतीय खगोलविद आर्यभट्ट के नाम पर इसका नाम रखा गया था। इसकी लागत तकरीबन तीन करोड़ रुपये थी। इससे भारत दुनिया के उन देशों के समकक्ष खड़ा हो गया, जिनके पास अपना उपग्रह था।

1984 अंतरिक्ष में कदम

देश के लिए यह एक गर्व का क्षण था जब पहली बार एक भारतीय अंतरिक्ष में गया। रूस के दो अंतरिक्षयात्रियों के साथ भारत के राकेश शर्मा ने अंतरिक्ष में कदम रखा। जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उनसे पूछा कि अंतरिक्ष से भारत कैसा दिखता है, तो उन्होंने जवाब दिया, सारे जहां से अच्छा। उनकी इस उपलब्धि के लिए भारत सरकार ने उन्हें अशोक चक्र से सम्मानित किया।

2001 तेजस की पहली उड़ान

हिंदुस्तान एयरोनाटिकल लिमिटेड द्वारा विकसित लाइट कांबैट एयरक्राफ्ट ने अपनी पहली और ऐतिहासिक उड़ान भरी। प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 2003 में इसे तेजस नाम दिया।

2008 चंद्रयान

इस वर्ष इसरो ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की। अक्टूबर में इसरो ने चंद्रमा पर मानवरहित यान भेजा। यह चंद्रयान अपने पहले ही प्रक्षेपण में चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश कर गया।

2014 मंगलयान

2014 में मंगल की कक्षा में यान पहुंचने के साथ ही भारत ऐसा करने वाला चौथा देश बन गया। अभियान की लागत 450 करोड़ रुपये रही, जो अमेरिका, रूस और यूरोप से कई गुना कम है। भारत ने पहले ही प्रयास में इसमें सफलता प्राप्त कर ली थी।

2016 महिला फाइटर पायलट

इस वर्ष तीन पायलट महिला सशक्तीकरण की मिसाल बनीं। भावना कंठ, अवनी चतुर्वेदी और मोहाना सिंह लड़ाकू विमान चलाने वाली महिला विमान चालकों के रूप में वायु सेना में शामिल हुईं।

2017 104 उपग्रहों का प्रक्षेपण

इस वर्ष फरवरी में इसरो ने फिर इतिहास रचा। इसरो ने एक साथ 104 उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजने का रिकार्ड बनाया। इन उपग्रहों में से 101 विदेशी थे। इससे पहले इसरो एक बार में 23 उपग्रह भी छोड़ चुका था। रूस की अंतरिक्ष एजेंसी के नाम एक बार में 37 उपग्रह भेजने का रिकार्ड था, जिसे इसरो ने अपने नाम कर लिया।

इधर-उधर की

ट्रेडमिल पर 100 मील दौड़कर बनाया रिकार्ड

1994 में सड़क हादसे में महिला ने गवां दिया था बायां पैर। इंटरनेट मीडिया

वाशिंगटन, एजेंसी : अमेरिका में न्यूयार्क की एमी पामिरियो विंटर्स ने कृत्रिम पैर की मदद से विशेष वर्ग में गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड में नाम दर्ज कराया है। एमी ने 21 घंटे 43 मिनट 29 सेकेंड में ट्रेडमिल पर 100 मील दौड़कर यह रिकार्ड बनाया। वह बचपन से अच्छी धावक थीं। 1994 में बोस्टन मैराथन में भी क्वालीफाई कर लिया था लेकिन एक सड़क हादसे ने जिंदगी बदल दी। कार से टक्कर के बाद उनका बायां पैर काटना पड़ा। रिकार्ड बनाने पर एमी ने कहा, यह आसान नहीं था, लेकिन मुझे यह करना था, जिससे दूसरे लोग कोशिश करना न छोड़ें। इसलिए मैंने सुरक्षा के साथ पहले की तरह पूरी ताकत से दौड़ लगाई।

डायबिटीज में अंधत्व का जल्द लगेगा पता

शोध ▶ नए बायोमार्कर से आंखों में होने वाले बदलाव की शुरुआत में ही होगी पहचान

इसके जरिये डायबिटीज के इलाज में भी मिलेगी मदद

वाशिंगटन, एएनआइ : डायबिटीज के कारण कई लोग अंधेपन का भी शिकार हो जाते हैं। इसके निदान के लिए कई स्तरों पर प्रयास जारी हैं। इसी क्रम में इंडियाना यूनिवर्सिटी के स्कूल आफ आप्टामिट्री में भी एक नया शोध हुआ है। इसके अनुसार, आंखों में ऐसे नए बायोमार्कर पाए गए हैं, जो डायबिटिक रेटिनोपैथी के साथ ही डायबिटीज के इलाज में भी काफी मददगार हो सकते हैं। यह शोध अध्ययन 'पीएलओएस वन' जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

मालूम हो कि डायबिटीज के कारण आंखें भी प्रभावित होती हैं, लेकिन इसका पता शुरुआती चरण में नहीं लग पाता है। लेकिन आंखों में बदलाव तो होने ही लगते हैं। नए शोध में पाया गया है कि इस बदलाव का विशिष्ट आप्टिकल तकनीक और कंप्यूटर विश्लेषण के जरिये शुरुआत में ही पता लगाया जा सकता है। इस तरह दृष्टि को नुकसान पहुंचाने वाले बायोमार्कर की पहचान होने से आशंकित खतरे का

अंधत्व से बचाव का मिलेगा मौका। फाइल फोटो

अंदाजा लगाया जा सकता है और संबंधित व्यक्ति को अंधत्व से बचाना या उसका इलाज डाक्टरों के आसान हो सकता है।

इंडियाना यूनिवर्सिटी (आइयू) स्कूल आफ आप्टामिट्री की प्रोफेसर और इस शोध की सह लेखिका ऐन ई. एल्स्नेर के मुताबिक, डायबिटीज के कारण रेटिना को होने वाले नुकसान का शुरुआती चरण में पता लगाना अब संभव है। वह भी रोगी को बिना कोई कष्ट पहुंचाए। इससे जहां आशंकित नुकसान से बचाना संभव होगा, वहीं यह स्थिति पैदा करने वाले अनियंत्रित डायबिटीज को भी मैनेज करने करने में मदद मिलेगी। डायबिटिक रेटिनोपैथी एक बीमारी है, जो ब्लड शुगर से पीड़ित व्यक्ति की रेटिना (आंख का पर्दा) को प्रभावित करती है। यह रेटिना को रक्त पहुंचाने वाली बेहद पतली नसों के क्षतिग्रस्त होने से होता है। समय पर इलाज न कराने से पूर्ण अंधापन भी हो सकता है। डायबिटीज के करीब 40 फीसद मरीज इस बीमारी से पीड़ित हैं।

इस संबंध में किए गए नए अध्ययन का फोकस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल से रेटिना के इमेज से डायबिटिक रेटिनोपैथी का जल्द पता लगाने पर रहा। हालांकि कुछ अल्गोरिद्म्स (एक जैसे लक्षण या आंकड़ों की शृंखला) लक्षणों के आधार पर डायबिटीज से संबंधित रेटिना की बीमारी का पता लगाते हैं, लेकिन काफी समय बाद, जबकि नए अध्ययन के आधार पर आंखों में होने वाले बदलाव का शुरुआती चरण में ही पता लगाना संभव हुआ है। आइयू द्वारा विकसित तरीके से रोग की जल्द पहचान रेटिनल इमेज प्रोसेसिंग अल्गोरिद्म्स के विश्लेषण से संभव है। एल्स्नेर ने बताया कि कई अल्गोरिद्म्स किसी भी इमेज की सूचना का इस्तेमाल कर डायबिटिक रोगियों की पहचान कर सकते हैं, लेकिन वे विशिष्ट नहीं होते हैं। जबकि उनके द्वारा विकसित तरीके को अन्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ संयोजित कर रेटिना की परतों या ऊतकों के प्रकार के बारे में स्थानिक व विशिष्ट सूचनाएं हासिल की जा सकती हैं। ये कुछ ऐसी सूचनाएं होती हैं, जो अन्य अल्गोरिद्म्स से विश्लेषित करने से नहीं मिल पाती हैं।

एल्स्नेर ने रेटिना के इमेज का यह विश्लेषण आइयू स्कूल आफ आप्टामिट्री के बोरिस सेंटर फार आप्थैल्मिक रिसर्च में स्थित अपनी प्रयोगशाला में शोध की सह लेखिका जोएल ए. पपी के साथ मिलकर किया। इसके लिए शोधकर्ताओं ने डायबिटीज के रोगियों से उनके डाटा एकत्र किए, जिसमें रोग इलाज के बारे में भी सूचनाएं शामिल थीं। वे बताती हैं कि उपकरणों से सुसज्जित क्लीनिकों में रेटिना इमेज के डाटा का कंप्यूटरीकृत विश्लेषण तो किया जाता है, लेकिन उनके अध्ययन में जिन डाटा का इस्तेमाल किया गया है, उन्हें रोग की पहचान या नैदानिक प्रबंधन के लिहाज से अक्सर छोड़ दिया जाता है।

अंग प्रत्यारोपण वालों को वैक्सीन बूस्टर से हो सकता है फायदा

अनुसंधान

रक्षा कवच है वैक्सीन। फाइल फोटो

कोरोना वायरस (कोविड-19) से बचाव को लेकर अंग प्रत्यारोपण वाले मरीजों पर वैक्सीन के असर को आंकने के लिए एक नया अध्ययन किया गया है। इसका दावा है कि ऐसे मरीजों को वैक्सीन की बूस्टर डोज से फायदा हो सकता है। बूस्टर डोज के तौर पर कोरोना वैक्सीन की तीसरी डोज लाभकारी हो सकती है। यह अध्ययन कनाडा के शोधकर्ताओं ने किया है।

शोधकर्ताओं के अनुसार, यह अध्ययन अंग प्रत्यारोपण वाले उन 120 मरीजों पर किया गया, जिनको वैक्सीन की दोनों डोज लग चुकी थी। इनमें से कोई भी पूर्व में कोरोना पीड़ित नहीं पाया गया था। इन प्रतिभागियों को दो समूहों में बांटकर अध्ययन किया गया। एक समूह को वैक्सीन की तीसरी डोज लगाई गई। इसके बाद एंटीबाडी के आधार पर उनका परीक्षण किया गया। शोधकर्ताओं ने उन प्रतिभागियों में रिस्पांस रेट 55 फीसद पाया, जिन्हें वैक्सीन की तीसरी डोज लगाई गई थी। जबकि वैक्सीन की तीसरी डोज नहीं लगवाने वाले प्रतिभागियों में यह प्रतिक्रिया दर महज 18 फीसद पाई गई।

अध्ययन के नतीजों को न्यू इंग्लैंड जर्नल आफ मेडिसिन में प्रकाशित किया गया है। शोधकर्ताओं ने बताया कि अंग प्रत्यारोपण वाले मरीजों में वैक्सीन की तीसरी डोज से काफी हद तक उच्च स्तर पर प्रतिरक्षा पाई गई। यह निष्कर्ष दोनों समूहों के प्रतिभागियों के डाटा के विश्लेषण के आधार पर सामने आई है। वैसे अंग प्रत्यारोपण वाले लोगों को इम्युनिटी को नियंत्रित रखने वाली दवाएं दी जाती है ताकि प्रत्यारोपित अंग को रिजेक्ट नहीं किया जा सके।

-एएनआइ

स्क्रीन शॉट

भाषा व संस्कृति के प्रसार में अहम हैं फिल्में : सुनील

किसी स्वाधीन राष्ट्र की प्रगति में उसकी संस्कृति, कला और भाषा का भी अहम योगदान होता है। पिछले 74 वर्षों में सिनेमा ने न सिर्फ देश के लोगों का मनोरंजन किया, बल्कि भाषा के एक सूत्र में जोड़कर हमारी कला और संस्कृति का प्रसार दुनिया भर में किया। इस बारे में दैनिक जागरण से बातचीत में जानवर, एक रिश्ता और बरसात जैसी फिल्मों के निर्माता और निर्देशक सुनील दर्शन कहते हैं, 'हमारे यहां हर डेढ़-दो सौ किलोमीटर पर लोगों की भाषा, संस्कृति और जीने के तौर-तरीके बदलते जाते हैं। ऐसे में हिंदी सिनेमा ही एक ऐसी चीज है, जिसने पूरे देश को हिंदी भाषा के सूत्र से जोड़कर रखा है। देश के विभिन्न भागों में ऐसे कई लोग मिल जाएंगे, जो हिंदी भाषा सिर्फ हिंदी सिनेमा की वजह से ही जानते हैं। करीब 130 करोड़ भारतीयों से एक भाषा में संवाद कर पाना बहुत मुश्किल होता है, लेकिन बीते 74 वर्षों में पूरे देश को एक डोर में बांधने का काम हिंदी सिनेमा ने पूरी जिम्मेदारी और ईमानदारी के साथ किया है। सिनेमा ही एकमात्र माध्यम रहा है, जिसने लगातार अमेरिका, लंदन और खाड़ी देशों समेत पूरे विश्व में हमारी भाषा और संस्कृति को पहुंचाया है। वर्तमान में हमारे टीवी, डिजिटल प्लेटफार्म और सिनेमा में अमेरिकी स्टूडियो तेजी से पैर पसार रहे हैं। अगर उन्हें भी हमारी संस्कृति संबंधी कंटेंट निर्माण के लिए प्रेरित किया जाए तो सिनेमा हमारी सांस्कृतिक धरोहर को भी बनाए रखने में अहम योगदान दे सकता है।'

जानवर, एक रिश्ता और बरसात जैसी फिल्मों के निर्माता और निर्देशक हैं सुनील। फेसबुक

नई पीढ़ी को इतिहास बताना जरूरी : अजय

द लेजेंड आफ भगत सिंह, एलओसीः कारगिल जैसी कई देशभक्ति आधारित फिल्मों में अभिनय कर चुके अभिनेता अजय देवगन के लिए देशभक्ति दिखाने का एक तरीका इन फिल्मों का हिस्सा भी बनना है, जो देश की संस्कृति, गौरव और इतिहास को दर्शकों के सामने पेश करे। दैनिक जागरण से बातचीत में अजय कहते हैं कि मैं जब भी यूनिफार्म पहनता हूं, फिर चाहे वह सेना की हो या पुलिस की उसमें एक गौरव होता है। ऐसी कहानियां, जिनमें देश के लिए बलिदान की बात हो, वह किताबों में कम ही पढ़ाई जाती है। हमने तान्हाजी फिल्म भी बनाई थी, तब हमारे वक्त में उनके बारे में स्कूल में सिर्फ आधा पन्ना था। नई पीढ़ी को देश के इतिहास से रूबरू नहीं कराया गया, तो वह उस पर ध्यान नहीं देंगे। पहले अंग्रेज आए, उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि अगर लोगों को उसके बारे में पता चलता, तो वह जवाब मांगेंगे। इतिहास को हमेशा दबाया जाता रहा है। आज की किताबों में अपने इतिहास से ज्यादा तो विदेश के इतिहास की बात होती है। आज की पीढ़ी इतिहास और देश की आजादी के लड़ने वाले नायकों से बहुत ज्यादा परिचित नहीं है। हमारी पीढ़ी को पता ही नहीं है कि कितनी मेहनत और त्याग के बाद देश को आजादी मिली है और देश फिर से अपने पैरों पर खड़ा हुआ है। जब आज की पीढ़ी को वह पता चलेगा कि कितने बलिदान के बाद स्वतंत्रता मिली है, तो वह इसे बरकरार रखेंगे, जिससे बहुत बदलाव आएगा।

‹‹ कई देशभक्ति आधारित फिल्में कर चुके हैं अजय देवगन ● इंस्टाग्राम

देशभक्ति से जोड़कर रखते हैं फिल्मी कहानियां और गाने : आहना कुमरा

लाकडाउन पर आधारित होगी आहना की अगली फिल्म इंडिया लाकडाउन। इंस्टाग्राम

लिपस्टिक अंडर माई बुर्का और खुदा हाफिज फिल्मों की अभिनेत्री आहना कुमरा देश में स्वाधीनता और उसके इतिहास को समझने में सिनेमा की बड़ी अहमियत मानती हैं। दैनिक जागरण से बातचीत में उन्होंने कहा, 'हमारे यहां देशभक्ति से जुड़ी कई फिल्में और गाने बनते हैं। वे हमें देशभक्ति की प्रेरणा और जोश देते हैं। हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में हम कभी-कभी देश और देशभक्ति जैसे विषयों से बहुत दूर चले जाते हैं। ऐसे में कई बार फिल्मों के माध्यम से हमें कुछ ऐसी कहानियां देखने को मिलती हैं, जो हमें देश और देशभक्ति की भावनाओं से जोड़कर रखती हैं। हमें अहसास कराती हैं कि हमारे देश के लिए स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का क्या बलिदान रहा। अगर फिल्में नहीं होती तो मुझे खुद देश के बारे में कई चीजें नहीं पता होतीं, क्योंकि हर किसी के लिए हर चीज पढ़ना और जानना मुश्किल होता है। अगर मैंने फिल्म द लीजेंड आफ भगत सिंह नहीं देखी होती, तो मुझे शायद ही उनके बारे में इतना ज्यादा पता होता। हालांकि, मैं यह नहीं कहती हूं कि सिनेमा में दिखाई जाने वाली कहानियां हमेशा शत-प्रतिशत सच्ची होती हैं।' आहना आगामी दिनों में मधुर भंडारकर निर्देशित फिल्म इंडिया लाकडाउन में नजर आएंगी।

स्वतंत्रता के लिए दिए गए बलिदानों की अहमियत समझना जरूरी : केलकर

बेटी को देश के नायकों के बारे में जानकारी आवश्यक मानते हैं शरद। इंस्टाग्राम

अभिनेता शरद केलकर का मानना है कि स्वतंत्रता की अहमियत को समझने के लिए हमारे वीरों द्वारा दिए गए बलिदानों के बारे में जानना जरूरी है। वह कहते हैं, 'मैं नहीं चाहता कि मेरी बेटी को अपने देश के लिए बलिदान देने वाले रियल हीरोज के बारे में कुछ भी पता न हो। अभी लगता है कि लोगों के लिए देश की स्वतंत्रता की अहमियत नहीं है, लोग इसे आसानी से ले रहे हैं। ऐसे में राष्ट्रभक्ति और राष्ट्र समर्पण पर आधारित कहानियां हम सभी को एक साथ लाने की क्षमता रखती हैं। हाल ही में नीरज चोपड़ा ने ओलिंपिक 2020 में जब गोल्ड मेडल जीता तो पूरे देश ने उनकी प्रशंसा की। देश के लिए एक साथ खड़े होने का ऐसा अहसास हमारे अंदर हमेशा होना चाहिए। मेरी बेटी अभी सात वर्ष की है, मैं चाहता हूं कि जब वह 17-18 की उम्र तक पहुंचे तो उसे स्वतंत्रता की अहमियत पता हो। तान्हाजी : द अनसंग वारियर बताती हैं कि सोलहवीं सदी में क्या हुआ था, भुज : द प्राइड आफ इंडिया बताती है कि 1971 में क्या हुआ था। ऐसी फिल्में हमें सिखाती हैं कि आज हम जो जीवन जी रहे हैं, वह उन नायकों के बलिदानों की वजह से है।' शरद आगामी दिनों में फिल्म देजा वू में नजर आएंगे।

आसपास स्वच्छता रखना भी देशप्रेम है : महेश शेट्टी

हालिया रिलीज फिल्म भुज : द प्राइड आफ इंडिया में नजर आए हैं महेश। इंस्टाग्राम

हर किसी के लिए देशभक्ति के मायने अलग होते हैं। देश से प्रेम सिर्फ उसके बारे में बात करके ही नहीं हो सकता है। शुक्रवार को रिलीज फिल्म भुज : द प्राइड आफ इंडिया में अभिनेता महेश शेट्टी वायुसेना अधिकारी की भूमिका में नजर आए हैं। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर दैनिक जागरण से बातचीत में महेश कहते हैं कि मैं स्कूल में एनसीसी में था। हमेशा से चाहता था कि मुझे भी मौका मिले, लेकिन वह मौका नहीं मिला। वास्तविक जीवन में न सही, लेकिन फिल्मों में मुझे यूनिफार्म पहनने का मौका मिल ही गया। जब भी सेना का कोई किरदार आप यूनिफार्म पहनकर निभाते हैं, तो ऐसा लगता है कि अपनी छाती पर धरती मां को लगाकर कर चल रहे है। जवानों के किरदार निभाकर न सिर्फ उनके बलिदान को महसूस कर पाता हूं, बल्कि दर्शकों को भी उनसे मिलवा पाता हूं। सैनिक का किरदार निभाने पर महसूस होता है कि अपने देश की सेवा कर रहा हूं। वैसे देश सेवा सिर्फ इन किरदारों को निभाने में ही नहीं है। देश की सेवा करनी है, तो वह हर काम करें, जिससे देश को फायदा पहुंचे। देशभक्ति तो स्वच्छता में भी है। अगर आप सिर्फ अपने घर को साफ रखें और बाहर कचरा करें, तो यह देशप्रेम नहीं है। घर के साथ बाहर भी स्वच्छता रखें।

देश के विकास में सिनेमा का योगदान : पंकज

आजादी मिलने के बाद पिछले 74 वर्षों में हमारा देश दिन-प्रतिदिन विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति की राह पर आगे बढ़ा है। इन वर्षों में सिनेमा ने भी न सिर्फ विभिन्न मुद्दों के प्रति नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने के काम किया है बल्कि कई रूढ़िवादी लेकिन जरूरी माने जाने वाले विषयों पर भी बात करके उन पर चर्चा का माहौल तैयार किया है। यह स्वस्थ समाज की संरचना में मददगार होता है। इस बारे में अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने दैनिक जागरण से बातचीत में कहा, 'देश के विकास में सिनेमा का योगदान अलग-अलग तरीके से कई मायनों में रहा है। आम तौर पर अपने देश में कई रूढ़िवादी मान्यताओं पर बात करना पसंद नहीं करते हैं। फिल्में उन पर कहानियों के माध्यम से कहीं न कहीं लोगों को बातें करने के लिए प्रेरित करती हैं। इसके अलावा हमारी फिल्मों को बर्लिन, वेनिस और कान जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल्स में ख्याति मिल रही हैं। यह चीजें हमारे देश को दुनिया के कलात्मक मानचित्र पर लगातार ऊंचा ही कर रही हैं।' स्वतंत्रता दिवस से जुड़ी स्मृतियों के बारे में पंकज कहते हैं, 'मेरे गांव के पंचायत भवन में हर साल झंडारोहण होता था और उसके बाद सभी को जलेबी बांटी जाती थी। हमें हर साल उस पल का बेसब्री से इंतजार रहता था। पिछले कुछ वर्षों से मेरे बाबूजी ही झंडारोहण करते हैं।' पंकज आगामी दिनों में बच्चन पांडे और 83 जैसी फिल्मों में नजर आएंगे।

पंकज ने साझा की पुरानी स्मृतियां ● टीम पंकज

देश के संघर्षों, उपलब्धियों को दिखाना चाहिए : विष्णु

साल 1947 में स्वाधीनता प्राप्त करने के बाद देश ने जहां वैश्विक स्तर पर कई उपलब्धियां अर्जित की हैं, वहीं कई बार हमें अपनी अखंडता और संप्रभुता बचाने के लिए संघर्ष भी करना पड़ा है। हालांकि, हमारे देश के नायकों ने हर मौके पर अपना सब कुछ न्योछावर करते हुए देश की संप्रभुता को बनाए रखा। हमारे देश के संघर्ष और उपलब्धियों की कहानियों को कई फिल्मों में भी दिलचस्प अंदाज में दिखाया गया है। इस बारे में दैनिक जागरण से बातचीत में फिल्म शेरशाह के निर्देशक विष्णु कहते हैं, 'आजादी के इन 74 वर्षों में देश की उपलब्धियों और संघर्षों पर कई फिल्में बनी हैं। पिछले कुछ वर्षों में ऐसी फिल्मों की संख्या बढ़ी हैं। हमने शेरशाह को कारगिल युद्ध में नायक के तौर पर उभरे कैप्टन विक्रम बत्रा की जिंदगानी पर बनाई है। अभी भी हमारे इतिहास में ऐसे घटनाक्रमों से जुड़ी कई कहानियां बाकी हैं, जिन्हें लोगों के सामने लाया जाना चाहिए। हमारा देश किन परिस्थितियों से गुजरा है और उसने क्या उपलब्धियां हासिल की है, इन चीजों को बताया जाना जरूरी है। मुझे लगता है कि भविष्य में कई फिल्मकार देश से संबंधित अलग-अलग पहलुओं पर अलग-अलग कहानियां बनाएंगे। ऐसी कहानियां मौजूदा पीढ़ी को अपने इतिहास और महत्वपूर्ण घटनाओं के बारे में जानने के लिए प्रेरित करेंगी।' साल 1999 में पाकिस्तान के साथ हुए कारगिल युद्ध में शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा की बायोपिक फिल्म शेरशाह में सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

शेरशाह के निर्देशक हैं विष्णु वर्धन ● टीम विष्णु

मूल अधिकारों का इस्तेमाल ही है सही स्वाधीनता : समीर

स्वतंत्रता दिवस को लेकर समीर सोनी को आती है दिल्ली की याद ● टीम समीर

हिंदी सिनेमा और टेलीविजन की दुनिया में बीते करीब ढाई दशक से सक्रिय अभिनेता समीर सोनी के मुताबिक, स्वाधीनता का सही मतलब बिना किसी बाधा के संविधान में नागरिकों को दिए मूल अधिकारों का पूर्ण इस्तेमाल होता है। 74वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर मुंबई सागा और फैशन फिल्मों के अभिनेता समीर ने दैनिक जागरण से बातचीत में कहा, 'स्वतंत्र देश का नागरिक होने के यही मायने हैं कि हमारे संविधान में आपको जो मूल अधिकार प्राप्त हैं, आप उन अधिकारों का इस्तेमाल बिना किसी समस्या या बाधा के कर सकते हैं। कोई आपको यह नहीं बता सकता कि क्या करें और क्या न करें। हालांकि इन अधिकारों के साथ आपको अपने देश के और लोगों की भावनाएं समझने की एक जिम्मेदारी भी लेनी होती है। मैं दिल्ली में पला-बढ़ा हूं। वहां 15 अगस्त के दिन हम अपने छतों पर चढ़कर पतंग उड़ाया करते थे। उस दौर में तो दिल्ली में बच्चे ही नहीं, बड़े भी छुट्टी पाकर खूब पतंग उड़ाया करते थे। अब तो वह चीजें कहीं दिखती ही नहीं हैं।' समीर आगामी दिनों में वेब सीरीज कार्टेल और फिल्म निकम्मा में नजर आएंगे।